

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतहसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

सुंहता नैशासी शी ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एवं सलग्न गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमान्द २०२४ }
प्रथमावृत्ति ७५० }

भारतराष्ट्रीय शकाब्द
१८८६

{ ख्रिस्ताब्द १९६७
{ मूल्य ८ ७५ पं०

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Samskrit, Prakrit, Apabhramsa,
Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor
Dr. FATAH SINGH
M.A., D Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by
ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan

By
The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana
[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]
JODHPUR (Rajasthan)

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामघन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरी ख्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-बाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक ख्याति-इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रंथ की प्रेस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, संपूर्ण ग्रंथ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रंथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिन्द और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोड़ा है। ग्रंथ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रंथ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारको एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "सुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रंथ के अन्त में जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चात्ताप करना व्यर्थ है।

विषयानुक्रमणिका

१.	सञ्चालकीय वक्तव्य	१-२
२.	चारों भागों को सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
३.	भूमिका भाग	१-४२
	(१) भूमिका	१-२४
	(२) महाराजा जसवर्तसिंह के दीवान और रुयात-लेखक मुंहता नैणसी	२५-३६
	(३) महाराजा जसवर्तसिंह-प्रथम	४०-४२
४.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०
	१ वैयक्तिक—	
	(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
	(२) स्त्री ,,	१०९-११७
	(३) अश्वत्थि पशु नाम	११८
	२. भौगोलिक—	
	(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
	(२) पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१
	३. सांस्कृतिक—	
	(१) ग्रंथ, सस्या, कर, मायादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
	(२) देवी-देवता तीर्थादि ,,	१८१-१८८
	४. सम्पत्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक)	१८९-१९०
५	परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां	१९१-१९३
६.	परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की सार्ध-नामावली	१९४-२०८
७.	परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
८.	परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्यायवृद्ध प्रत्ययादि	२१०
९	परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र	२११-२३१

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की

संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

१. वार्ता (गंहलोत कहीजं तिणरी)	१
२. घात (बापा गुहादित री)	३
३. घात रांगा राहप री	६
४. वार्ता दूसरी (नै कविता- राघळ बापा रा)	७
५. सीसोदिया रा भेद	८
६. घात रांगा चीतोड़ रा घणियां री	९
७. पीढियां री विगत (इतरी पीढी ताईं अं सर्मा कहांणा)	९
८. इतरी पीढी दीत-ब्राह्मण कहांणा	१०
९. घात (हारीत रिख नै राघळ बाप री)	११
१०. इतरी पीढी राघळ कहांणा	१२
११. साहप नै राहप री घात	१३
१२. रांगा हमीर'सू' पाटवियां रा बेटा री विगत	१५
१३. गीत रांगा सांगा री	१८
१४. रांगा उदैसिघ री घात	२०
१५. घात राणा उदैसिघ उदैपुर घसायां री	३२
१६. घाटी राह री हकीकत	३५
१७. गिरघा री हकीकत	३६
१८. च्यार छपन री हकीकत	३६
१९. घात (कलुवाहा मानसिघ नै रांगा प्रताप वेढ हई तिणरी)	३९
२०. मेवाड़ रा भोखरा री विगत	४०

२१. नवी तीन री विगत-चाबळ, बांभणी, पगघोई	४५
२२. दीवांण रै नास-भाज विखा नू घडी ठोड़ इतरी, इतरा गावा मांहे	४६
२३. बनास नदी नीसरी तैरी हकीकत	४७
२४. घात चारण आसिये गिरघर कही, समत १९१७ रा भादवा सुदि-९ नै	४९
२५. वात एक रांगा कूंभा चित- भरमिये री	५१
२६. राणा राजसिघ नू पातसाही तरफ री इतरी जागीरी छै तिणरी विगत	५२
२७. घात १ सीसोदिया राघवदे लाखावत री, राघवदे नू रांणं कुभं नै राघ रिणमल्ल मारियो तिणरी	५३
२८. वात १ वीठू भांभण कही मांडघ पातसाह रो मेवाड़ जेजियो लागै तैरी	५५
२९. घात (राणा अमरा रै विखा री)	५६
३०. गीत (राणा अमरा री)	५८
३१. घात (सोदा-वारहठ याहू री)	५९
३२. घात पठाण हाजीखान नै रांगा उदैसिघ हरमाई वेढ हुई तिणरी	६०
३३. घात (राणा अमरा रै विखा री फेर)	६२

३४	सकतावत (पीथो) नै रावत मेघै रै मांमलो हृथो तिणरी घात	६४
३५.	सीसोदिया चूडावतां री साख	६६
३६	घात सीसोदिया डूगरपुर घांसवाहळा रा घणियां री	७०
३७.	घात घासवाहळा रा मांनसिघ री	७३
३८.	घात डूगरपुर घांसवाहळा रा घणियां री (पीडियां री विगत)	७७
३९	घात सीसोदियां री (रावळ समरसी लोहडै भाई नू चीतोड वी तिणरी)	७९
४०	घात घांसवाहळा री	८७
४१.	घासवाहळा रै सींघ री विगत	८८
४२	गैहलोतां री चौवीस साख	८८
४३	पवारां री पेंतोस साख	८९
४४.	चहुवाणां री चौवीस साख	८९
४५	साख इत्ती पडिहारां भिळें	८९
४६.	सोळकियां री साख	९०
४७.	घात देवळिया रै घणियां री	९०
४८.	घात(जीहरण रा मुकाता री)	९०
४९	देवळिये नै राणा रै मुलक री	

५५.	घात (बू वी रा देस रा रज- पूतां री विगत)	११७
५६.	घागडिया चहुवाणां री पीडी	११९
५७	घातां (चहुवाण डूगरसी वालावत री)	११९
५८	घात दहियां री	१२२
५९.	बूदेलां री घात	१२७
६०	बूदेलां री घात (कविप्रिया- ग्रय केसोवास कियो तिण माहै सू)	१२८
६१.	एकण ठोड पीडियां यू पिण मांडी छै	१३०
६२.	वारता गढवांघव रा घणियां री	१३२

३ घात सिरोही रा घणियां री

६३	घात (आबू लियां री)	१३४
६४	पीडी सीरोही रा घणियां री	१३५
६५.	घात राव सुरताण री	१४२
६६	विचली घात (देवडें विजें सूजै री)	१४४
६७	घात (डूगररोत देवडां री)	१६२
६८.	गीत चौघा जेंता रो आढा दुरसा रो कह्यो	१७०
६९	गीत चौघा खीमा भार- मलोत रो	१७१
७०	घात (घिराद रै परगने रा चहुवाणां री)	१७२
७१.	घात (सीरोही री हकीकत घाघेला रामसिघ नैणसी नू जाळोर में कही)	१७२
७२.	घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां री आबू लियां री	१८०
७३.	कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा	१८४
७४.	कवित्त रामसिघ सिरोहिये रा	१९१

४. भायर्ला रजपूतों की ख्यात

७५. पंधारां की भायला साख की हकीकत	१६३
७६. घात चहुवाणां सोनगरां की राव साखणोतां की	२०२
७७. घात सोनगरां की	२१२
७८. घात सिंघावलोकिनी (तापस बांभण नै सोमइया महादेव की)	२१३
७९. घात सोमइयो महादेव, कांनडदेजी की नै कांघळ तथा बीजां की	२१६
८०. घात (धीके वहिये की, जाळोर की गढ भेळायो तिणरी)	२२३
८१. घात साचोर की	२२७
८२. घात चहुवाणां साचोर रा घणियां की	२२९
८३. पीढिया की विगत	२३०
८४. घात (बोडां की)	२४५
८५. बोडा की वसावळी	२४७
८६. घात (कांपळिया चहुवाणां रै साख की)	२४८
८७. घात (कूभा कांपळिया की)	२४८
८८. घात खीचिया की (पीढिया)	२५०
८९. घात (खीची मांणकराव की)	२५०
९०. घात (घारु घांनळोत की)	२५३
९१. घात (खीची घांनारी की)	२५३
९२. घात अणहलवाडा पाटण की	२५८
९३. कवित्त (चावडे पाटण भोगवी तिणरी साख की)	२५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख की कवित्त	२६०
९५. पाटण घाघेलां भोगवी तिण साख की कवित्त	२६१
९६. सोळकिया की साख इतर की	२६२
९७. घात सोळकिया पाटण आयां की	२६३

९८. घात पाटण चावोडा की सोळकियां रै आर्व जिणरी	२६६
९९. घात १ जाडेचा लाखा नूं सोळकी मूळराज मारिया की	२६७
१००. घात रुमालो प्रासाव सिद्धराव करायो तिणरी	२७२
१०१. कवित्त सिद्धराव जैसिघवे रै वेहरै रा, लल्ल भाट रा कहा	२७७
१०२. घात सोळकिया खैरडा की	२७९
१०३. सोळकिया रै पीढिया की विगत	२८०
१०४. घात (साखलै रतनै जेमल नै मारियो तैरी)	२८१
१०५. घात (जैमल रतनो काम आया की)	२८३
१०६. घात सोळकी नाथाधता की	२८३
१०७. घात सोळकी रांणा रै घात वेसूरी रा घणियां की	२८४

५. कछवाहां की ख्यात

१०८. घात राजा प्रथोरानरी	२८६
१०९. पीढी कछवाहा की, भाट राजपाण मडाई	२८७
११०. कछवाहा सूरजवशी कहीजै त्यारी विगत	२९१
१११. कछवाहां की विगत	२९३
११२. कछवाहा की वसावळी की विगत	२९५
११३. घात एक गोहिला खेड रा घणिया की	३३३
११४. घात गोहिल खेड छाडनै सोरठ गया तिणरी	३३४
११५. पंधारा की उतपत नै पीढी	३३६
११६. घात पंधारा की	३३७
११७. पवार वाघ की ओलाव रा साखला हुवा तिणरी विगत	३३८

११८. पीढियां री विगत (साखला री)	३३६
११९ साखला जांगळवा	३४४
१२०. घात रायसी महिपाळोत री	३४४
१२१ इतरी पीढी जांगळू साखला रं रही	३४६
१२२. घात (चूडा, गोगा, अरडकमल, हरभम, रामदेवीर नै दूजा)	३४८
१२३. घात (नापो साखली नै फेर)	३५३
६ सोढां री खायत	
१२४. सोढां री पीढी	३५५
१२५. घात पारकर रा सोढा री	३६३
१२६. घात पारकर री	३६३

भाग २

७ ख्यात भाटियां री

१. अं जदुवशी कहीजे	१
२ घात भाटिया री	३
३ जेसळमेर रा देस री हकीकत घोठळदास लिखाई	३
४. खडाळरा गावां री विगत	४
५ जेसळमेर रा देस री हकीकत मुं। लखे मडाई	६
६. घात भाटियां री पीढी, चारण-रतनू गोकळें मंडाई	६
७ घात रावळ घडूसी री	१३
८ वंसावळी रा गीत, भवनो रतनू कहै	१४
९ भाटी छत्राळा कहीजे तिणरी घात	१५
१० घात (सोमवंशी भाटियां री हरिवश पुराण माहै)	१५
११. घात विजेराव चूडाळें री	१७
१२ घात धरिहाहां री । देवराज घार ऊपर गयो तिणरी	२५

१३. घात (घार रं मुंहते री)	२६
१४. घात भाटियां री (साख मगरिया री)	३१
१५. घात गजनी पातसाह री	३३
१६ घात (रावळ जेसळ री)	३५
१७ घात (जेसळमेर री राग मंडाई तिणरी)	३६
१८ कवित्त भाटी सालवाहण रा (नै आगली पीढियां)	३७
१९. घात राठोड सोमाळ री	४२
२०. घारता (घोकमसी री)	४४
२१ घात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी)	४५
२२ घात (मूळराज नै कमालदी री । जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीवी)	४६
२३ घात (मूळराज कना कमालदी लोथां मागी तिणरी)	४६
२४. घात (कमालदी नू हठ करनै विदा कियो)	५०
२५ घात (कमालदी गढ घेरियो)	५०
२६. घात (बीज उवारण री । दूहा- सोरठा । आगली हकीकत)	५१
२७ घात (रावळ हूदें तिलोकसी री)	५६
२८. घात (रावळ हूदो नै तिलोकसी- मुंश्रा री । दूवा रा गीत)	६१
२९. घात (रावळ घडूसी राणा रतनसी रो वेटी कमालदी रं अठें रह्यो तिणरी)	६६
३०. घात (रावळ हुश्रा तिणारी)	७५
३१ पीढी (जेसळ सू)	६२
३२ घात (रावळ भीम री)	६४
३३ घात (रावळ भीम री फेर नै दूजी)	६६
३४. मनोहरदास रा प्रवाडा	१०३
३५. घात भाटिया माहै, केलहणां री साख	११२

३६. राव केलहण देरावर लियां री घात (फेर वृजी)	११६
३७. धीकूपुर रै घणियां नै राठोडै सगाई तथा बीजां	१३२
३८. केलहणा नै धीकानेर रा घणिया सगाई	१३३
३९. भाटियां केलहणा नै कछवाहा सगाई	१३३
४०. तळाई, कोहर नै गांवा री हकीकत	१३४
४१. घात एक (राव सालवे तथा राव जेसा री)	१३७
४२. घात गाढाळा केलणा री	१४०
४३. विगत (केलहण री पीढी, केलहणां री खरड रा कोहर तळाई आदि री)	
४४. हमीर-भाटियां री साख	१४४
४५. घात (जेसा भाटिया री साख)	१५२
४६. रूपसी भाटिया री साख	१६६
४७. सरवहिया री पीढी	२०२
४८. घात सरवहिया री	२०२
४९. घात सरवहिया जेसा री	२०६
५०. घात (सरवहिया जेसा नै पातसाह री)	२०७
५१. घात (सरवहिये जेसे चारण रा माणस छोडाया)	२०८
५२. घात जाडेचा री	२०९
५३. घात रायषण भुज रा घणियां री	२०९
५४. पीढी	२१५
५५. गीत कुवर जेहा भारावेत री	२१५
५६. घात लाखे री	२१६
५७. घात (जाडेचा फूलघवळ री)	२२५
५८. घात (जाम ऊनड सावळसुध कवि रोहडिया नू आउठकोड सामई वी तिण री)	२३६
५९. घात १ जाम ऊनड सावळ- सुध री	२३८

६०. वेढ १ जाम सत्ते नै अमीखान हुई तिणरी घात	२४०
६१. घात १ भाला रायसिघ मान- सिघोत नै जाडेचा जसा घव- ळोत नै जाडेचा साहेब हमीरोत वेढ हुई तिणरी	२४४
६२. घात (भाला रायसिघ नै जाडेचा साहेब री)	२४९
६३. घात १ जाडेचा साहिब री नै भाला रायसिघ री फेर लिखी	२५३
६४. भाला री वंसावळी	२५६
६५. घात भाला री	२५८
६६. मेवाड रै भाला री घात	२६२
६७. मेवाड रा भाला री पीढी	२६५

८. राठोडों री ख्यात

६८. रावजी श्री सीहेजी री घात	२६६
६९. राव आसथानजी री घात	२७६
७०. घात राव फानडदेजी री	२८०
७१. रावळ मालोजी री घात	२८४
७२. घात वीरमजी री	२९९
७३. घात रावजी चूडेजी री	३०६
७४. गोगादेजी री घात	३१७
७५. अरडकमलजी चूडावत री घात	३२४
७६. घात रावजी रिणमलजी री	३२९

भाग ३-

राठोडों री ख्यात (द्वि. भा. सूं चालू)

१. घात राव रिणमलजी अर महमद रै आपस में लड़ाई, हुई ते सर्म री	१
२. रावळ जगमालजी री घात	३
३. घात राव जोधाजी री	५
४. घात राव धीकाजी री	१३

५. भटनेर री घात	१६	२९. वात सीहे सीधळ री	१२३
६. घात राव वीकेजी री, वीकानेर घसायो तें समें री	१६	३०. घात रिणमलजी री	१२६
७. घात काघळजी री, काघळजी काम आघो तें समें री	२१	३१. नरबद सतावत री वात, सुपियारवे लायो तें समें री	१४१
८. घात राव लोडें री अर राघळ सांवससी सोनगरें री भीनमाळ वेढे हुई तें समें री	२३	३२. वात नरबद राणैजी नू आख वीघो तियें समें री	१४६
९. वात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावागढ रें घेरें री)	२५	३३. वात राव लूणकर्णजी री	१५१
१०. घात राव सलखैजी री	२६	३४. घात मोहिला री	१५३
११. गढ सकिया तैरी ख्यात	२८	३५. मोहिला रें पीढियां री हकीकत	१५८
१२. घात राव सीहोजी (रें वंश)री	२९	३६. छव वे-अखरी, राठोड रामदेव रा कहिया	१६७
१३. जेसळमेर री घात	३३	३७. वूहा, चारण चापें सामोर रा कहिया	१६८
१४. पूगळ राव	३६	३८. चौहानो की पीढियों की टिप्पणी	१६८
१५. धीकूपुर राव	३६	३९. वूहा पीढियां री विगत रा	१६९
१६. वरसलपुर राव	३७	४०. छत्तीस राजकुळी इतरें गढे राज करें	१७३
१७. मुगल-चकता-भाटी	३७	४१. परमारां री वंसावळी	१७५
१८. खारवारें रा भाटी	३७	४२. राठोडां री वंसावळी	१७७
१९. घात वूदे जोघावत मेघो नर- सिधदासोत सीधळ मारियो तें समें री	३८	४३. टीकें वंठां री विगत	१८१
२०. घात खेतसीह रतनसीहोत सीसोदियें चूडावत री	४१	४४. जोघपुर री पीढिया (टीकें वंठां री विगत)	१८२
२१. गुजरात वेस राज्य घणंतम्	४६	४५. भिन्न भिन्न वाकां रा समत (गढ लियां री विगत)	१८३
२२. पाटन की ख्यापना और शासकों का राज्यकाल (टिप्पणी)	४६	४६. विली राजा वंठा तियांरी विगत (राज कियो तिका विगत)	१८५
२३. घात मकवाणा रजपूतां री (भाला कहाणा तैरी)	५७	४७. वात सेतराम बरवाईसेनोत राठोड री	१९३
२४. घात पावूजी री	५८	४८. वीकानेर री हकीकत	२०५
२५. घात गांगे धीरमदे री	६०	४९. राठोड पृथ्वीराज कल्याण- मलोत संबधी टिप्पणी	२०६
२६. घात हरवास ऊहड री	६७	५०. दलपतसिंह रायांसिहोत संबधी टिप्पणी	२०६
२७. घात राठोड नरें सूजावत, जोम पोकरणे री	१०३	५१. सतिया हुई	२०६
२८. जैमल धीरमदेवोत नै राव मालदेव री घात	११५		

५२. जोधपुर रा राजाआरा री ख्यात	२१३	६०. वात चन्द्रावता री	२३६
५३. टिप्पणिया	२१३-२१५	६१. पीढिया री हकीकत	
५४. किसनगढ री विगत	२१७	(चन्द्रावता री)	२४७
५५. जेसलमेर री ख्यात	२२०	६२. घात सिखरो बहलवै रहै तैरी	२५०
५६. पीढिया (वीकानेर रा		६३. वात ऊँदै ऊगमणावत री	२५६
६३ ठिकाणां री)	२२३-२३४	६४. बूवी री वारता	२६६
(१) सिरगोता री	२२३	६५. श्यामखान्या री उत्पत नै	
(२) हृपावतां री	२२५	फर्तहपुर जूझणू वसायो	
(३) नारणोता री	२२७	तैरी वात	२७३
(४) रतनवासोता री	२२८	६६. दौलतावाद रा उमरावा	
(५) रावतोतां री	२२९	री वात	२७६
(६) धीदावतां री	२३०	६७. आदिदास्त	२७८
५७. जोधपुर रा सरदारं री		६८. आदिदास्त	२७९
पीढिया (ऊदावता रा		६९. सांगमराव राठोड़ री घात	२८०
१४ ठिकाणा री	२३५	७०. टिप्पणी (फान्हडवे-प्रबन्ध	
५८. विगत	२३८	सू उद्धृत)	२९३
५९. अकबर री जन्म कुडली			
नै टिप्पणी	२३८		

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए

कृपया पृष्ठ उलटिये]

भाग ४

१.	द्वितीय भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२.	संचालकीय वक्तव्य	१
३.	चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
४.	भूमिका	१-२४
५.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी	२५-३६
६.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०-४२
७.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०

१. वैयक्तिक—

(१)	पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
(२)	स्त्री नामानुक्रमणिका	१०९-११७
(३)	श्रद्धादि पशु नाम	११८

२. भौगोलिक—

(१)	ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
(२)	पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१

३. सांस्कृतिक

(१)	ग्रंथ, सस्था, कर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
(२)	देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१-१८८

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

८.	परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ	१९१-१९३
९.	परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और विरुवादि की सार्य नामावली	१९४-२०८
१०.	परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
११.	परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
१२.	परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र	२११-२३१



भूमिका

राजस्थान वीरों और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरों के अजस्वित रक्त की असंख्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जौहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जीवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढ़ता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय संवेदना की सुपमा अंतर्प्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असंख्य सती वीरांगनाओं के जौहर-यज्ञों और वीरों के मरणोत्सवों (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरों के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरों, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हंकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं^१।

१. (अ) Rajasthan is the language of a brave and heroic people. Rajasthan literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है^२। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ह्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ह्यात-

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary.I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. आठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-इ-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अपभ्रंश की परम्पराओं का सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातों का महत्त्व बहुत अधिक है।

‘ख्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘ख्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है। ‘ख्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है। यह ‘ख्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है। संस्कृत भाषा में मुख्यतः इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम।
२. आहूत या आवाहित।
३. विदित या परिज्ञात।
४. कीर्त्तिमान या सुप्रसिद्ध।
५. उक्त या ज्ञप्त।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ। और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि^३।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘ख्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है। उन्होंने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

३. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- | | | |
|-----------------------------|---|--|
| (१) मोनियर विलियम्स | : | संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एडिशन |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ | : | मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे | : | ” ” १९११ ई० |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : | संस्कृत शब्दार्थ कौस्तुभ |
| (५) गि०शं० महता | : | संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई० |
| (६) पन्यास मुक्तिविजयजी | : | शब्द रत्न महोदधि सवत् १९६३ |
| (७) अमरकोश | | |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश | | |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘ख्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३. वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतु आदि।
मराठी कोशों में—१. पराक्रम २. कीर्त्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और
प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि।

ऐतिह्य (पौराणिक वृत्तात), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएँ) आदि का व्यजक माना और तदनुकूल ख्यात शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है ।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवानों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व सक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी सस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और सस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।* उसे अब तत्त्वज्ञ और मनीषियों की सजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस संस्था ने अपने शैशव काल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य फा सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्व

'मुहता नैणसी री ख्यात'^४ जोधपुर के महाराजा जसवतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुहता नैणसी जयमलोत द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दीप वारो देस, ज्यांरो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराज उज्ज्वल

५. 'मुहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रन्थ-विधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोहा री ख्यात' = राठोड वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड री ख्यात' मेवाड राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यो मे ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब मे 'मूहता नैणसीरी ख्यात' बहुत महत्व की है^१। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० ओझा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों मे और स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनो खण्डो की भूमिकाओ मे ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्त्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है।^२ मुंशी देवीप्रसाद मुसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है^३।

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके है। एक संस्करण स्व० श्री रामकर्णजी आसोपा द्वारा मूल रूप मे उनके निज के रामश्याम प्रेस मे मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० ओझा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग स० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ९ वर्ष बाद सम्वत् १९९१ मे प्रकाशित हुआ है।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसीरी ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमें अनेक प्रसंग नैणसीरी ख्यात के पों के पों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयाळदास की ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलो मे से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसीरी ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयाळदास की ख्यात पृ० ८

” ” ” ३ ” ९४ ” ” ” ६५

” ” ” ३ ” १२०-१२१ ” ” ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. स. १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिये जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी सतोपदायक नहीं हो सकता।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ मूला नैणसी की ख्यात के विषय मे एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७५

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ख्यात में प्राप्त समस्त सामग्री साभार स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वाले के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कहीं-कहीं तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्ती और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध डिगल-कवि और चारणजन हैं^६।

६. (१) पोकरणा ब्राह्मण कवीसर जसवंत रो भाई जोशी महेशदास।
- (२) मुंहतो लखी, सं० १७०० माह वदी ६ मेठते में जसलमेर रो हाल लिखायो।
- (३) आढो महेसदास छत्राळा भाटिया रो बात, सं० १७०६ फागण सुदी १५ रो लिखाई, सं० १७२१ माह मांहे लिख मेली।
- (४) मुहुते नरसिंघदास जैमलोत (नैणसी रो भाई) डूगरपुर मे रावळ पूजा रं करायोडो देहरा रो प्रशस्ति लिख मेली, संमत १७०७ मे।
- (५) वूदेला सुभकरण रं चाकर चक्रसेन मडाई, सं० १७१०।
- (६) चारण आसियो गिरघर सं० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
- (७) चारण भूलै रुद्रदास भाण रं साइया भूला रं पोतरं कही, संमत १७१६ रा चैत मांहे।
- (८) सं० १७२१ रा जेठ मांहे रा० रामचन्द्र जगनायोत मंडाई।
- (९) खिडियो खींवराज सिसोदिया रो चूण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो सं० १६२२ रा पोह वदी ५।
- (१०) बात एक वीठू भांकरण कही।
- (११) दधवाडियो खींवराज, बात पठांण हाजीखान राण उदैसिंघ वेढ हुई तिएरो लिख मेली। संमत १७१४ रा वैसाख मांहे।
- (१२) देवडो अमरो चंदावत रो परघान वाघेली रामसिंघ नू अमरं नैणसी कनं मेलियो, उण कही।
- (१३) मुंहणोत सुंदरदास जाळोर थकां लिख मेली।
- (१४) रतनू गोकुळ पीठियां मडाई। गोकळ रतनू कह्यो।
- (१५) चारण चांदण खिडियो।
- (१६) भाट खगार नीलिया रो पड़ियारा रो साखा लिखाई।
- (१७) भाट राजपाण उदैहीरो, पीढी कछवाहा रो मंडाई।
- (१८) बात १ जीवै रतनू धरमदासांणी कही नै पहला सुणी थी तिका तो लिखी हीज हुती। बात जाहेचा साहिब रो नै भाखा रायसिंघ रो फेर लिखी।
- (१९) भाखड़ी रावळ भीम रो आसियो पीरो कहे।
- (२०) राव नीवो महेसोत सवणी।
- (२१) गाढण पसायत।
- (२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है^{१०}।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

(२३) चारण वीरधवल दूहा कहै।

(२४) गाडण सहजपाळ।

(२५) सावळसुष रोहड़ियो।

(२६) भाणो मीसण, वढो आखरा रो कहणहार।

(२७) ढाढी... इत्यादि।

इनके अतिरिक्त चारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनू नवलो, बारठ वीठू, आसराव रतनू, आसियो दलो, लल्ल भाट और चारण चादो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ वात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वाली का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूं सुणी' या 'समत १७२२ आसोज मांहे परबतसर मांहे लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हरएक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी' की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अंकुरों का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सांगोपांग नमूना है^{१२}। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परंपरा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात^{१३}, वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिंघावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, वसावली, पीढियाँ आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'पूर्वी गुजराती' अथवा 'मारू-गुजंर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujarati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independent language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनघंराधव नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चामिश्चारणानां क्षितिश्मण ! परंप्राप्यसमोद लीला
मा कीर्तेः सौविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।
गीतं ख्यातं च नाम्ना किमपि रघुपतेरद्य यावत्प्रासा -
द्वाल्मीके रेव धार्त्री धवलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परंपरा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का 'चारण' नामक लेख।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्याती से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्त्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदिया री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटिया री लिख्यते' इत्यादि। वात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

वात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'वात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक वात-साहित्य की बातें बड़ी होती हैं^{१४}।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—भाला, छात्राळा और महेवचा, वाडमेरा आदि। (३) किसी वात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१४. 'वात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह वात पृ. १८४ महाराजा जसवतसिंह प्रथम (अपूर्णा) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसीरी का उल्लेख महत्त्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह वात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वंश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध व्यूरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, आदिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के स्तर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोट्स।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारंभिक संकेत, जैसे—
एकदा प्रस्ताव।

हवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिंघावलोकनी बात

पूर्वल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

परियावली, वसावळी

देखे पीढी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओं के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारंपरीण तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।^{१५}

क्रीड़ा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिंगल एव राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान है।^{१६}

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

‘दिसि खोज भन्यो छट-पच-दूण, जुड़ियो नह थापण धम्म जूण’।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इंद्र, तहड़, खरक, भरहेर, रूपारास और पंचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. वल्लभविद्यानगर, बी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (सर्व-मुलभ आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नैणसी री ख्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरो और रूढि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एव उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।^{१७} सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें सक्षेप से गुजरात, काठियावाड (सौराष्ट्र), कच्छ, वधेलखड, वुदेलखड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूढाड के कछवाहे और मारवाड (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा. कोटा, बूदी, झालावाड, जयपुर-शेखावाटी, सिरोही, डूंगरपुर, वासवाड़ा, प्रतापगढ, रामपुरा, किशनगढ, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एव दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की वादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी सकलित हो गया हुआ है।^{१८}

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, रो, रो, रं
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणं, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरं
४. सदा, सदी, सदियां, सदो, संदउ, सदे
५. हदा, हदी, हंदियां, हदी, हदउ, हदं
६. नो, नो, ना, नउ
७. चा, चो, चो, चं
८. कउ, की, को, के इत्यादि

१८. नैणसी की ख्यात में चौहानों, राठौडों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलिओं का इतना अपूर्व संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से सकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तौल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रीझ-मौज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टँकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वशावलियाँ, परम्पराएँ और रीति-रिवाज, राजदरबार, सवारियों, तोर्थाटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जबादि; जलहर (जलक्रीड़ा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जीहर और साका, सतीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सस्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; शत्रुता और मित्रता; पहाड और नदियाँ, नगर और गाँव; जंत्र-मंत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान; चोरो की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण, देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) संबंधी और अन्य दिभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लडाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्बन्ध एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्त्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड, कच्छ, बूंदेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —श्रीका अभिनन्दन ग्रन्थ, ती. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एव पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात मे अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासको का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश मे समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतो का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्द्धा से हुए युद्धो का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने मे प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. वाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर* ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६ घाट-थरपारकर का विस्तृत प्रदेश (गहड़ा, मिट्टी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का भू-भाग) मारवाड राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले मे जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्त से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-प्रवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजो ने यह प्रदेश मारवाड को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सोमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुगाणो (दुरगाणो), फदियो, टको, दोकढो, जनादी, छकड़, दाम, ढवू, सोनइयो, रुपियो, महमूदो, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व संतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व संस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मदिरो का निर्माण, मूर्त्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और सस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनो के आघार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन संबंधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरो

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगलीक, वधामणा, गुळ, सूखडी, वळ, भेट, सलार, वाव, पेसकस, दडवराड, दाण, वहतीवाण, पाघवराड, तुलावट, मळवो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, भोभ, पूछो, घोड़ाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टाक आदि तोल और मण, मांणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि घान्यादि के मापो के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाब, मंदिर और कीर्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संवत्, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अत-एव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वशावलियाँ

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वशावलियाँ सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहाँ पूजा है; अत-राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पाँचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पाँचों ही पाँच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों की इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वशावलियों और पीढियों की विस्तृत सूचियाँ दी हैं, जिनका अन्यत्र प्राप्त होना असम्भव है। पीढियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवाये, युद्ध और जागीर पाने और तागीर होने के कारण और उनकी सवत्-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ-साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये, या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कृषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा बूढ़ों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री वैश्य और शिल्पियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांजो विजैराव, लाखो फूलाणी, हुरड बनो, हेमो सीमाळोत, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रमा-जोत आदि ऐसी पचासो बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह ख्यात प्रचुर परिमाण में उपस्थित करती है ।

१०. भाषा

‘नेणसी री ख्यात’ भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है । इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है । तत्कालीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है^{२१} ।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाड़ी भाषा (मरु भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रूढ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियों^{२२} के अनेक प्रकार और रूपों का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के संकड़ों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओं^{२३} के नामों का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नहीं मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं । नेणसी की ख्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एवं नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है । उदाहरण के लिये ‘ऊदल’ पुरुष नाम को लें । यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है । उदयसिंह के उत्तर पद के ‘सिंह’ का लोप होकर उसके स्थान पर ‘ळ’ प्रत्यय रूप में आ जाने से ‘उदय’ का ‘ऊद’ आदेश होकर ‘ऊदळ’ रूप बन गया । इसी प्रकार अक्खो,

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डी० लिट्० ‘दयाळदासरी ख्यात’ के इंट्रोडक्शन में उक्त ख्यात और ‘नेणसी री ख्यात’ की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot.”

२२. दे० टिप्पणी सं० १४, इस ख्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं ।

२३. दे० टिप्पणी सं० १३, विशेष-दिशाओं के नामों के लिये ।

अरहड, अलघरो, आसथान, गैपो, छाहड, पावू, पेयड, वंगट वाहड, मीयक हडवू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामो को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव तीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

स्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड, ईहड, गायड, जसमादे, लाछा, हूरड आदि स्त्री नाम; कमधज किराड, खेडेचा, चीवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम, और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूडी, ईकुरडी, किराडू और कूटी आदि गाँवों के नाम—एसे सहस्रो नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बन्ध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखां, लाडखां, अलखां, महमद और भाखरखां आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानी नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना हैं। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

स्यात में सँकड़ो सतियो का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियो का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परन्तु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।^{२४} एक पुरुष की उसकी अनेक परिणियों के सिवाय

२४. 'ताहरां अँ असवार पाछा गया। घायन देखें छो सगरो तोरण नीच पडियो छँ। ताहरा कह्यो—'जी, सती हुवी सगरं नू लेनें। सती नू कह्यो जु बाहिर भावें ज्युं सगरं नू दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था^{२५}। कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? वे सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था। कहीं वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था। यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहां यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय हैं।

देवा ।' ताहरां वीदणी नू भीतर जाय कहियो । ताहरा वीदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवै तो हूं सती न हवू । सगरै नू धीसनै नाख देवो ।' पाछै आयनै कहियो—'जी, संभै नही ।' ताहरां कहियो—'जी, म्हे एकलै ही सगरै नूं बाळां ?' तो कही—'म्हे अणसमाही ही सती करां ?' ताहरा कह्यो—'घावो बारै ।' ताहरां जानी ही सिलह पहरै छै, मांडी ही सिलह पहरै छै । वेहु हथियार बांधै छै, सिलह पैहरीजै छै । ताहरा वीदणी दीठी अर मा अर बाप नै कहियो—'हे ठाकुरां-रजपूता ! हूं बैर खेतसीह रो छूँ, अर एकली रै वास्तै घणा जीव मरै छूँ, तै हूं सगरै साथ बळोस ।' वीदणी बाहिर आयनै सगरै साथै बळी ।

—नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियाँ, एक खवास, बारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियो की और एक पातरियो की रसोईदार ब्राह्मणी—कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थीं।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ६ उर्दविगनियाँ, २० गायन और २ हजूर-बैंगनियाँ—कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरीं थीं।

—नैणसी री ख्यात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवतसिंह) के विरुद्ध सईया वाकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठी के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हडदे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी-द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत सस्करण

प्रस्तुत 'नैणसीरी ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूँ। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार कर ली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियाँ थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अवसर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४६७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हे वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर में श्री अग्रचंदजी नाहटा के यहां अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री मांघातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पत्रों का आज तक कोई पता नहीं लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महीनों तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो घोखा खाना पडा और हानि उठानी पडी, इस हरिरस के द्वितीय संस्करण के संबंध में भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन में श्री हानि उठाने में श्री सीतारामजी लालस भी साथ में थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति-ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे साहूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन चूटित पत्रों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूंगा गांव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी।

इधर मुहणोत-श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वराज मुहणोत सुघराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पडा । बहुत दिनों के बाद स्व० प० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतिये प्राप्त हुईं । यद्यपि ये प्रतियां इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थी, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था । एक बहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि की स्व० प० रामकरांजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने मे अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमे भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे । इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे । अन्त मे एक बहुत सुन्दर प्रति चि भूपति-राम के अथक प्रयत्नो से कई हाथों मे होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठो को शुद्ध करने एव त्रुटित अंश की पूर्ति करने मे बड़ी सहायता मिली । बीकानेर मे प्रो० नरोत्तमदासजी को एक प्रति से पाठो का मिलान करने मे सहायता ली गई । अनूप सस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबन्ध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी । यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहथल के वीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है । अधिकांश प्रतियें इसीकी प्रतिलिपियें मालूम होती हैं, क्योकि उनमे भी वीठू पन्ना का नाम अनेक वातो के अत मे यो का यो उल्लिखित है । प्रस्तुत सस्करण को तैयार करने मे इन सभी प्रतियो के आघार से पाठो का मिलान करने और शुद्ध करने मे बड़ी सहायता मिली ।

मैं जब बीकानेर मे था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था । उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस कॉपी-दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी । उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारो भाग पाठको की सेवा मे प्रस्तुत हैं ।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है । चौथा भाग इस वृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है । इसमे चारो भागो की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागो मे इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमणिका पृष्ठाको के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामों का सकलन हुआ है। नामों की इतनी बड़ी संख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थों में शायद ही आसकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद्ध और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओं की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-संज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दों की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलियाँ (जो केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग में दिए गए हैं।

ख्यात के इस संस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावों की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम चिरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश की पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. पं. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अग्रचन्द्रजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी की ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पड़ा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्त्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय सचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-सचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन
वल्लभ-विद्यानगर
रामनीमि, २०२४ वि.

आ. बदरीप्रसाद साकरिया

मुंहता नैणसी री ख्यात, भाग ४]

मुंहता नैणसी



[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत
नैणसी की ख्यात' से सधन्यवाद पुनर्मुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों^१ के राज्य को नष्ट कर मारवाड में राठौड राज्य की सर्व प्रथम नीव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों में से सब से बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर में श्री जिनचंद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया^२।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठौड-राज्य की स्थापना इस नगर में सर्व प्रथम की। (इसोसिये राठौडों की मूल शाखा खेडेचा कहलाई)। गोहिल और डाभी आसथान के प्रांतक से भाग कर सौराष्ट्र में चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड या खेडपुर 'क्षीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर सढरो का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर शेष हैं। बड़े मन्दिर में श्री रण-छोडराय की बड़ी भव्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीऋषभदेव के मन्दिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ में विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोस शाखा के प्रवर्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातों में मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावडी के पास आकर खड़े हुए। इतने में ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्य शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० सं० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अंगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

— 'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारीमल बाठिया का लेख और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ०-४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली'।

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलम्बी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालो में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये ।

ओसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोती का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थी^३ । महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे^४ । यह बड़े दानी^५ और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिंगसर शु. ४ शुक्रवार को

३. माधोदास केशोदासोत भलो रजपूत हुवो । स० १६६४ रावळा धी गाँव भवरांणी गावा १० सू दीवी हुती । इणरा चाकर जैमल मुहणोत खानाजगी कीवी जद भवरांणी छोड स० १६८८ मोहवतखा रँ वसियो । पछे अमरसिधजी रँ । पछे राजा जैसिधजी रँ वसियो माधोदास ।

—वांकीदास री ख्यात, बात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मागोमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बन्ध १६६० दिया है ।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं को जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई । तब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पलटधा परा, दीजँ किरणें दोस ।

जैमल जलेबी छि गयो, साघाँ करो संतोस ॥

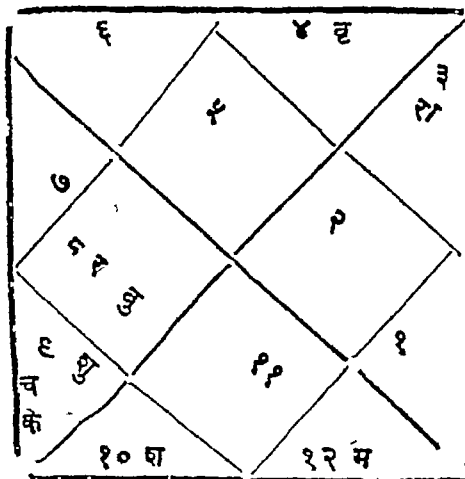
—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९६३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रशासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

वांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था^१ । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्बत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स. १७०० में राड़घरा की लड़ाई हुईं जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोकरण का परगना वादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कारबारियों के पहुँचने पर रावल रामचंद्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठौड़ वीर सैनिकों और नैणसी की सेना देकर भेजा^२ । लड़ाई के पश्चात् राठौड़ी सेना का पोकरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायताार्थ सेना भेजकर रावल रामचंद्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सवत १६६७ मिंगसर सुद ४ वार बुक्र, उ० ४२ । गताश ६ मु० श्रीनैणसीजी जनम



—हमारे निज के समूह 'विगत' में से श्री मदनराज दीलतराम मेहता, जोधपुर के समूह में — 'संवत १७६२ रा मित्ती असाठ सुद ६ मुहणोत अमरसिंघजी री पोधी सू' ।

७ स० १७०६ रा असाठ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहंकरणा माथं विदा कीवी । राठोड़ गोपालदास सुंदरदासोत मेढतियो १, राठोड़ वीठळदास सुंदरदासोत मेढतियो २, वीठळदास गोपालदासोत चांपो ३, नारखान राजसिंघोत कूपो ४, मंडारी जगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।

—बांकीदास री ख्यात, बाव सं० ३२१

सम्बत् १७१४ मे महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मिया फरासतखा की जगह इन्हे अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। सं १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवंतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हे गाव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्ही को सौंप रखा था^८।

कहा जाता है कि बाद मे महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे^९।

८ दीवानगी के काम मे नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधश्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिधजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद वांचिजो। अठारा समंचार भला छै। पांहरा देजो। लोक, महाजन रैत रो दिलासा कीजो। कोई किण ही सौं जोर ज्यादती करण न पावै। कांठां-कोर्रा रो जापतो कीजो। कवर रै डील रा पाणी रा जतन करावजो।

अरबदास पाहरी जोधपुर सू फेलं आई। हकीकत मालूम करी। थे चगनाथ लखमीदासोत नू पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो।

—श्रीसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महत्व’ खंड, पृ० ४६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दाव-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊंचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मीठ का कारण बनना पड़े। श्री हजारामल बाठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख मे लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुदरसी दोनो बंधुओं को माघ वदि ६ (ता० २६ दिसंबर) को कैद कर दिया।’

श्री अमरचंद नाहटा ने ‘बरदा’ वर्ष ३ अंक १ में ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह खीवावत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्यधिक हासल (कृषि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गावों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दबाने के लिये श्रीरगजेब की

लाख रुपयों की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा करदी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नहीं था। उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी। तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगीरी से हटाकर उसकी जगह मिनै मंडारी को रख दिया और यह आज्ञा करदी कि भविष्य में मेरी कोई भी संतान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी; ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।'

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषांक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवंतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जंगली सिंह की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुशती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चीर डाला। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई। लेकिन श्रीरगजेब को बड़ी बेचनी और ईर्ष्या हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में खटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवतसिंह भी आये। दावत की तैयारी और अद्भुतता महाराजा और श्रीरगजेब के दरबारी देख कर दंग रह गये। श्रीरगजेब के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होंने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में माग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की माग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवाओं पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारों नीपजै, बड़ पीपळ री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांबो देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय श्रीरगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय श्रीरगजेब ने

आज्ञा से औरंगाबाद के थाने में नियत थे तब वि. स. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरंगाबाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हे जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हे सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हे जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गाव के पास वि. सं. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी* ।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख सखारों नीपज, बड़ पीपळ री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांबो वेण तलाक* । ॥

पृथ्वीसिंह की विशेष प्रकार की पोशाकें पहनाईं जिनके पहिने ही पृथ्वीराज का काम समाप्त हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड की औरगजेव के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड में श्रीभाजी द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल वांठिया, पृ० २७६ और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावाचं इस प्रकार है—

'लाख सखारों के यहाँ मिलती है या बट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुंदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाड़ो जितरं देव, दहाड़े बिन नहीं देव है ।

सुर नर करता सेव, (अब) नैडा न आवै नैणसी ॥

सुंदरसी—नर रं नर आवै नहीं, आवै घन रं पास ।

सो दिन आज पिछाणिये कहवें सुंदरदास ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहा ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बंदी-जीवन के समय की ही होगी^{१२} ।

गीत जाती गोरव मेहता नैणसीजी रो क्यूँ

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयद जळ माझ तारण-तरण ।

हाथ मत छोड़ियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास ची आस जीवत सगळो जगत, प्रथो आकास पाताळ मांभी प्रवत ।

थिरपियो अटळ धूमडळ देखो थिकत, तो दीनपत दीनपत दीनपत दीनपत ॥२॥

मार मघ कीट पहळाव जीतो समर, काज पहळाव हिरणखि गर्जे गहर ।

वड बळ जीपवा धीर-धीराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर संखधर ॥३॥

कूड संसार विख सिधु भरियो कहर, लोभ ची लहर अजाव सुकृत लहर ।

नयणसी भज सोइ नाथ करिषा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

करुणा से ओत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में बंदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख लखारां लावसो ।

सांबो देण सलाक, नटिया सुंदर नैणसी ॥

१२. यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी, जोधपुर के श्री सीभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है ।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में वदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था^{१३} । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-वच्चो और कवीले को कैद में डाल देना किसी अवाछनीय असाधारण घटना या गभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को सतोष नहीं करा सकी होगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-वच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु ओझ जी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है^{१४} ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमळा (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बाकीदास री ख्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

'नागौर रं सुराणं-सहदेव बूहडमल्लोत लाख रुपिया आपरा घर सू राज में भक्त मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरू कवीला कैद सूं कढाया ।'

१४. दृष्टव्य, रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री ओझाजी द्वारा लिखित 'मुहणोत नैणसी का वश-परिचय' पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं बरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की बरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाड़मेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाड़मेर उजड़ गया^{१५}।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक ओर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और तथ्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड़ रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-संग्रह) जैसे वृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रन्थों में इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड़ रा परगना री विगत'^{१६} (सर्व-संग्रह) भी प्रायः ख्यात जितना ही बड़ा ग्रन्थ है। यह मारवाड़ राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड़ के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की आमदनी, जागोरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहणोत नैणसी जाळोर ग्रामल जद बाड़मेर रो कामदार कुमो जिणरी वेटी री सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खाँडो बाड़मेर मेलियो। कमो मूसळ खडग सामो मेलियो। डावडी और ठै परणायी। जिण कारण सू नैणसी बाड़मेर हदवाट मेलियो। ('हदवाट मेलियो' होना चाहिये)। बाड़मेर प्रीळ रै कगार रै काठरा किवाह हुता जिके भ्राण जाळोर गढ री पोळ चढाया।
सायद— 'बाहड़मेर जुगां लग हूबो कमळा तणी कमाई।'

—बांकीदास री ख्यात : बात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस वृहत् ग्रन्थ का सम्पादन राजस्थानी शोध-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलो का हाल, तालाव, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।^{१०}

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण^{१५} भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लडाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

१७ "... ..मध्ययुग में मुग़ल नैणसी के द्वारा इस प्रथा (मर्दुमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोषपुर निवासी श्री वृध्दराजजी मुग़ल के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड के परगने, ग्राम, ग्रामों की आमदनी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाव, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।संवत् १७२१ में सीवाणा की मर्दुमशुमारी हुईमहाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुनार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छोपे २, नाई १, डेह १६, थोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आबाद थे। संवत् १७२१ में जोषपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं।संवत् १७२१ आश्विन कृष्णपक्ष दशमी की परगनों की मर्दुमशुमारी की गई। —

नाम परगना	कुल ग्राम	आबाद	घोरान	सांसण
१ जोषपुर परगना	११६७	८०२३	२२०३	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३३
३. जंतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. फलोधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेहता परगना	३८४	२६८	४०	४५
६. सीवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७. पोरकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८	३७६	२६५

... ..आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। वह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड का जीता-जागता चित्र है।”

—श्रीसवाल जाति का इतिहास : 'मुग़ल नैणसी और मर्दुमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ 'श्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्त' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था^{१६}।

नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पीछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना सं. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र संग्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे^{२०}। लेकिन महाराजा जसवतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने संग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया^{२१}।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक संघर्ष और संकटों को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हें समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधियाँ, खास रुक्के और रिआयतें इनायत होती रही हैं^{२२} और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१६ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(भा) चोरनारायण का युद्ध ही संभवतः घमंत का प्रसिद्ध युद्ध है। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, प० रामकण आसोपा ने घमंतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फतिया-वाद बतलाते हैं।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४
२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फॅमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानो को प्राप्त करने का कारण इनकी वफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहनोत परिवार के पट्टे-परवानो आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ब्रोफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[१]

गीत सांगोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभि दळां कीघ नैसणसी सुंदर ,
दळे वडा-वड मांभी दौय ।
किरमर-हथा न पूजै कळहर ,
कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग मांणग जैमलका ,
मुणसां गुर-सदतारां मीढ ।
ईढ नको असमर-भल आवै ;
आवै लेखण-भला न ईढ ॥२॥

भीच बिनै राजेरा भारी ,
गहण उधारी घड़ ग्रहै ।
जोड नको विणियांणी-जाया ,
रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांगोर नैणसीजी रो

विषेय कवी

सभि दळां कीघ नैणसी सुंदर ,
साखां जिसा कहै जुग लोय ।
जणणी हेकण किणी न जाया ,
दौय बांघव सारीसा दौय ॥१॥

बीजो नको वोकेपुर बूदी ,
ढाल-उथाळ नको दूढाड़ ।
जैमल-रां सारीसा जोड़ो ,
मारू नको, नको मेवांड़ ॥२॥

मेवासियां आसियां माथै ,
जैत्राई कसिया जखद ।
तढमल नको हिंदवै तुरके ,
मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काछ घर उत्तर ,
 सह पूरव जोवतां सहोघ ।
 दूजी घरा न दीठा दूजा ,
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गडाबोड़ गजराज घंट-रोळ पाखर गरर ,
 भँवरपत चमर छत्र आप भावी ।
 मारिया महण फोजां पखै महपती ,
 आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥

सोह दरवार री (दरबारी) दानि क्रन सरीखा,
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।
 मालहरा बिनै चीतारसी मुरघरस ,
 आवती धीम नै हूत आडा ॥२॥

जन मत्री लालच वँचै गाजिया ,
 घणा दिन लगे चित घाट घडसी ।
 घगड़ घड़ भाजण मंडोवर से-घणी ,
 चरड़ अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड भाजण जोघ जैमलतरा ,
 साइयरै वाग - गैणाग सारे ।
 कायथां बांभणां तराणे कहियो करे ,
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वरिणयो इसो आज छक ,
 औरग तोट पड ओतडै ऊर ।
 महाराजा जैसा इसा क्यु मारिजे ,
 सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त बडे महत्व के हैं । इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का सचासन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[४]

कवत मुहणोत नैणसीजी रा

घह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
 श्रीनींदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।
 पोहतो तीजी फाळ व्रजड़ हाथळ तोलतो ,
 भेछ दळां मूगलां घात सीकार रमतो ।
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळै ,
 गड़ड़ियो सीह जेमाल रो, नैणसीह भरियो नळै ॥१॥
 दांण भरै घरहरै भावां वाकां अस मिलसी ,
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळी गिलस ।
 किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
 बूव करै वीवजी भजो वे भजो भाई ।
 पंचनद परै अनहद वजै, असुरापण गमसी अलंग ,
 नैणसी कसे जेमाल रो, पिछम घर ऊपर पमंग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया भूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई प्रज्ञात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीवालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए वंदी-जीवन के करुणापूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'बोड़ नको धिणियाणी-जाया, रांणी-जाया उरै रहै' के विरुद्ध वाला नैणसी एक और 'किरमर-हथा, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड़-गहण और सुरवर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम-हथा, लेखण-भल, जाणग, माणग और गुर-सदतारा' आदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक, बहुज्ञ, बहुतश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारी का उपभोग करने वाला और दातारों का गुरु है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था। 'जणो हेंकण किणो न जाया, दोय बांधव सारीसा दोय' नैणसी का भाई सुदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खड्गावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्ज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूँ। सूचना-के लिये श्री सीभाग्य-सिंहजी शेखावत का आभारी हूँ।

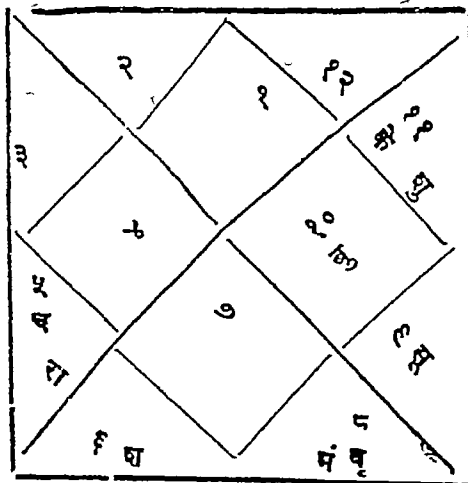
नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस-कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अतः यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं।—प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवतसिंह-प्रथम (वि. स. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊचे-नीचे और पारस्परिक सबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलो का इतना गहरा सबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके सबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागौर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।^१ बादशाह शाहजहाँ ने वि. सं. १६९५ की आषाढ़ कृ० ७ बुक्रवार

१. पं० रामकरण आसोपा द्वारा लिखित 'भारवाड का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—



मुहता नैणसी री ख्यात, भाग ४]



जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

(वि० सं० १६८३ - १७३५)

[राजस्थानी शोध सम्यान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]



को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड़ आये तो राडधरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातों को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राडधरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इन्हीं महाराजा ने सं. १७०८ में बनवाया था।

स. १७०६ में महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चोर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

स. १७१४ में प्रसिद्ध घर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवंतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरंगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवंतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

स. १७२५ में महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा में सधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सुंदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बंदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ में जब औरंगजेब ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाईं दामोदरलालजी श्रीनाथजी के त्रिग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखडी में रहने को स्थान दिया था।

सं. १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद में महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाड़ी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पंडित थे। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है। जिनमें आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचो ग्रंथ वेदान्त के हैं। आनन्द-विलास संस्कृत रचना है। भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है।

जोधपुर के अनार इन्ही महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं। इन्होंने काबुल में अनार, मिट्टी और वागवानों को लाकर कागा के वाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था। कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नीवूयों का बीज भी इन्ही महाराजा ने कहीं से मगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे। जगतसिंह, दलथभन और अजीतसिंह। जगतसिंह भी दस वर्ष की उमर में ही चल बसा। दलथभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानिया जमरूद से दिल्ली आ रही थी लाहोर में एक ही दिन में स. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे। दलथभन भी रास्ते में ही चल बसा। दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुकूमत जमा दी थी। बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कंद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था। मारवाड़ को बादशाही हुकूमत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये धीरे दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक सघर्षों का सामना करना पडा था। स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं।

—आ० बदरीप्रसाद साकरिया

सुंहता नैणसीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवधारी) - पुदप, स्त्री व पगुनामावली
- (२) भौगोलिक - भ्रान, देश, पर्यंत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक - ग्रथ, संस्या, देवी, देवतादि नामावली



१ संकेत परिचय-

- प० पहला भाग
द्व० दूसरा भाग
ती० तीसरा भाग
दे० देखो

२ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में-

- (१) ल और ल वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार
- (२) ड और ड वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है ।
- (३) ल वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता ।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ल हो जाता है । कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है ।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं ।

[१] पुरुष नामावली



अ

अमराज प २८८
 अमरिनी ती १३८
 अमरिनीय प २८६
 अमरुत हू ३
 अमरुतमाय माण्डळ प १०
 अमराज प ११६
 अमराज प १२४
 अमरीन प ३८, २८८
 अमराजिथ प १०
 अमराजमाय प ५, ३६
 अमराजमाय प ५
 अमरीन राजा ती १८६
 अमरीन राजा प ७६
 अमरुत ती १७८, २८८
 अमराज प २८८
 अमराज प ७८

अक्रनामु प. २८७
 अक्षराज प. २३५, ३५३, ३५४
 " हू १२४, १६८, २००
 " ती २३४
 अक्षराज ईसरदासोत हू १६२
 अक्षराज जैता रो प. ३५३
 अक्षराज भालो हू. २६३
 अक्षराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 अक्षराज टूगरसी रो प १२०, १२१
 अक्षराज वलपतीत हू १२८, १३१,
 १३२, १४४
 अक्षराज धीरायत प २३७
 अक्षराज पातळोत हू १६४
 अक्षराज प्रधीराजोत हू १२३
 अक्षराज भगवानदास रो प ३०२, ३१०
 अक्षराज भादावत ती ११६, १२०, १२१
 अक्षराज मेरायत हू १८७
 अक्षराज उत्तमती रो प ३२७
 अक्षराज रायपाजोत हू. १५२
 अक्षराज राय प १५५, १५६, १५७,
 १५८, १५९
 अक्षराज राय जगमास रो प १३५,
 १३६, १६१, १८६, १९०
 अक्षराज रायन अक्षराज राय रो प
 २८५, २८६
 अक्षराज राय माण्डळ रो प १३६,
 १८८, १९०
 अक्षराज रायत प ३३५
 " " हू ११६
 अक्षराज रायती हू १२०
 अक्षराज राय प. १६

अखैराज सोनगरो प. २०, २१, २८,
 २०७, २०८
 ,, सोनगरो ती ३१, ६५, १००
 अखैराज हाडो प १०६
 अखैसिध प ३२२
 ,, ती २३०
 अखैसिध रावळ प १०६
 ,, ,, ती. ३६, २२०
 अखो हू ७७, ७८, ६५
 अखो गागा रो प ३६३
 अखो दयाळदास रो प. २३१
 अखो नेतसी रो प. २४०
 अखो भांण रो प. ३४१
 अखो रांम रो प ३५८
 अखो रायापळ रो प ३४१
 अग्रर प. २२, २५
 अग्ररसिध प. ३००
 अग्रस्त प. १२२
 अग्निवीरण प ७८
 अग्निवरण प. २८८
 अग्निवर्ण प. ७८
 ,, ती. १७६
 अग्नि सर्मा प. ६
 अचल प. ७८
 अचळदास प ६७, ११५, १६५, २१२,
 ३२०
 अचळदास हू ६६, १६१, १६२
 ,, ती. २३१
 अचळदास किसनावत हू १२५
 अचळदास फेसवदास रो प. ३१३, ३१५
 अचळदास खीची ती. १३५
 अचळदास जगमालीत हू १२१
 अचळदास जेतसिधोत ती. २०५
 अचळदास प्रागदासोत प. २३६
 अचळदास वळभद्रोत प ३०७
 अचळदास भाटी हू ६५, १०६, १७४,
 १६२

अचळदास माघोदासोत हू १४६
 अचळदास रुघनाथ रो हू ११६
 अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
 अचळदास विक्रमादीश्रोत हू १३०
 अचळदास सावतस श्रोत प. २३४
 अचळसिध प. ३००, ३२४
 अचळो प २७, ६८, ७८
 ,, हू ८५, १६८, १७८, १८२,
 १६७
 अचळो खेतसी रो प. ३६०
 अचळो नेतसी रो प. २४०
 अचळो भेरुदासोत हू १८१
 अचळो रायमलोत ती. ११६, २४६,
 २४८
 अचळो रिणमलोत हू. १२, १४१
 अचळो सिवराजोत हू. १८०
 अचळो सुरतांण रो हू. १०४, १५६
 अचळो सेखा रो प. ३२६
 अज प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 अजवसिध प. २७, ६६, ८७, ३०५,
 ३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
 अजवसिध ती. २२४
 अजवसिध करणसिधोत ती. २०८
 अजवसिध त्रिन्दावन रो प. ३०६, ३०७,
 ३०८, ३१०
 अजवो हू ६६
 अजमखान नदाव हू २०५
 अजमल चूडावत हू, ३१०
 अजयपाल चक्रवर्ती प २६२
 अजयभूपाल राणो ती. १७५
 अजयवार दे० अजवाराह ।
 अजयवार दे० अजवाराह ।
 अजवाराह ती २१६
 अजसिध प ३२२, ३२४
 अज सीहोजी रो ती. २६
 अजावित्य प. १०

अजीत मोहिल ती १५८, १५९, १६०,
 १६७
 अजीतसिध महाराजा ती २१३
 अजीत हाडो मालदे त ती २१६
 अजु रावळ प. ७८
 अजु हू. ३८, १०७
 अजैचद ती १८०
 अजैदेव प २६१
 अजैपाळ प. २६१, २८०, २९२
 अजैपाळ गध्रपसेन रो प ३३८
 अजैपाळ चकवै प २९२
 अजैवध प २९२
 अजेराव प २५१
 अजेवाह प १२३
 अजेसी प १४, १५, १६३, १६४
 अजेनी अजैपाळ रो प ३३८
 अजो प ५१
 ,, हू ७७, ८०, १००, ११७
 अजो किसनावत हू १४४
 अजो चूडावत ती ३१
 अजो (जाम) हू २२४, २४०
 अजो प्रथीराव रो प २४३
 अजो राजा रो हू. २६२
 अजो सांवतसीश्रोत प २३५
 अट्टेरण हू १, ११, १७
 अडमाल ती १३८
 अडमाल रिणमलीत हू ३३८
 अडराज ती ४९
 अटवाल प ३९१, ३९२
 अडवाल धीहळ प २२५
 अटवाल सोढो प ३६१, ३६२
 अड्ड प. १६
 अणद हू १४३
 अणदसिध प ३१९
 अणदसिध ती २२६, २३०
 अणदसिध अनोपसिधोन ती. २०८
 अणतली राणो रायसी रो प ३४६, ३५२

अणघो हू. १०,
 अणतसिध ती २२९
 अणदो राव प २८१
 अणपाल भाणव हू ५८
 अणहल प. १०१, १३५, १७२, २३०,
 २५०, २५८
 अतर प १२३
 अतिथ प ७८
 अतिथ ती १७८
 अतिरथ प २८८
 अत्रि हू ९
 अहू प १६
 अदो वाघेलो प १३७
 अनगपाल ती. १८७, २३८
 अनगराव प १०१
 अनतपाळ प. २८९
 ,, ती १८७
 अनतसी प १४
 अनदराज प. ७८
 अनरण्य ती. १७८
 अनळ खीची प. २९४
 अनादि प २९१
 अनाभि प ७८
 अनियो (अनो) भाटी हू ५८
 अनिरुद्ध (अनुरुध) हू ९
 अनिरुद्ध गौड प ३३०
 अनिरुध प २१२
 अनुरुध हू १५
 अनुरुध राजा गौड प. ३३०
 अनूपराम प. ३०८
 अनूपसिध प ३०९
 अनूपसिध जूभारसिध रो प. २९८, ३१०
 अनूपसिध महाराजा ती ३२, १७७,
 १८०, १८१, २०८ २०९
 अनूपसिध सूरसिध रो प ३२२
 अनेकसाह ती १८६
 अनेकसिध राणा ती. १८६

अनेना प २८७
 „ ती. १७७
 अनेरण प. ७८
 अनोपसिध प. १३३, ३०६, ३२४
 „ ती. २२३, २३६
 अपर डोडियो दू २०५
 अबदुला खा प १३१
 अबदुलो प ५६, ५७, ५८
 अबाबकर सुलताण ती १६१
 अबुल फजल प १३०
 अभंगमसेन प. ७८
 अभग सेन प. ७८
 अभीहड प. ३५२
 अभेकरन प. ३०१
 अभैचद ती १८०
 अभैमल पिथो रो ती. १६०
 अभैराम प ३०७, ३१०, ३२३
 अभैराम ती. २२८
 अभैराम अखैराज रो प ३०२
 अभैराज घुघमार रो ती २१८
 अभैसिध ती. २३३
 अभैसिध भाटी दू ११०
 अभो ऊदावत दू १४१
 अभो नेतसी रो प. २४०
 अभो भोजा रो प ३५४
 अभो सांखलो दू १८१
 अभो सेखा रो प ३२७
 अमर प. ३४३
 अमर जाडेचो दू २०६
 अमर तेज प. २६२
 अमरभाण प. ३२४
 अमरवण प. २८६
 अमरसिध प. १६०, ३२२, ३२४
 „ दू. १६१
 „ ती. ३६, ३७, २२३, २२४,
 २२८, २३३, २३५, २३६
 अमरसिध अणवसिधोत ती. २०८

अमरसिध करणासिधोत ती २०८
 अमरसिधजी दू. १४६, १५७, १६०,
 १६३, १६५, १६७, १६८, १६९,
 १८३, १८८, १९३
 अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०
 अमरसिध राणो प ६, १५, २४, २८,
 २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६, ५७,
 ५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५
 अमरसिध रांमदास रो प ३०३
 अमरसिध राजा प. १३३
 अमरसिध राजावत ती. ३५
 अमरसिध राव ती १८२, २१४
 अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,
 १०९
 अमरसिध सबळसिधोत ती ३५, २२०
 अमरसिध हरिसिधोत ती. २४६
 अमरसी रावळ प. ७६
 अमरसी सोमावत प. ३४१
 अमर सीहड रो प. ३४३
 अमरो प. ६८, १५७, १५९, १६४,
 १६६, १६७, १७२, १७३, १६५,
 १६७, २१२
 अमरो दू. ३८, ८८, ९२, १२२, १७५,
 १७७
 अमरो अहीर प. ३१८, ३१९
 अमरो कल्याणमलोत ती २०६
 अमरो केसोडासोत दू १६८
 अमरो खगारोत प ३०६
 अमरो पिराग रो प २३८
 अमरो भाणोत दू १८६
 अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८
 अमरो भोजावत प ३५६
 अमरो रतनावत दू १६३
 अमरो राणो दे० अमरसिध राणो ।
 अमरो राणो भालो दू. २५७, २६४
 अमरो रूपसी-भाटी दू १६८
 अमरो सोढो प ३६१

अमीखान पठाण हू २०५, २४०, २४१
 अमीपाळ प. २८६
 अमीरखान दे० अमीखान पठाण ।
 अमृतपाल ती. १८८
 अमेर्दासिघ ती २३०
 अमर्षण प २८६
 अमर्षण ती. १७६
 अयुनायु ती १७८
 अरजण रायमल्लोत ती ११५, ११६
 अरजन प २७, ३०, १६६, १६८,
 १६०, २६१, २८०
 अरजन हू ११, ८८, १३१
 अरजनदे प २६१
 अरजनदेव ती ५१
 अरजन भीव रो प ३३५
 अरजन रांगो मोहिल ती १५३, १६६
 अरजन, राव मालदे रो दोहीतो हू ६८
 अरजनसिघ प ३२२
 अरजुण सूरसिघोत ती २०८
 अरजुन पांडव हू ३५, ३६
 अरडकमल प २०५
 अरडकमल कावळोत ती १५
 अरडकमल चूडावत प ३४८, ३४९
 ,, ,, हू ३१२, ३२४,
 ३२६, ३२७, ३२८
 अरडकमल चूडावत ती ३०
 अरधविव हू १, ६
 ,, ती ३७
 अरसी प. २२५
 अरसी राणो प १४, १५, ३२, ६८
 अरमी रावळ प ७६
 अरसीह समरमी रो प २०३
 अरहड रावळ प ७६
 अरिमरदन प ७८
 अरुमक ती १७८
 अरोड भाखर हू १७
 अरफ ती १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
 अर्जुनपाळ राजा प १२८
 अर्जुनसिघ ती. २२८, २२६, २३०
 अर्द्धविव दे अरधविव
 अर्धसोम ती १८५
 अर्बुद हू ३
 अलइयो हू. २१५
 अलखां प ३२७
 अलखो चादण रो प. ३१५
 अलण प २४७
 अळघरो काकिल रो प. २६४, ३३२
 अलफखां ती २७४
 अलमखां दे अलफखा
 अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,
 २३०, २३१, २६२, २७६
 अलाउद्दीन दे अलावदीन पातसाह
 अलावदी प १४, २१३, २१६, २२०,
 ३३२, ३३५
 अलावदीन पातसाह ती. २८, ५०, ५३,
 १८३, १८४, २६३
 अलावदीन सुलतान ती. १६०, १६१
 अलावरदीखां ती २७७
 अलीखां हू १०३
 अलु प ४, ५
 अलैदियो हू २०६
 अल्लद महेन्द्र हू ४
 अवतारदे खीमरा रो प ३५५, ३६१
 अवलफजल प. १३०
 अवधमेव राजा ती १८५
 असकरी कामरा प. ३००
 असमज प ७८, २८८, २६२
 असमजस ती १७८
 अहमद प २६२
 ,, ती. १७, १८, ५७
 अहमदखान ती. ५३
 अहमद चाहिल ती. १७

आसथान राव ती २६, १७३, १८०
 आसपखां प ३३०
 आसमक राज प २८८
 आसराव प १३४
 ,, ती २२१
 आसराव कालण रो दू ३८
 आसराव जिंदराव रो प १०१, ११६,
 १३५, १७२, १८६, २०२, २०३,
 २२६, २३०, २४७, २५०
 आसराव धारावरीस रो प ३५५
 आसराव रतनू-चारण दू ५६, ७२, ७४
 आसराव रिणमलोत ती ३०
 आसराव सोढो प ३६३
 आसल प ३४३
 आसल मोहिल ती १५८, १७०
 आसल लाखण रो प. २०२
 आसादित प. ३
 आसावुद्धि ती. १८६
 आसो प १२५, १६६, २३८, ३४३
 ,, दू ३८, ६३, १६४, १६५, १८६,
 १६१, १६६, १६६
 आसो (आसथान) दू २७६
 आसो फचरावत प ३५७, ३६०
 ,, ,, दू १७४
 आसो डाभी दू. २७६
 आसो पुना रो प २००
 आसो प्रागदासोत दू १८४
 आसो भील ती ५३
 आसो माना रो दू २६४
 आसो रामचदोत दू १५६
 आसो रायपालोत दू १४५
 आसो वरजांग रो प २३२
 आसो वरमिघोत दू १७३
 आसो सकर रो प २४३
 आसो मांवादासोत प ३४३
 आहड मोहिल ती १५८, १७०

आहूठमा नरेश प. ६
 आहड ती १५४

इ

इदराव मोहिल दे इंद्रवीर राणो ।
 इंद्र ती. १७७
 इंद्र किलग रो प. ३३६
 इन्द्रचंद प ३१६
 इन्द्रजीत प १२६, ३१०
 इन्द्रपाल प. २६०
 इन्द्रभाण प. ६८, ३२१, ३२४
 ,, ती २३३
 इन्द्रभाण केदरीसिघोत दू. १५७
 इन्द्रभाण जंतसी रो प ३१५
 इन्द्रभाण पंवार प ४४
 इन्द्र राजा परमार ती. १७५
 इन्द्रराव दे० इन्द्रवीर राणो ।
 इन्द्रवीर राणो ती. १५३, १६६
 इन्द्रसिघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५
 इन्द्रसिघ मानसिघ रो प. १३३
 इन्द्रसिघ राणावत ती ३२
 इन्द्रसिघ सगर रो प २४
 इन्द्रस्रवा प० २८७
 इक्ष्वाकु प. ७८, २८७
 ,, ती. १७७
 इखुक प ७८
 इवार प २८८
 इसमाइलखा दू १०४

ई

ईंदो प. १५३
 ,, दू. ३१४
 ईतपाल सोलकी प. २८०
 ईलियो चावडो दू. २०५
 ईसर प. १६८, ३५१
 ,, दू. ७८, १४४, १७८
 ईसर कपूर रो प १२१

ईसर जैसा रो प १६६
 ईसरदास प ६६, १६०, २८१
 ,, दू. १२०, १२३
 ,, ती. ११८
 ईसरदास श्रवैराज रो प. ३५४
 ईसरदास उदैसिघोत दू. १३०, १३६
 ईसरदास कल्याणदासोत दू १५६
 ईसरदास कूपावत प. ३१८
 ईसरदास खेतसीश्रोत दू ६३, ६४
 ईसरदास जीवा रो प. २४१
 ईसरदास जैमलोत प. ३२८
 ईसरदास भोपतोत दू. १६०
 ईसरदास मानसिघोत दू १६३
 ईसरदास मोहिल ती. ३१
 ईसरदास रांगावत दू. १५१
 ईसरदास रांगो भोजराज रो प. ३५५,
 ३५६
 ईसरदास रायमलोत दू १८२, १८६
 ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६
 ईसरदास वीरमदेश्रोत दू १६६
 ईसरदास वैरा रो प. २८१
 ईसरदास सूजावत दू १६१, १६२
 ईसरदास सोढो प. ३६१
 ईसरदास हरदासोत दू. १७६
 ईसर पता रो दू २००
 ईसर वारहठ प. १५२
 ,, ,, दू २२३, २३६, २४६
 ईसर रायपाळ रो प. ३५१
 ईसर वीरमदेश्रोत प ३२
 ईसर सीसोदियो प. १११
 ईसरोसिघ ती. २२०, २३३
 ईससिघ प. २६०
 ईसो बाभण दू ३५, ३६
 ईहठ रांगो प १२४
 ईहठ सोळकी ती. २५७

उ

उगमणसीह सिखरावत ती ३०
 उगरसेन प. ३२५
 उगरो प. १६३, १६८
 ,, दू १२२, १६८
 उगरो लिखमीदासोत प. २३६
 उग्रसिघ प. २६६
 उग्रसेण चन्द्रसेणोत प २३५, २३६
 उग्रसेण नरसिघदास रो प ३१६
 उग्रसेन प. १६५, ३०४, ३०६, ३१७,
 ३२५
 उग्रसेन श्रजैवघोत प २६२
 उग्रसेन केसोदास रो प ३१४
 उग्रसेन छत्रसिघ रो प २६६
 उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प ७४,
 ७५, ७६, ७७ ८७, १२०
 उछरंग ती २२१
 उणगराव ती. २२२
 उत्तम रावळ प ५, ७६
 उत्तमरिख प १६३
 उत्तमसिघ ती २२४
 उदग भोहा रो प. ३३६
 उदग सीहडू खण्णेचा रो प. ३४२
 उदतराज रावळ प १२
 उदयसिघ करणसिघोत ती २०८
 उदयसिघ महाराणा ती. १७३, २०७
 उदयसिघ दे० उदैसिह मोटो राजा
 उदयसेन ती १८७
 उदयादित्य राजा ती १७६
 उदैकरण राजा प ३१३, ३२६
 ,, दू ६३
 उदैकरण खवास रो प. ३२३
 उदैकरण (जवणसी) जुणसी रो प २६०,
 २६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०
 उदैकरण फरसरांमोत प. ३१६
 उदैकरण रामनारणोत प ३५८

उदैकरण वेणीदास रो प ३१३
 उदैकरण राजा प ३१८, ३२६
 उदैकरण राजा ती १७५
 उदैकरण रायमलोत ती. १०२
 उदैकर पत्रनेत्र प ७८
 उदैचद राजा प ३३६
 उदैभाण प. ३२४, ३२७
 ,, हू १६०
 ,, ती २२८, २२९, २३०
 उदैभाण ईसरदासोत हू ६४, १०६
 उदैभाण देवडो प ३२, १५७, १५८
 उदैभाण फरसरांम रो प ३१६
 उदैभाण रावळ प ८७
 उदैमल पियोरो ती १६०
 उदैराम प ३०८
 ,, ती २३६
 उदैराम ब्राह्मण ती २७६
 उदैसिध प १६६, ३१३, ३२८
 ,, हू ८०, ८१, १६५, १८४, २०१
 ,, ती २२६, २२७, २२९, २३१
 २३७
 उदैसिध अखैराजोत प. २०७, २११
 उदैसिध कीरतसिधोत ती २१७
 उदैसिध कूभा रो प ३१३
 उदैसिध खगारोत प. ३०६
 उदैसिध गोपाळदासोत प ३४३
 उदैसिध जगमाल रो हू. ६८
 उदैसिध जेमल रो प ३१२
 उदैसिध डूकोत प १६६
 उदैसिध पचाइण रो हू १२०
 उदैसिध भगवानदासोत हू १७२
 उदैसिध भादावत हू. १८८
 उदैसिध भंरघदासोत हू १६६
 उदैसिध मालदेओत हू ६२
 उदैसिध मोटो राजा प १४२, १७०,
 २०८, २१०, २३२, २३३, २३८,

२४१, २४२, २६७, ३००, ३०३,
 ३१२, ३२६
 ,, मोटो राजा हू. १२१ १२८
 उदैसिध महाराजा जोधपुर ती १८२,
 २१४, २१७
 उदैसिध रांणो प ६, १५, १६, २०, २१,
 २२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४,
 ३६, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ६०,
 ६२, ७०, ७६, ८७, ९३, १०३,
 १०४, १०८, १०९, ११०, १११, ११२,
 १५०, १५७, १६०, २०७, ३४२
 ,, रांणो ती ३१
 उदैसिध रायमल रो हू १२३
 उदैसिध राव प १६१, १६४
 ,, ,, ती ३६
 उदैसिधराव रायसिध रो प १३५, १३७,
 १३८, १३९, १४१
 उदैसिध रावळ प. ७६
 उदैसिध राव वाघोत वीकूपुर घणी हू.
 १३०, १३१, १४१, १४४
 उदैसिध विना रो प. ३५८
 उदैसिध वीठळदास रो प ३०८
 उदैसिध साहिव रो प ३५८
 उदैसिध सूरजमल रो प १०६
 उदैसी ती. १२४, १२६, १२७
 उदैसीह अरसी रो प २०३
 उदोतसिध ती २१७
 उद्धरण राजा प २६७
 उधरण हू १०३, १०४, १२१, १२६
 उधरण अन्नवी प १२३, १२४
 उधरण गेहलोत प २००
 उधरण भोजदेओत प २३१
 उधरण घणवीर रो प २६०, ३१३
 उधरण सारग रो प. ३५१
 उधरसिध प. ३२२
 उपलराई प. ३३७

उपल राजा ती. १७५
 उरक्रिय प २८६
 उरजण नरवद रो प. ५०, १०६, ११०
 उरजन प १६४, १६७, ३६२
 ,, हू ८०, ११६, १६६
 उरजन कधरावत हू १८५
 उरजन गोपाळदास ऊहड़ रो हू ६६
 उरजन नरवद रो दे० उरजण नरवद रो
 उरजन पचाहणोत प. २३७
 उरजन महेसदासोत हू. १७०
 उरजन विहळ प २२४
 उरजन सत्तावत हू. १४५
 उरजन सोढो प ३६२
 उरस राजा प. २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
 ऊगमडो ईदो प ३४६
 ऊगमडो ईदो हू ३४२
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६
 ऊगमसी रांगो दे० ऊगमडो रांगो ।
 ऊगो थिरा रो हू ३८
 ऊगो मेहवचो हू १६४
 ऊगो वरसी रो हू २, ८१
 ऊदळ भाटी हू ६६
 ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,
 १०१, २३६, २८१, ३५१
 ,, हू ८०, ८४
 ,, ती २३५
 ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७,
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,
 २६४, २६५
 ऊदो करण रो प ३४३
 ऊदो कूंभावत प. ३६, ५१
 ऊदो गोगादेश्रोत हू ३१७, ३१६, ३२०
 ऊदो चांद रो प. ३३१
 ऊदो जेता रो हू १४१

ऊदो जेसा रो प. १६६
 ऊदो हूगरसीश्रोत हू १७८
 ऊदो त्रिभुवणसीश्रोत हू. ३१४, ३१५
 ,, ,, ती. २४
 ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१
 ऊदो माना रो प ३६०
 ऊदो मूंजावत प ३४६, ३४७, ३५२
 ऊदो मूळावत हू ३००, ३०१
 ऊदो रामावत प. १६६
 ऊदो रांमावत हू. १६४, १७३
 ऊदो रायपाळ रो प. ३५१, ३५३
 ऊदो रायमलोत प. ३५६
 ऊदो राव लाखा रो प १३६, १४२,
 १५८
 ऊदो लाला रो प ३१८
 ऊदो सुरतांग रो सोळकी प २८१
 ऊदो सोळकी हू १०७
 ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
 ऊदो हिमाळा रो प. २४४
 ऊधो साला रो प. ३४१
 ऊनड जाम हू २१५, २१६, २३६, २३७,
 २३८
 ऊनड भाटी हू ३
 ऊनड मूळराज रो हू ५४, ६६, ६७
 ऊमजी ती. २३३
 ऊहो हू ६६

ऋ

ऋतुपर्ण ती. १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओभळ प १४
 ओढो हू. २०६
 ओढो हू २०६
 ओढो रांवण दोदो दे षोढो रावण दोदो ।
 ओसत राजा ती. १८७

श्री

श्रीरगजेव पातसाह प. २६
 ,, ,, ती १६२, २१४,
 २३८
 श्रीरगसाह आलमगीर दे श्रीरगजेव
 पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळंकी प २६०, २६१
 कँवळ दे कमळ
 कँवरसाल भैरु रो प ३२५
 कँवरसी प ३५२
 कँवरसी ऊहड हू १००
 कँवरसी राणो खींवसी रो प. ३४६
 कँवळसी प. १२४
 कँसेन प ७८
 कडकुस्त प. २६२
 ककड प. १४
 ककुत्स्थ प ७८
 कचरदास प. २७
 कचरो प. २००, ३४३
 कचरो हू ८८, १३१, १४३
 कचरो उदैसिघ रो प. ३१२
 कचरो गोयददासोत हू १८०
 कचरो जैसा रो प २८, ६८ १६५, ३५७
 कचरो जैसिघदे रो प २३२
 कचरो देईदास रो प. २३३
 कचरो पोयावत हू १६०
 कचरो मेहाजळोत हू १७४
 कचरो ससारचंद रो हू १८४
 कचरो सागा रो प ३१५, ३१७
 कडवरारव राणो प. १२३
 कनकसिघ प ३०६
 कनकसेन प ७८
 कनीदास प. ३२६
 कनीराम ती २३३
 कनीराम दलपतोत प २३५

कन्हू प. २८, १६२
 कन्हू पचायणोत प २१
 कन्हीदास (कान्हीदास) हू १२०, १५१
 कपिल मुनि हू. २१६
 कपूर प १२१
 कपूरचंद दासा रो प ३१८
 कपूरो सरहठो हू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७
 कमधज धुंधमार रो ती २१८
 कमरो प. ३००
 कमळ प ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६२
 ,, हू. ६
 ,, ती. १७५
 कमलादित्य प. १०
 कमालदी हू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५४, ६६, ६७
 कमालदीन ती ३३
 कमालुद्दीन दे कमालदी
 कमो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३
 ,, हू २१५
 कमो कल्याणवास रो प ३४३
 कमो केलण रो प १६८
 कमो घोरंधार हू १२
 कमो बुध रो हू. १४०
 कमो भैरव रो प. १६६
 कमो मदा रो प १६७
 कमो रूपती रो प. ३५६
 कमो सीसोवियो रतनसी रो प ५०
 कमो सोळकी हू १०७
 कारण प ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
 ,, हू. ६६, ८२, ८४, ९०, ११६,
 १२२, १२५, १८२
 ,, ती २२१
 कारण अखैराज रो प. ३५३
 कारण कान्हावत हू. १७७
 कारण गिरघरदासोत प ३०५

करण गेहलो प २६१
 ,, ,, ती. ५०, ५३, १८४
 करण देईदासोत दू. १६६
 करण घोघो दू २०६, २१०
 करण मानसिघोत दू १६१
 करण रणमलोत ती २२६
 करण रतना रो प ३४३
 करण रामचदोत दू १५८, १६६
 करण राजा दू १३६
 करण राव (वीकानेर) दू १३२
 करण रावळ प ३५२
 ,, ,, दू. १०, १४, ३६, ७५,
 ६६, १२१, १३०
 करण वरसल रो प. १६६
 करण सकर्तसिघोत दू १५५
 करणसिघ महाराजा त १८, ३१, १८०
 १८१, २०८, २१०
 करणसिघ राव ती ३७
 करण सूरजमल रो प ३६०
 करणावित रावळ प ५, १२
 करणादित्य प. १०
 करणो डहरियो प १३२
 करन प १४, २१, ६३, ६६, ७०, १२८,
 १४२, १५६, १६१, १६४, १६६,
 १६७, १६८, १६९, २०६, २३८,
 २६०, २८०, ३०३
 करन कांन्हा रो प. ३५२
 करन गेहलो प २६१
 करन चतुरभुज रो प. ३४३
 करन पतावत प. ६७
 करन महाराजा प १२८
 करन, रतनसी रो भाई प. २१
 करन राणो प. ६, १५, ३०, ३१
 करन रावळ प. ५, १३, ७६
 करन वीसावत प १६८
 करम (करमसी) रावळ प ७६

करमचद प. २१, १०६, १२२
 ,, दू ६६, ७६, ६१, [६६, १२४,
 २०१
 करमचद अचळा रो प ३२६
 करमचंद कल्याणोत ती २०५
 करमचंद केलण रो प. २०५
 करमचद जगन्नाथ रो प. ३०१
 करमचद दासा रो प. ३१४, ३१५
 करमचद नरहरदासोत दू. १६६
 करमचद रावत ती १७६
 करमचंद्र वरसिघ रो दू. १२७
 करमसिघ ती. २२५
 करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६
 ,, दू १२४, २६४
 करमसी अचळावत दू १८६
 करमसा आसियो खीवसरोत प. १६१
 करमसी ऊहड दू. १००
 करमसी कल्याणदास रो प. ३११
 करमसी खीवा रो प ३४१, ३४२
 करमसी चहुवांग प ६७
 करमसी चीवो प. १५६, १५७, १६८,
 १७४, १७६
 करमसी जसधीर रो प २०३
 करमसी राजसी रो प. ३४६
 करमसी रायसिघोत दू. १६३
 करमसी रावत दू. ८६, ८७, ८८
 करमसी रावळ प ७६
 करमसी लूणकरणोत ती. २०५
 करमसी वीकावत दू १७३
 करमसी सहसमल रो प ३२५
 करमसी साखलो, हरिभक्त प ३४२
 ३४६
 करमसेन प. २६, ३२४
 ,, दू. १२३, १५२, १८६, १६३
 ,, ती. २२३
 करमसेन राव दू. ६५

करमो प ६६, २४७
 ,, हू. ८०, ८१
 करमो सेखावत प १६५
 करहीरो हू २२६, २३०
 करहो धु घमार रो ती. २१८
 कर्ण प २१, २८, १६०, १६२
 कर्ण चाचगदे रो ती. ३३
 कर्णदेव ती ५१
 कर्मादित्य प १०
 कलकी राजा ती १८७
 कलकरण केल्हण रो हू ११६, १४४
 कलकरण केहर रो हू २, ७६, ७७, १५२
 ,, ,, ती. २०, ३४, १०४,
 २२१
 कलमघ राजा प. २६२
 कलस सर्मा प ६
 कलादित्य प १०
 कलिकर्ण दे कळकरण
 कलो प ६७, १६७, १७१, १७२,
 २३६, ३२६, ३४१
 ,, हू ७७, ८५, १४३, १६६
 कलो अखैराज रो प ३२७
 कलो केसोदासोत हू. १६८
 कलो गांगावत हू १६१
 कलो ठाकुरसी रो हू १६२
 कलो भाटो हू ६६, ७७, ६६
 कलो भुजबळ रो प १६४
 कलो रतनावत हू १३८
 कलो रामसिघ रो प ३६१
 कलो रामावत प १६६
 कलो रायमलोत हू. १८२
 कलो राव मेहाजळ रो प १४५, १४६,
 १४७, १४८, १६०, २४६
 कलो रावळ हू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४
 कलोसिघ ती १६०
 कलो वरसिघ रो हू १२७

कलो वीदावत ती १२४
 कलो वीसळ रो प. २०१
 कलो ससारचंद रो हू १८४
 कलो सांवतसीओत प. २३५
 कलो साहरण रो प १०१
 कलो सिवराज रो प ३५६
 कल्याण प २७, २६०
 कल्याण किसना रो प. ८७
 कल्याणदास प २५, २८, ३०७, ३२७,
 ३४३
 ,, हू १५०, २६४
 ,, ती २२५, २३६
 कल्याणदास उग्रसेणोत प ३२०
 कल्याणदास करणोत प ३२०
 कल्याणदास किसनदास रो हू १२७, १२८
 कल्याणदास नारायणदासोत प २४६, ३४३
 कल्याणदास प्रथीराज रो प ३११
 कल्याणदास भाणोत प २११
 कल्याणदास भाखरसीओत प. १६६
 कल्याणदास भाटी ती. १८
 कल्याणदास राजधर रो हू १७७
 कल्याणदास राजसिघ रो प. ३०३
 कल्याणदास रायमलोत हू १७३
 कल्याणदास राव हू ८६
 कल्याणदास रावळ हू. ७६, ६८, १०२,
 १०३
 ,, ,, ती. ३५
 कल्याणदास लाडखान रो प. ३२१
 कल्याणदे राजादे रो प २६४, २६५,
 २६६, ३०१
 कल्याणमल प. १५६
 ,, हू १००
 ,, ती. १०१, १०२
 कल्याणमल उर्वेकरणोत ती. १५१, १५२
 कल्याणमल जैतमालोत प. २२
 कल्याणमल फर्तिसिघ रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६
 कल्याणमल राव ईडर रो हू २५६
 कल्याणमल रावळ हू. ११
 कल्याणसिध प २६, ४५, ३०५, ३०६,
 ३२१, ३२३, ३२४
 ,, ती २३५
 कल्याणसिध मानसिघोत प २६१, २६६
 कल्लो प. १६६
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२
 कवरो प ३६२
 कवाट दे कँवाट
 कस्तूरियो मृध (घिजो ईंदो) हू ३४२
 कश्यप प. ७८, २८७, २६२
 कश्यप ती १७५
 कहनी राजा प २६३
 कहवाट दे कँवाट
 कांगडो बलोच हू. ५५
 कातिसेन ती १८६
 कांथडनाथ जोगी हू २१४
 कांघळ प ६६, १६५
 कांघळ आलेचो प २१७; २१८, २१९
 कांघळ आलेचो (आलेचो) ती २६३,
 २६४
 कांघळ कचरा रो प. १६५
 कांघळजी ती १५, २१, २२
 कांघळ देवडो प २२४
 कांघळ भुजवळ रो प. १६५
 कांघळ मेहा रो प. ३४१
 कांघळ रिणमलोत हू ३३५, ३४२
 ,, ,, ती १६१, २२६
 कांघळ सिधदासोत हू १४५
 कांन प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६७, २०५
 कांन कितनाबत हू. १६४, १७३
 कांनड. प. २८१

कांनडदास प ३०६
 कांनडदे प. १४
 कांनडदे भाटी हू. ५२, ५४, ६६, ६७
 कांनडदे मेर दे कानो मेर
 कांनडदे राव राठोड हू. २८०, २८१,
 २८२, २८३
 कांनडदे रावळ प. २०४, २१३, २१६,
 २१७, २१८, २१९, २२०, २२१,
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,
 २३१
 ४०, ४१, ४२
 कांनडदे सांघतसीओत सोनगरो हू ३६,
 ४०, ४१, ४२
 कांनड भाटी दे कांनडदे भाटी
 कांन राव रायमलोत प. २५६
 कान सीसोदियो प. ६६
 कानो प २००
 कानो आलेचो प. २२४
 कानो खेतसी रो प ३६०
 कानो गोपाळदासोत हू १८६
 कानो घारण प. ३०७
 कानो मेर हू २७७, २७८
 कानो सोढो हू. १३५
 कांन्ह प २१२, ३०७
 ,, हू १५, ७७, ८१, ८८, ८९, ९३,
 ९६, ९७, ११६, १२३, १२४,
 २६२, २६४
 ,, ती २६
 कांन्ह अखैराज रो प. ३२७
 कांन्ह कल्याणदास रो प. ३१२
 कांन्ह कल्याणोत ती. २०५
 कांन्ह केलहणोत ती ३०
 कांन्ह तेजमालोत हू १२५
 कांन्हड (जैस०) ती २२१
 कांन्हडदे राव ती २३, २४
 कांन्हडदे रावळ प. १४, १८१
 कांन्हडदे सोनगरो ती. २८, १८४, २६३,
 २६४

कान्ह दूदावत दू १६७
 कान्ह भगवतदास रो प २६१, २६६
 कान्ह भोपतीत दू १६१
 कान्ह रांगो भालो दू २६५
 कान्ह राठोह रायसलोत प ३२२
 कान्ह राव (कनपाल) ती १८०
 कान्ह राव जैसा रो दू १३६
 कान्ह राव पूगळ रो ती ३६
 कान्ह सहसा रो प ३१४, ३१६
 कान्हसिध जैतसीयोत प. २३७
 कान्ह सिध रो दू. २६४
 कान्ह सूजावत दू १५१
 कान्हीदास प ३२०
 कान्हीरांम दे कनीरांम
 कान्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
 कान्हो दू १७६, १६३, २००
 ,, ती १६, २०, ३१
 कान्हो आवाषत दू १७७
 कान्हो फोळी दू २५६
 कान्हो चू डावत प. ३५३
 ,, ,, दू ३१०, ३१३, ३१४,
 ३३६
 कान्हो जांभणोत प २३६, ३५७
 कान्हो तेजसी रो प ३५८
 कान्हो पचाइणोत प. २०७
 कान्हो मेर दे. कानो मेर
 कान्हो सादूळ रो प. ३१५
 कान्हो हमीरोत दू. १८०
 कान्हकाचंद राजा ती. १८८
 कांमरां दे कुंचरो
 काहियो दू २१५
 काकस्त प. ७८
 काकिल राजा प. २६३, २६४, २६६,
 ३३२
 काकिलदेव प २६०
 काकुस्त प २८७

काकुस्त प. २८७; २६२
 कावो प ३३७
 कामपति सर्मा प. ६
 कारतन राजा प. ३३६
 कालण रावळ दू १०, ३८, ३६, ६४
 काळमुषो दू. १०३
 काळसेन राजा ती १७५
 काळो गोहिल दू. ३२६, ३२७
 काळो चोर प. २७२
 काळो टीवांगो दू. ३१४, ३१५
 काल्हण जेसळ रो दू २, १५, ३६, ६२
 ,, ,, ती. ३३, ३४, २२१
 काश्यप प. २६२
 कासिब प. २६२
 किरतो आहेडोत ती १५४
 किलंग प ३३६
 किसन प २७, १२१
 किसनचद प ३१६
 ,, दू ६२
 किसनचंद राजा ती १८६
 किसन चू डावत दू १४४
 किसनदास प १६०, १६४, ३१३
 ,, दू ८८, ६०, १२३, १३६
 ,, ती. २२६, २३१
 किसनदास अखंराजोत दू. १८७
 किसनदास करमचद रो दू १२७
 किसनदास पचाइण रो प ३०७, ३०६
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६
 किसनदास रायमलोत दू. १५२
 किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१६
 किसनदास सूजा रो प ३१३
 किमन भाटी वळुओत दू १०७, १२४,
 १३४
 किमन नाह प. १२६
 किमनसिध प. २५, ३१, २३५, २४७,
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
 ,, दू ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
 , ती. २२३, २२४, २२५, २२८,
 २३०, २३१, २३२
 किसर्नसिध उर्वसिधोत दू १५५
 किसर्नसिध खंगारोत प ३०६, ३०७
 किसर्नसिध गिरधर रो प. ३२२
 किसर्नसिध जूभारसिध रो प. २६८
 किसर्नसिध रामचबोत दू. १५८
 किसर्नसिध राजसिध रो प. ३०३
 किसर्नसिध राजा ती २१७
 किसर्नसिध रायसिधोत ती. २०७
 किसर्नसिध रावत प. ३१६, ३१७
 किसर्नसिध लूणकरणोत ती. २०५
 किसर्नसिध धाघावत प ३१६, ३१७,
 ३२०
 किसर्नसिध सादूळसिधोत ती २११
 किसर्नसिध साहिबखान रो प. ३३०
 किसर्नसिध हमीरोत प ३०५
 किसर्नो प. १६, ६६, ८७, १५२, १६७,
 २३५
 ,, दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,
 २००, २६२
 ,, ती. ३७
 किसर्नो खींवा रो प. ३६०
 किसर्नो जगमालोत दू १६१
 किसर्नो जांभूण रो प ३५२
 किसर्नो तेजसीओत दू. १६४
 किसर्नो नींवावत दू १५४, १६१
 किसर्नो मेहाजळोत दू. १७४
 किसर्नो रमावत दू १६४
 किसर्नो धाघावत ती. ३७
 किसर्नो सिध रो दू २६४
 किसोरदास प ३०७
 ,, दू ६६
 किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
 किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
 किसोरसाह प. १२६

किसोरसिध प. ३१०, ३२६
 कीतपाळ प. २०५, २८०
 कीत् प. १३५, १६६, १८७, २०३,
 २४५, २४७
 कीतो प. २८
 कीतो भ्रवतारवे रो प ३५५
 कीतो गोगली दू ३
 कांतो सांडा रो प ३५४
 कीरतखां भलखा रो प. ३१५
 कीरतपाळ राठोड ती. २६
 कीरत-ब्रह्म रावळ प. ५, ७६
 कीरतसिध प. २६८, ३११
 ,, दू ६१, १६६
 ,, ती. २२१, २२३, २३२
 कीरतसिध जैसिध रो प ३३०
 कीरतसिध ताजखान रो प ३२४
 कीरतसिध राजा जयसिध रो प. २६१,
 ३३०
 कीरतसी राणां प १२३
 कीर्त्तिमत ती १८७
 कीर्त्तिसेन ती. १८६
 कील प. १२४
 कीलणवे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
 कीलू करणोत प. ३४७
 कुत प. १२४
 ,, दू. ३
 कुंतपाळ प. २०३
 कुतल प ३३०
 कुतळ कीलणवे रो प ३३१
 कुंतळ फेल्हणोत ती ३०
 कुतल माला रो प १२४
 कुतल राजा कल्याणवे रो प. २६५,
 २६६
 कुतसीह प. १०१
 कुंभ प २८७
 कुंभकरण प. ५४, १८८, ३२८
 ,, दू ६६, ३४३

कुंभकरण ती २३१
 कुंभकरण नाथावत ती. ३७
 कुंभकरण रुद्र रो प ३१६
 कुंभकन दे कुंभकरण
 कुंभकर्ण दे कुंभकरण
 कुंभो दू ६२, १२०, १२३, १२५, १८३
 १६६, १६६, २०१
 ,, ती २३४
 कुंभो ईसरदासोत दू १७६
 कुंभो कार्पलियो प २४८, २४६
 कुंभो किसनदासोत दू. १८७
 कुंभो खैराडो प २७६
 कुंभो चाचा रो दू ११७
 कुंभो जगमाल रो दू २८८, २६०, २६१,
 २६२, २६३, २६४, २६५, २६६,
 २६७, २६८
 कुंभो देवीदास रो दू ८४
 कुंभो नरसिंघ रो प १६६, १६७
 कुंभो पतावत दू १७१
 कुंभो मनोहरदासोत दू १६७
 कुंभो राणो दू १५३, ३३६, ३४०
 ,, ,, ती १, २, १३६, १४६,
 १५०, १६१, १६२, २४८
 कुंभो वीरसिंघोत दू. १७३
 कुंभो वीसारो प १६६
 कुंवरपाळ ती ५२
 कुंवर सांडणोत प ३५४
 कुंवरो प. ३००
 ,, ती १६, १७
 कुंकर दू ३
 कुतबतारखां सुलतान प. २६२
 कुतबदीन ममारख सुलतान ती १६१
 कुतबदीन ती ५३, ५४, १६०
 कुतुबखान दू २२४
 कुतुब तातारखां दे कुतबतारखा सुलतान
 कुतुबुद्दीन मुवारक सुलतान दे कुतबदीन
 ममारख सुलतान

कुदाद सुलतान ती. १६१
 कुमसी (कुमरसी) रावळ प. ७६
 कुरथ-सुरथ प ७८
 कुरभेर रावळ प १३
 कुरशो ती. २१८
 कुलखत प १२३
 कुळसिंघ राजळ प ८७
 कुवलयाइव ती १७७
 कुश ती १७८
 कुस प ७८, २८८, २६२, २६३, २६५
 कुसळचद प ३१६
 कुसळसिंघ प २०८, ३०५, ३०६, ३१०
 ३१७, ३२०
 ,, दू ६४
 ,, ती २२३, २३१, २३५
 कुसळसिंघ रायसल रो प ३०६, ३२४
 कुसळो दू १३३
 कुतळ चूडावत प ६६
 कुतळ सीसोदियो प. ६६, ६६
 कुपो ती ८१, ८३, ८४, ६५, ६७, ६६
 कुपो अखैराजोत प. २३७
 कुपो ऊदावत प ३६०
 कुपो मालावत दू. २८८
 कुपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२
 ,, ,, दू १७८, १८७, १६२
 कुंभो प ३६१
 कुंभो कछवाहो पुणसी रो प ३२६, ३३०
 कुंभो गोपाळदेशोत प ३४८
 कुंभो गोयद रो प. २३६
 कुंभो चद राजा रो प ३१३
 कुंभो देवराज रो प ३५६
 कुंभो राणो प ६, १५, १६, १७, ५१,
 ५३, ५४, ६१, ३४२
 कुंभो रांसिंघ रो प. ३४३
 कुंभो वीरमदे रो प. ३४१
 कुंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १६७
 कूभो सेखा रो प ३२८
 कूर्तजय ती १७६
 कृपाळदेव ती. २१६
 कृशाश्व ती. १७७
 कृष्णादित्य प. १०
 केलण प. २०५
 ,, ती. ७२, २२१
 केलण तेजसी रो प १६३, १६८
 केलण दुजणसाल रो प. ३५५
 केलण भाटी दू ३१५
 ,, ,, ती. २०, ३४
 केलण राव प. २०३, ३५३
 केलण रावळ दू. २, ३, १२, ७५, ७६,
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,
 ११५, १२६
 केलण वीसा रो प. १६८
 केलहण राव ती ३६
 केलहणराव केहर रो दू ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,
 १४१
 केलहण वीकावत ती. २०५
 कलहो दू ११२, ११३
 केवळदास गोयदोत प. ६७
 केवांध प. २६२
 केसर मिलक दू. ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
 केसरसिंघ प २०८
 केसरिदेव रावळ दू २८०
 केसरीसिंघ प २७, २८, २९, ४९, ११६,
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,
 ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०,
 ३२८
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६४
 ,, ती २२६, २२७, २२८, २२९,
 २३०, २३१, २३५, २३६
 केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५६
 ,, ,, दू. १५६

केसरीसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 केसरीसिंघ ठाकुर ती. १७६
 केसरीसिंघ दयाळदासोत दू. १४७
 केसरीसिंघ दूदावत दू. १६३
 केसरीसिंघ भाटी सकतसिंघोत दू १०६
 केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३
 केसरीसिंघ राव ती. ३७
 केसरीसिंघ रावळ प ७६
 केसरीसिंघ लाडखान रो प ३२१
 केसरीसिंघ लूणकरण रो प. ३१७
 केसवदास ती. २३१
 केसवदास देईदास रो प. २३३
 केसवदास भैरव रो प. ३१३
 केसव सर्मा प. ६
 केसवादित प. ३, ७८
 केसवादित्य प. १०
 केसो प १६६, १६६
 ,, दू १४३
 केसो उपाधियो प ३४४, ३४५
 केसोदास प २६, २७, ६५, ६८, १२८,
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
 केसोद स दू ८८ १२१, २६४
 केसोदास अखैराजोत दू १५२, १८८
 केसोदास ईसरदास रो प. १५२, ३५४
 केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४
 केसोदास खगारोत प. ३०६
 केसोदास जगमालोत दू १७७
 केसोदास जसवत रो प १२०
 केसोदास जोगीदासोत दू ११६
 केसोदास द्वारकादास रो प १६१
 केसोदास नाथावत प. ३११
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६
 केसोदास पंचाइन रो प २३७
 केसोदास पतावत दू १७७
 केसोदास प्राणदासोत दू १८३
 केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
 केसोदास मान रो प. १०६
 केसोदास मालदे रो प. ३१५
 केसोदास रायसिघोत दू. १६३, १६७
 केसोदाम राव प. ३१५
 केसोदास वाघावत दू. ६०
 केसोदास सहस्रमलोत दू. ६७
 केसोदास सूरजमलोत दू १८६
 केसोदास हमीरोत दू. १७६
 केसोदास हाडो प. ११७
 केसो मुहतो दू १५८
 केसोराय प १३१
 केसो लाडखान रो प ३२१
 केसोसेन राजा ती १८६
 केहर दू ४६, ५०, ११६, १५२
 केहर राणो भालो दू. २६५
 केहर रावळ दू १, २, १०, १४, १५,
 १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५
 ,, रावळ ती ३४, २२१
 कैकमरो लसकरी प ३००
 कैमास दाहिमो ती. २६
 कैरव ती १५३, १५४
 कैवाट दू २०२, २०७
 कोजो चूडा रो प. ३५१
 कोदो रावत ती १७६
 कोळीसिघ प. १५१, १५२
 कोरव दे कैरव
 कोमल्य प. ७८
 क्यामखान ती. २७३, २७४
 फनराय प. २८६
 फतागराज प २८६
 फन बानेसवर प १६१, १६२
 फन्न प २७८
 फमपाळ प. २८६
 सत्र ती. १७६
 धीमराज ती. ५०

क्षुद्रक ती. १८०
 क्षुद्रकराय प २८६
 क्षेमध्वनि दे खेमधुनी
 ख
 खंगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६,
 ६२, १५०, १५५, ३१३
 ,, दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६
 २१५, २१६, २१८, २१६, २२०,
 २२१, २२२, २२३, २४१
 खंगार जगमालोत प. ३०४
 खंगार तेजमाल रो दू १२५
 ,, ,, ,, ती. ३७
 खंगार जांभण रो प. २४०
 खंगार देपा रो प ३६३
 खंगार भगा रो, भील प ४७
 खंगार भाटी नरसिघ रो दू. १०७
 खंगार राव दू २०२, २३८, २३६, २५४
 खंगार रावत रतनसीघोत प. ३६, ६६
 खंगार राहिव रो प. ३५८
 खंगारसिघ ती. २३१, २३२
 खंगारो हमीर रो प. १५
 खंगारो प ३५२
 खंगारो घोरी ती ५६
 खटवांग ती. १७८
 खडगल तुवर प. ३२०
 खडगसिघ ती. २३२
 खडगसेन प ३१२
 ,, ती २२३, २२८
 खरहय डूगरसी रो प. ३२६, ३५६
 खरहय बाला रो प. ३२६
 खलमल घोरी ती ५६
 खवासण घाई भाई प. ७१
 खंडिराव प ३३१
 खान दू ३००, ३०१
 खात खानो प ३२५
 खान दोगी ती २७८

खान नापा रो प. ३३१
 खानजिहां प. २६६, ३०५, ३२१
 ३२२, ३२६
 खान मिरजी ती ६६, ७०, ७१, ७२
 खान हबीब प ३०७
 खानजहा दे खानजिहां
 खापू थोरी ती ५६
 खाफरो चोर प. २७२, २७३, २७४, २७५
 खिजरखां लोदी ती. १६१
 खिलचखां ती. १६१
 खिलजी प ६, १४
 खींदो प. १६६
 ,, ती. १४५, १४६
 खींदो गोयव रो प. १६५
 खींदो बारहट हू ११८
 खींदो वेरा रो प ३४१, ३४३
 खींमरो बुजणसाल रो प. ३५५
 खींषकरण प ३२५, ३२८
 खींवरज प. १६३
 खींवरज खिड़ियो प २०, ४८, ६६
 खींवरज घघघाड़ियो प ६०, १८०
 खींवसी रांगो अणखसी रो प. ३४६, ३५२
 खींवसी सुरतांगोत प. ३४३
 खींवो प. १६, ६१, ६२, १०१, १४५,
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
 १६५, २०७
 ,, हू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
 १६६
 खींवो करण रो प ३६०
 खींवो जसहट्ट रो प ३४७
 खींवो जेठवो हू. २२१
 खींवो राव हू. १८४
 ,, ,, ती. ३७
 खींवो रावत सेखावत हू. १२१
 खींवो वरजांगोत हू. १६२
 खींवो सोढो प. ३६१
 खींवो सोनगरो हू. १२७

खीट्वाळ हू. १, ६
 खीमपाळ ती. २१६
 खीमराज दे. खेमराज
 खीमरो प. ३५५
 खीमो ती. २३५
 खीमो ऊदावत ती. १००, १०१
 खीमो मुहतो ती. ६५, ६८, ६९
 खीमो राव पोकरणो ती १०३, १०४,
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,
 ११४
 खीेर हू.
 खीरथुर प ७८
 खीरुज प. ७८
 खुघु प. ७३
 खुमांणसिघ रावळ प. ७६
 खुरम प. २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,
 ५३, ५६, ५८, ५९, ३०१
 खुरम साहजावो हू १४८, १५२, १५६,
 खुशरो दे. खुसरू सुलताण
 खुसरू सुलताण ती १६१
 खूंट (चारण) हू. २०२, २०३
 खूमांण रावळ बापा रो प. ४, १२, ५६,
 ७८
 खिकावित्य प १०
 खिंदो वानर प २५०
 खेतसी प. १५, २३६, ३४३
 ,, हू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
 खेतसी अरडकमलोत ती १६, १७
 खेतसी ऊदा रो प. २४१
 ,, ,, ,, हू १७३
 खेतसी किसनदासोत हू. १८७
 खेतसी जाडेचो हू २०६
 खेतसी जींसिघवे रो प. ३५२
 खेतसी तेजसी रो प ३५७
 खेतसी घांघू प. १५२
 खेतसी नेता रो प. ३५२
 खेतसी मडळीक रो हू. १२१

खेतसी महीरांघण रो प ३६०
 खेतसी मालदेओत हू ६, ६३, ६४, ६५,
 ६६, ६७
 खेतसी मालदेओत ती. ३५, २२०
 खेतसी रांणो प. १५
 खेतसी रांम रो हू १४१
 खेतसी राव हू १३२
 खेतसी साडूळोत हू. १६८
 खेतसीह रतनसीहोत प ६७
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
 ,, हू ७५, ७७, ८१, १४३
 खेतो कांपलियो प. २४६
 खेतो तेजा रो प ३५२
 खेतो परवत रो हू ८१
 खेतो भाटी हू ६६
 खेतो राणो प ६
 खेतो रांणो हू ३२५
 खेतो सहसमल रो प ३५२
 खेमघन प ७८
 खेमघुनी ती १७८
 खेमराज प २५६
 ,, ती ४६
 खेम सर्मा प ६
 खेमादित्य प १०
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१
 खेलूजी ती २७६
 खैराज खरहथ बाला रो प ३२६
 खैराज राघत कीलणदे रो प. ३३१
 खोखर हू ३१०
 खोटीवाळ हू. ६
 खोहराव प १६५

ग

गंग ती १५३
 गग राणा साह रो दे. घणसूर
 गगादास प ४३, ४६, ३५८
 ,, वू ८०, १६८
 गगादास वैरसल रो प. ३५३
 गगादित्य प १०
 गगाधरादित्य प. १०
 गजमादित्य प. १०
 गद्रपसेन राजा ती. १७५
 गघपाळ प २६०
 गघर्वसेन दे. गंद्रपसेन राजा
 गध्रपसेन प ३३६, ३६८
 गजनीखान हू ६७
 ,, ती. १२४, १२५
 गजनी पातसाह हू ३३
 गज सर्मा प ६
 गजसिध प १६, २६, २७, ६८, १३३,
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,
 ३२८, ३४२
 ,, हू १३४, २५७
 ,, ती २२१, २२५, २२६, २२७
 गजसिध केसोदासोत प ३१०, ३११
 गजसिध कुवर हू १५५, १६६, १६४
 गजसिध जोधा रो प ३५६
 गजसिध महाराजा (जोधपुर) वू ११०
 ,, ,, ती १८२, २१४
 गजसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२
 १८०, १८१, २०८
 गजसिध राजा प ३२५, ३४२
 गजसिध राजा वू ८१, ६८, १५६
 गजसिध हरनाथोत प ३२३
 गजू अक्षतारदे रो प ३५५, ३५६
 गर्जसी प ३४२
 गजो भ्रांभा रो प. १६२

गजो रिणमल रो प १३६
 गहू प १६
 गणेशदास राव ती ३६
 गदांकर प २६२
 गयासुदीन तुगलक साह ती १६१
 गयासुदीन बलवंड ती १६१
 गयासुदीन बलवंड (बलवन) दे० गया-
 सुदीन बलवंड
 गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८
 ,, दू. ६२
 गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
 २१२, २१४
 गहनपाळ प. १३०
 गहर राव दू. २०२
 गहरवार प. १२८
 गागो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३
 ,, दू ७५, ८१, ८८
 गांगो किसनावत दू १६७
 गांगो खोंच रो दू. १२१, १२२
 गांगो गोयद रो प ३५६
 गांगो चांपा रो (चोपा रो ?) प ३५५,
 ३५८
 गांगो डगरसीओत ती. ८४
 गांगो नरसिंघ रो प. ३४३
 गांगो नींबावत दू. १५४, १६१
 गांगो भाखरसी रो प ३६३
 गांगो भाटी धीरमवेओत दू १००
 गांगो भैरवदास रो प. २४१
 गांगो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१,
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५
 गांगो रावळ प. ७६
 गांगो घरजागोत दू. १६२
 गांगो हमीर रो प. ३५८
 गाडण सहजपाळ प. २२५
 गाप्रड प. ५, ७६
 गात्र रावळ प १२

गारियो दे० गाहरियो
 गालण राव प २५३
 गालवदेव सर्मा प. ६
 गालव सर्मा प ६
 गालवसुर सर्मा प ६
 गाहड दू २, ३३
 राजा गाहडदेव (गाहडदे) ती. ४६
 गाहर राव दे० गहर राव ।
 गाहरियो दू. २०२, २०६
 गिरधर प. २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
 ३४३
 ,, दू ८८, ६५, ६७, १२२, १२३
 गिरधर अचळदास रो प. ३०७, ३२५,
 ३२७
 गिरधर कूभार प ३५३
 गिरधर चादावत ती. २४६
 गिरधरदास प ३२६, ३४३
 गिरधरदास दू १८५
 गिरधरदास नराहणदासोत प ३०५,
 ३२६
 गिरधरदास माधोदासोत दू. १४६
 गिरधरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
 गिरधरदास सुरजनोत दू १८५
 गिरधर भाटी गोवरधनोत दू. १०६
 गिरधर राजा प ३२६
 गिरधर रावळ प. ७६
 गांदो प २५३
 गीगन राणो दू. २६५
 गुणरग मंडळीक प. १२३
 गुमानसिंघ ती २२७, २३१
 गुरुक्रिय ती. १७६
 गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
 गुरुप्रिय दे० गुरुक्रिय ।
 गुलालसिंघ सिरवारसिंघ रो.प १२१
 गुहादित्य प. ३, ७
 गुहिल प. १

गूगो जगदेव रो प ३३७
 गूंडराज प २५६
 ,, ती. ४६
 गूडो प. १२७, १२८, १३१
 गूदळराघ खीची, प्रथीराज रो सांवत
 प २५१, २५२, २५३
 गूवर्द्धसिध आणवसिघोत ती. २०८
 गैचद प. ३३८, ३३९
 गैमल गर्जसिघोत ती. ३०
 गैहलडो प. ३३७
 गोइचदास दे० गोयंददास ।
 गोकळ दू० १४०, १७४
 गोकळदास प २६, ६६, २०८, २०९,
 ३०६, ३१२, ३१६, ३२५
 ,, दू. ६७, १२०
 गोकळ पेंवार प. ३४३
 गोकळ पतावत दू. २००
 गोकळ रतनू दू. ६, ३१
 गोकळ सोढो प ३६१
 गोग रांणो दू २६५
 गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
 गोगादेजी प. ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादे धीरमोत दू. ३०४, ३१२, ३१७,
 ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२,
 ३२३
 गोगादे धीरमोत ती ३०
 गोगाराम प ३२३
 गोगो प १३५
 गोगोजी चहुवांण ती. ६२, ७२, ७३, ७४,
 ७५
 गोतम दू. ६
 गोतमादित्य प १०
 गोदभ प ३३६
 गोदसीदित्य प १०
 गोदसीस सर्मा प ६
 गोदो राजसिघोत ती ३०
 गोपाळ प. १७, ३२६

गोपाळ दू. ७८
 गोपाळ फांन्हा रो प. ३५२
 गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
 गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,
 ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
 ,, दू. ८१. ६१, ६२, ६३, ६५,
 १०८, १२२, १२८, १६१, १६७
 ,, ती. २३०, २३१, २३२
 गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६
 गोपाळदास ऊहड प. २४३
 ,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
 गोपाळदास कल्याणमलोत ती. २०६
 गोपाळदास किसनदासोत प १५२
 गोपाळदास गिरघर रो प. ३२२
 गोपाळदास गौड़ प. ३०१
 ,, ,, ती. २७२
 गोपाळदास जेसावत दू १४६
 गोपाळदास घनराजोत दू. १२२
 गोपाळदास नाथावत प. २६०
 गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६
 गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१
 गोपाळदास भींघांत दू १६४
 गोपाळदास सांडणोत दू १६७
 गोपाळदास मेरावत दू. १८८
 गोपाळदास रांणावत दू. १६८
 गोपाळदास राठोड़ दू २०१
 गोपाळदास सहसमल रो प ३१४, ३१७
 गोपाळदास सांवतसीघोत प. २३४
 गोपादासळ सु वरदासोत दू. १५२
 गोपाळदास सुरतांणोत दू ६८
 गोपाळदास सूजावत ती २७४
 गोपाळदे प ३४६
 गोपाळदे सींघल प २५७
 गोपाळ राघ प. १५३, २५६
 गोपाळसिध प ३०१
 गोपाळ सूजा रो प ३२५, ३२६
 गोपिंड प. ३३६

गोपीचंद्र राजा तो. १८६
 गोपीनाथ प. १२०, ३०५, ३१५, ३१६,
 ३२६
 गोपो प १६
 ,, हू १२, १७४
 गोपो अखैराज रो प २३८
 गोपो गगादास रो प. ३५३.
 गोपो देवडो हू १००
 गोपो रांमा रो प ३५७
 गोपो रावळ प. १६, ७६, ८६
 गोपो राव धीकूपुर ती. ३६
 गोपो रिणमलोत हू १४१
 गोयंद प. १२, १७, ७८, १६४, १६५,
 १६६, ३२६
 ,, हू ७७, ८०
 ,, ती. ११४
 गोयव ऊदा रो प. ३६०
 गोयव ऊहड हू १००
 गोयंद कूपावत ती. १२३
 गोयव खगार रो प ६६, ६२, ६३
 गोयवदास प. ६६, १६४, १६५, १६७,
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८
 ,, ८८, ६४, १२२ १२३, १२५,
 १८३, १८६, १६८
 गोयददास आसकरणोत हू. १३६
 गोयददास ईसरदास रो प ३५४
 ,, ईसरदास रो हू. १०६]
 गोयददास उग्रसेनोत प २५६, ३२०
 गोयददास किसनावत हू. १६७
 गोयददास जेसावत हू. १५०
 गोयददास तेजसी रो प ३५४
 गोयददास देवडो देवीदास रो प. १४३
 गोयंददास पचाइणोत हू ११६
 गोयवदास प्रताप रो प. १५६
 गोयंददास बळभद्रोत प ३०७
 गोयददास भाटी हू ८१, १००, १५०,

१५५, १५८, १६१, १६२, १६३,
 १६६, १७४, १८६, १६३, १६४,
 १६६
 गोयददास मानावत हू १५४
 गोयददास लखावत हू. १६१
 गोयददास सहसमल रो हू. ६६, १५६.
 गोयददास सूरजमलोत हू. १२८
 गोयददास हमीरोत हू. १८०
 गोयद देवडो हू १००
 गोयद राजधर रो प. ३५६
 गोयदराज सोळकी प. २८१
 गोयदराव प २५१
 गोयद रावळ प १२, ७८
 गोयद सांवतसी रो हू ७८
 गोयद हमीर रो प. ३५८
 गोरखदान (कतर) ती २२७
 ,, (गैडाप) ती. २२७
 गोरखनाथ हू. २११, ३२०
 ,, ती. ७६
 गोरधन गिरधर रो प ३२२
 गोरधन रांमसिध रो प ३४३
 गोरो प २५२
 गोरो राधावत पडिहार प. १५२
 गोरो सोनगरो ती. २८०, २८६, २६०,
 २६१
 गोवद रावत खगार रो प ६२, ६३
 गोवरधन प ६८, १६०-
 ,, हू. ६५, १२२, १२३, १८६
 गोवरधन कूभा रो प ३४१
 गोवरधनदास प ३१६
 गोवरधन सर्मा प ६
 गोवरधन सुंदरदासोत प ११७, १२५
 गोवरधन सोडो प. ३६१
 गोवरधनादित्य प १०
 गोविंद कधियो-चारण ती. २७०
 गोविंदचद राजा ती १८६

गोविंददास प ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

,, ती. २३१, २३२, २३४

गोविंददास उपसेणोत प. ३२०

गोविंददास बलभद्रोत प. ३१८

गोविंददास भाटी हू २५३

गोविंदपाल राजा ती १८८

गोविंद राजा ती. १८६

गोविंद सर्मा प. ६

गोविंदादित्य प १०

गोशील दे० गोशील राणो ।

गोशील राणो ती १७५

गौतम प २६३

ग्यांनसिंघ प ३००

ग्रहादित प ३, ७८

ग्रहादित्य प १०

घ

घडसी प २३१

घडसी रतनसीश्रोत हू, २८८

घडसी रावळ हू १०, १३, ५२, ५३,
५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,
७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,
२८५

,, ती. ३४, २२१

घडसी रायमलोत हू १८६

घडसी घीकावत ती. २०५

घडसी सोडो प ३६१

घणर दे० घणसूर

घणसूर (रांगा चाहडरो बेटो) ती. १५३,
१६६

घनादित्य प १०

घाघडदे (राजा) ती ४६

घायडदे ती ४६

घोघो श्रवतारदे रो प. ३५५

च

चंडो प १६

चंद प २८७

चद उधरण रो प. ३१३

चदगिर प, २६०

,, ती. ५०

चद रांगो परमार ती. १७५

चदराज प ३५८

चद राजा प ३१३

चदराव हू. ७६

चदेल घुंघमार रो ती. २१८

चदो प. २६, १४२, १७३

चदो राव ती. २४८

चद्रपाळ राजा ती. १८८

चद्रभाण प. ३२७, ३२८

चद्रभाण जेतसी रो प ३१५

चंद्रभाण दुरजणसाल रो प. ३०५

चद्रभाण परसोतम रो प ३२३

चद्रभाण रांमसिंघोत प. ३२०

चद्रभाण सांवळदासोत प १०२

चद्रभाण हिरदंरांम रो प ३२४

चद्रमिण प १३०

चद्र राजा प १३०

चद्रराव प २५१

,, हू १६८

चद्र रावळ प. २०४

चद्रव रतनू-वारहठ हू ५४

चद्रशेखर कवि ती. २६६

चद्रसेण ती. २३०

चद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८,
२०८, २३७, २३९, २४३, २६०,
३५६

,, राव हू. ६७, ११६, १२७, १३२,
१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,
१६९, १७५, १८६, १९४

,, ,, ती १२८, १८२

चंद्रसेण राजा उद्धरण रो प. २९७
 चंद्रसेण पता रो प. ३५५
 चंद्रसेन प. ७८, २६०
 चंद्रसेन दू. १३४
 चंद्रसेन भाली दू. २५६, २६३
 चंद्रसेन भाली मानसिध रो दू. २५६
 चंद्रसेन दुधसेन रो प. २६२
 चंद्रसेन भगवंतदासोत प. २६१
 चंद्रसेन भाटी दू. ८१
 चंद्रसेन राणो रायसिध रो दू. २५४,
 २५५, २५६
 चंप ती. १७८
 चंपक दे० चंप ।
 चंपतराय प. १३१
 चंपराय प. ११६
 चकतो भोपत रो ती. ३७
 चक्रसेन प. १२७
 चतुरंग प. २८६
 चतुरभुज जोगीदासोत दू. १८५
 चतुरभुज रायसिधोत दू. १६४
 चतुरसिध प. ३२१
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६
 चतुरसिध रूपती रो प. ३०६, ३१२,
 ३२१, ३२३
 चतुरसिध हररामोत प. ३२४
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
 चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
 ३१८, ३२५
 चत्रभुज दयाळदासोत ती. २१३
 चत्रभुज प्रथीराजोत प. ३११
 चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
 चत्रसाल प. ३१५
 चरही ती. १४०
 चरडो चंद्रावत दू. ३४२
 चहुवांण प. ११६

चहुवांण ती १५३, १६६
 चावण प. ३१५
 चांदण खिडियो दू. ३३३, ३३४
 चांदण सोढो प. ३६३
 चांदराज जोधावत ती. ११६, ११७, ११८
 चांदराव अरडकमलोत ती १४०
 चाद, राव जोधा रो प. ३५७
 चांदराव रतनसी रो प. ३५८
 चांदराव वाघोत दू. १४६
 चादरो भीमसी रो ती २३६, २४०, २४७
 चादसिध प. ३२३
 चादसिध (लाविया) ती. २५३
 चादसिध सूरसिध रो प. ३००
 चादसे (चंद्रसेन) प. ७८
 चांदो प. १५४, १५५, १५६, १५७,
 १५६, १६४, १६८
 ,, दू. ६५, ६६, १४२, १६७
 चांदो खीची दू. १८६
 चांदो गांगा रो प. ३६३
 चांदो चूंडावत ती ३१
 चांदो जगमाल रो दू. ६८
 चांदो थोरी ती ५१, ६१, ६३, ६५,
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,
 ७७, ७८, १२१
 चांदो नारण रो प. ३५८
 चांदो मांडण प. २४३
 चांदो मेहवचो दू. ६५
 चांदो रायमलोत दू. १२३
 चांदो रावत दू. १२२
 चांदो ब्रिहळ प. २२४
 चांदो सूजा रो प. ३२५
 चानणदास (चांदण) दासा रो प. ३१४,
 ३१५
 चानण दास रो प. ३१५
 चांपो प. १६३, १६७
 ,, दू. १४४

चांपो गगादास रो प ३५३
 चांपो छेनो हू १६
 चांपो तेजसी रो प ३५७, ३५८
 चांपो पूना रो प २००
 चापो वालो हू २०५
 चांपो भाखरसी रो प ३५६
 चांपो रांपो हू. ६
 चापो सामोर-चारण ती १६८
 चांमुडराय प २५२, २५६
 चांवडवे हू. ३२
 चाच प २६१, २८०, २८८
 चाच हू १५
 चाचग आसथान रो ती २६
 चाचगदे प ३६३
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प २०३,
 २०४
 चाचगदे कालण रो, रावळ हू १०, ३८,
 ३६, ६२
 ,, कालण रो, रावळ ती ३३. २२१
 चाचगदे वेंरसी रो हू ११, ४२, ४३
 चाचगदे सोडें रो प. ३५५
 चाचग वीरम रो प ३४०
 चाच राणो प १२३
 चाच सोळकी प. २६१, २८०, २८८
 चाचो प १५, १६
 चाचो हू ३३८, ३३६
 ,, ती १३४, १३५, १३६, १३७,
 १३८, १४६
 चाचो काना रो प. ३५८
 चाचो केल्हण रो हू ११६, ११७, १२६,
 १३७
 चाचो पूना रो हू. ६६
 चाचो राव ती ११३
 चाचो राव (पूगळ) ती ३६
 चाचो रावळ ती. ३४, ३५
 चाचो रावळ वेंरसी रो हू ११, ८०,

८२, ८३, ६२
 चाचो सिवा रो प ३५१
 चाचो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
 चापोत्कट हू. २६६
 चामडराज प. २५६
 चामड राजा ती ४६
 चामुडराय ती ५०
 चामडराय दाहिमो प २५२
 चाय प ११६
 चालुक्य हू २६६
 चावडराज प. २६६
 चावडो प २०४, २६०
 चावोटक वे० चापोत्कट ।
 चासळ थोरी ती. ५६
 चाह चहुवाण रो ती. १५३, १६६
 चाहडवे प. १८६
 चाहुवाण प ३६५
 चित्ररथ राजा ती. १८५
 चित्रसेन राजा ती १८७
 चित्रागद मोरी ती. २८
 चित्रागद राजा परमार ती. १७५
 चिराई बारहठ आसराव रो हू ७४
 चीगसखा हू २०२
 चीबो प. १६६
 चीर सर्मा प ६
 चूडराव प २५६, ३४३
 ,, ती ४६
 चूडराव वेला रो प ३४१
 चूडो जसहड रो हू ३०४, ३०५, ३०६,
 ३०७
 चूडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८,
 ३५०, ३५३
 ,, राव हू ६५, ८४, ११४, ११५,
 २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

चूडो राव ती. ३०, १२६, १८०
 चूडो लाखावत रांगो प. ६६
 ,, ,, ,, दू. ३३१, ३३२,
 ३३३, ३३४

चूडो हरभम रो प ३५१, ३५२
 चूडासमो दू १, १६
 चैनसिध (कुभाणो) ती २२८
 चैनसिध (गैमल्यावास) ती. २३५
 चैनसिध (भेळू) ती. २२५
 चोथो रजपूत ती. १२६
 चोरग राव प. २२६
 चोरासी-मिलक प ८०, ८१, ८२
 चोहथ प. २००
 चौहिल सूत्रघार प ३५३
 चौहथ ईंदो ती. १३३
 च्यवन प. ७८

छ

छतरसिध दे० छत्रसिध (कतर) ।
 छत्रपति शिवाजी प. १५
 छत्रराज प. २८६
 छत्रसिध प. ३२६
 छत्रसिध कछवाहो प. ३१, ३०५
 छत्रसिध (कतर) ती. २२७
 छत्रसिध माघोसिध रो प. २६९
 छाजू चंदावत ती. २४०, २४१, २४२,
 २४३, २४७
 छाडो राव ती. ३०, १८०
 छाताळ प. ३१०
 छाहड घरणीवराह रो प. ३५५, ३६३
 छाहर दू. २०६
 छीकण दू- १, ११, १७
 छीतर प ६२
 छीतरदास प. ३०७, ३०८
 छीतरदास दयाळदासोत दू १४६, १४७
 छीतर नरा रो प. ३१३
 छीतर पूरणमल रो प ३१३

छेनो दू. १, ११, १६
 छोहिल राजपाळ रो प. ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४
 जगज्योत जोसी प. १८०
 जगतमिण प १३०
 जगत्सिध प. ६, १५, २२, २५, ३१,
 ३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७,
 १२१, २०६, २६१, ३१०
 ,, दू १२२, १५७
 जगत्सिध श्रचळदासोत दू. १५६
 जगत्सिध श्रमरसिधोत प. ३०३, ३१०
 जगत्सिध जसवत्सिधोत दू. १०६
 ,, ,, ती ३६, २२०
 जगत्सिध (जेसळमेर) ती. २२०
 जगत्सिध (नीवां) ती. २२५
 जगत्सिध (नीबोळ) ती. २३६
 जगत्सिध (मलकासर) ती २३०
 जगत्सिध मानंसिध रो प. २६१, २६७
 जगत्सिध (रावतसर) ती २२६
 जगत्सिध (साखू) ती २२४
 जगत्सिंह राजा ती २७२
 जगतहर प १२७
 जगदीशसिंह गहलोत ती. २६६
 जगदे दू १२४
 जगदेव प ३२२
 जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७
 ,, ,, ,, ती. १७६
 जगदेव राव आसकरण रो दू. १३६, १४०
 जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६
 जगधर प. १२४
 जगनाथ प. २७, ६७, ६६, ११३, १६५,
 २३६, ३०६, ३१६, ३६२
 ,, दू. ६१-११६, १२३, १६५,
 १७१, १६८
 जगनाथ अमरा रो प. ३५६

जगनाथ ईसरदासोत हू ६४, १०६
 जगनाथ उर्वेसिघोत प ३०८, ३१४
 जगनाथ कलावत हू १६२
 जगनाथ कल्याणदास रो प ३४३
 जगनाथ किसनदासोत हू. १८७
 जगनाथ गोह्वदासोत प ३१७, ३२५,
 ३२७
 जगनाथ जसवतोत प. २०६
 जगनाथ देवडो प. १६५
 जगनाथ नांदा रो प ३५८
 जगनाथ प्रथीराजोत हू १६३
 जगनाथ भाखरसीओत हू १६८
 जगनाथ भारमल रो प २६१, ३००,
 ३०१
 जगनाथ भैरवदासोत हू. १६६
 जगनाथ माघोदासोत हू १६३
 जगनाथ मुंहतो हू १३१
 जगनाथ राघोदासोत हू. १४८
 जगनाथ राजा प २६१, ३१४
 जगनाथ राजा हू १५५
 जगनाथ राव हू १६७
 जगनाथ रूपसीओत हू १४७
 जगनाथ विजा रो हू १०४
 जगभाण प ३१०
 जगमाल प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
 ,, हू ७७, ८४, ६४, १०७, १२१,
 १२२, १२६, १२८, १५६, १६६
 ,, ती. २३४
 जगमाल कल्याणदास रो प ३४३
 जगमाल चद्रसेणोत प २६०
 जगमाल जैसिघदेवोत प २४२
 जगमाल देवडो प १३६, १६०
 जगमाल नेतसी रो प २४०
 जगमाल पचाइणोत हू १७७
 जगमाल प्रथीराज रो हू ६८
 जगमाल भाटी खींवावत हू १३२

जगमाल भारमल रो प ३१७
 जगमाल मालावत प. २४६, २५०
 ,, ,, हू. १३, १४, २४,
 ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९७,
 २९६, ३००
 ,, मालावत त . ३, ४, २५२, २५३, २५४
 जगमाल रांणा उर्वेसिघ रो प. २२, २३,
 २४, २८, १६६
 जगमाल रायमल रो प. ३२६
 जगमाल रावत प १४३
 जगमाल रावळ उर्वेसिघ रो प ७०, ७१,
 ७२, ७३, ७४, ८७
 ,, रावळ उर्वेसिघ रो ती २६६
 जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५,
 १३६, १६०, १६१
 ,, राव लाखावत हू १६१
 ,, ,, ,, ती २१५
 जगमाल रिणमलोत हू. १२, १४१
 जगमाल वरजांगोत प २३२
 ,, ,, हू १६१
 जगमाल वैरसल रो हू. ११८, ११९,
 १२०, १२७
 जगमालसिघ (भनाई) ती. २२४
 जगमालसिघ (साडवो) ती २२४
 जगमाल सीसोदियो उर्वेसिघ रो प १५०,
 १५१, १५२
 जगमाल सीसोदियो वाघावत प ६६
 जगमाल हाडो प ५०
 जगराम प ३०२
 जगराम जवणसीओत मोहिल ती १६५
 जगराम (जुणलो) ती २३६
 जगराम (नींबाज) ती २३५
 जगराम (नींबोळ) ती. २३६
 जगराम (रास) ती २३५
 जगराम प. २६, ६८
 ,, हू १३४

जगरूप जगनाथ रो प. ३०१
 जगरूप प्रतापसिंघ रो प. ३१५
 जगरूपसिंघ ती. २२४
 जगरूपसिंघ परमार ती. १७६
 जग सर्मा प ६
 जगसी मुंघ रो दू ३१
 जगसी सींधळ प. २२६
 जगहथ खेतसी रो प २४१
 जगहथ घूहडजी रो ती. २६
 जगहथ मेहाजळ रो प ३५१
 जगादित्य प १०
 जगो प ५१, ६७
 „ दू. ८८
 जगो आसल रो प ३४३
 जग डूंडावत ती ४७
 जगो लाडखान रो प. ३२१
 जगो सोळकी दू. १०७
 जगो हमीरोत दू. ८०
 जजात राजा दू. ६
 जतहर दे० जगतहर ।
 जड्डु राजा दू ६, १६
 जनकादित्य प. १०
 जनकार सर्मा प. ६
 जनमेजय दे० जनमेज राजा ।
 जनमेज राजा प. ८ १०
 „ „ ती. १८५
 जन सर्मा प ६,
 जनागर दू. २०६
 जन्हु प. ७८
 जबदू प १०१
 जबो सींगटोत मोहिल ती. १६५, १६६
 जमलो अहीर दू. २२६, २२७, २२८
 जयचव ती. १८०
 जयदेव राजा परमार ती १७६
 जयवंत घुधमार रो ती २१८

जय सर्मा प. ६
 जयसिंघ (फूदसू) ती २२६
 जयसिंघ (केलणसर) ती २२६
 जयसिंघदेव लघु (अणहिलपुर) ती ५१
 जयसिंघ (पातळासर) ती २३३
 जयसिंघ महासिंघोत प. २६१
 जयसिंघ राजा प. २६१, ३१७
 जयसिंघ (लखमणसर) ती २३३
 जयसिंहदेव (अणहिलपुर) ती. ५१
 जरसी, राव कीलणदे रो प. ३३१
 जरसी रावळ प. २६६
 जलादित्य प १०
 जलाल जळूको ती ६६
 जलालदीन अकबर पातसाह ती. १६२
 जलालदी सुरताण प. २०३
 जलालदी सुलताण ती. १६१
 जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलताण ।
 जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अक-
 बर पातसाह ।
 जलालुद्दीन सुलतान प २०३
 जवणसी कुतल रो प. २६०, २६५
 २६६, ३२६, ३३०
 जवणसी मोहिल ती १६५
 जयानसिंघ (रास) ती २३५
 जसकर प. ६
 जसकरण प १५, ३०६
 „ दू ६४
 जसकरण (छिपियो) ती २३७
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८
 जसकरण (बासो) ती २३७
 जसकरण भीम रो प. १२१
 जसचव घुधमार रो ती. २१८
 जसपाल रांगो ती. १७६
 जसमाई प २६२
 जसराज (कल्याणसर) ती. २२७
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जसवंत प ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,
१६३, १६५, १६८, १८७, २०८,
२१२, २८५, ३१३, ३२५
,, दू ७८, ८८, ९१, ९३, ११६,
१२२, १२४, १२८, १२९, १४०,
१७४, २५२, २६४

जसवत करमसी रो प १२०

जसवत केसोदास रो प ३१३

जसवत डूगरसीश्रोत दू. १५१

जसवंत नारणदास रो प. ३५८

जसवंत फरसराम रो प. ३१६

जसवत भाटी दू ७६, १०८, ११६,
१२२

जसवत मदनसिध रो प. ३१७

जसवत मानसिधोत प २१२

जसवत रावत नरहरोत प ६६

जसवंत रावळ प ७६

जसवत-रूपसीश्रोत दू १४८

जसवत लूणकरण रो दू. ८१

जसवत वीजड देवडा रो प १३४, १८१

जसवत (जसूत) धीरमदेश्रोत दू ११७

जसवत वीरसलोत दू. ८०

जसवंत सादूळोत दू. १६१

जसवतसिध प २६, १३०, १७२, २११,
२३४, २७६

जसवतसिध (कलासर) ती. २३०

जसवतसिध (पल्लू) ती २२६

जसवतसिध (महाजन) ती २२८

जसवतसिध महाराजा प. २११

जसवतसिध महाराजा दू १०५, १०६,
१०८

जसवतसिध महाराजा प्रथम (जोधपुर)

ती १८२, २१४, २१६

जसवतसिध राजा दू. १५७, २०२

जसवतसिध रावळ ती. ३६, २२०

जसवतसिध रावळ अमरसिधोत. दू. १०६-

जसवंतसिध (सांडवी) ती. २३२

जसवंतसिह महाराजा प २३४

जसवत हरीदासोत दू १६२

जसवीर उदसी रो प २०३

जसहड प. ३६३

जसहड आसकरणोत दू. ७४

जसहड (जेसळमेर) ती २२१

जसहड जैमुख रो प. ३५५

जसहड पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३,
५४, ५५, ६४, ६५

,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१

जसूत नाथावत प ३०६, ३१०, ३१३

जसू प ६६

जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६

,, दू ३३, ७६, १६६

जसो अमरा रो प ३५६

जसो कचरा रो प. १६६, १६७

जसो जगनाथ रो प ३०१

जसो त्रिभणा रो प २००

जसो नाथावत प ३२७

जसोब्रह्म रावळ प ७६

जसो सोढो दू १०३

जसो हरधवळोत जाडेची दू. २३६, २४४,
२४५, २४६, २४७, २४८, २४९,
२५०, २५६

जहांगीर नूरदीन पातसाह ती. १६२

जहांगीर पातसाह प २४, २६, ३०,

५६, ६३, १३०, २५६, २७६,

२८३, २९८, ३०३, ३३१

,, पातसाह दू १५५, २५६

,, ,, ती. २१४, २१७, २३८,

२७२, २७४, २७६, २७६

जाभूण दू ३८, १४३

जाभूण पूजा रो प ३५२

जाभूण धरसिध रो दू १२७

जाभूण साजनीत ती. २४७

जानडदे हणू रो प. २६६
 जानसाखान (जानिसारखा) प. २६
 जांभ वाघोडो प. ३५०
 जांमणीभाण (यामिनीभानु) प. १३३
 जांम रावळ दू २१०, २१३, २१५,
 २१७, २२०, २२१, २३६, २४७,
 २४६, २५०, २५४
 ,, रावळ ती. २६
 जांमळसिध (पडिहारो) ती. २३३
 जाटव ती १५६
 जाटो डूम ती १५
 जादम दू ६
 जादूराय ती. २७६
 जान कवि ती. २७४, २७५
 जानिसारखा फोजदार प ६६
 (दे० जानसाखान)
 जापाल (प्रजापाल) प. ७८
 जाय सर्मा प ७
 जालणसी राव (जोधपुर) ती. २६, ३०,
 १८०
 जाळप दू १४३
 जाळपदास (खूहडी) ती. २३१
 जाळपदास वेंरावत मोहिल ती. १७१
 जाळप रांगो दू २६५
 जाळप सिवदासोत दू १६७
 जालमसिध (पडिहारो) ती. २३३
 जालमसिध (वीदासर) ती. २३१
 जालमसिध (सिधमुख) ती २२४
 जालमालावित्य प. १०
 जालाप प. ३५२
 जावदीखां ती २०७
 जिंदराव चहुवाण प. ११६, १३५,
 १८५, १८६
 जिंदराव हाडो प १०१
 जितमत्र प ७८
 जितसत्र (जितशत्रु) प. ७८
 जींदराव प १७२, १८७, २०२, २३०

जींदराव खीची प. २५०
 ,, ,, ती. ५६ ६४, ७५, ७६,
 ७७, ७८, ७९
 जींदराव बोडो प. २४७
 जींदो जोघा रो प ३५६
 जीतमल प. १०१, १११
 जीयो ई दो ती. १३३
 जीवन नारण रो प. ३५८
 जीवराज राजा ती. १८७
 जीवो प ६८, २४३, ३५३
 ,, दू ७७, ७८, ६०, १४३, १५६,
 १६६
 जीवो गांगावत प २४१
 जीवो जगमाल रो दू. १२२
 जीवो जेसा रो प. १६६
 जीवो देवराज रो प १५७
 जीवो नरहरदास रो प. ३६१
 जीवो भोजराज रो प. ३५३
 जीवो रतनू घरमदासांणी दू. २५३
 जीवो लूणकरण रो दू ८१
 जुगराज प १२८, १३०, १३१
 जुगलो भांभी ती १२१
 जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
 जुघसिध प ३१०
 जुघिठिर राजा ती १८५
 जूभारसिध प. २६, २१२, ३०७, ३२६
 ,, ती २२०
 जूभारसिध चत्रभुजोत प. ३११
 जूभारसिध जगतसिधोत प २६१, २६८
 जूभारसिध दळपतोत प. २३४, २३५
 जूभारसिध परसोतम रो प. ३२३
 जूभारसिध राजा परमार ती १७६
 जूभारसिध (सेलो) ती. २३२
 जूभो चौधरी ती. २७४
 जेठी पाहू प ३४६, ३५०
 जेठो दू १६६

जेठो गंगादास रो प ३५३
 जेठो मांडण रो प. ३५७
 जेसळ रावळ हू १०, १५, ३२, ३४,
 ३५, ३६, ३७, ३८, ६२
 ,, ,, ती २६, ३३, २२२
 जेसावर राजा ती. १८७
 जेसो प २२६
 जेसो कलिकरण रो हू १५२, १५३
 ,, ,, ,, ती २१५
 जेसो जैता रो हू २६४
 जेसो पतावन हू. २००
 जेसो भाटी हू ६६, १६५, १८१, १८२,
 १६७
 ,, ,, ती ७
 जेसो भैरवदासोत हू १६४
 ,, ,, ती २६६
 जेसो रायपाळोत हू १४६
 जेसो राव (पूगळ) ती. ३६
 जेसो लाखा रो हू २२४
 जेसो (लिखमी रो भाई) ती १०५
 जेसो वजीर हू २४०
 जेसो सरवहियो हू. २०२, २०६, २०७,
 २०८
 जेहो भारावत हू २१५, २१६
 जैकिसन प. ३०८
 जैकिसनसिध प. २६८
 जैचंद हू ६६, ७४
 ,, ती. २२१
 जैचंद लखमसी रो हू २, ३६
 जैत हू ४५, ५३
 जैतकरण वेगू रो प. ३५२
 जैतकरण सीहडू रो प. ३४०
 जैत पवार प १८०, १८१
 जैतमल प २२, २२५
 जैतमल सीहावत हू. १५२
 जैतमाल प ६१, २४६

,, हू. ८१, १६५
 जैतमाल गोयदोत ती ११४
 जैतमाल राजधर रो हू ८०
 जैतमाल सलखावत हू २८१, २८४
 ,, ,, ती. ३०
 जैतमाल सोढो ती ३१
 जैतराव प १०१, १८५
 जैतल हू १४
 जैतल मलेसी रो प. २६४
 जैत लाखण रो प २०२
 जैतसिध प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,
 ३१६, ३२६
 ,, ती २२५
 जैतसिध अग्रसेण रो प ३२०
 जैतसिध आसकरण रो प ३०३
 जैतसिध (करणीसर) ती. २२४
 जैतसिध (छिपियो) ती. २३६
 जैतसिध (डुसारणो) ती. २३६
 जैतसिध द्वारकादास रो प ३२३, ३२५,
 ३२६
 जैतसिध राजावत हू ८१
 जैतसिध राव ती १५२
 जैतसिध राव मोहणदासोत हू. १३३
 जैतसिध (साडवो) ती. २३२
 जैतसी प. २३५, २४३, ३२७, ३४१
 ,, हू. ६२, १०२, १७१, १६१
 जैतसी अचळावत हू. १८६
 जैतसी ऊदावत प. २३८
 ,, ,, ती. ८१, ८२, ८३, ६५,
 ६६, १००, १०१
 जैतसी कूभा रो प. ३२८
 जैतसी जगनाथ देवडा रो प १६५
 जैतसी (जेसळमेर) ती. २२१
 जैतसी नागावत प. २३७
 जैतसी पोथावत हू १६४
 जैतसी, राणा भोजराज रो प. ३४१

जैतसी रांगो प ६
 जैतसी राव हू. ६३, २२१
 ,, ,, ती १६, १७, ३१, ८०, ६०,
 ६१, ६२, १८०, १८१
 जैतसी रावत प. ६६
 जैतसी राव भांगोत हू १०७, ११६, १२१
 १३४
 जैतसी रावळ प. १३, ७६
 ,, ,, हू. ११, ८४, ८५, ८६,
 ८७, ८८, ६२, १००, १२१
 ,, रावळ ती. ३३, ३४, ३५, २२१
 जैतसी रावळ तेजराव रो हू. ४२, ४३
 जैतसी रावळ घडो हू. १०, १४, ३६,
 ४४, ५१, ६२
 ,, रावळ घडो ती. २२१
 जैतसी राव (वीकूपुर) ती. ३७
 जैतसी घोरमदे रो प ३५६
 जैतसी सिंघ रो प ३१५
 जैत सीसोदियो प ६८
 जैतसी हमीर रो प २३७
 जैतसेन हू ६
 जैतुग हू १०७, ११३, १३४
 जैतुग कोल्हावत हू ७२, ७४, ११२,
 ११३
 जैतुग तणु रो हू. १, १७
 जैतो प १६४, ३६२
 ,, हू. ५३, ६६, ७७, २००, २६४
 जैतो ऊदावत दे० जैतसी ऊदावत ।
 जैतो खोंवावत चीवो प. १५३, १७०
 जैतो खेता रो प. ३५२, ३५३
 जैतो जगमालोत हू. १२, १४१
 जैतो जोगावत हू. १८७
 जैतो जोघा रो ती. ३७
 जैतो देवडो प. २२४
 जैतो मेहाजळ रो प. १६१
 जैतो रतनोत प. २४३

जैतो रायमल रो प ३६०
 जैतो वाघेलो प. २२४
 जैतो सावळदासोत हू १७६
 जैतो सोढो प ३६२
 जैनु जाट ती. २७३
 जैपाळ प ८६
 जैपाळ राजा ती. १८७
 जैब्रह्म प ३६३
 जैभाण प ३२४
 जैमल प. १११, १६६, ३६२
 ,, हू ६६, १६६
 जैमल अखैराजोत प. २०८, २१२
 जैमल आसावत हू १७६
 जैमल ऊहड हू १६७, २०२
 जैमल किसना रो प. ३५२
 जैमल कूभा रो प. ३२८
 जैमल जेसावत मुंहतो प २२७
 जैमल तिलोकसी रो हू १६२
 जैमलदास ती २२७
 जैमल दास रो प. ३१७
 जैमल प्रथीराजोत प. १२५
 जैमल भा० प. १५२
 जैमल भाटी कलावत हू १३२
 जैमल (भेळू) ती २२६
 जैमल मुहती प २११, २२७
 जैमल रतनावत प १६७, १६६
 जैमल रांगो प. २८१, २८२, २८३
 जैमल, राम सोढा रो प ३५८
 जैमल राठोड ती १८३
 जैमल रायमलोत प १७, १८
 जैमल रासावत हू १०७
 जैमल रूपसीओत प ३१२
 जैमल घोरमदेओत प ३२, ११२
 ,, ,, ती. ११५, ११६
 ११७, ११८, ११६, १२१, १२२
 जैमल घोरमदे सोढा रो प ३५८

जैमल मांगायन प ६६
 जैमल माहणी प. १३८
 जैमल सीसोदियो प २१
 जैमल हरराज रो प १६३, १६४, १६८
 जैमाल प. ११७
 जैमुख राजदे रो प. ३५५
 जैराम प. ३०७
 जैरिख प १२२
 जैवराष प १३५
 जैसा ती. १८७
 जैसिघ प १२४, २७७, २७८, ३२१
 ३२२
 ,, हू १२३, १३३, १७६, ३०४,
 ३०५
 ,, ती २२०
 जैमिष करमचद रो प २०५
 जैमिषदे प १४२
 जैमिषदे ऋदावत प. ३४६, ३५२
 जैमिषदे लोधा रो प ३५६
 जैमिषदे रावळ हू. ८५, ८७, ८६
 जैमिषदे वरजांग राव रो प. २३२
 जैमिषदे मिश्रराष प. २७२, २७७, २७८
 ,, ,, हू. ३३
 ,, ,, ती. २६
 जैमिष म्हात्मिन् रो प. २६७
 जैमिष मीनो प. १२०
 जैमिष राजा प. २५, ३०६, ३०८, ३१०,
 ३११, ३१५, ३१७, ३१८, ३३०,
 ३३१, ३३२, ३५८
 जैमिष राव प. १६६, १६७
 जैमिष राव मोहगदासोत हू. १०७
 जैमिष राव (मोक्षपुर) ती. ३६, ३७
 जैमिष श्रीरमली रो ती. ३०
 जैमिष शिवार रो प. १२४
 जैमो सीदा रो प. १६५, १६६
 जैमो अथवासीत प. १०६

जैमो मन्वन्तरोत प. २१, २२, २३
 ,, ,, हू ६६
 जैमो मन्वन्तरो प. ३६७
 जैमो मानदे रो प. २०५
 जैमो राव हू. १२०, १२२, १२७
 जैमो राव वर्गोत्त रो हू. १३७, १३८,
 १३९
 जैमो लखावन प. ३६०
 जोगराज प. ५, २५६
 ,, ती. ५०
 जोगराज रावळ प. ५, १२, ७६
 जोगराव प २५६
 जोगाइत हू. १२३, १२८
 जोगाइत वैरसल रो हू. ११८, १२०
 जोगादित प. ७८
 जोगी प. ३५३
 जोगी हू १६, २०, २३, २४, २५
 जोगीदास प. १६६, ३१८, ३५६
 ,, हू. ८०, ८८, १२३
 जोगीदास ऋदावत प. ३५६
 जोगीदास कचरावत हू १७४
 जोगीदास कांधळोत ती. १८
 जोगीदास गोयददासोत हू ११६
 जोगीदास ठाकुरसी रो प ३६०
 जोगीदास मेदावत हू १७२
 जोगीदास वैरसीओत हू १८५
 जोगीदास सीसोदियो प, ६२
 जोगी डूहा रो प ३५३
 जोगी प. १२४, १६०
 जोगी अखैराजोत हू. १८७
 जोगी आसावत हू. १७६
 जोगी गोड ती. २६७
 जोगी जोधावत ती. १६४, १६५
 जोगी बारहू हू. ७४
 जोगी मयुरोत हू. १४६
 जोगी मांडल रो प. ३५७

जोजड़ प २६३
जोजळ लाखण रो प. २०२
जोध प. १०१, २०६, १२
जोध गोपाळ रो प ६२, ६७
जोध गोयदोन प ६७
जोध मानसिघोत हू १८८
जोधरथ राजा ती १८६
जोध बिहारी रो ती ३७
जोधसिघ प ३०६
जोधसिघ (जीळी) ती. २३३
जोध सीसोदियो प २७, ६३, ६४, ६५
जोधो प ३५६
,, हू १७७
जोधो कवर राव रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो हू ८०
जोधो कावळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो नारण रो प ३५८
जोधो भाटी हू १५३, १६४
जोधो मानसिघ रो प ३५६
जोधो मेहराज रो प. ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,
२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,
१८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३
,, ,, हू ६६, ८८, ३३५, ३३६,
३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प २३८
जोधो सहसा रो प. ३५६
जोधो सागावत प. ३६०
जोधो सिधावत प. २४३
जोधसाह राठोड ती २८०

जोवनारथ प २८७
जोरावरसिघ ती २२०
जोरावरसिघ महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,
१८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्थ प. २८७
जोवनाव प. ७८
ज्ञानपति ती. १८०

झ

झरडो वृडावत ती ७६
झाभण पडिहार प. २२५
झाभण भडारी प २२५
झाभण भुणकमळ हू. २
झाभणसी चद्रावत ती २३६
झाभो प १६२, २००
झाभण वीठू-चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो आसियो ती. ८६
झूलो भाण प ८६, ८८
झूलो चद्रदास प ८६, ८८
झूलो सांइयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

=

टाँड कर्नल ती. १६८, १६९
टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८
,, हू ७७
ठाकुरसी आसावत हू १४८
ठाकुरसी करण रो प. ३६०
ठाकुरसी करमसीओत हू. १८६
ठाकुरसी करमा रो हू ८०

ठाकुरसी जगनाथ देवडा रो प. १६५
 ठाकुरसी जगमालोत दू १६२
 ठाकुरसी जैतसिघोत ती १७, १८, १५२,
 २०५
 ठाकुरसी तेजमाल रो दू १२४
 ठाकुरसी घनराज रो दू- १२२, १२३
 ठाकुरसी राणावत दू १७२
 ठाकुर सेखा रो प. २००

ड

डडधर ती १८७
 डडपाल ती १८६
 डडवियो ती. ७५, ७६
 डडवो थोरी ती. ७५, ७६
 डडभ रिष प ३३७
 डडहलराय प ५
 डडहळियो सिसपाळ रो ती १५४, १५५
 डडह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती २६३
 डडगर देवडो प १३६
 डडगर भील प ८२, ८३
 डडगर माना रो प २०१
 डडगर रिणमल रो प १६२
 डडगर घोसा रो प २३१
 डडगर सिवा रो प ३५१
 डडगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७,
 १६६, ३२८, ३४२
 ,, दू. १६८
 डडगरसी आसावत दू १४८, १७५
 डडगरसी कल्याणमलोत ती २०६
 डडगरसी जगनाथ देवडा रो प १६५
 डडगरसी घनराज रो दू १२४
 डडगरसी वाला रो प. ११६, १२०, १२१
 डडगरसी मालदेश्रोत दू. ६२
 डडगरसी मेळा रो प. ३५६
 डडगरसी राव डुरजणसल रो दू. १२८,
 १२६, १३०, १३३
 डडगरसी रावळ प ७६

डडगरसी (लखमणसर) ती. २३३
 डडगरसी लूणा रो प ३६१
 डडगरसी साकर रो प १६४, १६६, १६६
 डडगरसी (सांखू) ती २२४
 डडगरसी सूरिवत दू. १७८
 डडगरसी हरदासोत दू १६५
 डडगरसीह ती ३६
 डडगो प. २०५
 डडहो आसकरणोत दू ७४

ढ

ढाहर जाडेचो दू २०६
 ढील रवारी ती ७१
 ढेढियो मंगरियो दू ३२
 ढोलो नळ रो प २८६, २६३

त

तकक ती १७६
 तगो प २२३
 तणु केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
 तणुराव ती २२१
 ततारखान प. ३२५
 ,, ती ५३
 ततारसिघ जगसिघ रो प. २६१
 तप प. ११६
 तपेसरो चहुवाण रो प ११६
 तपेसरी घुंघ रो प ११६
 तमाइची जाम रायसिघ रो दू २२४
 तमाइची जाडेचो रायघण रो दू २०६
 तमाइची वीरमदे रो प. ३६१
 ताजखान रायसल रो प. ३२३, ३२४
 ताडजंघ प ७८
 तातारखां प ३२५
 तानसेन कलावत प १३३
 तारसिघ अणदसिघोत ती. २०८
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
 तिलोकचद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
 तिलोकराम प ११७
 तिलोकसी प २३६
 ,, हू ८६, १२२
 ,, ती २२१
 तिलोकसी कलावत हू. १६२
 तिलोकसी जैतसिघोत ती. २०५
 तिलोकसी परवतोत हू १६२
 तिलोकसी फरसरांम रो प ३२३
 तिलोकसी भाटी हू. ३६, ४३, ५३, ५४,
 ५५, ५६, ५७, ५६, ६०, ६१, ६५
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
 तिलोकसी वरजांगोत हू १८०
 ,, ,, ती १०१
 तिलोकसी वरसलोत हू. १२०
 तिलोकसी वंरागर रो हू ११८
 तिलोकसीह ती १८४
 तिहुणपालदेव ती. ५१
 तिहुणपाळ रांणो ती ५२
 तीडो राव हू २८०
 ,, ,, ती २३, २४, ३०, १८०
 तीहुणराव बारहठ रतन रो हू ७४
 तुंगनाथ ती. १८०
 तुवर (डूलहदेव रो भाणेज) प. २६०
 तुगलकशाह ती. १६१
 तुगलसाह सुलतांण ती. १६१
 तुळछीदास प १०१, ३२३
 तूदसत प २८७
 तेजपाळ साह प १५६
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६
 ,, हू ६१, ६५, १२३
 तेजमाल अमरावत हू. १८६
 तेजमाल किसनावत हू १२४, १२५, १३२
 ,, ,, ती ३७
 तेजमाल गोयद रो प २४०
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती. २२६
 तेजमाल सूरजमलोत हू १२८
 तेजराव चाचगदे रो हू ३६, ४२, ४३,
 ६२
 ,, चाचगदे रो ती ३३
 तेजल हू १४
 तेजसिघ जसवतसिघोत हू १०६
 ,, ,, ती ३६
 तेजसिघ (जैसलमेर) ती २२०
 तेजसिघ माघोसिघ रो प २६६, ३०५
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२, १६३,
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८
 ,, हू. ३८, ५३, ६६, ७३, ७४, ११२,
 १६७
 तेजसी केसोदास रो प ३१४
 तेजसी चहुवाण प. १८३, २२७
 तेजसी चूंडावत प ७०
 तेजसी डूंगरसीओत प ६२
 तेजसी भाटी केहर रो हू. ७८
 तेजसी भोजा रो प. ३५४
 तेजसी रामावत हू १२०
 तेजसी रायमल रो प ३२६
 तेजसी रावळ प ७६
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
 तेजसी राव वरजाग रो प २३२, २४१
 तेजसी लूणकरणोत ती २०५
 तेजसी षणवीरोत हू. १६२
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
 तेजसी सेखा रो प. २०१
 तेजसी सोढो वीसा रो प ३५५, ३५७
 तेजसीह प १८८
 ,, ती १४०
 तेजसीह राव ती. ३७
 तेजस्वी विजड रो प. १३४
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प १५६
 तेजो भाटी हू ६६
 तेजो रायमल रो प. ३६०
 तेजो धानर हू ३२१, ३२२
 तेलोचन हू. ५६
 तैस्सितोरी डां० ती. १७३
 तोगो प २००
 ,, हू ८४, १४३
 तोगो कचरा रो प. १६५
 तोगो क्लिसनाघत हू १६७
 तोगो दीघांण प २०६
 तोगो सिवा रो प. ३५१
 तोगो सूरघत प १५३, १६७, १७०
 तोडरमल भोजराज रो प. ३२२
 त्रभवणो प २८५
 त्रसिघ प. २६२, २६३
 त्रिदस तो १७८
 त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।
 त्रिघानघ प. २८७
 त्रिघन तो १७८
 त्रिभणो करण रो प १६६, २००
 त्रिभुवणसी कान्होटो ती. २४
 त्रिभुवणसी, राव तीडा रो हू. २८०,
 २८३, २८४, ३१४
 त्रिघारोन प २८७
 त्रिलोचन हू ५६
 त्रिसकृ प ७८
 त्रिसास प. २८७

थ

थानसिघ प. ३१३
 थानसिघ पाठेगाव रो प ३३१
 थाह प ६१
 थारु मोदो मारुठ प ४६
 थिरो हू ३८
 थिरो दयतारुदे रो ३५५, ३६०

द

दडपाल ती. १८६
 दत सर्मा प. ६
 दधीच प १२३
 दधीचि ऋषि प १२३
 दधीचि ऋषि ती. १७३
 दयाच हू २०२
 दयाळ प ३२७
 ,, हू. ७७, ७८, १२४, २०२
 दयाळ डोड ती. १३१
 दयाळदास प २३६, ३०६, ३२७
 ,, हू. ६०, १२३, १२४, १६२,
 १७०, १७५, १६७
 दयाळदास खेतसीओत हू ६३, ६४, १०४,
 १०६
 ,, खेतसीओत ती. ३५, २१७
 दयाळदास गोपालदासोत हू १४६, १४७
 दयाळदास (छिपियो) ती २३७
 दयाळदास (जमळमेर) ती २२०
 दयाळदास तेजसी रो प. ३४२
 दयाळदास देईदासोत हू १६६
 दयाळदास बळभद्रोत प ३०७
 दयाळदास भाटी प. १६१
 दयाळदास (भादळो) ती. २२५
 दयाळदास भील प. ४६
 दयाळदास माघोवासोत हू १४६
 दयाळदास (रायपुर) ती. २३६
 दयाळदास रायसल रो प ३२४
 दयाळदास राव हू. १२१, १३०
 दयाळदास राव हू २६४
 दयाळदास रावत (वरसलपुर) ती. ३७
 दयाळदास लिखमीदासोत हू १८०
 दयाळदास सिद्धायच ती २०६
 दयाळदास सिखनघत प २३३
 दयाळदास सूजा रो प २३१
 दयाळ सोडो प. ३६१

11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

दिलीप ती. १७८
 दिवाकर प १६२
 दीत प. १०
 दीत ब्राह्मण प. १०
 दीपचन्द नाराणदास रो प ३२६, ३२७
 दीपसिध प ३१४, ३१६
 दीपसिध (श्रजीतपुरी) ती. २२३
 दीपसिध (कणवारी) ती २३२
 दीपसिध (दुसारणी) ती. २३१
 दीरघवाहू प २८८, २६२
 दीर्घवाहू ती. १७८
 दुजण जोधावत हू. १६४, १७४
 दुजणसल प १६६, ३६३
 ,, हू. ६३, ६५, ६६
 दुजणसल धारावरीस रो प ३५५
 दुजणमल राव वरसिधोत हू. १२७, १२८,
 १२९
 दुरजणसल लूणकरणोत हू ८६, ६०
 दुरगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
 दुरगदास भाटी हू ६०, ६६, १०८,
 १२२, १२३, १३१, १३२
 दुरगदास (भादलो) ती. २२५
 दुरगदास मेघराजोत हू १४५
 दुरगदास सहसमल रो प ३१४
 दुरगो प. ६२, ६५, १०१
 ,, हू ८६, ६१, २००
 दुरगो राव ती २४०, २४६, २४८
 दुरगो सेखा रो प ३२७
 दुरगो हमीर रो प. ३४३
 दुरजणसाल राव (वीकूपुर) ती ३६
 दुरजणसाल प २८१, ३२५, ३२६
 ,, ती० २२६
 दुरजणसाल नाराहणदासोत प ३०४
 दुरजणसाल बळभद्रोत प ३०७
 दुरजणसाल महिलू रो प. २८१
 दुरजणसिध प २०६, ३२४

दुरजणसिध मानसिधोत प. २८१, २६८
 दुरजणसिध (साखू) ती. २२४
 दुरजनसिध प २१, २५
 दुरजो हू. ६५
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
 दुरजोधन प १३३
 दुरवासा प. १२२
 दुरसदास प ४०
 दुरसो आढो प. १७०
 दुर्गादास राठोड ती. २१३, २२६
 दुर्गादास (वैणातो) ती. २३१
 दुर्गादास (साहोर) ती २३०
 दुर्जनमल राजा ती. १६०
 दुर्जनशाल दे० दुजणसल व दुरजणसल ।
 दुर्लभराज ती ५१
 दुलराज प. २६३
 दुलह प १६
 दुलहराम प १२६
 दुलेराय काराणी हू. २१४, २३७
 दुसाभ जैतकरण रो प. ३५२
 दुसाभ रावळ हू. १, १०, १५, ३१, ३२,
 ३३, ३४, ३५
 ,, रावळ ती २२२
 दूगडजी ती ४६
 दूदो प १५०, १६६, ३१६, ३४३
 ,, हू ८१, १२४, १६८
 दूदो अडवाल रो प ३६१
 दूदो आणदोत हू १५४, १५६, १६२
 दूदो कान्हावत हू १८१
 दूदो चीवो प. १५६
 दूदो जैमल रो प १६७
 दूदो जोधावत ती ३८, ३९, ४०
 दूदो नीवावत हू १६७
 दूदो प्रथीराजोत हू १६३
 दूदो प्रागदासोत हू १८३
 दूदो भांना रो प ३६०

दूदो भीष रो प ३२७
 दूदो मांना रो प. २०१
 दूदो मेहरावत प १६८, १६९
 दूदो राजघर रो प २०५
 दूदो राव अखैराज रो प. १३५, १३७,
 १४०, १६१
 दूदो रावत प ५०, ६६
 दूदो रावत जगघर रो प १२४, १२५,
 १२६
 दूदो राव नगा रो ती २४९
 दूदो रावळ दू. ३९, ४३, ४४, ५१, ५३,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 ,, रावळ ती. ३४, १८४, २२१
 दूदो राव सुरजन रो ती. २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
 दूदो लकडखान रो प. १११, ११२
 दूदो वैरसल रो प. ३५३
 दूदो सकर्तसिघोत दू १६५
 दूदो सहसमल रो प ३१४
 दूदो सागावत प ६८
 दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
 दे० दूदो राव सुरजन रो ।
 दूलहदेव प. २९०
 दूलहराव सोढल रो प २९५
 दूलैराव लूणकरण रो प ३१९
 दूसळ दू ५८
 देईदास प २४२, २४३
 ,, दू. १६६, १६८
 ,, ती २३४
 देईदास कानावत दू. १६५
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३
 देईदास तेजा रो प ३५२
 देईदास पतावत मेहवचो दू. १७५
 देईदास भांनीदास रो दू १०४
 देईदास भायल प १९४, १९८, २४०,
 २४१

देईदास भोपत रो प ३१७
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०
 देईदास महकरणीत प २३३
 देईदास माधोदासोत दू. १८८
 देईदास वीरावत दू १७७
 देईदास सहसमल रो प. ३१४
 देव दू. १५
 देवल दू १४
 देवो प. १६८
 देवो दू. १०७, १२४
 देवो चहुवाण वागडियो प ११९, १७२
 देवो भैरवदासोत दू. १७८, १९०
 देवो रतनू-वारहठ दू ७४
 देवो रावळ प ७९
 देवो वणवीरोत प २४२
 देवो सीहड घनराज रो दू. १०४
 देवो सोळंकी दू. १०७
 देवो हमीर रो प २३७
 देपाळ प. २३२, २६१, २८०
 देपाळ जोईयो दू ३०४
 देपो प ३६३
 देभो प २०५
 देलण काकिल रो प. २९४, ३३२
 देलो प. ३४१, ३४३
 देल्हो दे० देलो ।
 देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०
 देवकरण राजा ती १७५
 देवनीक ती १७८
 देवरांम वीदावत ती. १५७
 देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१,
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२
 ,, दू ५८, ९३, १०४, १९९,
 २०१, ३०४
 देवराज आसराव रो प ३६३
 देवराज कांघळ रो दू. १४५
 देवराज मूळराज रो दू. १०, ५३, ७३,
 ७५, ९२, १४४

देवराज मूळराज रो ती ३४, २२१
 देव राजघर रो प ३५६
 देवराज भोहा रो प ३३६
 देवराज मांडण रो प ३५६
 देवराज घाघेलो प २६१
 ,, ,, ती ५०
 देवराज विजैराव चूडाळा रो
 दे० देवराव विजैराव चूडाळा रो ।
 देवराज वीका रो ती० २०५
 देवराज वीरमोत ती ३०
 देवराज वीसा रो प १६६
 देवराज सांखलो प. ३५३
 देवराज सातळोत हू. ८४
 देवराज सीहड रो प. ३४०
 देवराजादित्य प १०
 देवराव विजैराव चूडाळा रो हू १०,
 १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४,
 २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१
 देव सर्मा प. ६
 देवसिंघ प ३०४
 देवानी प २६३
 देवाइत हू १६
 देवाणिक प ७८
 देवादित प ३, १०
 देवादित्य दे० देवादित ।
 देवानीक प २८८
 देवायर प १६२
 देवियो थोरी ती ५६
 देवीदांन हू १०८, १६८
 देवीदांन सोम-भाटी हू ७७
 देवीदान सांवतसी-भाटी हू. ७७
 देवीदास प १६, ३३, १४३, १६३, २११
 ,, हू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
 देवीदास (कणधारी) ती २३२
 देवीदास चाचा रावळ रो हू ११, ८३, ८४
 ,, ,, ,, ,, ती. ३५

देवीदास चूडासमा रो हू १
 देवीदास जेतावत प. ६१, ३५४, ३५७
 देवीदास (जंस०) ती २२१
 देवीदास भाटी हू ८५
 देवीदास सकर्तसिंघोत हू ६५
 देवीदास सूजावत राव प ५०, २५६
 देवीसाह प. १२६
 देवीसिंघ प ३०६
 देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
 देवीसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 देवीसिंघ (जैतपुर) ती २३०
 देवीसिंघ (भनाई) ती २२४
 देवो ऊदावत प १५२
 देवो त्रिभणा रो प २००
 देवो विक्रमादीत रो हू १४४
 देवो हाडो (वांगारो) प ६७, ६८, ६९,
 १००, १०१
 देवो हिमाळा रो प. २४४
 देसपाल ती. १८८
 देसळ हू १०, ३२
 देसावर राजा ती. १८६
 देसावळ माघो ती १६०
 देहड मडळीक प. १२३
 देहु राणो प १५
 देहुल विजैराव रावळ रो हू ३३
 देहो हू १२६
 दोदो सूमरो ती ६२, ६७, ६९, ७१,
 ७२, ७३
 दोराव राणो प १२३
 दोलतखान प १०१
 दोलतखान भाटी हू २, १०, १२२
 दोलतखान भोजू हू १८६
 दोलतखां कवि ती २७५
 दोलतखांन ती ६०, ६१, ६३, २३०
 दोलतखान वहियो ती २६८, २६९,
 २७०, २७१

दौलतसिंघ प. ३२२
 दौलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४
 दौलतसिंघ (खनावड़ी) ती. २३६
 दौलतसिंघ गर्जसिंघोत भाटी ती २१३
 दौलतसिंघ (तिहाणवेसर) ती. २२७
 दौलतसिंघ (नोंवाज) ती. २३५
 दौलतसिंघ (वाप) ती. २२३
 दौलो गहलोत हू ३१४
 घास हू २०२
 ब्रह्महास प २६२
 ब्रह्मश्व ती १७७
 ब्रौण दे० ब्रौणाचार्य महर्षि ।
 ब्रौणगिर प २६०, २८०
 ब्रौणाचारज दे० ब्रौणाचार्य महर्षि ।
 ब्रौणाचार्य महर्षि ती १५३, १५४
 द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
 द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.
 ३२१, ३२७
 द्वारकादास नरसिंघदास रो प. ३२०
 द्वारकादास नाया नो प ३११, ३१२
 द्वारकादास पतावत हू १७१
 द्वारकादास भाटी हू ६४, १०६, १३१,
 १३२, १६७, १८८, १६७
 द्वारकादास मनोहरदासोत हू १२०
 द्वारकादास मेडतियो हू. १७७
 द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

घ

घणसूर दे० घणसूर ।
 घनपालसेन ती. १८६
 घनकपाळ प २८६
 घनराज प. १६७
 ,, हू. ८१, ६३, १२१, १२२,
 १२४, १२८, १३८
 ,, ती. २३१
 घनराज खेतसीश्रोत हू ६६

घनराज गोवददासोत हू. १८८
 घनराज जैतावत हू २००
 घनराज नेतावत हू. १०७
 घनराज वीकावत हू १७३
 घनराज सांवळदासोत हू १८१, १८२,
 १८४
 घनराज सीहळ उधरणोत हू १०३, १०४
 घनराज हरराज रो प १६३, १६४
 घनालसेन ती. १८६
 घनूर्ध्वर प ७८
 घनो श्रासावत हू १७७
 घनो गौड ती २७०
 घनो जोगा रो प ३५७
 घनो मांडणोत प २३६
 घनो घीसा रो प १६६
 घरण सा प. ३६
 घरणीधराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
 ,, ती १७५
 घरमचद प ३२६
 घरमदेव प ३३७
 घरमागव प. २७
 घरमो हू. १४३
 घरमो घीठू प ३४७
 घरमोस प २६२
 घर्म सर्मा प. ६
 घर्मांगद राजा ती १७५ (दे० घरमांगद)
 घर्मादि प. २८८
 घघळ जाडेचो हू २२५
 घवळोजी राय ईंदो हू ३१०
 घाघळ ती २६, ५६
 घांघू प ३३७
 घाऊ भेछळो हू. ६०, ६१
 घारगिर राजा ती १७५
 धारदे दे० धीरदे जोईयो ।
 धारदे मदीत जोईयो ती. ३०
 धार घवळ दे० धीर घवळ ।

धारावरीस सोमेसर रो प ३५५, ३६३
 धारु आनळोत प. २५३, २५४, २५५,
 ३४०
 ,, आनळोत ती २८६
 धारो देवडो प १५६
 धारो सोढो प २२५
 धाहड़ राजा ती १७५
 धिलनाइव प ७८
 धिपताइव दे० धिलनाइव ।
 धीरजदे दे० धीरदे जोईयो ।
 धीरर्तासघ (सांडघो) ती २३२
 धीरर्तासघ (सिरंगसर) ती २२४
 धीरर्तासघ (हरदेसर) ती. २३२
 धीरदे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९,
 ३२०
 धीरघवळ ती. ५३
 धीर राठोड़ ती २१६
 धीरसेन राजा ती. १७५
 धीरो जैसिघदेवोत प २३२, २३६
 धीरो देवराज रो दू. २०१
 धीरो मालक रो प. ३३१
 धुम्हाळक परमार ती १७६
 धुघ प ११६
 धुघमार प ७८, २८७, २६२
 धुंघळ प १७२
 धुंघळियो साहणी प. २२६
 धुधुमार ती १७७. २१८ (दे० धुंघमार)
 धुवसघ प २८८
 धूधळीमल जोगो दू २०६, २१०, २१२
 धूमरिख ती १७५
 धूम्रऋषि दे० धूमरिख ।
 धूम्रज्वालक दे० धुम्हाळक ।
 धूहडजी राव ती २६, १८०
 धृतस्पद ती. १८५
 धोघादास दू ८१
 धोघो दू ८०

धोम ऋषि प ३३७
 धोमरिख प २८०
 धोमरिष प. २६१, ३३७
 धोमारिखल प. ३५४
 ध्रुवसघ ती. १७६
 ध्रुवसघि ती १७६
 ध्रुवसिन्धु ती १७६

न

नदराय प ४७
 नदराय वालणोत प. २७६
 नदियो प. १७४
 नदो प. २७६
 नकोदर पाडे रो ती. १४, १५
 नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९
 नगराज खींदे रो प. ३४१
 नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६,
 १६८, २०५
 ,, दू ७७, ७८, २६४
 नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१
 नगो सवरा रो प १६७
 नदो सोढो दू. २२१, २२३
 नयपाल राजा ती १८८
 नरदेघ प ५, २६०
 नरनाथ सर्मा प. ६
 नरपत जांम दू २०६
 नरपति रांणो प. ६
 नरपाळ प. २८६
 नरबद प ४६, ५०, १०६, ११०, १२५,
 १२६
 ,, दू. १६७, १६६
 नरबद मेघावत मोहिल ती. १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६
 नरबद सत्तावत दू ३३६
 ,, ,, ती ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,
१४५, १४६, १४७, १४८, १५०
नरबिब रावळ प १२
नरब्रम रावळ प. ७९
नरब्रह्म रावळ दे० नरब्रम रावळ ।
नरवाहण प. १२३
नरवाहण रावळ प. ७९
नरवाहन रावळ प. ५, १२
नरवीर रावळ प. ७९
नर सर्मा प. ९
नरसिध प. १२९, १६३, १६६, १६७,
२००
" दू ६६, ८१, १०७, १२०, १९०,
२००
नरसिध उदैकरणोत प. २९०, २९५,
२९७
नरसिध ऊदावत दू १७३
नरसिध खींदावत ती १४१
नरसिध गोयददासोत दू १८०
नरसिधदास प. ३३६, ३०४, ३०५,
३२०, ३२४, ३२५
" दू १८४
नरसिधदास ईसरदास रो प ३५४
" " " दू १६१
नरसिधदास कल्याणदासोत दू १५८
नरसिधदास छीतरदास रो प ३०८
नरसिधदास जाट ती १४, १५
नरसिधदास बेवीदासोत दू ८५ ८७, ८९
नरसिधदास (नींबोळ) ती २३६
नरसिधदास फरसराम रो प ३१६, ३२४
नरसिधदास भाखरसीओत दू १५२
नरसिधदास (भेळू) ती. २२५
नरसिधदास मानसिध रो प ३२६
नरसिधदास मुहतो जेमलोत प. ७७
नरसिधदास रावत प. ४६, ६५, ६६
नरसिधदास (रोणवी) ती २२६

नरसिधदास लूणकरण रो प. ३१९, ३२०
नरसिधदास सावळदासोत दू. १७४,
१८२
नरसिधदास सींघळ ती ३८, १४१,
१४३, १४४, १४५, १४६
नरसिध देवडो तेजा रो प १६५
नरसिध वापा रो प ३४३
नरसिध भाणोत दू १५१
नरसिध राजा ती १९०
नरसिध घाघावत दू १६२
नरसिध सींघळ प २२६ (दे० नरसिध-
दास सींघळ)
नरसिध सोढो प ३६१
नरहर प १२, १३३
" दू ८८, ९०, ९४, १२३, २००
नरहरदास प २७, ६७, १०२, १११,
१२५, १५९, १६१, १६५, १७८,
२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६,
३२५
" दू १७४, २६४
नरहरदास ईसरदासोत दू १५५, १५६
नरहरदास केसोदासोत दू १७
नरहरदास गोयददासोत दू १५०, १५५
नरहरदास डुरगावत प ३४३
नरहरदास पंचाइण रो प ३०७
नरहरदास भांनीदासोत दू १६९
नरहरदास भैरवदासोत दू १९६
नरहरदास रामोत दू. १२०, १२२
नरहरदास रायसिधोत दू १९४
नरहरदास सांघळदासोत दू १७९
नरहरदास सोढो प. ३६१
नरहर रावळ प १२
नराइण जोघावत दू १७३
नराइणदास प. ६७, ६९, २१०, २११,
३२०
नराइणदास आसावत दू १४७

नराइणदास खगारोत प. ३०४
 नराइणदास हाडो प. १०४
 नरु प १५, ३१८
 नरु मेहराज रो प ३१३
 नरो प २०५, ३५७
 ,, हू ८१
 नरो अजावत हू. १४४
 नरो राजा चंद्र रो प. ३१३
 नरो वीकावत ती. २०५
 नरो सूजावत ती १०३, १०५, १०६,
 १०७, १०८, ११०, १११, ११२,
 ११३, ११४
 नळ प २८६, २६३
 ,, ती. १७८
 नलनाम प. २८८
 नवखड रावळ प १३
 नवघण प २४६, २४७
 ,, हू २०२
 नवब्रह्म प. ११७
 नवल्मिघ (खूहडी) ती. २३१
 नवल्मिघ (गोरीसर) ती २३१
 नवल्मिघ (सांखू) ती २२४
 नवसहेंसो दे० मालदेव राव ।
 नवसेरीखान प २५७
 ,, हू २६२
 नस्ना (नरु) रावळ प ७६
 नागड दुजणमाल रो प. ३५५
 नादण हू. ६६
 नादो विजा रो प. ३५८
 नानग चावडो हू. ३११
 नांगदे प १३०
 नागदे प १२६
 नागपाळ राणो प ६, १५
 नागादित्त प ३, १०
 नागादिन्य दे० नागादित्त ।
 नागारजन मूट रो हू २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन ।
 नागोरीखान ती. १२६, १३२
 नाटो प १५६
 नाडीजघ प ७८
 नाथ ती १०८
 नाथू प २०५
 नाथू माला रो हू १७८
 नाथू रतनसी रो प. ६७
 नाथू रिडमलोत हू ११६ १४३
 नाथो प १२१, २३६, ३१६, ३२१
 ,, हू ७५, ७६, ८८, ९०, १२३,
 १२५, १८४, १८७, १६१, १६६,
 २६४
 नाथो खगारोत ती ३७
 नाथो गोपाळदास रो प ३१०
 नाथो घाय-भाई हू १८०
 नाथो पतावत हू १७१
 नाथो भाटी किसनावत हू. ७८
 नाथो रूपसी रो हू. १६६, १६७, १६८,
 १६९
 नाथो लिखमीदासोत हू १६६
 नाथो लूणा रो प ३२७
 नाथो वीरम रो प १६७
 नाथो सिघ रो प ३१५
 नादो हू १४३
 नादो रायचंदोत भाटी हू. ६६, १००
 नापो प. १०१
 ,, हू. १४३
 नापो घीरा रो प. ३३१
 नापो माणकराव रो प ३४६, ३५३,
 ३५४
 नापो रिणघोरोत ती. १३०
 नापो वरजाग रो हू १६८
 नापो सांखली ती. ५, ८, ९, ११, १६,
 २०, २१
 नाभगराय प. २८८

नाभ प. ७८
 ,, ती १७८
 नाभमुख (नाभमुख) प ७८
 नारण प. १०१, २३५
 ,, दू. १४३, २६४
 नारण जोधावत दू. १६४
 नारणदास प. २७, ६३, १६५, ३२७
 ,, दू. ८१, ९९, १६२, १७९
 नारणदास श्रवैराजोत दू. १८८
 नारणदास ईसरदासोत दू. १८६
 नारणदास पातावत प. ३१
 नारणदास भांडा रो प १०२
 नारणदास भानीदास रो प. ३४३
 नारणदास मानसिध रो प ३२६
 नारणदास माघोदास रो प. ३५८
 नारणदास मालदेशोत दू ९२
 नारणदास रायसिधोत दू २५५, २५६
 नारणदास रावळ जैतसी रो दू ८५
 नारणदास साईदास रो दू. १७६
 नारणदास सांवळदासोत दू. १७९
 नारणदास सूजावन दू. १९०
 नारसिध ती २२८
 नाराइण गोयद रो प ३५८
 नाराइणदास प ३२०
 नाराइणदास जैमलोत प ६९
 नाराइणदास पचाइणोत प. ३०९
 नाराइणदास भाणोत प २१०
 नाराइणादित्य प. १०
 नाराणदास बोडो प. २४६, २४७
 नाराणदास वाघावत प २४७
 नारायण प. १६७, १९६, २३७, २४२,
 ३३१.
 नारायण ती २२०
 नारायणदास आसकरणोत दू. १३९
 नारायणदास (करेभडो) ती २२७
 नारायणदास (तिहाणवेसर) ती २२७

नारायणदास (भेळू) ती. २२५
 नारायणदास भंरघदास रो प २४१
 नारायण मुहणोत प १९६
 नारायणदास (मेदसर) ती २२८
 नारायणदास रावत प ६२, ६४, ६५
 नारायण रायमलोत दू. १२३
 नारायणसेन राजा ती १८९
 नाल प २८८
 नाल्हो सीहड रो प. ३४१
 नासरदीन सुलताण ती. १९१
 नासर सैद ती २७३, २७५
 नासिर सैयद दे० नासर सैद ।
 नासिरुद्दीन दे० नासरदीन सुलताण ।
 नाहडराव पडिहार ती. २८
 नाहर दू. ९५
 नाहरखान प २७, ९५, ९६, ११७,
 १४२, १५४, १५५, १५८, ३२५
 नाहरखान दू १०८, १३०, १५६,
 १८८, २६३
 नाहरखान गोकळदास रो प २०९
 नाहरखान नाराणदास रो प ३५८
 नाहरखान राघोदास रो प २८३
 नाहरसिध (जाकरी) ती. २३३
 नाहरसिध (रावतसर) ती. २२९
 निकुभ प १२२
 ,, ती. १७३, १७७
 निकुभ ऋषि दे. निकुभ ।
 निखष प ७८
 निगम राजा ती १८६
 निर्जाम साह ती २७६
 नित्यानद सर्मा - प ९
 निरघोस प. ९
 निषगराइ प. २८८
 निपध ती. १७८
 नींबो प. ७०
 नींबो आणदोत दू १५४, १६०

नीबो कांघळोत ती. १६, २१
 नीबो जैसिघदे रो प. २३२
 नीबो जोधावत ती. ३१
 नीबो मृहतो हू. १३५
 नीबो राव महिसोत हू. १८२
 नीबो सिवदास रो हू. १९७
 नीबो सीमाळोत हू. ४१, ४२
 नीभड पोहड हू. १३
 नीतपाळ प. २८६
 नीत राजा ती. १८६
 नील प. ७८
 नूरदीन जहांगीर बादशाह दे० जहागीर
 नूरदीन पातसाहि ।
 नेतसी प. १६६
 ,, हू. १६२, १७४
 नेतसी अजावत हू. ८०
 नेतसी कुजणोत हू. १७५
 नेतसी भा० प. १५२
 नेतसी मालदेश्रोत हू. ६६
 नेतसी मेहरावण रो प. ३६१
 नेतसी रामोत हू. १२०
 नेतमी राव हू. १२१
 नेतसी वीरमोत प. २४०
 नेतसीह राव (वरसलपुर) ती. ३७
 नेतो हू. १६८
 नेतो चाचा रो प. ३५१
 नेतो जैमलोत हू. ६६, १६६
 नेतो परबत रो हू. ८२
 नेतो घिजा रो हू. ११७
 नेमकादिरय प. १०
 नेणमी मुहतो प. ८८, १७२, २७६
 नेणसी मुहतो ती. ४६, १६८, १७३,
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
 नेणसी सिवराज रो प. ३५६
 नीघण रा' हू. २०२
 न्यामतळां कवि ती. २७४

प

पंच दे० चप ।
 पचाइण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
 ,, हू. ६६, १२०, १४२, १५१
 ,, ती ६६, ६७, २२०
 पचाइण कचरा रो प. १६५
 पंचाइण खेतसी रो हू. ६३, ६५
 पंचाइण जैतसीश्रोत हू. १६६
 पंचाइण जोधावत हू. १६४, १७७
 पंचाइण पंवार प. १४१
 पचाइण प्रधीराजोत प. २६०, ३०७,
 ३०६
 पंचाइण भगवांनदासोत हू. १५२
 पंचाइण मूळावत हू. १६०
 पंचाइण मेहाजळ रो प. १६१
 पचाइण राणा भोजराज रो प. १७२
 पचाइण रूपसी रो प. ६७
 ,, ,, ,, हू. १४८
 पंचाइण हर्मीर रो प. २३७
 पंचायण दे० पचाइण ।
 पचायण रावत ती १७६
 पजुन सामत प. २६०
 पंजू प. २२०, २२१
 पंजू पायक हू. ४१, ४२, ६१
 पडरिष्य प. २८८
 पंडवो प. १६
 पंवार प. ३३६
 पताई रविळ ती २५, २६
 पताळसिघ दे० पातळसिघ राजा ।
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,
 ३५८, ३६२
 पतो हू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,
 १६७
 पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६
 पतो चौरण प. १३६
 पतो चीबो प. १४८

पत्नी जैमल रो दू. १४५
 पत्नी जोगीदास रो दू. १६६
 पत्नी वहियो प २२६
 पत्नी देवढो सांवतसीओत प १५३
 पत्नी नगावत दू. १८१
 पत्नी नींवावत दू. १५४, १६०
 पत्नी मदा रो प. १६७
 पत्नी महणसी रो प १३५
 पत्नी महिपा रो प. ११६
 पत्नी मूळावत दू. १६०
 पत्नी रांणावत दू. १५१, १७१
 पत्नी राणो प ३५८
 पत्नी राजघर रो दू. १७७
 पत्नी रायमल रो प. १६
 पत्नी राव कला रो प. १६०
 पत्नी रूपसी रो दू. १६६, १६७
 पत्नी सिधावत प २४३
 पत्नी सिखरा रो प. १६५
 पत्नी सींघळ प. २२५
 पत्नी सीसोवियो प. ३२, ६७, १११,
 ११२
 " " ती. १८३
 पत्नी सुरताणोत दू. ६६, १०८
 पत्नी सूजा रो प २३६
 पत्नी सूरा देवडा रो प. १७०
 पत्रनेत्र प. ७८
 पदमपाळ प. २८६
 पदम राणो दू. २६५
 पदम रिख दू. ६
 पदमसिंघ दू. ६३
 पदमसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 पदमसिंघ (जीळी) ती. २३३
 पदमसिंघ (जेसळमेर) ती २२०
 पदमसिंघ (जैतपुर) ती २३०
 पदमसिंघ भाटी दू ११०
 पदमसिंघ (भादळो) ती २२५

पदमसी प. १६३
 पदमसी कानडदेओत दू २८३, २८४
 पदमसी रावळ प ७६
 पदमसी धिजैसी रो प. २३०, २३१
 पदमादित्य प. १०
 पदमो सेठ ती. २१५
 पदारथ ती. १८०
 पद्म ऋषि दू ६
 पद्मनाभ कवि प. २०४, २१५
 ,, ,, ती. २६३
 पदो जाडेचो दू २५३, २५४
 पमार डाहळियो ती. १५४
 पमो घोरघार ती. ५८, ६०, ७८, ७९
 परताप प. ११७
 परतापसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
 परतापसी लूणकरणोत ती. २०५
 परपाळ राजा ती १८५
 परवत प ३६१, ३६२
 परवत आणंदोत दू १५४, १६२
 परवत केहर रो दू ७८
 परवत गांगा रो दू ८१, ८२
 परवत रावत प ७१, ७२
 परवतसिंघ प. ४०, १७४
 परवतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१
 परवतसिंघ सीसोवियो प १५५, १५६,
 १५७
 परवत सेखा रो प १६८
 परमपथ राजा ती. १८६
 परमार प ४
 परवेज साहिजादो प ३२१
 परसराम प. ६८
 परसराम भारमलोत प. २६१
 परसराम रायसलोत प. ३२३
 परसराम (हरदेसर) प २३२
 परसोतम प ३२३
 परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

पराछित ती १८६
 परिपाल ती १८५
 परियत्रराइ प २८८
 परीआइत हू. ६
 परीकित ती. १८५
 परीखत प ८, १०
 परीखत राजा प. १०
 परुपत प. २८७
 परुरव पैवार रो प. ३३६
 परुराई ती. १७५
 पवन्य प ७८
 पसायत गाडण हू ११८
 पसो प. २१
 पहपलकराज प २८८
 पहलार्दसिघ प ३११
 पहाडसिघ ती. २२४
 पहाडो ती २३४
 पहोड हू १७ वे० पाहोड
 पाचो हू ८१, १६६
 पाचो नगा रो प १६७
 पांचो माना रो प. १६८
 पांचो घीसा रो प. १६६
 पांडव ती १५३, १५४
 पाडो गोदा रो ती. १३, १४
 पांगराज प. २८८
 पातळ किमनाघत हू. १६४
 पातळ तोगाघत हू. ८४
 पातळ वरसिघ रो हू १२७
 पातळसिघ राजा ती १७६
 पातो चीयो प १४६
 पातो अभवणा रो प. २८५
 पातो फरास प १४५
 पातो भरमा रो प १७२
 पातो रावत हू ६७
 पातो वीकमसी रो प. २३१
 पातो सांगा रो प. १७२

पावूजी ती. ४०, ५८, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९
 पायक प. २८८
 पारजात प ७८
 पारारिख प १२२
 पारियात्र ती १७६
 पाल उदैचंद राजा रो प ३३६
 पालण काल्हणोत वे० पाल्हण काल्हणोत
 पालण पवार प १८१
 पालणसी छोहिल रो प ३४०
 पालदेव सर्मा प ६
 पाल्हण काल्हणोत हू २, ३६, ५४
 ,, ,, ती ३४, २२१
 पासेनजित प. २८७
 पाहर्दसिघ प १३०
 पाहुण ती २२१
 पाहु बापा राव रो हू १, १०, ३३
 पाहु जेठी प. ३४६, ३५०
 पाहोड हू १ वे० पहोड
 पियुराव हू. ७७
 पिथोरो राजा ती १६०
 पिराग जाभणोत प. २३८
 पिरागदास प ३२३
 ,, हू. १३३
 पिरागदास वीरमदेवोत हू १७१
 पिराग भाटी हू ६६
 पिरोनशाह वे० पीरोसाह ।
 पीच सर्मा प ६
 पीत सर्मा प ६
 पीताम्बरदास देरासरी ती २६३
 पीथड घूहड रो ती २६
 पीथम राव प ३६२
 पीथमराव तेजसीयोत प २३२, २४१
 पीथळ वे० प्रिथीराज कल्याणमलोत ।

पीयळसिघ दे० पातळसिघ राजा
 पीथो प. १६४, १६६, १६९, ३१६,
 ३२९, ३३०
 पीथो हू. ६६, ७७, ९०, ९२, ९५,
 १२८, १७५, १९८
 पीथो आणंदोत हू. १५४, १६३
 पीथो कान्हावत हू. १८१
 पीथो जसंतोत हू. १७०
 पीथो देदावत हू. १९०
 पीथो वीसावत हू. १९४
 पीथो सीसोदियो वाघावत प. ६४, ६६
 पीरजादो हू. ४५
 पीर ब्रह्मान चिसती प. ३१८
 पीरो आसियो हू. १०१
 पीरोज हू. ३४२
 ,, ती १८
 पीरोजशाह पातसाह हू. १
 ,, ,, ती १८४
 पीरोसाह पातसाह हू. १, १०, ५०
 पीरोसाह सुलताण ती. १९१
 पुजन राजा प. २९३, २९४, २९६
 पुज राजा ती १८०
 पुंडरीक प. ७८
 ,, ती. १७८
 पुणपाल रांगो प. १५
 पुण्यपाल दे० पुनपाळ ।
 पुधन्वा (सुधन्वा) प. ७८
 पुनपाळ ऊदा रो प. ३४६
 पुनपाळ जागळवो प. ३५४
 पुनपाळ रांगो प. ६
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो हू. ४२,
 ४३, ११४
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३
 पुनराज हू. ३२
 पुतसी हू. ८९
 पुनसी, रावळ जैतसी रो हू. ८५

पुरस बहादर प. ३२२
 पुरुकृत्स ती. १७८
 पुररवा हू. ९
 पुरुखा दे० पुरराई और पुररवा ।
 पुरुषोत्तमसिंह प. ३२३
 पुष्कर ती. १७९
 पुष्पसेन दे० पोहपसेन ।
 पुष्य ती. १७९
 पूजो हू. ८९
 पूजो चूडा रो प. ३५१
 पूजो पाता रो प. १७२
 पूजो राजा रो प. ३५२
 पूजो रावळ प. ७७, ७९, ८७
 पूनो प. १९९, २००
 पूनो हँदो हू. ३४२
 पूनो चवड रो हू. ३१०
 पूनो दोला गहिलोत रो हू. ३१४, ३१५
 पूनो भाटी रांगवत हू. ६६
 पूरणमल प. १०४, १०८
 ,, हू. १२५
 पूरणमल कावळोत ती १६
 पूरणमल गोपाळदासोत हू. १८९
 पूरणमल जैतसिघोत ती २०५
 पूरणमल दासा रो प. ३१८
 पूरणमल प्रताप रो प. २८
 पूरणमल प्रथीराजोत प. २९०, ३१३
 पूरणमल मांडणोत हू. १८६
 पूरणमल मालदेश्रोत हू. ९२
 पूरणमल राजा हू. ३३५, ३३६
 पूरो प. १०९, १९९, ३१६, ३४२
 ,, हू. १२९, १३०, २६२
 पूरो जैमलोत प. ६९
 पूरो भाणोत प. २६
 पूरो रांगवत हू. १७२
 पूरो सिघ रो हू. २६४
 पूथीप प. ६

पृथुश्रवा प. २८८
 पृथ्वीराज कुचर ती. २४७
 पृथ्वीराज चौहान प. २६६
 पृथ्वीसिंघ (लोवो) ती २३२
 पेयङ्ग प ६, १४, १५
 ,, दू १००
 पेमलो घोरी ती ५६
 पेर्मासिंघ प ३०८
 पेर्मासिंघ छत्रसिंघ रो प २६६
 पेर्मासिंघ (नीवा) ती. २२५
 पेर्मासिंघ (लाबिया) ती. २३५
 पेर्मासिंघ (घाप) ती. २२३
 पेरजखानं जोगा रो प. १२४
 पेरोसा सुरताण दू ५०
 पैजारखानं प. ४६
 पैरोज प. ३२८
 पैह्लाव प. ३२१
 पोलस्त श्रगस्त रो प १२२
 पोलियो नाई ती. २१४
 पोहड दू. ११, १२, १३, १४
 पोहपसेन प. १२४
 ,, ती. १७५
 प्रछेमधन्वा पी. २८८
 प्रजापाल प. ७८
 प्रणव ती. १७८
 प्रतफ प्रवेस प २८६
 प्रतबिब प. २८६
 प्रताप (चडावो) ती २३४
 प्रतापचव प ३१६
 प्रतापमल रांम रो प. ३१४
 प्रताप रांणो प ६, १५, २१, २८, ३०,
 ३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८
 प्रताप रावळ प. ७३
 प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५६
 प्रतापरुद्र प. १२६, १३०
 प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२
 प्रतापसिंघ कल्याणमलोत दू २७६
 प्रतापसिंघ कुचर ती १५२
 प्रतापसिंघ (गोरीसर) ती. २३१
 प्रतापसिंघ (छिपियो) ती. २३७
 प्रतापसिंघ जसकरण रो प १२१
 प्रतापसिंघ भगवतदासोत प २६१
 प्रतापसिंघ भगवानंदास रो प ३००
 प्रतापसिंघ भाटी सुरतांणोत दू. १००
 प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प ३०५, ३११
 प्रतापसिंघ (महाजन) ती. २२८
 प्रतापसिंघ मालवे रो प ३१५
 प्रतापसिंघ राजा (किशनगढ) ती २१७
 प्रतापसिंघ रावत प ६६
 प्रतापसिंघ (सिधमुख) ती २२४
 प्रतापसी प १११
 ,, दू ८८, २५६
 प्रतापसी चहुवांण, राव ती. १८३
 प्रतापसी रावत दू. २६४
 प्रतापादीत प १३३
 प्रतापी रावळ प ७६
 प्रतिव्योम ती. १७६
 प्रतीक प २८६
 ,, ती. १७६
 प्रथम राणो- प. ६
 प्रथसवा प २८८
 प्रथोचद मनोहर रो प. ३१६
 प्रथोदीप भारमल राजा रो प. २६१
 प्रथोमल प १८५, १८६
 प्रथोमाल प. १८६
 प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,
 १२५, १२६, १३०, १४४, २०६,
 २४१, २५२, २८६, ३०७, ३११,
 ३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४
 प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,
 १२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
 प्रथीराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१, १४०
 प्रथीराज उठणी-प्रणो प. १७, १९
 प्रथीराज कचरावत हू. १७४
 प्रथीराज करमचव रो प. ३१५
 प्रथीराज राव, कल्याणमलोत बीकानेरियो
 प. २५६
 प्रथीराज कान्हावत हू. १९३
 प्रथीराज गोयददासोत हू. १२५, १५६,
 १५७
 प्रथीराज चव्रसेणोत प. २९०, २९७
 प्रथीराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,
 २९६, ३३९, ३४४
 प्रथीराज जूभारसिध रो प. २९८
 प्रथीराज जैतावत हू. २०१
 प्रथीराज झालो मानसिध रो हू. २५६
 प्रथीराज देवडो सूजावत प. १५४, १५५,
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६५,
 १६६
 प्रथीराज (भूकरी) ती. २२३
 प्रथीराज पातावत हू. १४९
 प्रथीराज बल्लभोत हू. १७३
 प्रथीराज भोजराजोत हू. १२२, १३८
 प्रथीराज राजा कछवाहो ती. १५२
 प्रथीराज रायमल रो प. ९१, ९२,
 २८१, २८४
 प्रथीराज रावत, जैतावत प. ६०, ६६
 प्रथीराज राव दलपतोत हू. १३१, १३२,
 १४४
 प्रथीराज रावळ पं. ७०, ७१, ७२, ७३,
 ७९
 प्रथीराज रावळ उदैसिधोत प. ८७
 प्रथीराज राव (वंरसलपुर) हू. १२१
 प्रथीराज हरराजोत प. २५६
 प्रथीराज हाडो केसोदास रो प. ११७

प्रथीसिधजी कवर प. ३२२
 प्रथीसिध परसोतम रो प. ३२३
 प्रथु प. २८७
 प्रदमन दे० प्रदुमन ।
 प्रदुमन प. ७८
 ,, हू. १, १५, १६, २०९
 प्रद्युम्न हू. ९, १५, २०९
 प्रयागदास ती. ११९, १२०
 प्रशस्तनु दे० प्रसयतु ।
 प्रसयतु ती. १७९
 प्रसेनजित प. २८७, २९२
 ,, ती. १७९, १८०
 प्रसेनघन्वा प. २८८
 प्राण हू. ९
 प्रागदान ती. २३३
 प्रागदास प. २१२
 ,, हू. १३०
 प्रागदास करमसीधोत हू. १६३
 प्रागदास कलावत हू. १६२
 प्रागदास दयाळदास रो हू. ९४
 प्रागदास सांघळदासोत हू. १८३
 प्राछित राजा ती. १८६
 प्रासेनजीत प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
 प्रिचीचव प. ३१९
 प्रिथीराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७
 (दे० प्रथीराज कल्याणमलोत)
 प्रिथीराज वंरसलपुर राव ती. ३७
 प्रिथु प. ७८
 प्रेतारथ हू. ९
 प्रेमचंद प. ३१९
 प्रेम मुगल प. २४४
 प्रेमसाह प. १३१
 प्रेमसिध प. ३२१, ३२८
 फ
 फतेसाह ती. २७६

फतैसिघ प २५, १३३, ३०६, ३११,
 ३१८
 ,, हू. ६५
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २३१,
 २३२, २३३, २३४, २३५
 फतैसिघ किसोरदासोत प ३०७
 फतैसिघ लाडखान रो प ३१८
 फतैसिघ विर्जेसिघोत हू. ११०
 फतैसिघ हररामोत प ३२४, ३३५
 फदनखा ती. २७५
 फरसरांम प. ६६, ३०७, ३२३
 फरसरांम उर्वेसिघोत प. २१, ३०८
 फरसरांम कचरावत प ३१६
 फरसरांम त्रिदावन रो प. ३०७
 फरसो प १२१
 फरसो सूजा रो प. ११६
 फरीद शैख ती. २७६
 फरेखान (फरेवान) प. २६२
 फार्वंस ती. १७३
 फिरोजशाह बादशाह हू. १०
 ,, ,, ती. १८४
 फूदो कांचड़ प २०३
 फूल हू २२२, २३२
 फूल जाड़ेचो छाहर रो हू. २०६
 फूल जाड़ेचो घवळ रो हू. २२५, २२६,
 २२७, २२८, २२९, २३०, २३१,
 २३३
 फूलांगी हू २३३

 व
 वघ प ३३८
 वघ राजा प. ३३६
 वघाइत प. ३३८
 वन हू. २१५
 ,, ती. १८०

वभणियो जांम हू २२४
 वंभ राजा (मारवणी रो बाप) प. २६३
 वभेसर हू २१५
 वडुवै राजा ती. १८६
 वद्री तिरमणोत प. ३२३
 वद्रीदास प. ३०६
 वळ प ११६, १३५, २४७
 वळकरण प १०१
 ,, ती. २२१
 वळकरण जगनाथ रो प. ३०२
 वळकरण नरहरदास रो प. ३०८
 वळकरण पूरा रो प. ३४२
 वळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,
 ३२९, ३५६
 ,, हू. ६०, २६४
 ,, ती. २२८
 वळभद्र नरसिघदास रो प. ३२०
 वळभद्र नारायणदासोत प ३२४, ३२६,
 ३२७
 वळरांम प. २८, ३०६
 ,, ती २३६, २३७
 वलराज प. १००
 वळराज तेजसी रो प ३५७
 वळ राजा प. १६०
 वळ लाखण रो प २५०
 वळवीर प. १२६
 वळसोही राव लाखण रो प १७२, २०२
 वलाहक राजा ती. १८७
 वळिकरन पूरावत हू. १७२
 वळिपाळ प. २८६
 वळिभद्र प्रधीराज रो प २६०
 वळिभद्र वांकडो राजा प्रधीराज रो
 प ३०७
 वलिरांम फरसरांमोत प. ३१६, ३२३
 वलिरांम भगवंतदासोत प. ३००
 वलि राजा प. १६०

बाहदर प. ३२८ दे० वहादर
 बाहुक ती १७८
 बाहेली गूजर हू ५५
 बिबपसाव रावळ प. १२
 बिजड प १३५
 बीका राव } दे० बीको राव ।
 बीकाजी राव }
 बीज प. २५८, २६३, २६४, २६७,
 २६८, २६९
 बीज राजा ती १८५
 बीवी प १२४
 बीभी जाम हू. २५४
 बीरसीह रावळ प. १२
 बुकण भाटी-अभोहरियो हू. ३०२
 बुद्धसेन राजा ती १७५
 बुध हू १, ९, ११, १५, १६, १४०
 बुध ईच (बुधईस) ती. १७६
 बुधराम प. ३०८
 बुधसिध प. ३०८
 ,, ती २३२
 बुधसिध जगतसिध रो हू १०९
 ,, ,, ती ३६, २२०
 बुधसेन प २९२
 बुलाकी प २९८
 बूनो वारहठ हू. ३८, ७४
 बूडो घाँघळोत ती. ५९, ६२, ६४, ६५,
 ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९
 बूवनो हू. २५४, २५५
 बूहड़ मडळीक प १२३
 बोजो चूडा रो प. ३५१
 बोटी हू ९
 बोडो भाखरोत प २४५, २४७
 बोवी राणो ती. १५८, १७१
 बोहड बीठू हू ६३
 बोहड सोलकी प. २८०
 ब्रह्मदेव राणो हू. २६४
 ब्रह्मरिप प २६१

ब्रह्मान्य प. ७८
 ब्रह्मदस (बूहदस्व) प २८७
 ब्रह्मानखां ती. ५७
 भ
 भईया हू. १, ११
 भगवंतदास प. ३२९
 ,, ती. २२६
 भगवतदास राजा भारमलोत प ११२,
 २९१
 भगवत राय प. १३१
 भगवतसिध प १४, १५
 भगवतसिध ती. २२५, २३३
 भगवान प २९
 ,, हू. ७७, ८१, ८९, १२२, १२८,
 १७७
 भगवान किसनावत हू १९१
 भगवान मेघराज रो प. ३५९
 भगवान सोढो प ३६१
 भगवानदास प १३०, १६०, १६३,
 १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
 भगवानदास हू. ९८, १२९
 भगवानदास अखैराजोत हू. १५२
 भगवानदास कल्याणमलोत ती २०६
 भगवानदास गोपाळदासोत हू. १८९
 भगवानदास दयाळदासोत हू १४७
 भगवानदास नारणदासोत हू १८७
 भगवानदास फरसरांम रो प ३१६
 भगवानदास (भूकरी) ती. २२३
 भगवानदास रांमचदोत हू १५९
 भगवानदास राजा कछवाही हू १४५
 भगवानदास राजा भारमलोत प २९१,
 २९७, ३०२
 भगवानदास रायसिधोत हू १२५, २५५,
 २५६
 भगवानदास लूणकरणोत प ३२०
 भगवानदास धीरमदेशोत हू. १६९

भगवानदास सीहावत दू. १२४
 भगवान सकतावत प. २७
 भगवान हरराजोत दू. ६६
 भगीरथ प. २८८
 भड लखमसी राणो प. १५
 भडसी कुतल रो, कछवाहो प. २६५,
 २६६, ३३०
 भडसूर रावळ प. ७६
 भदो पंचायणोत प. २१, २०७
 भदो सावतसी रो प. २००
 भरत ती. १८०
 भरथरी प. ३३६
 भरमो आढो दू. २४२
 भरमो चहुवांण प. १७२
 भरह राणो प. १२३
 भरक ती. १७८
 भव ती. १७६
 भवणसी जांभण रो दू. ३८
 भवणसी भूवर रो प. १६
 भवणसी (भीमसी) राणो प. १५
 भवणसी राणो ती. २३६, २४७
 भवनो रतनू दू. १४
 भवसी राणो प. १५
 भवानीसिघ ती. २२३, २३२, २३७
 भांडो जंतावत दू. ६६
 भांडो वीरा रो प. १०२, १०६
 भाण प. २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
 २३७, ३६०
 ,, दू. १२२, १४३
 ,, ती. ८७, ८८
 भांण अखैराज रो प. २०७, २०६, २१०
 भांण अभाउत पडिहार प. १५२
 भांण कल्याणमलोत ती. २०६
 भांण लीवा रो प. ३६०
 भांण जेसावत दू. १५०, १५१
 भांण भूतो-चारण प. ८६, ८८

भाण तेजमालोत दू. १२४
 भांण दुजणसाल रो प. ३५५
 भांण दूदा रो प. ३६१
 भांण नारणोत दू. ६६
 भांण (भेळू) ती. २२६
 भाण मनोहरदासोत दू. १६७
 भांण मोटल रो प. ३४१
 भांण रायमलोत दू. १८६
 भाण रायसिघोत दू. १६४
 भाणराव भोजराजोत दू. १३७
 भाण रिणधीर रो प. १४२, १५८
 भाणल दू. ६१
 भाण वाढेल दू. २२०
 भांण सकतावत प. २६
 भाण सहसावत दू. १८६
 भांण साईदासोत दू. १७६
 भांण सिघोत दू. १६३
 भांण सीहावत दू. १२४
 भाणो घावळ प. २२५
 भाणो मीतण-चारण प. १०५, १०६
 भांणो तीसोदियो प. १११
 भांन प्रतविद्य रो प. २८६
 भानीदास प. २७६
 ,, दू. ११, ८०, ६२, ६३,
 १३६, १६३
 ,, ती. २२०
 भानीदास कांंह रो दू. ८८
 भानीदास दुजणसलोत दू. १२८, १२६,
 १३२
 भानीदास घरजांगोत दू. १६१
 भानीदास घोरमदेशोत दू. १६८
 भानीदास (भवानीदास) त्रैरमनपुर-राव
 ती. ३७
 भानीदास हरराजोत ती. ३५
 भानीदास हमीर रो प. ३४३
 भानीसिघ ती. २२३, २२८, २३७

भानो दू १६६
 भानो खेतसी रो प. ३६०
 भानो जोगा रो प ३५७
 भानो रावत प २७, ६४, ६५
 भानो सोनगरो ती ४१, ४२, ४३, ४४,
 ४५, ४६
 भामो साह ती १२३
 भाखर प २४१, २४७
 ,, दू ७६, १६८
 भाखर राणो प १५, २३१
 भाखरसिध ती. २३६
 भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१,
 ३६३
 ,, दू. ११, १७८, १६६
 ,, ती २३६, २४०, २४१
 भाखरसी फल्याणमलोत ती. २०६
 भाखरसी खगारोत प. ३०६
 भाखरसी जसवत रो प २०८
 भाखरसी दासावत प. १६३, १६६, २३७
 भाखरसी दूदावत दू १६७
 भाखरसी भानीदास रो दू. १६८
 भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
 भाखरसी राघपाळोत दू. १५२
 भाखरसी वरसल रो प. ३६३
 भाखरसी सादूळोत दू १६६
 भाखरसी हरराज रो दू ६८
 भागचंद दू ८०, १२४, १४२, २०१
 ,, ती २२८
 भागचंद जैतावत दू २००
 भागचंद हाडो प १०१
 भागस सकता रो प. १६८
 भागादित्य प १०
 भागीरथ प ७८, २६२
 ,, ती. १७८
 भाटी व ६, १६
 भाटी सालबाहन रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२
 भादो नारणदासोत दू. १८८
 भादो भोजा रो प. ३५४
 भादो मोकळ रो ती. ११६
 भादो रावळ प ७८
 भाद्रावळ जोगी दू २१६
 भानु ती. १७६
 भानुमान ती. १७६
 भामाशाह दे० भामो साह ।
 भार्यसिह ती. २२६, २२८, २३०
 भार्तसिध ती. २२६, २३५
 भारथचंद्र राजा प १२६
 भारथसाह प. १२६
 भारथसिध प. २६८
 भारथी प ३०७
 भारद्वाज ती. १५४
 भारमल प १५६, १६६, १७१, २०५,
 ३०६
 भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
 भारमल जगमालोत ती ३, ४
 भारमल जोगावत ती. ३१
 भारमल प्रथीराजोत प. २६०, २६१,
 २६७
 भारमल भैरू रो प ३२५
 भारमल राजा ती. २१७
 भारमल राजा प्रथीराज रो प २६१
 भारमल रावळ प ३५६
 भारमल वीकावत प. २००
 भारमल सागावत प ३६०
 भारमल सेखा रो प ३२८
 भारमल सोम रो प १६६
 भारो दू. २०६, २१५
 भारो साहिव रो दू. २५३, २५५
 भालो रावळ प ७६
 भावसिध प. २७, १०२, ११३, १६०,
 ३०४, ३२४

भावसिंघ दू. ६३, १६६, २६३
 ,, ती २३७
 भावसिंघ कान्होत दू. १५०, १८४
 भावसिंघ मानसिंघ राजा रो प. २६१,
 २६७, २६८, ३१०
 भावसिंघ राजा दू. १४७
 भावसिंघ सेखा रो प. ३१७
 भासादित प. ७८
 भीवो प. १६२
 भीव प. २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३
 ,, दू. १, ७७, ८१, ९६, ११६, १५१
 भीव करणोत प. २३५
 भीव करमा रो प. १६५
 भीव कल्याणदासोत दू. १६६
 भीव कूभाषत प. २३६
 भीव जगमाल रो प. ३२६
 भीवड पुजन रो प. २६४, २६६, ३३२
 भीव डोडियो प. ६२
 भीव दूदावत दू. १६३
 भीव देवडो प. १६६
 भीव पचाइण रो दू. २५५
 भीव प्रथीराज रो प. ३१५
 भीव प्रागदासोत दू. १८३
 भीव भगवतदासोत प. २६१
 भीव राणावत प. १६६
 भीवराज दू. १२४, १२८, १७८
 भीवराज प्रथीराज रो प. ३०२
 भीवराज मेळावत दू. १६६
 भीवराज सादा रो प. ३६२
 भीवराय प. १३१
 भीव रावळ दे० भीम रावळ ।
 भीव रुघनायोत दू. १६०
 भीव वाघ रो प. २०८
 भीव सावतसीश्रीत प. २३४
 भीवसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 भीवसी प. २६०

भीवसी रांगो दे० भवणसी रांगो ।
 भीव सीहड रो प. ३४३
 भीव सुरताणोत दू. १७१
 भीव हमीरोत दू. २०६, २११, २१२,
 २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
 भीवो दू. ७८, १६६
 भीवो साडावत प. २४३
 भीवो साहणी दू. १६६
 भीवो प. २०५, २६०
 भीम प. ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,
 २६०
 ,, दू. २११
 भीम ईसर रो प. १२१
 भीम खगार रो प. ३६३
 भीमचद राजा ती. १८८
 भीम चवडोत (चूडावत) दू. ३१०, ३४२
 ,, ,, ती ३१
 भीम जसहडोत दू. ७३
 भीम जेठवो दू. २२०
 भीमदे प. २६१
 ,, ती २२१
 भीमदे आसकरणोत दू. ५७, ५९, ६०
 भीमदे नानग सुत प. २६०
 भीमदेव लघु ती. ५१
 भीमदेव वृद्ध ती. ५१
 भीमपाल प. २६०
 भीमपाळ छत्रमणोत ती. २१३
 भीम मेघराज रो प. ३५६
 भीम रांगो भालो दू. २६४
 भीमराज ती. २२५
 भीम राजा प. ३०
 ,, ,, ती. ५२
 भीमराव जैनसिंघोत ती. २०५
 भीम रावळ हरराजोत दू. १, ६, ११,
 १४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,
 १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती ३५
 भीम वडो हू २०६
 भीमसिंघ ती. २२५, २२८
 भीमसिंघ महाराजा ती २१३
 भीमसिंघ रावळ प ८७
 भीमसी राणो दे० भवणसी राणो ।
 भीमसोळकी प २८०
 भीमो हू. ३४२
 भीमो रावत हू. ८६३, ८७
 भुहसाजळ साहजी प १५
 भुजबळ रतना रो प १६४, १६५
 भुजो सढायच हू. ३३६
 भुटो हू २१, २२
 भुणगसी राणो प ६
 भुणकमळ हू. २, ३८, ३९
 भुवनसिंघ प. ६
 भूधर हू १६८
 भूपमीच प. २८६
 भूमान प. २८६
 भूवड राय ती ५१
 भूवर प १६
 भेटो हू. ८१
 भैरव प २३२, ३१३
 भैरव हू. ६६, ६७
 भैरव कवि प ७
 भैरवदास प. २१, १११
 ,, हू ८८, १२४, १८२, २००
 भैरवदास जेतावत हू १५३, १७८, १६२
 भैरवदास देवडो प १५३ १५४, १५५
 भैरवदास मरोटवाळो हू १२०
 भैरवदास मेळावत हू १६६
 भैरवदास राणो हू. ६४, ६८, ६९
 भैरवदास वेणीदासोत हू १६८
 भैरवदास सोळकी नाथावत प. ५०
 भैरव देवडो प १६६
 भैरव भाना रो प. ३६०

भैरव राव प. २३२
 भैरु प ३१३
 भैरुदास जैसिंघदेवोत प. २३८
 भैरुं सूजा रो प. ३२५
 भोसला शाहजी दे० भुंहासाजळ साहजी ।
 भोग्रो नाई प २४८, २४९
 भोगादित प ३, १०, ७८
 भोगादित्य दे० भोगावित ।
 भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६,
 १५३, १६०, २०५, ३६२
 भोज हू. १, ३
 ,, ती. २२१
 भोजदे प २३१
 ,, हू. ८२, ८३
 भोजदे गागा रो प ३५६
 भोजदे रावळ विजैराव रो हू ३३, ३४,
 ३५
 भोज पंवार प. २६३
 ,, ,, ती २८, १७५
 भोज पवार सिंघळसेन रो प ३३६
 भोजराज प २१, १६३, ३०६, ३२३
 ,, हू १३८, १८६, १६६, २०६,
 २१५, २५६
 ,, ती. २२५, २२६
 भोजराज अखैराजोत प २०८, २१२
 भोजराज उदैसिंघ रो प २१
 भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
 भोजराज चद्रसेन रो प ३५५, ३५६
 भोजराज जगनाथोत प २०६
 भोजराज जसूतोत हू १७०
 भोजराज जीवा रो प २४१
 भोजराज जैतसिंघोत ती २०५
 भोजराज नींवावत हू १५४, १६२
 भोजराज पचाइण रो प २३७
 भोजराज मालदेश्रोत हू १७८, १६३
 भोजराज राजदे रो प. २६४, २६६,
 ३३२

भोजराज षाघोत दू १७६
 भोजराज रांणो प. १७२
 भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
 भोजराज रूपसी रो प. ३०५, ३१२
 भोजराज सांघळदासोत दू १७४, १७६
 भोजराज साला रो प ३४१
 भोजराज सिघोत दू १६४
 भोज राव दू १७१
 भोज विजैराव लीजा रो ती २२२
 भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८,
 २६९, २७२
 भोजावित प ३, ७८
 भोजा वत्य प. १२
 भोजो प ११६, २४०
 ,, दू. ८०, ९६, १६४
 भोजो कूभा कांपळिया रो प. २४६, २५०
 भोजो जोघाघत दू १७७
 भोजो देपावत प २८४, २८५
 भोजो सांडा रो प ३५४
 भोजो सोढो प. ३६१
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
 ,, दू. ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
 भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 भोपत कचरावत प. ३१६, ३१७
 ,, ,, दू १८५
 भोपत चकतो ती ३७
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
 भोपत पतावत दू १६०
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२
 भोपत माडणोत प. ३५४
 भोपत मानाघत दू १७६
 भोपत रांम रो प ३५८, ३६०
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
 भोपत रायसिघोत दू १०७
 ,, ,, ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२
 भोपत लिखमीदासोत दू १६६
 भोपत सहसावत दू १७६
 भोपत सांघळदासोत दू. १७४
 भोपतसिघ प. ३२२
 ,, , ती २२७, २३०
 भोपत सिघोत दू. १६३
 भोपत सोढो प ३६१
 भोपाळ प ६८
 भोपाळ दू ६१
 भोमपाळ राजा ती १८८
 भोमसिघ ती. २२५, २२६, २३२
 भोमसिघ साडूळसिघोत ती. २१३
 भोवड प २५६
 भोवडराज प २५६
 ,, ती. ४६
 भोवो नाई प २४८, २४९
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६

म

मंगळराव मभूमराव रो दू ६, ११, १५,
 १६, ३१
 मंगळराव, रावळ वछु रो दू १४०
 मभूमराव दू १, ६, ११, १५, १६,
 १४०
 मडळीक दू ८८, २६३
 मडळीक चहुवाण ती ३
 मडळीक जगमालीत ती ३, ४
 मडळीक राव (वैरसलपुर) दू १२१,
 १२६, १३०
 मडळीक राव (वैरससपुर) ती. ३७
 मडळीक सरवहियो दू २०२, २०३,
 २०४, २०५, २०६
 मक रांणो दू. २६५
 मजाहिदखा प १३६
 मथुरादास प. ३०८
 मदनपाळ राजा ती. १८८
 मदनसिघ प २५, ३१०

महिरावण दू ८८ (दे० महारावण)
 महिरावण चाचा रो दू ११७
 महिरावण बाघेलो प. २२६
 महिलू प २८१
 महीकरण नारण रो प ३५८
 महीदास प ७८
 महीपाल प. २८६
 महीपाल राजपाल रो प ३३६
 महीपिड प. ३३६
 महीराव प १३५
 महीरावण बैरसल रो प. ३६०
 महेंदर प. ४
 महेंद्रराव प १८६ (दे० महिंद्रराव)
 महेंद्रादित्य प. १०
 महेस प ८, २२, १६४, २०१, २३५,
 २४०, ३६०, ३६१, ३६२
 महेस दू ८४, १००, १०४, १८३, १६७,
 १६६
 महेस करमा रो दू. ८०
 महेस कलावत प. ३५४
 महेस घड़सी रो दू. १८६
 महेस जीवा रो प. २४१
 महेस ठाकुरसी रो प. ३६०
 महेसदास प. १३५, १७६
 ,, दू ६५, १८४, २६३,
 महेसदास अचळदासोत दू १५६
 महेसदास आडो किसनावत दू. १५, २६५
 महेसदास कलावत दू १८४
 महेसदास खेतसी रो दू १२३
 महेसदास गोयबदासोत दू १५०
 महेसदास जगवेवोत दू १४०
 महेसदास वळपतोत प. २३४, २४६
 ,, ,, दू. १७७
 महेसदास पीया रो प ३३०
 महेसदास राव सूरजमलोत दू. ६०
 महेसदास रूपसीओत दू. १४८

महेसदास लखावत दू. १६१
 महेसदास लूणकरणीत दू ६०
 महेस प्रतापसिधोत ती. १५२
 महेस भैरव रो प. १६६
 महेस मानसिधोत प. ३५६
 महेस ताईदासोत दू १७६
 महेस सेखावत दू १७३
 मांखण सैव प. २७, ६५
 मांगळ प. २६३
 मांगळराय प. २८६
 माजो चूडावत प. ६६, ७०
 माडण प. २४३, ३६१, ३६२
 ,, दू १४३, १७०, १७२, १८२,
 १८४
 मांडण ऊहड प २४३
 मांडण ऊहड गोपालदासोत दू. ६६
 मांडण कूपावत दू १८१, १८७, १८६
 ,, ,, ती १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२८, २७४
 मांडण खांट ती. ५६
 मांडण जोघा रो प. ३५७
 मांडण राणावत प. २३६
 मांडण रुणावत सांखलो ती. ३१
 मांडण वैरसी रो प. ३५६
 मांडण सकतावत प. २७
 मांडण सीहड रो प ३४१
 मांडण सोढो दू. ८२, ८३, २६२, २६३
 ,, ,, ती. ३४, ३५
 मांडो प ६६
 मांडो जंतसी रो, रांगो प. ३४१
 मांडो मुहलो दू. १३५
 मांडो हरभम रो प. ३५२
 मांणकराव आसराव रो प. १०१, १७२,
 २०३, २३०, २५०, २५१
 मांणकराव पुनपाल रो प. ३४६, ३४७,
 ३५३

माणकराव रांगो मोहिल हू ३२२, ३२३,
३२५

„ रांगो मोहिल ती १५८, १७१

माणकराव सिवराज रो प. ३५६

माणकराव सोढो प. ३६३

माणल देवाइत हू १६

मांघाता चक्रवै ती १७८

मांघाता चक्रवर्ती ती. १७८

मांन प. १०१

मांन खीमावत हू ६, १३६, १६१

मांन चहुवाण प ७४, ७५, ७६, ७७

मान तुवर, राजा ती. १८३

मानघाता प ७८, २८७

मांन पूरा रो प. १०६

मांन राणो प. २३१

मांन लणवायो प. २२४

मान वीरभाण रो प १२०

मान सांवळदासोत प. ७३

मांनसिध प. १६०, ३१६, ३२८, ३२९

„ हू. ८८, ९५, १२२, १२६, १७०,
१६२, १६४

„ ती २३०, २३१, २३२

मांनसिध अखैराजोत प २०७, २०८

मांनसिध ऊदावत हू १७३

मानसिध कछवाहो प ३०, ३६, ४०,

४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,
३१३

मांनसिध करणोत प ६५

मांनसिध कान्ह रो हू. १३६

मानसिध गागावत प. ३५८, ३५९

मांनसिध जेतसिधोत ती. २०५

मांनसिध जैमलोत प ६६

मांनसिध भालो हू २४५, २५६, २५९

मांनसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४

मांनसिध दुरगावत प. ३२७

मांनसिध भगवतदासोत प २५५, २५६,
२६१, २६७

मांनसिध भाणोत प २६

मांनसिध भाखरती रो प. ३५६

मानसिध मेहकरणोत हू. १६३

मानसिध राजा प. २६१, ३०८, ३१३,
३४२

„ „ हू. १४७

„ „ ती २१७

मांनसिध राव प. १४२, १४३, १४४,
१५०, १६१, १६५, १६६

मांनसिध रावत, सीसोदियो प. ६६, ६७,
६८

मांनसिध राव हूदा रो प. १३५, १३७,
१३८, १३९, १४०, १४१

मांनसिध रावळ व. ७३, ७४, ७५, ७६
७७

मांनसिध राव (वेरसलपुर) ती ३७

मांनसिध राव सीरोही प० २२, २३, २४

मानसिध लखावत हू १६१

मानसिध सावळदासोत हू. १७४

मांनसिध हाडो प. ११७

मांनो प. २६, १४६, १५६, १६३,
२३८, ३६२

„ हू ६६, ७७, १४३, २६४

मांनो केसोदासोत हू. १८८

मांनो जोगा रो प ३५७

मांनो डूगरसीओत हू १७६

मांनो देवराज रो हू. २०१

मानो नरवड रो प २४८

मानो नीबावत हू १५४

मानो मदा रो प १६८, १६९

मानो महियड हू. ६२

मांनो राव प १४३

मांनो रूपावत ती. ८४

मांनो लखमण रो प ३४१

मांनो घीसळ रो प. २००, २०१

मांनो साईदासोत हू १७६

मांनो सिखरा रो प १६५

, ती २२३
 मदनसिध करणसिधोत ती. २०८
 मदनसिध फरसराम रो प ३२३
 मदनसिध सेखा रो प. ३१७
 मदनो प १४६
 मदनफरखान ती. ५३
 मदी रामदास रो प. १६७, १६८
 मधु हू ३
 मधुकरसाह प्रतापवद्र रो प १२६, १३०
 मधुकीटभ प. ४७
 मधुकंटभ दैत्य दे० मधु कीटभ
 मधु राणो परमार ती १७५
 मधु राजा परमार ती १७६
 मधुवनदास प. ३१०
 मधुसूदन प १३३
 मनदेव प २८६
 मनभोळियो डूम हू २३२, २३३, २३४
 मनरदास ती २२३
 मनरांम (खनावडी) ती २३६
 मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
 मनरूपसिध प. ३००
 मनरूप (हरदेसर) ती २३२
 मनहरदास (कल्याणसर) ती २३४
 मनहरदास (जीळी) ती २३३
 मनहरदास (जैतपुर) ती २३०
 मनहरदास (लखमणसर) ती. २३३
 मनहरदास (सांडघो) ती. २३२
 मनु प २८७
 मनोरदास नरहरदासोत प. २३८
 मनोहर प २३, २७६, ३१६, ३४३
 " हू ७८, ८५, ८८, ६०, ६६,
 १२२, १७६, १७८
 मनोहरदास प. ६, १६५, ३१८, ३२७,
 ३४२
 मनोहरदास हू १२०, १२६, १६१,
 १६७ १८६, १६४
 मनोहरदास ती. २२३

मनोहरदास अखैराजोत हू १५२
 मनोहरदास उर्देसिधोत हू. १८८
 मनोहरदास कलावत हू ६, ११, ६३,
 १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
 मनोहरदास खंगारोत प. ३०५
 मनोहरदाम जसूतोत हू. १७०
 मनोहरदास नाथावत प. ३१०
 मनोहरदास पातळोत हू १६४
 मनोहरदास पिरागदासोत हू. १७१
 मनोहरदास रावळ प ३५६
 " " ती ३५
 मनोहरदाम रुर रो प ३१६
 मनोहरदास सांवळदास रो प ३४२
 मनोहर राव प २७६, ३१६
 मनोहर रावळ हू ७७, ८०
 मनोहर रूपती रो प ३४३
 मनोहर (सिधराव-भाटी) हू १०७
 मनोहर सोढो प. ३६१
 मन्होर प. २३७
 ममारखसाह सुलताण ती. १६१
 ममूसाह अमराव प २१८, २१६
 मयणसी रावळ प ७६
 मरीच प ७७, २८७, २६२
 मरीच राणो हू २६५
 मरीचि ती १७५
 मरु राजा ती १७६, १८५
 मरुदेव ती १७६
 मर्दनादित्य प. १०
 मलकवर ती २७६, २७८, २७६
 मलिक हू ४८
 मलिक अवर दे० मलकवर ।
 मलीनाथ रावळ ती २७, ३०, २५१,
 २५२, २५५, २५६
 मलूकचव राजा ती १८८
 मलूखा राजा प १३०
 मलेसी डोडियो ती १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प २६०, २६४,
२६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी हू. १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।
मल्लीनाथ राव हू २४८, २८१, २८२,
२८३, २८४, २८५, २८७, २८८,
२८९, २९०, २९१, २९६, ३००,
३०७, ३०८, ३०९
मल्लीनाथ रावळ हू १३० (दे० मली-
नाथ रावळ)
महंदराव प १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रणावत प. २३३
महडू हू २१५
महडू ऊनडू हू. २३८
महणसी प १३४, १३५, १६६, १८७
महवराव प. १०१
महदसी प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती १७५
महपो पमार (परमार) हू. ३३८, ३३९,
३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती. १७६
(दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
" हू ३४३
" ती ५४, ५५, ५७
महमंद भालो हू २५८
महमद पातसाह ती १, २, २८
महमद बेगडो प. २६२
" हू. २०२, २०३, २०४, २०५
" ती २५, ५६
महमदभली सुलताण ती १६२
महमदखान ती ५३
महमदसाह ती. १६१
महमदी भ्रादल सुलताण ती. १६१
महमूद प. २६२
महमूद बेगडा वावशाह-दे० महमद बेगडो

महर जाडेचो हू २०६
महरांवण प ३६१ (दे० महिरांवण)
महरांवण तिलोकसी रो हू. १६२
महाजोध राजा ती. १८७
महानद प ७८
महावळ राजा ती. १८७
महामति प ७८
महायश ती. १७८
महारिख रिखेस्वर प १६३
महासिध प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,
३२८, ३२९
" हू ६३, २६३
" ती २२०, २३६
महासिध ईसरदासोत हू ६५
महासिध उप्रसेण रो प ३१६, ३२२,
३२४
महासिध कछवाहो मानसिधोत हू. १३३
महासिध जगतसिधोत प २६१, २६७
महासिध राजसिधोत प २०६
महासिध राव प २८१
महिंद्रराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)
महिकरण प. ३५७
महिकरण कूभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे बोडो लखा रो प २४७
महिपो केल्हा रो हू ११२
महिपो केहर रो हू ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११६
(दे० महियो चहुवाण ?)
महिपो पवार प १६, १७
(दे० महपो पमार)
" " हू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१
(दे० महपो पमार)
" " ती १, २, १३४, १३५, १३८,
१३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमडल-पालक ती १८०
महियो चहुवाण प. १७२
(दे० महियो चहुवाण ?)
महियो सीसोदियो प. ६२
(दे० महियो सीसोदियो ?)

मानो सिवदासोत हू. १४४
 मर्नो हमीर रो प. ३५८
 माखनखा सैयद दे० माखण सैद ।
 माघ राजा परमार ती. १७६
 माधुर हू ३
 माघवदास केसवदासोत प २११
 (दे० माघोदास केसोदासोत)
 माघवदे प. ३३६
 माघव ब्राह्मण प. २६२, २७७
 „ „ ती. ५०, ५१, ५३,
 १८४ /
 माघव माघो राजा ती १६०
 माघवसेन ती. १८६
 माघवादित्य प १०
 माघू भाटी हू ५८
 माघो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
 माघो काना रो प. ३६०
 माघो गिरधर रो प. ३४३
 माघोदास प ३१३, ३२५
 „ हू. ६०, ६२, ६६, १२२,
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,
 २६३
 माघोदास कलावत हू १६२, १८४
 माघोदास कान रो प ३१४
 माघोदास केसोदासोत हू. १६३
 (दे० माघवदास केसवदासोत)
 माघोदास गोपाळदासोत हू. १४६
 माघोदास छीतरदास रो प ३०८
 माघोदास नारणदासोत हू १८८
 माघोदास राघोदास रो प ३२८
 माघोदास वांकीदास रो प ३५८
 माघोदास सुरतांगोत हू. १७२
 माघो रिणमलोत हू. १६१
 माघो लाहखान रो प ३२१
 माघोसिध पे. २२, २५, ६८, ३०६,
 ३२६

माघोसिध ती. १७६, २२८, २३३
 माघोसिध कछवाहो हू १५१
 माघोसिध जसवत रो प. २०८
 माघोसिध जोधा रो प. ३५६
 माघोसिध भगवतदासोत प. २६१, २६६
 माघोसिध मालदे रो प. ३१५
 माघोसिध सीसोदियो हू. २६३
 माघोसेन राजा ती १८६
 मारू राणा रावळ रो प १६६
 माल प ३४३
 माल हू. २१५
 मालक खैराज रो प. ३३१
 मालण कचरावत प ३५७
 मालण जैसा रो हू १८१
 मालदे दे० मालदेव राव
 मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
 मालदे जैतसिधोत ती २०५
 मालदे नाराहणदासोत प. २११
 मालदे (जीली) ती. २३३
 मालदे पमार ती १८३
 मालदे (पल्लू) ती २२६
 मालदे भाटी हू ६०, ६२, १०२, १३३
 मालदे मूखाळो सावतसी रो प २०४, २०५
 मालदे राव (राव मालदे राठोड़) प
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,
 २३८, २६७, ३१६
 „ राघ (राव मालदे राठोड़) हू. १३, १४,
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,
 १८०, १६०, १६२, १६४
 „ राव (राव मालदे राठोड़) ती २८, ८६,
 ८७, ९३, ९४, ९५, ९७, ९८,
 ९९, १०१, १०२, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, ११९, १२०,
 १२१, १२२, २१५
 मालदे राघळ लूणकरणोत हू ११, १३,
 १४, ८६, ९१, ९७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत ती ३५
 मालदे राव (वैरसलपुर) दू १२१, १२२
 १५४
 ,, राव (वैरसलपुर) ती ३७
 मालदेव राजा परमार ती १७६
 मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,
 १५४
 मालदे सोढो प ३६१
 माल पंवार प २८०
 मालीदास करणसिधोत ती २०८
 मालूजी ती २७६
 मालो प. २७, ५०, १६८, १६९
 ,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
 मालो किसनावत दू १२४, १२५
 मालो चारण प १८४
 मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
 मालो जोधावत दू १७७
 मालो देवराज रो दू १०४
 मालो रतनू-वारहठ दू ५४
 मालो रावत दूवा रो प १२४
 मालो रावत हांमा रो प. १४६
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
 मालो सिध'रो दू २६२, २६४
 मालो सिलार रो प. १६५
 मालो सूजावत प १४४
 मालो सेखा रो प १६५
 माल्हण सूर दू १५३
 मावल धरसडो दू २३२, २३३
 माहंगराव गोंदा रो प. २५३
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
 माहिसिध प ११६
 मित्राधरण प १२२
 मिरजो खांन दे० खांन मिरजो
 मिलक केसर दे० केसर मिलक
 मिलक खांन प १४६, १४७
 मिलक खांन हेतावत प. २४६

मिलक वेग दू. २६०
 मिलक मीर प. २३१
 मीया प. १०१
 मीर गाभरू प. २१८, २१९
 मीर मलिक प २३१
 मुंगदराय प १३३
 मुंजपाळ हेमराजोत ती. ३०
 मुघ प ११६
 मुघपाळ प. ११६
 मुघ रांगो दू. २६५
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,
 ३१, ३२
 मुकुद प. १६, २०
 ,, दू ६६, १२३, १८०, १६६
 मुकुंद ईसरदासोत दू ६४
 मुकुददास प. १२५, २११, २१२, २३३
 ३०८, ३२०
 ,, दू ८८, १७०, १६०
 ,, ती २३५, २३६
 मुकुददास कधरावत दू, १७४
 मुकुददास जंतसिध रो प. ३०३
 मुकुददास नरसिधोत दू १८३
 मुकुददास भोपत रो प ३१७
 मुकुददास माघोदासोत दू. १४६
 मुकुददास सांवळदासोत दू. १७४
 मुकुददास सीसोवियो प १४८
 मुकुददास सुरतांगोत दू १६०
 मुकुददास हरदासोत दू १६५
 मुकरवखां ती २७७
 मुकुर्दासिध प. ११५
 मुकुंद सुरतांग रो प ३५६
 मुक्तपाळ प २६०
 मुगटमिण ताजखांन रो प ३२४
 मुगलखान इसमाइलखां रो दू. १०४
 मुथरादास प २५, ३१०
 मुथरो दू. १३२, १४२

मुथरो रांणा रो हू १०४
 मुथरो रायमसोत हू १४४
 मुथरो हरावत हू १४४, १४५
 मुदफर प. २६२
 मुदफरखान प. २२३
 मुद्राफर प. ११६, २६२, ३०२
 „ हू २४१
 „ ती. ५५
 मुराद प. ३०५
 मुरादवगस प ३१
 मुरारदास प ३०६
 „ हू १४६
 मुहमुद्दीन आदिल ती १६१
 मुहम्मदशाह ती १६१
 मूजो प ३४६, ३४७, ३५२
 मूलक ती १७८
 मूळदेव प २६१, २६०
 मूळदेव लघु ती ५२
 मूळपसाव हू. २, ३६ ४३
 „ ती २२२
 मूळराज हू. ६२, १०६, १४४
 मूळराज चालुक्य हू २६६
 मूळराज चावडो हू २६७, २६८
 मूळराज रावळ हू १०, १४, ३६, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
 मूळराज रावळ ती ३३, ३४, १८३,
 २२०, २२१
 मूळराज लघु ती ५१
 मूळराज वाघनाथोत नी. २६
 मूळराज वृद्ध ती ५१
 मूळराज सोलकी प २६०, २६१, २६५,
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,
 २८०
 मूळराज सोलकी हू २५८

„ „ (मूळदेव) ती. ४६
 मूळवो हू २१५
 मूळ सांगमरावोत ती. २८५, २८६,
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,
 २९२, २९३
 मूळ सेपटी प २२६
 मूळो हू. १६८. २०१
 मूळो नींबावत हू. १५४, १६२
 मूळो प्रोहित ती. ६७
 मूळो रावत रिणघोर रो हू. ११७
 मूळो वंणावत हू. १६०
 मूसाखान हू. २५३
 मेघ हू २०६, २६४
 मेघनाद प. १०५, १०६
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
 „ हू १२०, १६७, १७०, १८८
 १८९, २०१
 मेघराज अखैराजोत हू. १६२
 मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५९
 (दे० मेघो गांगावत)
 मेघराज भालो-मकवांगो हू. २५६
 मेघराज बूवावत हू. १६२
 मेघराज राणो हू २५७
 मेघराज रावळ हू ६७
 मेघराज वीरवासोत हू. १४५
 मेघराज हमीरोत हू १७६
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
 मेघवोसो ती २०५
 मेघादित्य प. १०
 मेघो प २०५
 मेघो कचरा रो प. १६६
 मेघो गांगावत हू १००
 (दे० मेघराज गांगावत)
 मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३९, ४०
 मेघो भैरवदास रो प. २४१
 मेघो महेस रो हू १०४
 मेघो रांणा रो हू. १०४, १७२
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव षष्ठु रो ती. १६१, १६६, १७१
 मेड कछवाहो प. २६४
 मेढारि राजा ती १८५
 मेवनीमल प १२६, १३०
 मेर प. १७२
 मेरादित्य प १०
 मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,
 ३५७
 ,, दू ३३८, ३३९
 ,, ती १३५, १३६, १३८, १४९
 मेरो अचलावत दू. १८७, १८९
 मेळो दू ८०
 मेळो गजू रो प ३५६
 मेळो सांगावत दू १६६
 मेळो सेपटो ती. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 मेवादित्य प. १०
 मेहकरण प ३२०
 मेहकरण तेजसीओत दू १६३
 मेहदो पालणती रो प. ३४०
 मेहर तुरक दू ३१
 मेहराज प. २०
 मेहराज अखैराजोत दू. १७८
 मेहराज गोपळदेओत प ३४७, ३४८,
 ३४९, ३५०
 मेहराज मांगळियांणी रो प. ३४७
 मेहराज बरसिघ रो प ३१३
 मेहराज सांखलो दू ३१२, ३२६, ३२७
 मेहराज सोढो प. ३६१
 मेहरो प. १६६, २००
 मेहाजळ प. १४५, ३६०
 मेहाजळ केहर रो दू. २, ६, ३८, ७८,
 ८१, १०७
 मेहाजळ जयमाल रो प. १६०, १६१
 मेहाजळ नारणोत दू १७४
 मेहाजळ रायपाळ रो प. ३५१

मेहो प. ३४१, ३४२, ३५३
 मेहो तेजसीओत दू. १६४
 मेहो भागस रो प १६८
 मंगळ प १६८
 मंगळदे देवडो दू ६७, ६८
 मंगळदे भाटी दू. ५२
 मंदो वीदा रो प ३४२
 महदअली (महदअली) दू. १५१
 महपो रांणो ती २३९
 महारांण कांहावत प २३९
 महारांण साईदासोत दू. १७६
 मोकळ प १०६, २०३
 मोकळ (जेसळमेर) ती २२१
 मोकळ वाल रो प. ३१८, ३१९
 मोकळ रांणो प. ६, १५, १६, ६१, ६२,
 ३४२
 ,, रांणो ती १२६, १३०, १३४,
 १४१, १४६
 मोकळ लाखा राणा रो दू ३३४, ३३५,
 ३३७
 मोकळसी जाडेचो दू २०६
 मोकळ सोभ्रम रो दू १००
 मोखरो राजा प. ३३३
 मोजदीन सुलतांण ती. १६१
 मोजदे जैसिघदे रो प. ३५२
 मोटल प. ३४१
 मोटो राजा प
 मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४,
 १२६, १३०, १३२, १४५, १४६,
 १५४, १५५, १५७, १६३, १६४,
 १६५, १६६, १७६, १७६, १८०,
 १८१, १८२, १८४, २५६
 (दे० उर्वेसिघ महाराजा)
 मोटो दू. ६६, १२३
 मोड जाम दू २१४
 मोडो रावत कुंतल रो प १२४

मोढी मूळघांणी ती. ५, ६
 मोवर्तसिघ ती २२७
 मोरी प ८, १२
 मोहकर्मसिघ प. २४, २६, २६६, ३०५,
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
 ,, ती २३०, २३२, २३३
 मोहण प २७, १६५
 ,, दू ८८, ८९
 मोहण जोगा रो प ३५७
 मोहण दहियो ती २७०, २७१
 मोहणदास प ६६, १२५, १६७, ३०७,
 ३१६, ३२५, ३२७
 ,, दू ६१, १२०, १३३, १६८,
 १७४, १७५, १७७, १६८
 ,, ती ३६
 मोहणदास ईसरदासोत वू ६४, १०६
 मोहणदास कल्याणदास रो प. ३१२
 मोहणदास गोयददासोत वू १५५
 मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
 मोहणदास जैतसी रो दू १६४
 मोहणदास नरहरदास रो प ३०८
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२
 मोहणदास राजावत दू ८२
 मोहणदास रूपसीश्रोत वू १४८
 मोहणदास सुरताणोत प ३०४
 मोहणसिघ प २५, २८, ६७
 मोहणसिघ करणसिघोत ती २०८
 मोहणसिघ चुरते रो प ३१
 मोहनराम प. ३१०, ३२०, ३२६
 मोहवतर्षान (मोहवतर्षा) प २५, ३१,
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,
 ३२१, ३२५
 ,, दू ८०, ११६, १३१
 ,, ती. २४६, २७७, २७६
 मोहित रावळ प. ७८
 मोहिल प ४५, ८६

,, ती. २५०
 मोहिल सुरजनोत ती १५३, १५५, १५८
 मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजुद्दीन सुलताण

य

यमादित्य प. १०
 ययळ दू १२४
 ययाति दू. ६
 यज्ञपाल रांगो परमार ती. १७६
 याकूतखां ती २७६, २७६
 यादव दू. ६
 यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भाण)
 युधिष्ठिर प १६०
 ,, ती. १८५
 युवनाश्व प. ७८
 युवनाश्व ती. १७७
 ,, द्वितीय ती १७७
 योगराज ती. ४६
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती १७८
 रघोस प. २६२
 रजमाई प २६२
 रजा बहादुर प ३०४
 रठ रावण इंद्रराव ती. १६६
 रणजय ती १७६
 रणजीतसिघ ती. २३२
 रणधीर प १४२
 ,, दू १७७, १६६
 रणधीर गाजणियो दू २२१, २२२
 रणधीर चवडे रो दू. ३०६
 रणधीर घाचा रो दू. ११७
 रणधीर नाथू रो दू. १६८
 रणधीर मूळावत दू. १३६
 रणमल जाम दू २२४

रणमल नींबा रो दू. १६१
रणमल वाघेलो दू. २५३
रणसिंघ राजा ती. १६०
रणसिंह दे० रंणसी राणो ।
रणसीह दे० रंणसी रांणो ।
रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,
३२३, ३२६
,, दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,
१६६
रतन चारण दू. ३८, ७४
रतन जैसिंघदे रो प. २३२
रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
रतन महेसदासोत प २४६
रतन राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
,, ,, दू. १५८, १५९
रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
रतन सांखलो सीहड़ रो प. ३४२
रतनसिंघ ती १८३, २२०, २२८, २३५
रतनसिंघ भाटी दू. ११०
रतनसिंघ महाराजा ती. १८०
रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
,, दू. ८०, ६३, ६८, १२४,
१२६, १८५, १८८, २६३
,, ती २२१
रतनसी अर्खराज रो प. २०८, २१२
रतनसी अर्जंसी रो प १४, १६, २०
रतनसी आसावत दू १७६
रतनसी कमा रो प ३५६
रतनसी गांगा रो प. ३५६
रतनसी चहुवाण ती १८३
रतनसी जैतसी रो दू. १८६
रतनसी नरहरदासोत दू १५०
रतनसी नाढावत सींघळ ती. ४१
रतनसी भोंवराज रो प. ३०३
रतनसी भोंवसी रो प. २६०
रतनसी भोंवोत दू १८३

रतनसी महकरणोत प. २३५
रतनसी माला रो दू. १७८
रतनसी रांणो प १६, २०, २१, १०४,
१०५
रतनसी रांणो ती ३४
रतनसी रांणो अमरा रो प. ३१
रतनसी रांणो जैतसी रो दू. ३, १०,
३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,
५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
रतनसी राजा प २६०
रतनसी राव प ६२, २६७
रतनसी राव काधळोत प ६६, ६७
रतनसी रावळ प ७६
रतनसी रावळ पदमणीवाळो प. १३
रतनसी राव लाखण रो पोतरा प. १७२
रतनसी लूणकरणोत ती. २०५
रतनसी वीजा रो प ३५८
रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
रतनसी सिवराज रो प. ३५६
रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४
रतनसी सीहड़ रो प ३४०
रतनसी सेखा रो प. ३२७
रतनसी सोढो प ३६१
रतनसेन प. १२६
रतनसेन रांणो ती १८४
रतन हमीरोत प. ३०५
रतनो दू १४५, १६६
रतनो गांगा रो प ३४३
रतनो पीयावत दू १६३
रतनो धीरम रो प. १६४
रतनो धीसा रो प. १६६
रतनो वेंणा रो प. १६६, १६७
रतनो संकरोत प २४३
रतनो सांखलो प १८, २८२, २८३
रतो दू १४३
रतो पिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
 रत्नसिंह रावल प ६
 रत्नादित्य ती. ४६
 रनजीत प १२६
 रनधीर प. १२६
 रनादित्य प १०
 रलादित्य ती ४६
 रवदंत प २६२
 रवो सुरताणियो वारहठ दू. २०२
 रसखडबीज राजा ती. १८७
 रांणगदे राव दू ११४, ११५, १३८,
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२४, ३२७
 राणक राय प. २८६
 रांणगदे प ३४८, ३४९, ३५०
 राण घरजांगीत ती ३०
 रांणादित्य ती ४६, ५०
 रांणो प २४०
 ,, दू. ६४, १०४, १२८, २५६
 ,, ती २२१
 रांणो झखैराजीत प. २१
 रांणो तेजमालीत दू. १२४
 रांणो दूदावत दू ६५
 राणो नरवद रो दू १६७
 राणो नीवावत प. २३३
 राणो नेता रो प ३५२
 रांणो भीवावत प. २४३
 रांणो रांमावत दू १६४, १७१
 राणो रायपालीत दू १५१
 राणो रावळ रो प. १६६
 रांणो राहडोत राहड-घोघो दू ३२
 रांणो सहसावत दू. १७६
 रांम प १३०, १४२, १५४, १५५,
 १५६, १७२, २३७, ३६४
 ,, दू ७७, ८६, १४१, १६०
 रांम उर्वसिंघ रो प. ३१३

रांम उरजण रो प. ११०
 रांम कवर प. ३१५
 राम कंधरावत ती. २१५
 रांम कूंभावत दू. १७६
 राम खैराडो प. २७६
 रांमचंद प. २७, ६३, १११, ३०७,
 ३०८, ३०९, ३२८
 ,, दू ७७, ८८, ९२, १०५, १२१,
 १२२, १२४, १२८, २००
 ,, ती २२५
 रांमचद ईं वो ती. २८२, २८३, २८४,
 २८५
 रांमचद करमसी रो प. ३२५, ३२६
 रांमचंद गोपालदासोत दू. १०६
 रांमचद गोयंददासोत दू १७५
 रांमचद जसवत रो प २०६
 रांमचंद नरहरदासोत दू. १६६
 रामचद फरसरांम रो प. ३१६
 रांमचदर प. २६८
 रामचंद राजा वीरभाण रो प १३३
 रामचद राय प १०१
 रांमचद राय जगनाथोत प ११३
 रांमचंद रावळ दू २००
 रामचद रूपसी रो प ३१२
 रांमचद घाघावत दू. १६२
 रांमचद वेणावत मोहिल ती. १७२
 रांमचद सिंघोत रावळ दू. ६३, १०३,
 १०४, १०५, १०८
 ,, ,, रावळ ती. ३५
 रांमचद सुरतांणोत दू. १५८
 रांमचंद्र दसरथजी रा प ७८, १२६
 (दे० श्रीरांमचंद्रजी श्रवतार)
 रामचंद्र राजा ती. १८८
 रांमचंद्र रायमलोत प. २१८
 राम चवंडें रो दू. ३१०
 रांम जगमालीत दू. १६१



रामो प १६, २४२
 ,, हू. ६६, १२६, १६७
 रामो चारण प १११
 रामो जाभ्रण रो प २३६
 रामो जोघावत हू १६४
 रामो देवडो प. १५५, १५६, १५७,
 १६५, १७६
 रामो नाथू रो हू. १६६
 रामो नारण रो प. ३५८
 रामो भाखरसी रो प. ३५६
 रामो मांडण रो प ३५७
 रामो माघा रो प ३६०
 रामो लूणावत प. २३५
 रामो सोहड ती १०६, ११०
 रामो हाडो प ११८
 रांवण प. ४७, ११६, १६० (वे० रांमण)
 रा' दयास हू २०२
 रा' नोंघण हू. २०२
 राइसी (रासी) रावळ प. ७६
 राखाइच दे० राखायच सोळकी ।
 राखाइत हू. २६६, २६६, २७०, २७१,
 २७२, २७३, २७४
 राखायच सोळकी प २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 राखो हू. १०४
 राघवदास प. ११७
 राघवदास हू. १२८
 राघवदास कल्याणमलोत ती. २०६
 राघवदे प १६
 ,, हू. २६४
 राघवदे घरजाग रो प. २३२
 राघवदे सीसोदियो-लाखावत प ५३, ५४
 राघो प २०५
 ,, हू ८५, १६०, १६७, १६६, २१५
 राघो किसना रो प. ३५२
 राघोदाम प १६०, १६७, २३३, ३२७,
 ३२८

राघोदास हू ८६, १२२, १७७, १८८
 ,, ती २२६
 राघोदास अखैराजोत हू १५२
 राघोदास उर्दीसघ रो प ३१२
 राघोदास खगारोत प. ३०५
 राघोदास डूंगरसीओत हू. १४८
 राघोदास तिलोकसी रो हू. १६२
 राघोदास देवडो जोगावत प. १५७
 राघोदास घीरावत हू २०१
 राघोदास फरसरांम रो प. ३१६
 राघोदास महेसोत प. २०१
 राघोदास राम रो प. ३१४
 ,, ,, ,, हू. १६१
 राघोदास धीठळदास रो प. ३०८
 राघोदास धीरमदेओत हू. १७१
 राघोदास सादूळोत प २८३
 राघो नाथू रो हू १६८
 राघो वाली ती. १२६
 राघो भाखरसी रो प ३६१
 राज प २५८, २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६७, २८०
 राजकुळ प. २६०
 राजचंद्र प. १२६
 राजडियो सूर-मालहण रो हू. ४२
 राजदे प. ३३२
 राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३
 राजदेव प. २६०
 राजघर प. १६६
 ,, हू. २
 ,, ती २२१
 राजघर धवडे रो हू ३१०
 राजघर जोघा रो प ३५६
 राजघर भोजावत हू. १७७
 राजघर मानिसघोत प. ३५६
 राजघर रिणधीर रो प. २०५
 राजघर लखमण रो हू. ७६, ८०

राजधर वैरसी रो प. ३५६
 राजपाण भाट प. २८७
 राजपाळ प. २६०
 ,, ती. २२१
 राजपाळ रांगो वल्लु रो दू. १४०
 राजपाळ रांगो सांगा रो दू. १, ११,
 १२, १३, १६
 राजपाळ वैरसी रो प. ३३६, ३४२, ३४४
 राजमल उर्वसिध रो प. ३१३
 राज रावळ दू ३
 राजरिख प. १२२
 राज सर्मा प. ६
 राजसिध प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
 ३०६, ३१६, ३१७
 ,, दू. ८८, ९३, १२२, १४०,
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
 २६४
 ,, ती. १८१, २२६, २३६, २३७
 राजसिध आसकरण रो प. ३०३
 राजसिध करनोत प ६८, ७०
 राजसिध खींवाघत दू. १८२, १८४
 राजसिध गोपाळदासोत दू १०६
 राजसिध जसवतोत दू. १४६
 राजसिध दयाळदासोत दू १४७
 राजसिध म० कुवार दू ११०
 राजसिध रांगो प ६, १५, ३१, ३२,
 ४६, ५२, ५३
 राजसिध रामसिधोत प ३२६
 राजसिध राघोदास रो प ३१४
 राजसिध राजा ती. २१७
 राजसिध रावत प. ६६
 राजसिध राव सुरताण रो प १३६,
 १५३, १५४, १५८, १६१, १६३,
 १६४
 राजसिध लखावत दू १६१
 राजसिध वेणीदासोत दू १५७, १६८,
 १६९

राजसिध हमीरोत प ३०५
 राजसिध हररामोत प. ३२४
 राजसी प. १६५, १६८, ३४३
 ,, ती २२२, २३६
 राजसी कवरसी रो, रांगो प. ३४६
 राजसी तेजसी रो प ३४२
 राजसी देवडो प. १५७
 राजसी नाथा रो प. १६७
 राजसी भैरवदासोत दू १६६
 राजसी राघावत प. १५३
 राजसी हींगोळ रो प. १७२
 राज सोळकी प २६१, २६५, २८०
 राजादित प २५६
 ,, ती. ४६
 राजादे वीजळदे रो प २६४, २६५,
 २६६
 राजा सर्मा प ६
 राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
 राजो ती. २२६
 राजो ऊगमणावत ती. २५२
 राजो करण रो प. ३५२, ३५३
 राजो कांघळोत ती. २१
 राजो (बाहडमेरी रो) दू. ८८
 राजो रांगो दू २६२, २६५
 राजो वीकाजी रो ती. २०५
 राज्यसिध राजा ती. १६०
 रामनारायण वृगड प. १३४
 रामशाह वे० रामसा ।
 रामादित्य प. १०
 रायकवर प. ३१५, ३१७
 रायकरन दू. १२३
 रायचद भाटी दू. ६६, १००
 रायचद मनोहर रो प ३१६
 रायघण दू. १; २०६, २१५, २१६,
 २५४
 रायघण हमीर रो २०६, २११

रायघवल ऋगमणावत ती. २५२
 रायपाळ तेजसी रो प ३४१
 रायपाळ नापा रो प. ३५४
 रायपाळ राव ती. २६, १८०
 रायपाळ साहणी ती. ८४
 रायपाळ सिचा रो प. ३५१
 रायपाळ सीहावत हू १४५
 रायभांण हाडो रायसिघ रो प. ११७
 राय भूवड ती. ५१
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,
 ३२६, ३२७
 ,, हू ७८, ८१, १२८, १४३,
 १४५, २००, २६३
 ,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८
 रायमल अचळावत हू. १८५
 रायमल उर्दीसघोत हू १४६
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६
 रायमल किसनावत हू १२४, १२५
 रायमल गोयददासोत हू. १७५
 रायमल दासा रो प ३१८
 रायमल दुरजणसलोत हू ६६
 रायमल देवावत हू ७६
 रायमल घनराजोत हू. १२२, १२३
 रायमल महकरणोत प. २३५
 रायमल मालदेघोत ती. १५२
 रायमल राणावत हू १५१
 रायमल राणो प १५, १७, १८, १९,
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,
 २८१, २८४, ३५२, ३५६
 रायमल राव ती २४६, २४७, २४८
 रायमल सिवराज रो प. ३५६
 रायमल सुरा रो प. ३६०
 रायमल सेलावत प. ३१६
 रायसल प ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
 ,, हू. ६६

रायसल खीची प २५५, २५६
 रायसल दूदावत ती ६४, ६७, ६८
 रायसल राजा परमार ती. १७६
 रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
 रायसिघ प. २२, २३, २५, ३१, ४७,
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५९, १८६, १९१, १९२,
 १९४, १९६, २३७, ३५६
 ,, हू ६५, ७७, १२४, १४३
 ,, ती २३३, २३६
 रायसिघ कछवाहो ती. ३२
 रायसिघ कल्याणदास रो प ३१२
 रायसिघ किसनावत हू. १२५
 रायसिघ गोयददासोत हू १५५, १५६,
 १५७
 रायसिघ चद्रसेनोत (चद्रसेणोत) प १५१
 १५२
 ,, ,, हू. १७५, १८६
 रायसिघ जांम लाखा रो हू. २२४
 रायसिघ जालपोत हू. १६७
 रायसिघ जेसावत हू १५०
 रायसिघ झालो हू २४४, २४५, २४६,
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,
 २५९
 रायसिघ ठाकुरसी रो प ३६०
 रायसिघ पवार हू. २६०
 रायसिघ पोयावत हू. १६३
 रायसिघ भीमावत हू. १०३
 रायसिघ भैरवदासोत हू. १६६
 रायसिघ महाराजा ती १८, ३१, १८०,
 १८१, २०६, २१०, २२४
 रायसिघ मांडण रो हू २६३, २६४, २६५
 २६७
 रायसिघ मालडे रो प ३१५

रायसिंघ राजा दू. ६४, १२८, १३२,
 १३६, १४६
 रायसिंघ राव श्रवैराज रो प. १३५,
 १३६, १३७, १४१, १६१
 रायसिंघ वणवीरोत प. २४२
 रायसिंघ वीसावत दू. १६४
 रायसिंघ सूजावत प. २४२
 रायसिंघ हरदास रो दू. २६३
 रायसी राणो महिपाळ रो प. ३४४,
 ३४५, ३४६
 रालण काकिल रो प. २६४, ३३२
 रावत प. ६५, ६६
 ,, दू. ६१, १४३
 रावत देवडो सेखावत प. १४३, १५८,
 १६३, १६४
 रावत महकरणोत प. २३५
 राघतसिंघ प. ६३, ६५, ६६
 राघत हामावत प. १४६
 रावळ खूमांण वापा रो प. ४, १२,
 ५६, ७८
 रावळ वापो प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 रावळो रांणो, सजन रो प. १६३, १६४
 रासो दू. ८६, १६२, २००
 रासो उदैसिंघ रो दू. १३०
 रासो घनराजोत दू. १००
 रासो नरसिंघदास रो दू. १८३
 राहड रावळ विजैराव रो दू. २, ३२,
 ३३
 राहप रांणो, रावळ करण रो प. ५, ६,
 १३, १५, १६, ७०
 राहप रावळ प. ७६
 राहिव दू. २०६, २३६
 राहिव हमीर रो प. ३५८
 राहुड राजसी रो ती. २२२
 रिखीश्वर प. १०

रिखी सर्मा प. ६
 रिडमल सारंगोत दू. १७४
 रिणछोड गंगादासोत ती. २२०
 रिणघवळ प. ३३६
 रिणधीर प. २०, १५८, १५९, २०५,
 २०७, ३४८
 रिणधीर चूडावत ती. १२६, १३०,
 १३२, १४०
 रिणधीर सूरावत ती. १४०
 रिणमल प. ३५७
 रिणमल केलणोत दू. १२, ११६, १४०,
 १४१
 रिणमल चहुषाण प. १२१
 रिणमल देवडा सलखा रो प. १३५,
 १३६, १६२, १८८
 रिणमल नीवावत दू. १५४
 रिणमल भाटी दू. ३, ७७
 रिणमल राव राठोड (राव रिडमल)
 प. १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
 २०६
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)
 दू. ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३६, ३३७, ३३६, ३४०,
 ३४१, ३४२, ३४३
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)
 ती. १, २, ३, ४, ६, ६, ३१, ८४,
 ६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
 १३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
 १३९, १४०, १४१, १४६, १८०,
 २२६, २२६
 रिणमल लाला रो प. ३५२
 रिणसिंघ प. ३१८
 रिणसी प. १६६
 रिष राजा ती. १८५

रिसाळू राजा सालवाहन रो दू ६
 ,, ,, ,, ,, ती. ३७
 रुकनदीन सुलतान ती. १६०, १६१
 रुकनुदीन दे० रुकनदीन सुलताण ।
 रुक्मागदजी चद्रावत दे० रुक्मांगदजी
 चद्रावत ।
 रुक्मागद चादावत ती २४६
 रुक्मागदजी चद्रावत ती ३२
 रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५
 ,, दू ६०, ६२, ६६, ६७, १०५.
 ११६, १२३, १२८, १३०, १६८,
 १८५, १८८
 रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७,
 १३१, १३२
 रुघनाथदास प २५
 रुघनाथ पतावत दू १७१
 रुघनाथ भाणोत दू १०४, १०८
 रुघनाथ भोजराज रो प ३२३
 रुघनाथ राव दू १२१
 रुघनाथसिध प ३०६, ३१४
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२८ २२९
 रुघनाथसिध उग्रसेण रो प. ३२०
 रुघनाथ सुरताणोत दू. १६०
 रुघनाथ सेखावत दू १७३
 रुणक ती १८०
 रुणकराय प २८८
 रुदो प १७२
 रुदो घवडे रो ती ३१
 रुदो देवडो तेजसी रो प. १६२, १६३,
 १६४
 रुदो राणा लाखा रो प, १६
 रुद्रकवर प ३१६
 रुद्रदास झूलो-चारण भाण रो प ८६,
 ८८
 रुद्रनाग प १६०

रुद्रसिध प. २१, २३
 रुच ती १७८
 रुचक प. २६२
 रुचक ती. १७८
 रूपचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
 रूपडो राणो पडिहार दू. १२, ५३, ७३,
 १४०, १४२
 रूप राघोदास रो प ३१६
 रूपसिध प २३, १०१, ३२०
 ,, ती. २२४, २३०
 रूपसिध भारमलोत प २७६
 रूपसिध राजा (किशनगढ) ती. २१७
 रूपसिध राव भारमलोत दू. १०४, १०५,
 १०६
 रूपसिध रुक्मांगदोत ती २४६
 रूपसी प. ३१२, ३१३, ३१८, ३१९,
 ३२६
 ,, दू ११६, १७६, १८२, १८७
 ,, ती. २२१
 रूपसी आसावत प ३४३
 ,, ,, दू. १४७
 रूपसी जसवत रो प. ३१७ ३१८
 रूपसी जोषा रो प. ३५६
 रूपसी प्रथोरान रो प ६७, १११, १६५
 ३१२
 रूपसी रायमल रो दू १४५
 रूपसी रायसिधोत दू. १६८
 रूपसी लखमण रो दू. ७६, १६६
 रूपसी लूणकरणोत ती २०५
 रूपसी वैरागी प ३१३
 रूपसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
 रूपो प १६७, २०१
 ,, दू. १४३
 रुमीखां करमसीओत ती २१४
 रेडो घायभाई ती ८३
 रेवकाहीन प. २६०

रैणसी रांगो ती. १५८, १७०
 रोमीखान ती. ५५
 रोह राणो प. १२३
 रोहिताश्व ती. १७८
 रोहितास प ७८
 रोहितास राजा हरिचद रो प. २८७,
 २६२, २६३

ल

लकडखान प १११
 लक्ष्मणसिंह प. ६
 लक्ष्मीदास ती २२८, २३१
 लखण दू २१५
 लखणसेन दू २, ३६, ४०, ४१, ४२,
 ४३
 लखणसेन राव ती १५८
 लखणसेन रावळ दू ११४
 ,, ,, ती ३३
 लखधीर प १८६
 ,, दू २४१
 ,, ती ३७
 लखधीरसिंह ती. २२६
 लखमण प. ११७, १६१ २२६
 ,, दू १४, ५२, १८८
 लखमण ईसरदासोत दू १७६
 लखमण केहर रो दू २, १०, ११, ७५,
 ७६, ७८, ७९, ८०, ९२, ११२
 ,, ती ३४, २२१
 लखमण(लछ्मण)ढोला रो प २८६, २६३
 लखमण नारणोत दू १६०
 लखमण भादाघत प ६१
 लखमण रावत रिणधीरोत दू ११७
 लखमण रावळ दू १६६
 लखमण सातळ रो प. ३४१
 लखमणसी भड प १४
 ,, ,, ती १८४
 लखमणसेन रायपाळजी रो ती. २६
 लखमसी कालण रो दू २, ३६

लखमसी राणो प. ६, १४, १५
 ,, ,, ती. १७६
 लखमसेन प्रेमसेनोत चहुवांग ती. २६
 लखमीदास दू १२८, १३०, १६१,
 १७०, १८३, १८५, २००
 लखमीदास धनराजोत दू. १२४
 लखसेन राजा ती. १७५
 लखो प १८७
 लखो दू १८७
 लखो अमरा रो दू. १२२
 लखो खेतसी रो प
 लखो जगनाथोत दू १६६
 लखो नरवद रो प १२५
 लखो बोडो प. २४७
 लखो मुहतो दू. ६
 लखो वीजड रो प. १३४
 लखो वीरमदेवोत दू. १६१
 लछ्मपाल राजा ती १८८
 लछ्मणसेन राजा ती १८६
 लछ्मपाळ राजा ती. १८८
 लपोड दू १, ११, १७
 ललाखान प. ५६
 लल्ल भाट प २७७, २७८
 लव रामचंद्रजी रो प २६३
 लसकरी कामरा प. ३००
 लहुवो दू १, ११, १६
 लागल ती. १८०
 लाघा-बलाय प ६१
 दे० पृथ्वीराज उडणो ।
 लाप बाभण दू १६, २५, २६
 लाखण पुजन रो प २६६
 लाखण रांगो परमार ती १७६
 लाखण राव प. ६७, १००, ११६,
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२,
 २३०, २४५, २४७, २५०, २५१
 लाखणसी दू. १२४
 ,, ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प २६४
 लाखाइत प २६६
 लाखो प. १८६, ३६१
 लाखो भ्रजा रो हू २२४, २२५, २४१
 लाखो जगमणावत ती. २५२
 लाखो गोपावत प २३८
 लाखो जमला रो हू. २२८, २२९, २३०
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
 लाखो जाडेचो प २६४, २६५, २६६,
 २६९, २७०, २७१
 " " हू. २५८
 लाखो जाम हू २१७, २१८
 लाखो जाम माळ हू २६६, २६७
 लाखो डूगरसी रो प. १२१
 लाखो फूलाणी हू २०९, २१६, २१७,
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४
 लाखो राणो प ६, १५, १६, ३४
 " " हू ३३१
 लाखो राव प १३५, १३६, १४२,
 १४४, १५८, १६०, २८४
 लाडक घनीर हू २१६
 लाडखान प. २७, ३६१
 " हू १२४, १७४, १८३, २०१
 " ती. ३७, २२७
 लाडखान ऊदा रो प. ३१८
 लाडखान किसनावत प ६६
 लाडखान जेमल रो प ३१७
 लाडखान भैरवदासोत हू १६६
 लाडखान रायसल रो प ३२१
 लाडखान रायसिघोत हू. १६४
 लाडखान धाधावत हू. १६२
 लाडखान म्यामदासोत प ३०६
 लापो प १६८
 लासचंद हू ६२
 लास डूगरमी रो प. १२०
 लासरग प २८६

लालसिघ प ५६, ११६
 ,, ती. २२३, २२४
 लालो प १०१, २२६
 लालो चवडैजी रो हू. ३१०
 लालो जेमल रो प. ३५२
 लालो नख रो, राव प. ३१८
 लालो नाथा रो हू ७५
 लालो साहणी हू. १६६, १६८
 लिखमण सोभत (-सोभावत ?)
 प २२४
 लिखमसी हू ८८
 लिखमीदास गोयददासोत हू १८०
 लिखमीदास देईदासोत हू. १६६
 लिखमीदास वाघोत हू १६१, १६२
 लिखमीदास सेखावत प २३६
 लिखमीदास हाडो मानसिघोत प ११७
 लिलाट सर्मा प ६
 लीलामाघो राजा ती १६०
 लूको ती १०८, ११३
 लूढो सेलोत प. २२५
 लूंभो प. १८७, १८८, ३४८
 लूंभो चवडैजी रो हू. ३१०
 लूंभो पता रो प १३५
 लूंभो विजडु रो प १३४, १६२, १८१
 लूणकरण प २२४, ३०२
 " हू. ८१, ८६, ९१, ९२,
 १०३, ११०
 " ती २२०, २२७
 लूणकरण मदनसिघ रो प ३१७
 लूणकरण राव हू ८५
 लूणकरण ,, ती. ३१, १८०, १८१,
 २०५, २२८
 लूणकरण रावळ प. २२
 " " हू ११, ८७, ८८, ८९
 " " ती ३५, १५१, १५२
 लूणकरण राव सुरतांगोत प १५२
 लूणकरण राव सूजा रो प ३१६

लूणकरण राव हमीर रो हू १४५
 लूणकरण सीहड रो प ३४०
 लूणग भाटी ऊदल रो हू. ६६, ७०, ७१,
 ७४

लूणराव हू. २, ३६, ४३
 लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,
 १८७, ३१६

लूणो अजा रो हू २६२
 लूणो उर्देसिघ रो प २२
 लूणो दहियो प २२६
 लूणो प्रोहित हू १८, १९
 लूणो मांणकराव रो प. ३६३
 लूणो मेहरांवन रो प ३६१
 लूणो राणावत प. २३५
 लूणो रांम रो प ३१३
 लूणो रायसिघोत हू १६८
 लूणो रावत ती ७, ८
 लूणो राव भोजा रो प ३५४
 लूणो राहिव रो प. ३५८
 लूणो विजड रो प १३४, १८१, १८२,
 १८३

लूणो विजा रो प. १६३
 लूणो साईदास रो प ३२७
 लूणो सीसोदियो प ६६
 लूणो सूजावत हू १५१
 लूणो हरराज रो प. १६४
 लेख सर्मा प. ६
 लोढचंद ती १८६
 लोदचंद ती १८६
 लोदी जनागर रो हू. २०६
 लोलो गोपावत प २३८
 लोलो चवडंजी रो हू ३१०
 लोलो राणा रो प २०६, २०७
 लोलो सोनगरो ती १३३
 लोहचंद राजा ती १८६
 लोहट प १०१

लोहट रांणो मोहिल ती. १५८, १७०,
 १७१
 लौसल्य प ७८

व

वंसीदास प ३०८
 वखतसिघ ती २२५, २२८, २३२, २३५
 वखतसिघ परमार ती. १७६
 वखतसिघ महाराजा ती २१३
 वच्छो प ३५३
 वछराज राणो मोहिल ती. १५६, १६०,
 १७१
 वछराव हू ६
 कछवघराज प २८६
 वछु, रांणा सीहड रो प ३४३
 दे० वछो सीहड रो ।
 वछु राव ती १६१
 वछु रावळ मुघ रो हू १, १०, १५,
 ३१, ३२, १४०
 वछो जवहू रो प. १०१, १०२
 वछो माला रो वू १७८
 वछो सीहड रो प ३४०, ३४१
 दे० वछु, रांणा सीहड रो ।
 वजरदीप दे० वज्रद्वीप
 वज्रद्वीप प. २६३
 वज्रधर प ७८
 वज्रधाम वालरथ रो प २८८
 वज्रधाम लखमन रो प २८६
 वज्रनाभ प ७८
 वज्रनाभ ती १७६
 वज्रनाभ प्रदुमन रो वू १, ६, १६
 वडगच्छो जती ती १६
 वडसीस रावळ प. १२
 वणराज चावडो ती २६, ४६, ५०
 वणवीर प १७, २०, २१, १६३, २७६,
 २६०, ३१३, ३३१
 ,, हू १६
 वणवीर उधरण रो प ३१३
 वणवीर कांहा रो प. ३५८

वणवीर जेसा रो दू १५३, १६२
 वणवीर भानीदास रो प २७६
 वणवीर मालदे रो प २०५, २०६, २२२
 वणवीर मेर रो प १७२
 वणवीर राव सांकर रो प १६४
 वणवीर वंरसी रो दू ८१
 वणवीर सिंघावत प.
 वणवीर हरराज रो प. १६४
 वणसूर ती १५३
 वत्स ती १७५
 वत्स वृद्ध ती. १७६
 वनमाळीदास भगवतदास राजा रो
 प २६१
 वनराज चावडो प २५८, २५९
 ,, ,, दू २६६
 (दे० वणराज चावडो)
 वनसर्मा प ६
 वनसिंघ ती २३५, २३६, २३७
 वनो प ३६१
 वनो गौड ती. २७०, २७१
 वनो भाटी दू ६६
 वयरसीह चावडो ती ५०
 वरजाग प १६८, २४४, ३६२
 ,, दू ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
 वरजांग चूडावत ती ३१
 वतजांगदे प २४४
 वरजाग पोकरणो ती ११३
 वरजांग भोमावत दू. ३४२
 वरजाग भैरु दासोत दू १६०, १६२
 वरजांग राव दू. ११७
 वरजाग राव पाता रो प २३१, २३२
 वरजाग हमीर रो प. ३५६
 वरदायीसेन ती १८०, १६३, २०४
 वरदेव सर्मा प. ६
 वरसिंघ प १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 ,, दू ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

,, ती. ३६, २२७
 वरसिंघ उदैकरणोत प २६५, ३१३
 वरसिंघ खेतसीओत दू १७३
 वरसिंघ जोधावत ती २८
 वरसिंघदे द्वारकादास रो प ३२२
 वरसिंघदे घीरावत प २३६
 वरसिंघदे मधुकरसाह रो प १३०
 वरसिंघदे वाघेलो प. १३२, १३३
 वरसिंघदे वीसळदे रो प ११६
 वरसिंघ राणो दू. २६५
 वरसिंघ रावळ प. ७६
 वरसिंघ राव हरा रो दू १२१, १२६,
 १२७, १२८, १३७
 वरसो खाट ती ५६
 वरसो हरदास रो दू. २६३
 वरही प. २८६
 वर्त तेजस राजा ती. १८५
 वर्ही ती. १७६
 वलभराज सोळकी प २६०
 ,, ,, ती ५१
 वल्लभराम ती. २३६
 वल्लभराज प २८०
 वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिष्ठ रिखीस्वर)
 वसिष्ठ रिखीस्वर प १३४, ३३६
 ,, ,, ती १७५
 वसुदान राजा ती १८६
 वसुदेव दू ६
 वसुदेव वाभण लूणोत दू १६
 वसु सर्मा प. ६
 वस्तपाळ इद्रपाळ रो प २६०
 वस्तो दू. १३०
 वस्तो लाला रो प ३५२
 वह ती १७६
 वाकीदास दू २०१
 ,, ती २२०
 वाकीदास जसावत दू. १०३
 वाकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीबेग मोहबतखा रो प ३०१
 वाको दू. ६०
 वांदर ती २२१
 वांनग देव दू १४
 वानर दू २
 वाक्पतिराज प. १००
 वाक्य सर्मा प ६
 वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 ,, ती २३०, २३१
 वाघ अमरा रांणा रो प ३१
 वाघ कान्हावत दू १६३
 वाघ खीची प २५६
 वाघ छाहड़ रो प ३६३
 वाघ जसवत रो प २०८
 वाघजी प ३०८
 वाघ ठाकरसीश्रोत ती १८
 वाघ तिलोकसीश्रोत दू १६२
 वाघ पवार प ३३८
 वाघ प्रथीराज रो प. ३१२
 वाघ फरसरांम रो प ३१६
 वाघ भारमल रो प ३२८
 वाघमार घूहड़जी रो ती २६
 वाघ रतनसीश्रोत दू १७६
 वाघ रांणो दू २६५
 वाघ राजा परमार ती. १७६
 वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
 वाघ रिणमलोत दू १६१
 वाघ बीदा रो दू. २६३
 वाघ साखलो प ३३८, ३४४
 वाघ सांखलासोत दू १६६
 वाघ सिरग रो दू. १२२
 वाघ सुरतांणोत प ३०४
 वाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

वाघो काषलोत राठोड़ ती २१, १६२,
 १६३
 वाघो कान्हा रो प ३५८
 वाघो जीवा रो प २४१
 वाघो प्रथीराज रो प २४२
 वाघो राठोड़ सूजावत ती ८६, १०५
 वाघो राघ दू ११६
 ,, ,, ती. २१५
 वाघो रावत सूरमचद रो प ५०
 वाघो विजा रो प २४७
 वाघो सूजावत प. ३२०
 वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 वाट्सन ती १७३
 वादळ सोनगरो ती २८०, २८६, २६०,
 २६१
 वाय सर्मा प ६
 वाळद ती. ३७
 वाळग प २८०
 वालहर राणो ती. १५८
 वाळधवघ ती ३७
 वालो (दे० वालो)
 वाळो प. १२१
 वासत सर्मा प ६
 वाहड़ प्रोहित ती. २४
 वाहनीपति ती १७६
 विकुक्षि प ७८
 विकुथ प. ७८
 विक्रम प १६०
 विक्रमचद राजा ती १८८
 विक्रम चरित राजा ती १७५
 विक्रमपाल राजा ती. १८८
 विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 विक्रमादित्य प २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०९, ३०३, ३३६
 विक्रमादित्य प. १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
 विक्रमादित्य सांगा रो, रांगो प. ४६
 विक्रमादीत राव केल्हण रो दू ११६,
 १४३, १४४
 विक्रमादीत राव मालदेश्रोत दू. ६०
 विक्रमायत भालो ती ११
 विक्रमायत राजा प. ३१६
 विक्रसाज प २८८
 विजड प १८३
 विजड प्रोहित ती. २४
 विजपाळ दू १५
 विजय ती. १७८
 विजयमल राजा ती. १६०
 विजय राजा ती. १८६
 विजयसिध महाराजा ती २१३, २१५
 दे० विजयसिध महाराजा ।
 विजयादित्य प १०
 विजलादित्य प १०
 विजै प ७८
 विजैचंद ती. १८०
 विजैदत्त प. २, ३
 विजैनित्य प ७८
 विजैपान प. ६
 विजैपाळ प १०१
 ,, ती. २६
 विजैपाळ राणो दू. २६५
 विजैरथ प ७८
 विजैराम प ३२३, ३२६
 ,, ती २३५, २३६
 विजैराम अखैराज रो प ३०२
 विजैराम उर्वैसिधोत प ३०८
 विजैराज दहियो प. २२६
 विजैराय प २८८
 विजैराव दू ६, ११
 विजैराव चूडाळो दू १. १०, १७, १८
 विजैराव रावळ घट्ट रो दू १४०
 विजैराव सांजो (—लजो) दू २, ३१,
 ३२, ३३, ३४
 ,, ,, ती २२२

विजैराव लूणकरण रो दू ६१
 विजैराव बीरमोत ती. ३०
 विजैवाह प. १२३
 विजै सर्मा प. ६
 विजैसिध प. ३२४
 ,, ती ३६, २२०, २२६
 विजैसिध गिरधर रो प. ३२२
 विजैसिध महाराजा दू ११०
 दे० विजयसिध महाराजा ।
 विजैसी प. २२५, २३१
 विजैसी आल्हण रो प २२६, २३०
 विजैसेन राजा ती. १८६
 विजो प २२, २३, २७, २८, ३०,
 १६३, २००
 ,, दू. ७७ ७६, १०४, २००, २०८
 ,, ती २२१
 विजो इंदो (कस्तूरियो मृग) दू ३४२
 विजो ऊदावत ती ११
 विजो करमा रो प. २४७
 विजो पूजा रो प. १७२
 विजो भांनोदास रो दू. १६१
 विजो भाटी दू ३४२
 विजो रूपसी रो दू १६६
 विजो बीरमवे रो दू ११७, १२०
 विजो सोहड रो प ३४१
 विठ्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६,
 २७५
 विथक दे० विश्वक ।
 विठ्ठरथ ती १८१
 विठ्ठय राजा ती. १८६
 विनिजैसिध प ७८
 विमळ राजा प. १२३
 विरदसिध राजा ती २१७
 विरसेह (बीरसेन) रावळ प ७६
 विराज सर्मा प ६
 विराट सर्मा प. ६
 विराम साह ती. १६१

धिलापानस प ७८
 धिलहण प. १२२, १२४
 धिवसत प. २६२
 धिवसान प. २६२
 धिवस्वत दे० धिवसत ।
 धिवस्वानं दे० धिवसान ।
 धिनाक दे० धिवसक ।
 धिन्व प २८६
 धिन्वक ती. १७६
 धिन्वनि (धिन्वाजित) प ७८
 धिन्वसकत ती. १७६
 धिन्व सर्मा प. ६
 धिन्वसह ती. १७८
 धिन्वसिधत ती १७६
 धिन्वस्त ती १७६
 धिन्वस्तक ती १७६
 धिन्वावसु प ७८
 धिष्ण हू. ३
 धिसनदास प. ३१७
 ,, हू १६४
 ,, ती. २८१, २८२, २८५
 धिसनदास राम रो प ३१४
 धिसर्नासिध रामचदोत हू. १५६
 धिसनो हू ८०
 धिसरजन हू ३
 धिसोढो चारण ती २८६, २८७, २८८,
 २८९, २९०
 धिस्वसेन प २८८
 धिस्वावसु प. ७८
 धिहारी प. १२५, २३५, २४६, ३२७
 ,, हू १२३
 धिहारी कुर्भ रो ती ३७
 धिहारीदास प २०८, ३०५
 ,, ती. २२०
 धिहारीदास उग्रसेण रो प ३२०
 धिहारीदास दयाळदासोत हू ६४, १०६
 धिहारीदास नाथावत प ३१०

,, ,, हू. १६६
 धिहारीदास रायसल रो प ३२४
 धिहारीदास सूरसिध रो हू १३३
 ,, ,, ती. ३६, ३७
 धिहारी प्रागदासोत हू. १८४
 धीजो वेणीदासोत हू. १६८
 धीकम प. १६०
 धीकमचित्र प. ३३६
 धीकमसी प. २३१
 धीकमसी केलहणोत हू २, ३६
 धीकमसी सोहड़ हू ४३, ४४, ४५, ५०
 धीकाजी जोधावत प. ३५३
 धीकादित्य प १०
 धीको प ३२७
 ,, हू ७६, १७०, १७४, १७८, १६२
 धीको ईडरियो हू २५४
 धीको कल्याणदास रो हू ६३
 धीको खेतसीओत हू १७३
 धीको जयसिध रो प १६४
 धीको दहियो प. २२६
 धीको भदा रो प. २००
 धीको राव हू ८५, ८६, ६४, १२०,
 १४५
 ,, ,, ती १३, १४, १५, २०,
 २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,
 १८१, २०५
 धीको रावत प. ६२, ६३
 धीको वरसिध रो प २३६
 धीजळ प. १३४, १६२, १८१, १८३,
 १८७, १८८
 धीजळ प २६०
 धीजळ जगनाथ रो प. ३०१
 धीजळदे मनेसी रो प. २६४, २६६
 धीजळ राव ती २२१
 धीज सोळकी प. २६३, २६४, २६५,
 २६७, २६८, २६९
 धीजो प. २४०

वीजो गोयंद रो प ३५८
 वीठळ प. १६५
 ,, हू ७८, १९६
 वीठळ गोयंदोत हू ७९
 वीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७,
 ३२३, ३२७
 ,, हू ३, ८८, १०८
 वीठळदास केसोदासोत हू १६३
 वीठळदास गोपाळदासोत हू १५०
 वीठळदास गौड प ३०४
 वीठळदास नारणदासोत हू १८८
 वीठळदास पंचाङ्गणोत प ३०८
 वीठळदास प्रागदासोत हू. १७१
 वीठळदास राजा प ३०४, ३०६
 वीठळदास राठोड जेमलोत प ३२१
 वीठळदास लखावत हू १९१
 वीठळदास सहसमलोत हू ९६
 वीठळदास सांवळदासोत हू १८४
 वीठळदास हरदासोत हू. १६५
 वीणो जाळपदासोत मोहिल ती १७२
 वीदो प १९८, २४१, ३४१
 ,, हू १४३, २६३
 वीदो खालत हू १०७
 वीदो भालो प ४०
 ,, ,, हू २६३
 वीदो तेजती रो प. ३५७
 वीदो भारमलोत ती. ९५, १००
 वीदो राव ती २८, ३१, १६५, १६६,
 १६७, २३१
 वीदो रावत हू. १२१
 वीदो राहड हू. १०७
 वीदो वीसळ रो प २०१
 वीदो साहू हू ११३
 वीदो हरावत हू १२६
 वीर ती १७९
 वीरघन ती. १८७
 वीरचरित प २६२

वीरड रावळ प. ७९
 वीरदास हू ७८ ८०, ८१, ८८, ९१
 वीरदास नौसळोत हू. ७९
 वीरदास मांना रो हू. २०१
 वीरदास रांमा रो प ३५७
 वीरघन राजा ती १८७
 वीरघवळ श्रवतारदे रो प. ३५५
 वीरघवळ चारण लांगडियो हू २०६,
 २०७ २०८
 वीरघवळ (रांजा) ती ५३
 वीरनरसिंघ राणो प ३४१
 वीरनाथ राजा ती १८७
 वीरनारायण प १८७
 वीरनारायण पवार प २०३
 वीरनारायण भोज पवार रो ती. २८
 वीरवलसेन राजा ती. १८६
 वीरभद्र प १३३
 वीरभाण प ११९, १२०, १३३
 ,, ती २३१
 वीरम प १५, १६, १९९
 ,, हू १७०
 वीरम ऊदावत प. २४०
 वीरम कूभा रो प १९७, १९८
 वीरम खावडियांणी रो प ३४७
 वीरमजी राव ती. ३०, २१५
 वीरमदे प १६७, २६१ २८५, ३४१
 ,, हू. ३२, ८८, ९४, ९६, १००,
 १२१
 ,, ती. २२८
 वीरमदे श्रवतारदे रो प ३५६, ३६१
 वीरमदे उर्दिसिंघ रांणा रो प. २२
 वीरमदे कवरांगुर, कान्हडदे रावळ रो
 प. २०४, २०६, २२१, २२२,
 २२३, २२४, २२५
 ,, ,, ,, ,, हू ४०
 ,, ,, ,, ,, ती २८,
 १८४

वीरमदे गोकलदास रो प. २६
 वीरमदे घाघा रो प. ३५८
 वीरमदे जसवंत रो प. २०८
 वीरमदे दूदावत ती १०४
 वीरमदे देवराज रो प. २८५
 वीरमदे, रांगा जसिघदे रो प. ३५६
 वीरमदे रांमावत दू. १६४, १६७
 वीरमदे राय ती. ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०,
 ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००,
 १०२, ११५, १८०
 वीरमदे रायसिघोत दू. १२५
 वीरमदे रावत रिणघीरोत दू. ११७
 वीरमदे वरजांगोत दू. १६१
 वीरमदे घाघेलो प. २६१
 वीरमदे सहसमल रो प. ३१४
 वीरमदे सूरजमल रो प. ३०
 वीरमदे हरदास रो दू. २६३
 वीरमपाळ राजा ती १८८
 वीरम माला रो प. १६६
 वीरम घीका रो प. १६४
 वीरम वेगू रो प. ३५२
 वीरम सलखावत दू. २८१, २८४, २८५,
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०३,
 ३०४, ३०६, ३१७, ३२०
 वीरम सोढल रो प. ३४०
 वीरम हमीर रो प. २३७
 वीर विक्रमादित्य राजा ती. १७५
 वीर सर्मा प. ६
 वीरसिघ राजा ती १६०
 वीरसीह रावळ प. १२, ७६
 वीरसेह (वीरसेन) प. ७८
 वीरसेन राजा ती १८६
 वीरू राजा गहरवार रो प. १२८, १३०
 वीरो दू. ८५
 वीरो भोजावत दू. १७७

वीर्यपाल ती. १८८
 वीरण सोभत प. २२६
 वीधर प. २८८
 वीसम रांगो दू. २६५
 वीसळ प. २६१
 वीसळ दू. २०३
 वीसळ ठाकुर रो प. २००, २०१
 वीसळदे दूदावत दू. ६५
 वीसळदे मुधपाळ रो प. ११६
 वीसळदे राघ प. २६१
 वीसळदेव ती ५१, ५३
 वीसळदे सोळंकी ती. २८०, २८५, २८६,
 २८७, २८८, २९०, २९१
 वीसळ लाखण रो प. २०२
 वीसळ सांखलो ती. ३०
 वीसो प. २०५
 ,, दू. १००, २०६
 वीसो श्रापमल रो प. २००
 वीसो उघरण रो प. २३१
 वीसो जोघावत प. २४३
 वीसो पूना रो प. १६६
 वीसो वणघीरोत दू. १६४
 वीसो वीका रो ती. २०५
 वीसो वीरम रो प. १६८
 वीसो हमीर रो प. ३५५, ३५६, ३५७
 वृढ मेघराजोत ती २६
 वृक ती १७८
 वृद्धपाल ती. १८८
 वृहत् ती १७६
 वृहदर्थ प. २८६
 वृहद्वल ती १७६
 वृहद्वभानु ती. १७६
 वृहदृण ती १७६
 वृहद्रण ती १७६
 वृहद्रथ प. २८६
 वृहद्वश्व ती १७७, १७६

वृहसत प २८७
 वृहस्थल ती १७६
 वेगड़ राणो दू. २६५
 वेगड़ो भील प. ३३५
 वेग सर्मा प ६
 वेगू भोजदे रो प ३५२
 वेगो राणो ओहिल ती १५८, १७१
 वेण राजा प. २८७
 वेणादित्य प १०
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,
 ३२७, ३३०
 ,, दू. ६२, १२०, १४६, १८३,
 १९६, १९६
 वेणीदास केसोदासोत दू १६८
 वेणीदास गोयददासोत दू. १५५, १५७
 वेणीदास जोगावत दू. १७७
 वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८
 वेणीदास दूदा रो प ३६१
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
 वेणीदास बलुओत प. २३४
 वेणीदास सहसमल रो प ३१४
 वेणीदास सिंघ रो प. ३१५
 वेणो देदावत दू १६०
 वेणो रायमलोत दू १२३
 वेद सर्मा प ६
 वेन प. ७८
 वेरड़ दू ११८
 वेळावळ प. १२१
 वेलो प १६६
 वेहाद्रभाज प. २८६
 वंजल रावळ ती ३३
 वंजल सालवाहन रो दू ३७, ३८
 वंणो प १६६
 वंणो अमरा रो प ३५६
 वंणो मोहण रो प ३५७
 वंणो राजधर रो प. १६६
 वंरड रावळ प ५, ६

वैरसल प २४३
 ,, दू ८८, ११८, १२०, ३४२
 वैरसल कूपा रो प. ३६०
 वैरसल खगारोत प ३०५
 वैरसल गागा रो प ३५६
 वैरसल गोवाळ रो प. ३१०
 वैरसल जसा रो दू ३३
 वैरसल जैता रो प ३५२, ३५३
 वैरसल प्रथीराजोत दू १६७
 वैरसल बलू रो प. ३४१
 वैरसल भीम रो प ३६३
 वैरसल भोजावत दू. १७७
 वैरसल मारू रो प १६६
 वैरसल राणावत दू १५२
 वैरसल राणो ती. १५८, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
 वैरसल राठोड प्रथीराजोत प. १५३
 वैरसल राव चाचा रो दू. ११७, ११८,
 ११९, १२०, १२६, १३७
 वैरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
 वैरसल रूपसी रो प ३१२
 वैरसल सांकोरोत दू. १८०
 वैरसल हमीर रो प १५
 वैरसिंघ राजा ती ४६
 वैरसी प ३१८
 ,, दू ८२, ६२
 ,, ती २२७, २२८
 वैरसी नारणोत प ३५८
 वैरसी राणो प. १२३
 वैरसी रायमलोत दू १८२, १८५
 वैरसी रावळ प ५
 ,, ,, दू २, ८१
 ,, ,, ती ३४, २२१
 वैरसी लखमण रो दू ११, १४, ७६, ८०
 वैरसी लूणकरणोत ती १५२, २०५
 वैरसी वाघावत प ३३८, ३३९, ३४४
 वैरसी हमीरोत प ३५६

वंरागर हू. ११८
 वंरागी प ३१३
 वंरीसाल प. २५
 ,, हू २२८, २३२, २३६
 वेरो प. १०१, १०२, १०६, २८१,
 ३४३
 वेरो भोंव रो प ३४१
 वंषस्वत प. ११६
 वैवस्वत मनु प. ७८
 वोटी हू १
 वोढो-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो ।
 व्रद्रीत प २८८
 ब्रह्मा प २८६
 ब्रह्मान चिसती पीर प. ३१८
 ब्रह्मान्य (ब्रह्मान्य) प ७८
 त्रिदावनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा ती. १८८
 शत्रुजय राजा ती १८६
 शत्रुघ्न राजा ती- १८७
 शत्रुजित दे० सलाजीत ।
 शम्सखां दे० समसखां ।
 शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलताण ।
 शलादित्य ती ४६
 शहरयार दे० साहयार पातसाह ।
 शहरयार शाहजादा दे० सहुरियाल
 साहिजादो ।
 शादमां प. ३००
 शालिवाहन दे० सालवाहन ।
 शालिवाहन परमार राजा ती १०५
 शावस्त ती १७७
 शाह आलम प ५६
 शाहजहां दे० साहजहा पातसाह ।
 शाहजहां शहाबुद्दीन दे० साहजहां
 सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० मुहसाजळ साहजी ।
 शाहबुद्दीन बादशाह दे० साहिबदी
 पातसाह ।

शिवधन प २६२
 शिवब्रह्म कछुवाहा प ३२६
 शिवाजी छत्रपति प १५
 शिविर राजा ती. १७५
 शिशुपाल ती. १५४
 शीघ्र ती १७६
 शुद्धोव ती. १७६
 शुद्धोदन ती १७६
 शेख पीर बुरहान चिसती प ३१८
 शेख फरीद ती. २७६
 शेरशाह सूर बादशाह हू १५४
 श्यामदास प. १४४, १५६
 श्राव ती. १७६
 श्रावस्त दे० शावस्त ।
 श्रीकरण रावळ ती २३६
 श्रीपाल प २८६
 श्रीपुज रावळ प. ५
 श्रीमोर ती. १५५
 श्रीय ती. १७६
 श्रीबछ्म प. २६२
 श्रीवत्स ती. १७७
 श्रुत ती. १७८

ष

षट्ग प २८८
 षट्वांग प २८८
 ,, ती. १७८

स

सकर हू ८४, ८८
 संकरदास प १२१
 सकरदास रांमोत हू. ८४, १२०
 सकर माधो ती १६०
 सकर लावा रो प. १३६

संकर सिधावत प. २४३
 „ „ दू. १००
 सकर हींगोळ रो प. २३५
 सक्रमाघो ती १६०
 सग्रामसाह प १२६
 सग्रामसिध ती. २२६
 सग्रामसिध हररामोत प. ३२४
 सग्रामसो डुरजणसाल रो प ३५५
 सघदीप प २८८
 सजय ती १७६
 संबोव राजा ती १८६
 सतन घोहरो ती १५७
 सतोष प २६२
 संभरांण प. १०१
 सभूसिध ती २३५, २३६, २३७
 समत प. ७८
 संसाद प. २८७
 ससारचद प २०५
 „ ती २३१
 ससारचद अचळावत दू. १८१, १८२,
 १८४, १८५
 सइयो घांकलियो ती २५, २६
 सकत प. ७८
 सकतकुमार रावळ प. ५, १२
 सकतसिध प १११, १३१, २११, २३४,
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०
 सकतसिध दू. १६६
 सकतसिध आसकरण रो प. ३०४
 सकतसिध उर्देसिधोत प. २१२
 सकतसिध खेतसोश्रोत दू. ६३, ६५
 सकतसिध तेजसी रो प. ३२६
 सकतसिध मानसिधोत प २६१, २६८
 सकतसिध राव दू. १६४
 सकतसिध घेणीदासोत प. २३४
 सकतसिध त्रिदासन रो प. ३०७
 सकतसिध सुरताणोत प ३०४

सकतसिध हमोरोत प. ३०५
 सकतसिध हरदासोत दू. १६५
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
 „ दू. १७४, २६४
 सकतो गोघद रो प. १६६
 सकतो राघमलोत दू १४५
 सकतो वीरमदेश्रोत दू १७०
 सकतो वैरसल रो दू ८०
 सवितकुमार रावळ प. ७८
 सगण ती १७६
 सगतसिध ती २२०, २३२
 सगतो दू. १८०
 सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
 „ ती १७८
 सगर रांणो प. ६२, ६५
 सगर राणो उर्देसिध रो प २२, २३,
 २४, २५, २७
 सगरांसिध प. २६८
 „ ती. २२३
 सगरो बालीसो प. ६७
 „ „ ती. ४१, ४३, ४७, ४८
 सजन भायल प १६३
 सजो राजा रो दू २६२
 „ „ „ ती २१४
 सजोसराय (सुजसराय) प २८६
 सभो राजावत दे० सजो राजा रो ।
 सत राजा परमार ती. १७५
 सतीदान रूपावत ती. २२५
 सतो प. ६६
 „ दू २, ५३
 „ ती २२१
 सतो खीमराज रो प ३५५
 सतो चूडावत दू ३००, ३०६, ३१०,
 ३३६, ३३७
 सतो चूडावत ती ३०, १२६, १३०,
 १३२, १३३

सतो जांम हू २०५, २३७, २४०, २४१,
२४२, २४३
सतो जोधावत प. २४३
सतो तमाइची रो प. ३६१
सतो देवराज रो प ३६२
सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०
सतो रांणो हू. २६५
सतो रांमावत प. १६६
सतो राव प १५, १६
सतो रावत रतनसी रो प. ५०
सतो रिणमलोत हू २२३, ३४२
सतो लूणकरणोत हू. १४५
सतो लोला रो प २०७
सत्यव्रत ती १७८
सत्यव्रत हरिश्चन्द्र ती १७८ दे०
हरिश्चन्द्र !
सत्रजीत प १२६
सत्रसाल (शत्रुशाल्य) प. १२०, २०६
" " हू. १५६, १६५,
२६४
सत्रसाल नराइणदासोत प. ३०५
सत्रसाल राव हू १२३
सत्रसाल सूरसिघोत ती. २०८
सत्रसिघ हू. ६६
सत्राजित दे० सलाजीत
सत्वात हू ३
सदरथराज प. २८८
सन्न राजा ती. १८५
सबळसिघ प २५, ३१, ६८, ६९, ७०,
२३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,
३२५, ३२८,
सबळसिघ हू १, १२०, १३१, २००
" ती. २३०
सबळसिघ ईसरदासोत हू. १८६
सबळसिघ कवर प. ३०८
सबळसिघ किसनसिघ रो प. ३०६

सबळसिघ चतुरमुजोत पूरबिघो प. ६६
सबळसिघ पूरावत प. २६
सबळसिघ प्रथीराजोत हू १५७
सबळसिघ प्रागदासोत हू १८३
सबळसिघ फरसरांम रो प. ३२३
सबळसिघ मांनसिघोत प. २६१, २६८
सबळसिघ राजावत हू. १५०, १७०
सबळसिघ रावळ दयाळदासोत हू. ६३,
६७, १०४, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९
सबळसिघ रावळ दयाळदासोत ती ३५,
३६, २२०
सबळसिघ त्रिदावनदास रो प ३०७
सबळो प १५८, २०६
" हू ८८, १२१, १६६, १७१, २६४
सबळो सावळोत प. ३६०
समपू प २८६
समरसी प. १०१
समरसी कीतू रो प. १६६, २४७
समरसी रावळ प. १३, ७६, ८०, ८१,
८२, ८७, २०३
समरो प १३४, १६५, १८७
समरो देवडो प. १४४, १४५, १४६, १४७,
१५१, १८१
समरो नरसिघ रो प १६६
समसखा ती. २७४
समसदी हू ६६, ७१
समसदीन सुलतांण ती. १६०
समसुदीन दे० समसदी ।
समुद्रपाळ राजा ती १८८
समो वलोच हू. १३०, १३६
सरखेलजां ती. ८५, ८८, ९०, ९१
सरदारसिघ ती २२०, २३१
सरदारसिघ महाराजा (वोकानेर) ती. १८०
सरफराजजां ती २७७
सरवासु प. २८७

सराजदी दू ४८, ४९
 सराजुद्दीन दे० सराजदी ।
 सरूपसिंघ प. १३३
 ,, ती. २२८, २३०
 सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती २०८
 सर्वकाम ती. १७८
 सलखी प. १६
 ,, दू. २८०, २८१, २८४
 सलखी देवराज रो प. ३६३
 सलखी राव तीडै रो ती. २३, २४, २६,
 २७, ३०, १८०
 सलखी लूभावत देवडो ती. २९
 सलराज प. २८८
 सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प ७८
 सलूणो प २२५
 सलेमखां दू. ११५
 सलेमसाह पातसाह ती. १९२
 सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२
 सलैदी सुरतांगोत दू. १५२
 सलो राठोड़ प २२५
 सलो सेपटो प २२५
 सलहैदी प २९१, ३३१
 सलहैदी गिरघर रो प ३२२
 सलहैदी रत्नसी रो प. ३५६
 सलहैदी राजावत प. ३२१
 सलहैदी सागा रो प ३२५
 सवरो प १६६, १६७
 सवीर प ७८
 सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२९
 सवाईसिंघ रावळ दू १०९
 सहस राजा प ३३६
 सहसईंद्र राजा प १२८
 सहजग प. १३०
 सहजपाळ राजा प. १२८
 सहजपाळ गाडण प २२५

सहजसेन दू ९
 सहणपाळ ती. २९
 सहदेव प. २८९
 ,, ती. १७९
 सहदेव सकतावत प ३०४
 सहरियाळ साहिजादो दू १५६
 सहबाजखां प. २१०
 सहवण (सहवर्ण) प. ७८
 सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,
 १८८, १८९, २३१, ३६१
 ,, दू ९२, १४३
 सहसमल चवडै रो दू. ३१०
 सहसमल चांनण रो प. ३१४
 सहसमल चू डावत ती ३१
 सहसमल दुसाभ रो प. ३५२
 सहसमल देवडो ती २९, ३१
 सहसमल मालदेवोत दू. ९६, ९७
 सहसमल रायमल रो प. ३२५
 सहसमल रायसिंघोत दू. १२५
 सहसमल राव प. १३५, १३६
 सहसमल रावळ प. ७४, ७९
 ,, ,, ती २६६
 सहसमल वीसळ रो प. २०१
 सहसमल सोम रो दू ७६, ७७. ११६,
 ११९
 सहसमल हाडो प ११०
 सहसमान प. २८९
 सहसो प २४३, ३६१
 ,, दू. १२०, १३०, १७०, १९८,
 २००
 ,, ती. २२०
 सहसो ऊदाधत दू. १७९
 सहसो खरहथ रो प. ३५६
 सहसो ठाकुरसीघोत दू. १८९
 सहसो दयाळदासोत दू. १६६
 सहसो प्रताप रो प २८

सहसो मोकल रो प ६२
 सहसो सूजा रो दू. १६१, १६२
 सहस्रार्जुन दू. ६
 सहस्रान ती. १७६
 सहाबुद्दीन गौरी प १८०
 सहिसो ती. ६५
 साइयो भूलो-चारण प ८६, ८८
 साईदास प १११, १४२, २७६, ३२५
 साईदास अभा रो प ३२७
 साईदास तिलोकसी रो दू १६२
 साईदास प्रथीराज रो प २६०
 साईदास भाटी दू ६६
 साईदास राजसीश्रोत दू. १७६
 साईदास रावत प ६६
 साईदास हरदासोत दू. १६०
 सांकर चांपा रो प. २००
 सांकर पीयावत दू १६३
 सांकर प्रथीराजोत दू १६३
 साकर भुजबल रो प. १६४
 साकर सूरवत दू १८०
 सांखलो प १८, ३३७, ३६३
 सांगण प १६६
 ,, दू. ३६, ४३, ५४, ८४
 ,, ती २२१
 सांगम मंगलराव रो दू १६
 सांगमराव खीची प. २५१
 सांगमराव राठोड़ ती. २८०, २८१,
 २८२, २८३, २८४, २८५, २६०
 सागी रबारी दू. १६, २०
 सांगो प. २८०
 सागो दू. ८१, ८८, १४४
 ,, ती. २३१
 सांगो ऊदावत प ३६०
 सागो करमा रो प. १६५
 ,, ,, ,, दू ८०

सांगो खडेर दू. १०३
 सांगो खीवा रो दू १२१
 सांगो गोयदोत दू १७६
 सांगो पीयावत दू १६०
 सागो प्रथीराजोत प २६०, ३०७, ३१४
 सागो वोहड़ सोळंकी रो प. २८०
 सांगो भाटी ती १७
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
 सांगो मभूमराव रो दू. १, ११
 सांगो रांगो प. ४६, २८६
 ,, ,, दू २६२, २६४
 ,, ,, ती. २४८
 सांगो रांगो माणकराव रो ती. १५८,
 १७१
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,
 १६, २०, २१, २३, १०२, १०३,
 १०४, ११६ १५०
 सांगो रावळ वल्लु रो दू १४०
 सांगो वडवज प १५६
 सांगो धणवीर रो प. १७२
 सांगो विजावत दू १६६
 सांगो सिधोत प ६८
 सांगो सुलताण राजा ती १६०
 सांगो सेलार प २२५
 सांगो हिमाला रो प. २४४
 साघण रावत ती १७६
 सांडो डोडियो प ३६
 सांडो पुनपाळ रो प ३५४
 सांडो रायवाळोत ती २६
 सांडो साखलो ती ८४
 सांडो सिधावत प २४३
 सांदू प. १११
 सांमंतसिध ती. २२६
 सांम दू १, ६, १६
 सांम उदीसघोत प २२
 सांमतसी रावळ प ७६

सांमदास दू ७८, ९०, १२६
 सांमदास अमरा रो दू १२२
 सांमदास खेतसीश्रोत दू ६५
 सांमदास गोपाळदासोत दू. १०७
 सांमदास जोगा रो प ३५७
 सामदास जोगीदासोत दू १८५
 सांमदास नाथावत प. ३११
 सांमदास भाणोत दू. १६४
 सांमदास मेघराज रो प ३५६
 सांमपत जांम दू. २०६
 सांमसिंघ प. २६, ३२४, ३२७
 सांमो प. ३६१
 सांमो दू ८०, २००
 सांम्व दे० सांम ।
 सांवत प. २४७
 सावत करमचद रो प. २०५
 सावतसिंघ प ३२८
 सांवतसिंघ ती २२६, २३२, २३५,
 २३७
 सांवतसिंघ चावडो दू. २६७
 सावतसिंघ सेखावत ती ३२
 सांवतसिंघ सोनगरो ती २६१, २६२,
 २६३
 सांवत सिंहायच-चारण ती २८०, २८१
 सांवतसी प १६७, १८७, २१३, २८५
 ,, दू २, ४, ७७, ७८, १०३
 सांवतसी केहर रो दू ७७
 सांवतसी चीवो प. १३८, १३६
 सांवतसी महकरणोत प. २३३
 सांवतसी राणो ती. १५८
 सावतसी रायमल रो प. २८४, २८५
 सांवतसी रावळ चाचगदे रो प. २०४
 सांवतसी वीकावत दू १७३
 सांवतसी घीसा रो प. २००
 सावतसी सादूळ रो प. १६४
 सांवतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३
 सावळ प २६, १६५, ३३६
 ,, दू. ७७, ८४, १६६
 सांवळदास प. २७, ६७, ७०, १०१,
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,
 १६८, २०८, ३०६
 ,, दू. १२५, १२६, १६१, १६१,
 २६४
 ,, ती २२७
 सांवळदास फलावत दू. १६२, १७४
 सावळदास डूंगरसीश्रोत दू. १७५, १७६
 सांवळदास देवकरण रो प. ३१०
 सावळदास नारणदास रो प. ३५८
 सांवळदास पचाहणोत प ३०६
 सांवळदास बळकरण रो प. ३४२
 सांवळदास भानीदासोत दू. १६६
 सांवळदास भाटी गोपाळदासोत दू. १०७
 सांवळदास मेहकरणोत दू. १६३
 सांवळदास रायमल रो दू १२३
 सांवळदास रावळ प ७०
 सांवळदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२२
 सांवळदास संसारचंद रो दू. १८१, १८२
 सांवळदास हमीरोत प. ३४३
 सांवळ माडणोत प. २३६
 सांवळ माधवदे रो प ३३६
 सांवळमुघ रोहडियो-चारण दू २३६, २३८
 सांवळो प १६४
 सांसतव प २८७
 सागण ती. २२१
 सागर राणो दू १५८
 साजन ती. २३६, २४७
 साड जाम दू. २१४
 सातळ प. १६३, २२५
 ,, ती १८४
 सातळ अस्ता रो प ३४१

सातळ केहर रो दू. ७७
 सातळ चहुवांग दू. ५८
 सातळ भाटी दू. ८४
 सातळ राणो दू. २६५
 सातळ राव जोधावत ती. ३१, १०४,
 १८२
 सातळ वरसिध रो दू. १२७
 सादमत प. ३००
 सादमो सुलतान प. ३००
 सादूळ प. २२, २७, ११७, १६४, ३०६,
 ३१३, ३२८, ३४३
 ,, दू. ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
 सादूळ कचरावत दू. १८४
 सादूळ किसनावत दू. १६४
 सादूळ खेतसी रो प ३६०
 सादूळ गोपाळदासोत दू. १०५
 सादूळ गोयदोत दू. १७५
 सादूळ जगहथ रो प. २४१
 सादूळ जांभण रो प २४०
 सादूळ दुजणसल रो दू. ६०
 सादूळ दूदावत दू. १६७
 सादूळ नरहरोत प ६६
 सादूळ भानीदास रो दू. १२८
 सादूळ भाखरमीओत दू. १६६
 सादूळ भारमलोत प. २६१, ३०२
 सादूळ मनोहर रो प. ३४३
 सादूळ मानावत दू. १६०
 सादूळ मालवे रो प ३१५
 सादूळ राणावत दू. १५२
 सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
 सादूळ रामावत प १६६
 सादूळ रावत परमार ती. १७६
 सादूळ राध महेसोत प १५२
 सादूळ वीठळदासोत प. ३०६
 सादूळ साकर रो प. १६४
 सादूळ सावतसीओत प. २३४
 सादूळसिध ती. २२५, २२६

सादूळ सिधोत दू. १७६
 सादो दू. ३२७, ३२८
 सादो कुवर दू. ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,
 ३२८
 सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
 सादो राणगदेवोत ओडीट प ३४८,
 ३४९
 सावर ती २७८
 सायबसिध ती २२३, २२८, २३०
 सायव हमीरोत दू. २४४, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
 सायर प. ३६२
 सारंग ईसर रो प. ३५१
 सारगखान ती. २१, २२, १६३, १६४
 सारगदे जैमल रो प. २१२
 सारगदेव वाघेलो ती ५१
 सारग नारणोत दू. १७४
 साल काल्हण रो दू. २
 सालवाहण प. ६६
 ,, दू. १५, ३८
 सालवाहण राजा परमार ती १७५
 सालवाहण रावळ प. ७८
 सालवाहन प. १२३, १३५, २५६, ३३६
 ,, दू. २, ३६, ३७
 सालवाहन श्ररधविव रो ती ३७
 सालवाहन चपतराय रो प. १३१
 सालवाहन राजा प २५६
 सालवाहन राजा दू. ६
 सालिवाहन रावळ प ५, १२
 ,, ,, दू. १०
 ,, ,, ती ३३, २२१
 सालो सीहड रो प ३४०, ३४१
 साल्ह दू. ३६
 साल्हो सोभ्रम रो प. २३०, २३१
 सावंत हाडो प ११७

साधू भाटी हू ३१६
 सावर प १२२
 साहजहां पातसाह प ४८
 " " हू. १०५
 " " ती १८, १६२, २३८,
 २४६, २७७, २७८
 साहजहां सायवदीन पातसाह ती १६२
 साहजी ती. २७७
 साहणपाळ राणो मोहिल ती १५८, १७०
 साहणमल दे० साहणपाळ राणो मोहिल ।
 साहबखान प. २२
 " हू १३४
 , ती २७७
 साहयार पातसाह ती १६२
 साहरण जाट ती. १३
 साहरण घट्टा रो प १०१, ३३८
 साह, राणा उर्दीसिघ रो प २२, २५
 साहिजहा पातसाह दे० साहजहां पातसाह
 साहिब प. २७
 " हू २०६, २१६, २२२, २२३
 साहिबखान प १५७, २७६
 साहिबखान वेणीदास रो प. ३३०
 साहिब गांगा रो प० ३५८
 साहिबदी पातसाह ती० १८३
 साहिल प ११६
 साहुर अमरा रो प १६५
 सिघ प २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,
 ३२८
 " हू ११, ६०, १००, १०३, १०४
 सिघ भालो, अजा रो प. ५१
 " " " " हू. २६२, २६३,
 २६४
 सिघ करमचंद रो प ३१५
 सिघ कांधळोत प. ६७
 सिघ कांन्हापत हू १६३
 सिघ खेतसीओत हू ६५

सिघ जंतमालोत हू. १८७
 सिघ ठाकुरसीओत हू. १८६
 सिघ देवकरण रो प. ३१०
 सिघ भानीदासोत हू ६३
 सिघ रतनसिघोत हू. १७६
 सिघ राय प ११६
 सिघ राव प. १३५
 " हू १, १०
 " ती २२२
 सिघ राघत प ६५
 सिघ रूपसीओत हू १४७
 सिघलसेन राजा परमार प. ३३६
 " " " ती १७५
 सिघसेन राजा दे० सीहोजी राव ।
 सिघो वाघावत प. २४२
 सिघराज प २८६
 सिघ राजा ती १७६
 सिधु ती १७६
 सिधु प्रसयतु का पुत्र ती १७६
 सिहवल राजा ती १८५
 सिंहल कवि हू ७५
 सिकदर प. २६२
 " ती. ५५, १७१
 सिकदर लोदी ती १६२
 सिखर प. १६
 सिखरो हू. ३०७
 सिखरो ऊगमणावत हू ३१४, ३१५, ३१६
 " " ती. २५०, २५२,
 २५३, २५४, २५५, २५७, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 सिखरो बोढी प. २४७
 सिखरो भुजवल रो प. १६५
 सिखरो महकरण रो प २३३
 सिखरो रतना रो प १६७
 सिद्धराज सोळकी प. २७८
 सिद्धराव प ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिधदे ती २६, ५१
 सिधगराय प २८८
 सिधराज प २८६
 सिधराव प. २७५, २७६, २८०
 (दे० सिद्धराव)
 सिधराव जैसिधदे प. २६०, २७४, २७७
 (दे० सिद्धराव जैसिधदे)
 सिधराव सोळकी करन रो प २८०
 सिरग खेतसीश्रोत हू १२२, १२३
 सिरगजी ती. २२३
 सिरग जैसिधोत ती २०५
 सिरंग डूगरसीश्रोत हू १०७
 सिरदारसिध प १२०
 सिरदारसिध प्रतापसिध रो प १२१
 सिरपुज रावळ प १३
 सिरघान भाटी ती. ५७
 सिलादत प ३
 सिलार रावळा रो प. १६४, १६५, १६७
 सिधदानसिध ती २२३, २२८
 सिधदास हू ८०, १५१
 सिधदास नाथू रो हू. १६७, १६६
 सिधघान प २६२
 सिधब्रह्म प २६५, २६६
 सिधब्रह्म कछवाहो राजा उद्वेकरण रो
 प ३२६
 सिधर प. १२३
 सिधर राजा परमार ती. १७५
 सिधराम प. २६, ३०७
 सिधराम उदैसिधोत प ३०८
 सिधराज हू ३४२
 सिधराज राजा प २६२
 सिधसिध प २६८
 ,, ती २३७
 सिधसेन राजा ती. १८६
 सिधो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
 २००

सिधो हू १४३
 सिधो कैलवेचो हू. १००
 सिधो गोहिल प. ३३५
 सिधो पूजा रो प. ३५१
 सिधो राव छाजू रो ती. २४१, २४२,
 २४३, २४४, २४५, २४६, २४७
 सिसपाळ प. २८६
 सींगट मोहिल जगरामोत ती. १६५
 सींघळ नींवावत प २०७
 सींघो प. ३२७
 सींघो नाथा रो प. ३२७
 सींगळ कव दे० सिंहल कवि
 सीमाळ हू ४१, ४२
 सीयळ पवार हू. ६
 सील प ७८
 सीहड हू ३६, ४३
 सीहड काल्हण रो हू २
 सीहड चाचग रो राणो प. ३४०, ३४२,
 ३४३
 सीहडदे रावळ प ७६
 सीहड भाटी हू ६४
 सीहड रावळ प १२
 सीहड साखलो प २५३
 ,, ,, ती. १४०, १४२, १४३
 सीहपातळो प. २१७
 सीहमाल ती. १२५
 सीहा राठीड प ३३३
 सीहेंद्र रावळ प १२
 सीहो प १, २४८
 ,, हू १०८, १२२, १८६
 सीहो गोविंद रो हू ७७, ७८, १०६, १०७
 सीहो जगमाल रो हू ८४
 सीहोजी राव हू २५८, २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७१, २७२, २७३,
 २७४, २७५, २७६
 ,, ,, ती २६, १७३, १८०
 सीहो धनराज रो हू १२३

सीहो रामदासोत हू १६६
 सीहो राजादे रो प २६४
 सीहो रायमल रो प. ३२७
 सीहो रावळ प ५, ७८
 सीहो रुदा रो व १७२
 सीहो सींयळ हू १८७
 ,, ,, ती १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२७, १२८
 सुंदर प ३४३
 ,, हू ८६, ६५, १२३, १७७, १६६,
 २००
 सुंदर कचरावत प ३५७
 सुंदरचद राजा ती १८८
 सुंदरदास प २६, ६६, १२५, १७३,
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,
 ३४३
 सुंदरदास हू ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,
 १५८, १५९, १६४, १८३, १६२
 सुंदरदास ती ३७, २२५, २२६, २२७
 सुंदरदास गोयददासोत हू १५०
 सुंदरदास गोड प ११७
 सुंदरदास देवराज रो हू. १०४
 सुंदरदास भगवानदासोत हू १५२
 सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
 सुंदरदास भींवोत हू. १७२
 सुंदरदास मुहणोत प १६७
 सुंदरदास लाडखान रो प. ३२१, ३२५,
 ३२७
 सुंदरदास सुरतांग रो प. ३०४, ३१२
 ,, ,, ,, हू १५६
 सुंदरदास सूरजमलोत हू. १८६
 सुंदर भारमलोत प २६१
 सुंदर सहभावत हू १७६
 सुंदरसी मुहणोती ती २१४
 सुंदर सोढी प. ३६१
 सुकर सोळकी प. २६१, २८०

सुकष प. ७८
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८
 सूकृत वे० सुकव ।
 सुकृत सर्मा प ६
 सुखचंद माघो ती. १६०
 सुखरामदास ती. २२६
 सुखसिध ती २२४
 सुखसिध सूरजमलोत ती २१७
 सुखसेन राजा ती १८६
 सुगणो मुहणोती प ३३८
 सुचंद माघो ती १६०
 सुजत प. ७८
 सुजन अर्जुनोत मोहिल ती १६६, १७०
 सुजय प ७८
 सुजाण प २७
 ,, हू ६२, १२३
 सुजाणराय प. १३१, २७८
 सुजाणसिध प २२, ३०, ६७, १३०,
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३२८
 सुजाणसिध हू. ६५, ६६, २६४
 ,, ती. २२४
 सुजाणसिध परसोतम रो प ३२३
 सुजाणसिध महाराजा (बीकानेर) ती ३२,
 १८०, १८१, २११
 सुजाणसिध माघोसिध रो प २६६
 सुजित प. ७८
 सुंदरसण प ३२७
 ,, हू ८८
 ,, ती. ३६
 सुंदरसण भाटी मानसिधोत हू १३२
 सुंदरसण राव जगदेव रो हू १३६
 सुदर्यराज प. २८८
 सुदर्शन प ७८
 सुदर्शन ती १७६
 सुदर्शन प. २८८, ३२७

सुवास ती १७८
 सुदेव ती १७८
 सुद्रसेन ती २३०
 सुधन राजा ती. १८६
 सुधन्व प २८८
 सुधन्वा दे० पुधन्वा ।
 सुधानेव प. २८७
 सुधिव्रह्मा प. २६३
 सुधोम प. २८६
 सुनगराय प. २८८
 सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश ।
 सुप्रतिकाश ती १७६
 सुवाहू प २८८
 सुवृद्ध सर्मा प ६
 सुभकरण प. १२७, १३१
 सुभराम ती २३५
 सुभास्य सर्मा प. ६
 सुमत दे० संमत ।
 सुमल प. १२३
 सुमित्र ती. १८०
 सुमित्र मंगल रो प २६३
 सुमेधा प ७८
 सुरचंद्र माघो ती. १६०
 सुरजण प. ११०, १११, ११२
 सुरजन प. ३०६, ३१५, ३२८
 सुरजन आसावत हू १४६
 सुरजन ऊगा रो हू ८१
 सुरजन कधरावत हू १८४
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५
 सुरजन रांगो ती १५३, १५५, १५८
 सुरजन रायपाळ रो प ३५४
 सुरजन राव ती. २६६, २६८
 सुरजन सीहड़ रो प ३४०
 सुरतराज प. २८६
 सुरतसिध प. ३०८
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५, १३६, १४१,
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,
 १६९, १७१, २००, २१०, २३६,
 २८१, २८३

,, हू. ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,
 १६५, १६७, १६८, २००

,, ती. २८७

सुरताण कल्याणमलोत ती २०६
 सुरताण कोटडियो हू. १००
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
 सुरताण चवडे रो हू ३१०
 सुरताण जाभण रो प २४०
 सुरताण जैमलोत ती १२०
 सुरताण झालो प्रथीराजोत हू. २५६
 सुरताण झालो सिध रो हू. २६२, २६३
 सुरताण ठाकुरसी रो हू १६२
 सुरताण डुरगावत प ३४३
 सुरताण प्रथीराजोत प ३०४
 सुरताण भाखरसीश्रोत हू १५२
 सुरताण मानावत हू १५४, १५७, १७६
 सुरताण रतनसीश्रोत हू १८६
 सुरताण राणावत हू. १७१
 सुरताण रायमल रो प ३२७
 सुरताण रायसिधोत हू १५०
 सुरताण राव प २८१
 सुरताण राव भांगोत प. २४६
 सुरताणसिध प ३२३
 ,, ती २२४, २२७, २३५
 सुरताणसिध ठाकुर परमार ती. १७६
 सुरतो प. ३१
 सूरय प ७८
 ,, ती. १८०

सुरपुन रावळ प ७६
 सुवचद ती. १६०
 सुविधि राजा ती. १८५
 सुसिध प २६२
 सुस्तराज प. २८६
 सुग्रो प १६
 सुजो प ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
 १०२, ११६, १२१, १२४, १६१
 २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
 ,, द्व. १६६
 सुजो आसावत प ३४३
 सुजो करणोत प १६८
 सुजो खेतसी रो प. ३६०
 सुजो जगमालोत द्व १६१
 सुजो जसूतोत द्व. १७०
 सुजो जैसा रो प १६६
 सुजो देईदास रो प ३१७
 सुजो देवडो प १५६, १६४
 सुजो पतावत द्व १५१
 सुजो पूरणमल रो प ३१३
 सुजो प्रागदासोत द्व. १८३
 सुजो भाटी द्व ६६
 सुजो भारमलोत प २००
 सुजो भुजवळ रो प १६५
 सुजो महीकरण रो प ३५६
 सुजो माडणोत प २३६
 सुजो राणो प २३१, २३५
 सुजो रामावत द्व १६१
 सुजो रायमलोत प. ३१६
 ,, ,, द्व २००
 सुजो राय प ३६१
 ,, ,, द्व १५३, १७८
 सुजो राय, जोषावत ती. ३१, ८१, १०५
 ११४, १८२, २१५, २१६, २३५
 सुजो रिणधीर रो प १४२, १४३, १५८
 सुजो षणवीर रो प २४२

सुजो वीजा रो प ३५८
 सुजो वेणावत द्व १६०
 सुजो सिलार रो प. १६७
 सुमरो द्व २३८
 सुूर प १७८, १८८, १६०, २६२
 (दे० सुूर मालण)
 सुूरज प ७८, १२५, २६२
 सुूरजमल प ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,
 ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,
 १०३, १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, १०९, ११०, १२०, २०६,
 २११, २१२
 सुूरजमल द्व ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,
 १२४, १२८, १३६, १५६
 सुूरजमल ती. २२७
 सुूरजमल श्रमरा रो प. ३०, ३५६
 सुूरजमल किसनावत द्व. १६६
 सुूरजमल केसोदास रो प. ३१४
 सुूरजमल गोपाळदासोत द्व १८६
 सुूरजमल चांपा रो प ३५६
 सुूरजमल बालासो ती. ४१
 सुूरजमल लूणकरणोत द्व ६०
 सुूरजमल हाडो प. २०
 सुूरजसिध प. ५३, २४७
 सुूरजसिध राजा द्व. ८१, ६६, ११६,
 १५५, १५८
 सुूरजसिध राव द्व १३१, १३२
 सुूरतसिध प १२०, २६६, ३०७, ३०८
 ,, ती २२१, २२४, २२६, २२६
 सुूरतसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२,
 १७७, १८०, १८१, २०८
 सुूरदास प. २३२
 ,, द्व. १६४
 सुूरदेव ती. २१६
 सुूर नरसिधोत प १५३
 सुूर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाह द्व १७७, १८०, १९०,
 १९२
 सूरपाळ प. २८६
 सूरमचद प. ५०
 सूर माघवदे रो प ३३६
 सूरमालण (सूरमाल्हण) द्व ४०, ४१,
 ४२, १५३, १७८
 सूर राणो द्व २६५
 सूरसिघ प २५, २६, २८, १५३, १६१,
 ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११,
 ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
 सूरसिघ द्व १५८
 सूरसिह ती २३०
 सूरसिघजी राजा प. ३२३
 सूरसिघ फरसराम रो प ३२३
 सूरसिघ भगवतदास रो प २६१, ३००
 सूरसिघ महाराजा (जोधपुर) ती. १८२,
 २१४
 सूरसिघ महाराजा (बीकानेर) द्व १११
 सूरसिघ भानसिघोत प ३२७
 सूरसिघ रायसिघोत महाराजा (बीकानेर)
 ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
 २१० (दे० सूरसिघ महाराजा
 बीकानेर)
 सूरसिघ राव द्व १३०, १३१, १३२,
 १३३, १३६, १४४
 सूरसिघ रुद्र रो प ३१६
 सूरसिघ बीकूपुर राव ती ३६
 सूर सुरताण रो प १५८
 सूरसेन द्व. ३, ६
 ,, ती. २३१
 सूरसेन उग्रसेन रो प २६२
 सूरसेन राजा ती. १८६
 सूररो प. ७०
 ,, द्व ८४, ८८, १७८, १८६
 सूररो कलावत प. १६६

सूररो कांघळोत ती. २१
 सूररो काना रो प ३६०
 सूररो डूगरसी रो प. १२०
 सूररो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
 १७०
 सूररो नरबद रो प. २४८
 सूररो नरसिघ देवडा रो प १६५, १६६,
 १६७
 सूररो भैरवदासोत द्व. १७८
 सूररो माधा रो प. ३२१
 सूररो लोलावत प २३८
 सूररो बेंगू रो प. ३५२
 सूररो सोढो प ३६२
 सूर्यपाळ पद्मपाळ रो प २८६
 सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २६०
 सेख फरीद ती २७६
 सेखो प ६७ ३२७
 ,, द्व. १४२, १४३, १६८
 सेखो खारवारा रो राव ती ३७
 सेखो खेतसीप्रोत द्व १७३
 सेखो चहुवाण भाऊणोत प. १५२, २३६
 सेखो प्रताप रो प २८
 सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
 सेखो रतना रो प ३१७
 सेखो रांणो दोला रो द्व २६५
 सेखो रामावत प १६८
 सेखो राव द्व. ११०, ११८, ११९, १२०,
 १२४, १२६, १३७
 ,, ,, ती १६, ३१, ३६
 सेखो रुदा रो प १६३
 सेखो सावत रो प २००, २०१
 सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०
 ,, ,, ती ८६, ८८, ८९, ९०,
 ९१, ९२
 सेतरांम द्व २६८

सेतराम वरदायीसेनोत ती १८०, १९३,
 १९४, १९५, १९६, १९७, १९८,
 २०१, २०२, २०३, २०४
 सेनजित ती. १७७
 सेन राजा ती १८५
 सेरखान रतनसी रो प. ३५६
 सेरमर्दन राजा ती. १८७
 सेरसाह पठाण पातसाह ती. १९२
 सेरसिंघ ती २२६, २२८, २२९
 सेवो साखलो दू २६१
 सेहराव देवा रो प ११९
 संहसो चानणदास रो प. ३१४
 संहसो प्रथीराज रो प. २९०
 सैसमल रावळ प ३९
 सोढ उर्से राजा रो प २९३
 सोढ देव प २९०
 सोढल राजा प २९५
 सोढो छाहड़ रो प ३६३
 सोढो बाहड़ रो प ३३७, ३३८, ३५२
 सोनग सीहोजी रो ती २९
 सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५
 ,, ,, ,, ती ३०
 सोभ हरभम रो प ३५३
 सोभो रामा रो प. ३५७
 सोभो रावत प १९६
 सोभो राव लाखा रो प. १५८
 सोभो रिणमल रो प १३५, १३६
 सोभो हीमाळा रो प २४४, २४५
 सोभ्रम प १६९, २३०, २३१
 सोम प ११९, १६९, १९३
 ,, ती. १८४
 सोम केहर रो भाई दू ११६
 सोमचद व्यास प. २२५
 सोम घट्टवाण दू
 सोम चूडावत प. ३४१, ३४३
 सोमदत्त प. ३
 सोम नाटी दू ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१
 सोमसी दू ३
 सोमस प. २८९
 सोमसर जसहड़ रो प. ३५५, ३६३
 सोमो प. ३४३
 सोमो राकसियो दू ३१२
 सोहड़ प. ११९
 सोहड़ सालू सूरवावत ती ३०
 सोहित प. १००, १०१
 सोही प. ११९, १३५, १८६, २३०,
 २४७, २५०
 सोहर जाट ती १५
 स्याम प २७, १२५, १२६
 स्याम कूभावत दू. १७९
 स्याम जगावत दू. २६३
 स्यामदत्त ती २२५
 स्यामदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८
 ,, द. ९२, ९३, १८८, १९०,
 १९७, १९८, २६४, २६८
 ,, ती २२५
 स्यामदास भगवानदासोत दू १५२
 स्यामदास रावळ प. ७९
 स्यामदास वीठळदासोत प ३०९
 स्यामदास सीसोदियो प १४८
 स्याम देवा रो दू. २६३
 स्यामराम प ३२३
 स्यामराम अखैराज रो प. ३०२
 स्यामसिंघ प २३, १९७, ३०६, ३०८,
 ३१६, ३२२
 स्यामसिंघ दू ९३, १७०
 ,, ती २३२
 स्यामसिंघ जसवत रो प २०९
 स्यामसिंघ पता रो प. ३३०
 स्यामसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 स्यामसिंघ मनोहरदास रो प. ३४२
 स्यामसिंघ मानसियोत प. २९१, २९९

स्यामसिध मानसिघोत दू. १६३
 स्यामसिध राजा रो प. ३०८
 स्यामसिध राव प. २८१
 सतनख प ३३६

ह

हंवायळ दे हंदाळ ।
 हंवाळ प. ३००
 हसन वसु प. ७८
 हसपाळ पडिहार प ३३३, ३३४
 हंसपाळ मेहदा रो प ३४०
 हंस राजा परमार ती. १७६
 हस रावळ प ५, १२, ७६
 हसो सीहड़ रो प. ३४०
 हईहय प ७८
 हठीसिध ती. २२६, २२७
 हठीसिध राव ती. २४६
 हणुमान प. २६०
 हणूंतसिध ती २३१
 हणू राजा, प २६३, २६४, २६६
 हणू राजा, काकिल रो प ३३२
 हदनेत्र प ७८
 हदो दू १७८
 हदो गांगा रो प ३५६
 हदो मानारो प. ३४१
 हनु प ७८
 हवीवखान प. ३०७
 हवीव पठाण दू. २५४
 हमाळ पातसाह प २०, ३००
 " " दू ८०
 " " ती. १६, १८३, १६२
 हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६
 " दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८
 हमीर श्रवतारदे रो प. ३६०
 हमीर आसावत दू १७६
 हमीर एको दू १३१, १३२
 हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुंतल रो प. २६५, २६६, ३३०
 हमीर खंगारोत प. ३०५
 हमीर खींदावत प. ३४१, ३४३
 हमीर गोयदरो ती ११४
 हमीर गोहिल प ३३५
 हमीर थिरा रो प ३५६
 हमीर दहियो प ११७, १२५
 " " ती. २६७, २६८, २६९,
 २७०, २७१, २७२
 हमीरदे चहुवाण प. २२०
 " " दू ५८
 " " ती. १८४
 हमीर देवराजोत दू. ५३, १४४, १४५
 हमीर बीजो दू २०६
 हमीर भीम रो प ३३५
 हमीर, रतनसी रांगा रो दू ३६
 हमीर रांगो प. ६, १४, १५
 हमीर राव ती. २८
 हमीर रावत, परमार ती. १७६
 हमीर लाखारो प. १३६, १६१
 हमीर वडो दू. २०६, २१३
 हमीर वणवीरोत प. ३५८
 हमीर वीकावत प. २३७
 हमीर सांक्रोत दू १८०
 हमीर सोढो प ३३८
 हमीर हरा रो दू. १२१, १२६
 हयनर राजा ती १८६
 हर प. ११
 हरकरण प ३१६
 हर करमसीप्रोत प ३५१
 हरख सर्मा प ६
 हरचंद दे० हरिश्चंद्र
 हरचंद रायमलोत दू. १४५
 हरजस प. २८७, २६२
 हरणनाभ प. २८८
 हरदत्त रांगो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
 ,, दू. ७७, ७९, १०७, १२३,
 १९२, १९६, २६३
 हरदास अजा रो दू. ८०
 हरदास ऊहड, मोकळोत ती. ८५, ८७,
 ८८, ८९, ९०, ९२
 हरदास कांनावत दू. १६५
 हरदास डूंगरसीओत दू. १७८
 हरदास पतावत दू. १९७
 हरदास भगवतदासोत प. २९१
 हरदास भाटी दू. १७६
 हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
 हरदास लूणकरणोत दू. ९०
 हरदेव प ३२२
 हरधवळ प १२२
 ,, दू. २२०, २३९
 हरनाम प. २९२
 हरनाथ प ३०८, ३२०, ३२२
 ,, दू. ९०, ९६, ११९
 ,, ती ३७
 हरनार्थसिघ ती. २३२
 हरनार्थसिघ तोडरमलोत प ३२२
 हरपाळ प २९०
 हरपाळ रांणो दू. २६५
 हरभम दू. १५३
 हरभम केल्हणरो दू. ११६, १४३
 हरभम राव दू. ११६
 हरभम सांखलो मेहराज रो प ३५०,
 ३५१
 हरभांण प ३२२, ३२४
 हरभीम राजा ती. १८९
 हरभू पीर प ३४८
 हरभो मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,
 १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो
 मेहराज रो)
 हरराम प २७, ३०६, ३०८, ३१२,
 ३२०, ३२७

,, दू. १२२, १५१, १८७
 हरराम जसवंत रो प. ३१७
 हरराम रायसल रो प. ३२४
 हररामसिघ ती. २२५
 हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४,
 २८१
 ,, दू. १७८
 ,, ती. २२०
 हरराज करमसी रो दू. १९०
 हरराज जैतसी रो प. ३१५
 हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 हरराज देवडो प. १४५
 हरराज नरवद रो प. १०९
 हरराज नारण रो प. ३५८
 हरराज मालवेवीत, रावळ दू. ९२, ९७,
 १०२
 हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८,
 ९९, १०२
 ,, ,, ती ३१, ३५
 हरराज समरसी रो प. १०१
 हरराज सोळंकी, डुरजणसाल रो प. २८१
 हर सर्मा प. ९
 हरसिघदे प १२९
 हरसिघ राव (पूगळ) ती. ३६
 हरसूर रांणो प. १५
 हर हारीत प ११
 हरिअश्व ती. १७७
 हरि कांहा रो प ३५२
 हरिचंद (हरीचद, हरिस्चंद्र) दे०
 हरिचन्द्र राजा ।
 हरिजस प ३१६
 हरित प २८८
 हरिताश्व दे० हरिअश्व, हरियश
 हरिदास प १६६, २३३, ३२९
 हरिदास अमरा रो प ३५९
 हरिदास फरसराम रो प ३१६
 हरिदास धीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिखरावत प. २३३
 हरियश ती. १७७
 हरियो थोरी ती ६२, ६३, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७५
 हरिवश राजा ती. १७६, १८७
 हरिचंद्र राजा प. ४२, ४७, १६०,
 २८७, २९२, २९३
 " " ती. १७८
 हरिसिंघ प २११, ३१५, ३२०, ३२५
 " दू ६५, ६६, ११९, १२४
 हरिसिंघ अमरसिंघोत दू १०९
 हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
 हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 हरिसिंघ चांदावत ती २४९
 हरिसिंघ नारणदासोत दू ९२
 हरिसिंघ परसोतम रो प ३२३
 हरिसिंघ भीमसिंघोत दू १०७
 हरिसिंघ रतनसीओत दू १८३
 हरिसिंघ राजा ती १६०
 हरिसिंघ राव प. ३०६
 हरिसिंघ सकतसिंघोत दू १०६
 हरिसेन राजा ती. १८९
 हरिहर प. ७८
 हरीदास प. १६१
 " दू १०५
 हरीदास कलावत दू १६१
 हरीदास गोपाळदासोत दू. १६८
 हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
 हरीदास दलावत दू ३०४
 हरीदास पता रो प १६०
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४
 हरीदास भगवानोत दू १६१
 हरीदास भांणोत दू. १६४
 हरीदास माधोदासोत दू. १७२
 हरीदास मोहण रो प. ३५७
 हरीदास रतनसी रो प ३५६

हरीदास रामचवोत दू. १८३
 हरीदास रायमलोत दू. १७५
 हरीदास वाघोत दू. १७६
 हरीदास सुरताणोत दू १६०
 हरीदास सोढो प. ३६२
 हरी नाथा रो दू ७५
 हरीपाळ राजा ती १८८
 हरी भाखरसी रो दू. १६७
 हरी रांणो दू २६५
 हरीराम प २५
 हरीराम रायमलोत ती. २१७
 हरीसिंघ प २४, ३०२
 " ती. २२१, २३६
 हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती. २१७
 हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
 हरीसिंघ रावत प ६४, ६६, ६७
 हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८
 हरो दू १५, ८१
 हरो राठोह दू ५८
 हरो सेखा रो दू १२०, १२१, १२४,
 १२६, १२७, १३७, १४१
 हर्षमादित्य प १०
 हर्जनकार सर्मा प ९
 हर्जनर सर्मा प ९
 हर्यश्व ती १७८
 हांमो प. १०१
 हांमो काठीलो दू. २४०
 हांमो रतनावत प. १६५
 हांस रावळ प. ७९
 हांसू ती २२१
 हासू पडोहियो दू ३१७
 हाजीखान प ६०, ६१, ६२
 हाजो प. २४७
 हाजो काठी दू २२०, २३६
 हाडो प १०१
 हाथी प. २९, १०१

हाथी श्रमा रो दू. १४१
 हाथी ईसरवास रो दू. १३०
 हाथी भाटी दू. ६६, ११६
 हाथी वाळा रो प. १२१
 हाथी सुरतांण रो दू. २६३
 हापो प. ११६, २३१
 हापो रावत परमार ती. १७६
 हापो रावळ दू. ८४
 हारस चारण दू. २३७
 हारीत ऋखीश्वर प. ३
 हारीत ऋषि दे हारीत रिख ।
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
 हालो हमीर रो दू. २०६, २१५, २१६
 हावसिद्ध प ७८
 हिगोळो आहाडो प १११
 हिदाल प ३००
 हिद्रुसिध प. ३०६
 हिद्रुसिध माघा रो प ३२१
 हिमर्तसिध प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
 हिमर्तसिध कच्छवाहो ती. ३१
 हिमर्तसिध परसोतम रो प. ३२३
 हिमर्तसिध मानसिधोत प २६१, २६६
 हिरण्यनाभ प २८८
 हिरण्यनाभ ती. १७६
 हिरदैनारायण प ३०४, ३१०
 हिरदैराम प. ३०८, ३२४
 हिरदैराम श्रखैराज रो प. ३०२
 हिरन प ७८

हींगोळ प. १७२, २३५
 हींगोळवास दू. ८१, १०४
 हींगोळवास सुरतांणोत दू. १७२
 हींगोळो पीपाडो ती. १२०
 हीमर्तसिध ती. २२४, २२६, २३०, २३३
 हीमतो दू. ६५
 हीमाळो, राव धरजांग रो प. २३२, २४४
 हीरसिध ती. २३६
 हुमायू वादशाह दे० हमाऊ पातसाह ।
 हुमायू पातसाह प. १६ (दे० हमाऊ
 पातसाह)
 हुरडू बनो दू २०
 हुसग गीरो पातसाह ती. २४३, २४७
 हुंन राजा प २५५
 हुंफो सांडू दू. ६२
 हुदैनारायण ती. २३६
 हुदै सर्मा प ६
 हेडाऊ दू २१६
 हेमराज दू. १२३, १६६
 हेमराज खीदावत प १६६
 हेमराज पडिहार दू १४०, १४२
 हेमवर्ण सर्मा प. ६
 हेमादित्य प. १०
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,
 २९३, २९५, २९६, २९७, २९८
 हीहय प. ७८
 होरसराड प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यंजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहाँ दिये जा रहे हैं।]

आंणी — कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि। पुरुष नामों के अन्त में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है। जैसे लाखो फूलाणी।

ओळगण, ओळगाणी — १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणी' कहते हैं।

कंवराणी — कुवरानी।

कंवर, कुवर — कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरवाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास — १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका।

खवास-विणियांणी — बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा — १. राजा की एक विशेष दासी २. एक रखेल।

खीचण — खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (-जी) — चौहान-क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा संबोधन।

चारण — चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची — कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति। जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (-जी) — चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और संबोधन।

छोकरी — दासी।

जोगण, जोगणी — १. योगिनी २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी — ठाकुरानी।

डूमणी — ढाढिन, गायिका।

दे — देवी का संक्षिप्त रूप। जैसे—अंतरगदे, उछरगदे इत्यादि में। पुरुष नामों के अन्त में यह 'देव' शब्द के संक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हड़दे, गोगादे इत्यादि में।

नाचण — नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या सबोधन ।

पासवान - राजा की एक पदयित दासी ।

पूतळ छोकरी (-छोरी) - दासी ।

वा - १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

वाई - १ स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीवाई, रामीवाई इत्यादि ।
२ पुत्री. ३. वहिन. ४. वच्ची, कन्या ।

घर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-वा) - फूफी ।

माजी - १. राजमाता. २ माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठोड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय सबोधन और उपनाम ।
राठोड़णीजी, राठोड़णीजी, राठोड़णीजी (राठोड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलावराय खवास इत्यादि । पुरुष नामो के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण - १. वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

घडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी. २. देव्याशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली - १. साधिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. सेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा सबोधन ।



स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

- अंतरंगदे तुंवर ती. २०६
 अतरगदेजी पवार ती. २०६
 अखैकुंवर देरावरी ती. २११
 अजबदे घनराजोत-भटियांणी ती. २१०
 अजादे दहियांणी प. ३४४
 अजैदे दहियांणी प. २५२
 अजैमाळा पातर ती. २१०
 अतभागदे रांणी (अजवरजी) ती. ३२
 अनारकळी पातर ती. २०६
 अर्भकुंवरजी ती. २११
 अमोलकदे भटियांणी ती. २१०

आ

- आधानण ती २८१, २८२, २८३, २८४,
 २८५
 आछी शाहजावी ती. १६१
 आसकवर बाई, (राजा भावसिंघ री रांणी)
 प. २६६
 आसकवर बाई, (राजा मानसिंघ री राणी)
 प. २६७
 आसारण प. ६३

इ

- इंद्रकुंवर (कस्तूरदे राणी) ती. ३२
 इन्द्रावती बाई, (आसकरण री रांणी)
 प. ३०३

ई

- ईंदी ती. १०७ १०८
 ईंदरची हू. ८७
 ईहडदे ती २५८

उ

- उछरंगदे ईंदी ती. २६
 उदैकुंवर चहुवांण ती. २१५
 उमादेवी भटियांणी ती. २१५
 उमेदकुंवर तुंवर, राणी ती. २११, २१२

ऊ

- ऊघळ (कांनडदे री बेट्टी) हू. ४१
 ऊमादे (कांनडदे री राणी) प. २२५

ओ

- ओळगाणी हू. ३३६
 ,, ती. २५८

क

- ककाळी प. ३३६
 कंवलदे रांणी प. २२५
 कंवल्लावतीबाई, (गोरघन री पत्नी) प. ३०३
 कवल्लावती, (धीवा री वर) प. १२४
 कनकावतीबाई, रांणी प. २६७
 कनकावती (राव भोज री पत्नी) प. १११
 कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२
 कमोदकळा खवास ती. २११
 कमोदी खवास ती. २०६
 करणा री मा प. १६२
 करमां खवास प. ३१२
 करमेती बाई (मेहराज री पत्नी)
 हू. १७८
 करमेती हाडी रांणी प. २०, ४६, ५०,
 ६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
 १०८, १०९
 करमेती हाडी रांणी हू. २६२
 ,, ,, ,, ती. ५५

कल्याणदे (राजा गजसिंघ री रांणी)

प. ३०१

कल्याणदे देवडी ती. २६

कसतुरदे रांणी (इंद्रकुवर) ती. ३२

कसमीरदे रांणी ती. ३१

कांमरेखा पातर ती. २१०

कांमसेना पातर ती. २१०

किसनवाई प १६७

किसनराय ती. २११

किसनाई खवास ती. २११

किसनावती बाई प. ३१२

कुजकळी पातर ती. २११

कुमरदे दू. २८०

कूभारी दू २६६

केर वा दू. २१६

केसर इंदी ती. ३१

केसरदे कळवाही ती २१४

केसरदे नरुकी प ३१५

कोटेची ती २५०, २५१, २५२

कोडमदे धीकूपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प ३१६

खातण (मेरा री मा) प १५, १६

खावडियांणी प. ३४७

खेतूवाई (राव सूजा री वेटी) प १०२

खेतू राठोड, माजी प. १०७

ग

गगाजी रांणी (सोभागदे) ती ३१

गरुडराय पातर ती २११

गघरा ती २११

गांगे री मा ती. ८०

गायडदेवी सोसोदणी ती २१४

गाहिडदे राणी ती. ३२

गौंदोली दू २८७

गुणबत्री पातर ती. २१०

गुणजोत बडारण ती. २१२

गुणजोत सहेली ती २०६

गुणमाळा खवास ती. २११

गुमानराय पातर ती २११

गुमांनी पातर ती २१२

गुलाबराय खवास ती. २०६

गुलाबराय पासवांत ती. २१३

गुलाबां पातर ती. २११

गोकळदासरी मा, खवास-प. ३१६

गोड रांणी प. २६८

गोपाळदे सौंधळ प. २५७

गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०

गोरां पातर ती २११

च

चंद्रकुवर, रांणी (जोधपुर) दू ११०

चंद्रकुवर, रांणी (बीकानेर) ती. ३२

चपाकळी ती. २११

चपावती पातर ती. २११

चतुरसिंघरी मा मैणी प. ३१२

चहुआणजी ती. ६३

चहुवाण } ती. ३

चहुवांणी }

चांदजी प. १३३

चांदण ती ३०

चाद बा सोडी दू २०६

चांद बीबी ती २७२

चांपा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७

चांपादे, (राठोड पृथ्वीराज री पत्नी)

ती. २०६

चावडी राणी दू २७४, २७५, २७६

चावोडी (मूळराज री मा) प. २६४,

२६५

चैनसुखराय खालसा ती. २११

चोधरण ती १४, १५

चोहान रानी ती. ३

ज

जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी)

ती. २०७

जसमादे हाडी (राव जोधा री रांगी)

प १०१

जसमादे हाडी (राव जोधा री रांगी)

ती. ३१

जसमादे हाडी ती. २१६

जसवंतवे राणी ती. ३१

जसहडुबाई मांगळियाणी दू. ३०४, ३०६

जसोदा (जैसा भैरवदास री बेटी) प. १११

जसोदाबाई (मोटा राजा री बेटी) प. ३००

जसोदा (भाटी भानीदास री बेटी)

दू १३२

जाणदे राणी ती ३०

जाणादे हुलणी ती. ३१

जाटणी (बाबूराम री मा) प ३२४

जाडेची (राखाइच री मा) प २६५,

२६६

जीऊ पातर ती २१०

जीवी, जीवू ती. २१०

जेळू प. १२४

जेसळमेरी रांगी, रतन कंवरजी ती २०६

जेतळवे, कान्हडवे री रांगी प २२५

जैमाळा पातर ती. २०६, २१०

जोईयाणी, (सलखेजी री राणी) ती. ३०

झ

झाली कवराणी, (कुं जोगे री बहू)

ती १६५

ड

डगली खवास ती. २०६

डाही डूमणी दू. २३०, २३१

डाही घाय दू. १८

डोकररी ती. १०१, १२६

डोड गेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

त

तनतरंग पातर ती. २११

ताज बीबी ती. २७५

तारावे राणी, चहुवाण (तीडे री अतेवर)
ती ३०

तारावे, (राव सुरताण री बेटी। प्रथीराज-
उडण री अतेवर) प. १७, २८१

तारावे (हरिचंद री रांगी) प. २६३

तुवरजी अंतरंगदे ती. २०६

तुरकणी ती. २७८

द

दमयंतीबाई प. ३१२

दमैतीबाई (मोटा राजा री बेटी)

प ३१२

दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री
राणी) प. २६७

दूडी नाचण प. ६६

देवडी (चांपा सींघळ री वैर) प. १६३

देवी सोनगरी प. १५

द्रोपदा चहुवाण ती. २६

द्रोपदा तुंवर ती. २१०

घ

घण (जाडेचा फूल री राणी) दू २२८,
२२९, २३०

घनाई राठोड (राणा सांगा री रांगी)
प. १६, २०, १०२

घायजी ती. ६६

घारू पातर ती. २१६

घारू री मा प. २५४

घीरवाई प. २२

न

नधरंगदे साखली, राणी ती. ३१, १६५

नाई री वैर प ३२१

नागही चारण दू २०२, २०३, २०४

नारगी पातर ती. २०६

नैणजवा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पगळी वेंटी प. ३४०

पवार राणी प. १०७, १०८

पत्ती, (जैतमाल री वेंटी) प. २४६

पद्मणी प. १३, १४

” डू ४२, २०२, २०३, २०४,
२६६

पद्मणी ती. २५८

पद्मां देवडी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पद्मां विणियाणी, खवास प. ७३

पद्मा (भांणीदास री मा) डू. ६२

पद्मावती पातर ती. २१०

पद्मावती राणी दे. परमावती रांणी ।

पद्मावती राणी, (राणा सागा री कन्या)
ती २१५

परमावती राणी ती. १८६

पागळी वेंटी प. २५३, ३४०

पातसाह री सहेली डू. ७०

पारबती भटियाणी डू. ६६

पुष्पकुंवरि दे. पोहपकंवरि माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूरांवाई महेशची डू. १५६, १५७

पेमावाई ती. ५६

पेमावती पातर ती. २११

पोहपकंवर. (अजीर्तासघजी री माजी)
ती, २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री राणी)

डू. १२८

प्रतापदे सेखावत, राणी ती. २११

प्रेमकळी ती २११

प्रेमकुवर भटियाणी, राणी ती. २१०

प्रेमलदे डू १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूरांम री मा जाटणी प. ३२४

बालबाई बीकानेरी प. २६०

बाहडमेरी प. १४३, १४८

बाहडमेरी डू. ८६, ८८

बिरवडी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूट पद्मणी (राजा मोखरा री वेंटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतादे रांणी ती. ३१

भटियाणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८

भटियांणी राणी ती. ३१

भांणवती ती २१०

भांणवदे ती. २१०

भांणीबाई (भाण जेसावत) डू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री वेंटी) डू. ३२

भानुदेवी ती २१०

भानूमती ती. २१०

भारमल आंधी प. ३४६

भारमली प. ३४६

भाषळदे, (कांन्हडदे री रांणी) प. २२५

म

मनरगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०

मनसुखदे धोकूपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वंहेणीवाळ ती १३, १४

महताब पातर ती. २१२

महेशची डू. ८४

मागळियांणी, (ऊवं की वीर) प. ३४७

मांगळियांणी (धीरमजी की स्त्री)

डू ३०३, ३०४

माणल देवाइत डू १६

मांणवती पातर ती. २१०

मांगवदे सोठी, रांगी ती. २१०
 मारवणी प. २६३
 मालवणी प. २६३
 मीराबाई प. २१
 मृदंगराय पातर ती. २११
 मेघमाळा खवास ती. २११
 मेलणदे रांगी, खीचण प. २६४
 मंणी, चतुरसिंघ री मा पे. ३१२
 मोतीराय सहेली ती. २०६
 मोहनी पातर दू. ८१
 मोहिल कुंवरानी दे० मोहिल रांगी ।
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,
 ३२५, ३२८, ३२६
 मोहिलाणी (धीदे री ठकराणी) ती. १६६
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।
 म्नाघवतीबाई (राजा जैसिंघ री रांगी)
 प. २६७
 य
 यशोदा (राजा रायसिंह की रानी)
 दू. १३२
 र
 रगनिरत पातर ती. २११
 रंगमाळा पातर ती. २१०
 रगराय पातर प. ६१
 ,, ,, ती २०६, २१०, २११
 रंगादे भटियांणी ती. ३१
 रभा दू. ३७
 रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू. ६३
 रतनकवर जेसळमेरी ती. २०६
 रतनकुवर रांगी ती ३२
 रतनादे (किसनदास री बेटी) दू. ६०
 रतनादे भटियांणी, रांगी ती २६
 रतनाघत राणी ती. ३१०
 रतनाघती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५
 रांगादे, जसहङ्ग-भटियांणी ती. ३०

रांगीबाई (राघ मालवे री रांगी) दू. ६१
 रामकंवर (कला री बेटी) दू. ६८
 रायकंवर भटियांणी, रांगी ती. २०६
 रामजोत खालसा ती. २१२
 रामीबाई ती. १३३, १३४
 रामोती खवास ती. २११
 राईकंवरबाई (राजसिंघ री रांगी)
 प. ३०३
 राजकंवर, मोटा राजा री बेटी प. २६
 राजबाई दू. ७२, ८५
 राजबाई भटियांणी प. २६
 राजा पातर ती. २१२
 राठवड दे० राठोड सती ।
 राठोड (राठोडजी) ती. ६३
 राठोड सती दू. ३२४, ३२५
 रायकवरबाई (सबळसिंघ री वैर) प. २६८
 राही ब्राह्मणी ती. २१२
 राही सहेली ती. २१२
 रखमावती बाई, राजा महार्सिंघ री रांगी
 प. २६७
 रुठी रांगी दे० उमादेधी भटियांणी
 रूपकळी खालसा ती. २०६, २११
 रूपमजरी पातर ती. २१०
 रूपरेखा सहेली ती २०६, २१०
 रूपादे रांगी दू. १३०, २८४
 ल
 लक्ष्मीदेधी ती २१५
 लखां मांगळियांणी रांगी, दू. ६१
 लजसी (तेजसी री वैर) प. १८३
 लवगकवरजी ती. २१०
 लाग सगती ती २२२
 लाछ सगती ती २२२
 लाछां ई दी ती. ३०
 लाछां देवडी दू. ७५, ७६, ७७, ७८
 लाडां भटियांणी, रांगी ती. ३०
 लालादे ती. २०६

लालां देवडी, रांणी ती. ३१
 लालां मागळियाणी, रांणी ती. ३०
 लिखमादे भटियांणी ती. २१५
 लिखमी ती. १०४, १०५
 लिखमी रांणी प. ३६१
 „ „ वू १५३
 लीलादे मेहवची वू. ७५, ७८
 लूंगकंवर, रांणी ती. २१०

व

वडकधार बेटी वू. २२७, २२८
 वडकुंधार ती. २५०
 वनां पातर ती. २११
 व्हूजी ती ८०
 वाघेली ती ६३, ६६
 वारू पातर प २१६
 विजनां ती. २१२
 विजी पातर ती. २१२
 विर्जकुवर वू ११०
 विर्नकुवर वू ११०
 विमळादे रांणी वू. ५३, ७३, ७४, ७५,
 २८५
 वीरां हुलणी, रांणी ती. ३०
 वेणीबाई वू १५१
 वजवर (रांणी अतभागदे) ती. ३२

श

शेखावतची ती. ६३
 शेखावत रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेळी ती २१२
 सजन भटियांणी वू. ६०, ६८
 सजनांबाई वू ६८
 सजनां (राव मालदेव री बेटी) वू ६२
 सतभामाबाई वू. २५६
 सदां सवास ती. २११
 सबामी ती २१२

सदाकंधर ती. २७०, २७१
 सरकसळी ती. २०६
 सरसकळी पातर ती. २०६
 सरूपदे (कद्यवाही) ती. ३१
 सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती. ३०
 सरूपदे भाली ती. २१४
 सरूपदे रांणी वू. २६४
 सरूपा पातर ती. २११
 सांखली, सांखळवास री वंर वू. १८१
 सांखली ती. १४५
 सांखली, ग्राना री व्हू प. २५४
 सांखली, सुरतांण री वंर प. २८२
 साहमती कद्यवाही ती २१४
 साहिवदे तुंवर, रांणी ती. २११
 साहिवदे (दलपत री मा) वू १३४
 सिणगारदे जेतळमेरी, रांणी ती. २१०
 सींघळ, खीची वाघ री मा प. २५६, २५७
 सींधलियांणी प. २५६
 सीताई प. २२१
 सीताबाई वाहळमेरी वू. ८६, ८८
 सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
 सीसोदणी (राव मडळोक री वंर) वू. २०३
 सीहा री डीकरी ती. १२७
 सुदर भुवा (गेंचं व री भुवा) प ३३८
 सुखविलास पातर ती. २११
 सुगणांवे सोडी, रांणी ती २११
 सुघहराय खवास ती. २०६
 सुजांणदे (राजा सूरसिंघ री रांणी) वू. ११६
 सुपियारदे ती ३८, १४१, १४२, १४३,
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
 सुभविलास ती २११
 सुरतांणदे वेरावरी रांणी ती २११
 सुवळी सीसोदणी ती. २३
 सुहववे जोईयांणी प. २५१, २५२
 सुहागण रांणी प. १३
 सूरजदे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे साखली ती. ३०
 सेखावत प. ३२३
 सेखावत मोहल दू. ११०
 सैणी चारणी देवी प. २०४
 सोढी दू. ५८, ५९
 सोढ (कूभा री वैर) दू. २६७
 सोढी, पाव्नी री ठकराणी ती. ७२, ७६,
 ७९
 सोढी रांणी दू. ६०
 सोढी (रावळ लखणसेन री रांणी) दू. ४०
 सोढी (लाखा री वैर) दू. २३२, २३३,
 २३४, २३५
 सोनगरी प. २०६
 सोनगरी ती. ७, ८
 सोनगरी (कान्हडदे सोनगरा री बेटी)
 दू. ४०, ४१, ४२
 सोनावाई ती. ५८, ५९, ६३, ६९
 सोना (मोहिल ईसरवास री बेटी)
 ती. ३१
 सोभागदे चावडी (सीहोजी रो अतेवर)
 ती. २९
 सोभागदे भटियाणी, राणी (गगाजी)
 ती. ३१
 सोभागदे (दुरजनसाल री राणी)
 प. ३२५
 सोळकणी (ऊर्वे री वैर) ती. २५८,
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमालजी री वैर)
 दू. २८७, २८८
 सोळकणी (साधतसिध सोनगरा री वैर)
 ती. २६१, २६२
 सोळकणी (सीहोजी रो अतेवर) ती. २९
 सोहड रजपूताणी दू. १४२
 सोहद्री भटियाणी, रांणी दू. ११९
 स्वाळख री जाटणी प. ३२४

ह

हंसबाई, (रांगा लाखा री रांणी) प. १५,
 १६
 हंसबाई (राध लूणकरण री पत्नी)
 प. ३१९
 हंसावळी रांणी प. १२३
 हरखरेखा ती. २०९
 हरखां (मोटा राजा री रांणी) दू. १३२
 हरजोतराय बडारण ती. २११
 हरमाळा सहेली ती. २०९
 हररेखा ती. २०९
 हसती (हसणी, हंसणी) खालसा ती. २११
 हासांजी गहलोत, रांणी ती. २०९
 हाडी करमेती प. ५०
 हाडी, कला जगमालोत री बेटी प. ५०
 हाडीजी रांणी ती. १३५
 हाडी ठाकरांणी प. ७५
 हरड दू. १९, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम



अमोलक घोड़ो हू २०३
 अरवी घोड़ो प ६६
 उचासरो घोड़ो (उच्चैश्रवा) हू २०३
 उजाळो-वछेरो प. २४६
 एकलगिङ्-धाराहू प. १७०
 एकलवाडचर प. १७०
 एकल-सूकर प १७०
 ऐराकी घोड़ो प. ६६, १०४
 " " हू ७०
 " " ती. ४४, ११६
 काछी घोड़ी हू. २५७, २५६
 करहो-भीणो हू २३३
 काछण-घोड़ी ती. २५७, २५६
 काछी खानाजाद (घोड़ी) ती २५६
 काछी घोड़ो हू २६४
 काळवीं घोड़ी ती. ६४
 कोड़ीघज घोड़ो प २७२, २७३, २७४,
 २७५
 " ती ११०, १११
 खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद ।
 खासो कंट ती १०६
 छुरीकार घोड़ो ती. ६६
 जूह वाकरो ती. २६०
 जेठी घोड़ो हू ३१४, ३१५, ३३५
 भाम्भो-घोड़ो प २०६
 भीणो करहो दे० करहो भीणो ।

तेजल-घोड़ो ती. ६४
 दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१
 दरिया-जोइस हाथी ती. ६१
 नीली घोड़ी प. २६३
 नीलो (घोड़ो) ती. १२०
 पटे-हसती हू. ४८
 पट्टाभरण हू. ५०
 पडोहियो घोड़ो हू. ३१८
 पाणीपंथो-घोड़ो हू. ५५
 पाटहडो-महुषो (घोड़ो) प. २७१, २७२
 बच्चियां रो घोड़ो प. २८१
 बाडो कंट ती. ७१, ७२
 बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४
 भुंवर घोड़ो ती. १५
 मृग घोड़ो (अग घोड़ो) ती. २६६, २७१
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
 मोर घोड़ो प ३४६
 " " हू. ३२५, ३२७
 लाप घोड़ी प ३५०
 लाछ घोड़ी हू २०३
 लाल लसकर घोड़ो प १०४, १०५, १०६
 लिखमी घोड़ी हू २०३
 वडी घोड़ी प २६३
 वेल भंस हू १३
 साहुलो भंसो प. २१८
 सूपेद हाथी हू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, प्रादि

अ

अंजार हू. २५५
 अतरगढी दे० आंतरगढी ।
 अतरवेष प ३३२
 अबली रो टूक प. ६६
 अभाव प. ४६
 अकेली प. १७६
 अखासर हू. १११
 अचलगढ प. १७७
 अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६,
 १६८, २५२, २८०, २६६, ३०३,
 ३६२
 ,, हू. १०२, १५१, १५५, १६२,
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,
 १८८, १८९, १९३
 ,, ती. ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,
 २१५
 अजमेरगढ ती. १७४
 अजमेरपुर प. १८६
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।
 अजीतपुरी ती २२३
 अजेपुर ती. २१६
 अजोव्या प. २६२
 अटक प. ३००, ३१४
 ,, हू. १६८
 अटबडो हू. १४५
 अटरोह प. ११६
 अटाळ चारणां री प. १७६
 अटाळ-भाटां री प. १७६
 अटाळी प. १८, २८२
 अणखलो (सिवाने का गढ) प

अणदोर प. १६२, १७७
 अणघार प. १७६
 अणवांणो हू. १५७
 अणहलनगर प. २६१
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २७१
 ,, हू २६६
 ,, ती. २६, ४६, ५०, ५१,
 ५२, १७३
 अणहलवाडो दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलवाडो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अभेपुर ती २१८
 अभोहर हू. १०
 असणेर प ३४०
 असरकोट दे० ऊसरकोट ।
 असरपुर प. ३१६
 असरसर प २८७, ३१८, ३१९, ३३२
 असरा अहीर री ढांणी प. ३१८, ३१९
 अरजणियारी हू ४
 अरजणी हू० ३६
 अरजियांणी प. १६५, ३३५
 अरटवाडो प. १६२, १७७
 अरटियो हू. १६३
 अरणो प. ५२
 अरणोद प. १२८
 अरबह प. १८७, १८८, १८९
 अरोड हू २८
 अरुंद प. १८७

अवाइली प. १२८
 अवाह हू १४२
 अवेळ प. १७७
 अहनला दे० एहनळा ।
 अहमदावाद दे० अहमदावाद ।
 अहमदनगर प ३२६
 " हू १८४
 " ता. २७२
 अहमदपुरी हू २४१
 अहमदावाद प ३७, ६७, २०८, २६२
 " हू. २०२, २०३, २०७, २०८,
 २५३, २६०, २६१
 " ती ५३, ५६
 अहवा हू १२
 अहाड प ३३
 अहिचावो प. १७६
 अहिचावो-खुरद प. १८०
 अहिलाणी हू. १५३
 अहूर प. २४०

आ

आंतरगढो हू १२, १४२
 आतरदो प. ११०
 आंतरी प. ४२
 " ती. २३६, २४०, २४१, २४२,
 २४३, २४५, २४६, २४७,
 २४८
 आनापुर प. १७६
 आनावास हू १६७
 आंनो प २८५
 आंवघळो प १७४
 आवरी प. ३२
 आवलो हू. १७६
 आवार हू १८५
 आंवाव प ४६, १५६
 आवेर दे० आमेर ।
 आवेरी प ४४
 आवेनो प. १७७

आंबो हू. ८४
 आमरण हू. २४०
 आउओ प. १७८
 " हू. ८६
 " ती. २१५
 आउर नयर प. ५
 आउवो दे० आउओ ।
 आऊठ कोड-वंभणवाड हू २३६
 आऊठ कोड सामई हू. २३८
 आऊठ लाख सामई हू २३७
 आकडसावो प. २८२, २८३
 आकडावास हू. १८०
 आकळ हू ४
 आकुवाई हू. ४
 आकेली प. १७६
 आकिवळो हू. १११
 आकोलो प ४७, ५६
 आखूना प १७६
 आगरियो प २८५
 आगरो प. १८, ११२, ३३७
 " हू १४७
 " ती २८, १६२
 आघाट दे० आहाड ।
 आघाटपुर दे० आहाड ।
 आचीणो हू १७२
 आजोर हू २५४
 आझारी प. १७६
 आझारी-वांभणां री प १७४
 आठकोट प २७१
 आठांणो प ६६
 आणंदपुर प ७
 आधीसर प. ३४६
 आपुरी प. १७७
 आबू प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१,
 १७३, १७७, १८०, १८१, १८२,
 १८३, १८४, १८७, २५८, २७३,
 २७४, ३३६

,, हू. ३४, ३८, ६८
 ,, ती १७४, १७५
 ग्रामंद ती. २४०, २४५
 ग्रामेर प. २८७, २९०, २९३, २९४,
 २९५, २९६, २९७, २९८, २९९,
 ३२९, ३३०, ३३१, ३५६
 ,, ती. २७२
 ग्रारखी प. १७६
 ग्रारम हू. ६
 ग्रालमपुर-रो-मंडो प. १२८
 ग्रालवाडो प. १७५, २४८
 ग्रालासण प. २४८
 ग्रालियो प. १७७
 ग्रालोपी प. १६२
 ग्रारवठ कोड दे० आऊठ-कोड-सांमई ।
 ग्रारवड-सावड प. ३६
 ग्रारवळ प. १५८
 ग्रारसणीकोट हू. ४, ८, ९, १०, ३८,
 ११२, ११३
 ग्रारसणीकोनीट हू. ४
 ग्रारसपुर प. ३८
 ग्रारसरानडो हू. १९०
 ग्रारसलकोट प. २०२
 ग्रारसलवासी ती. ५३
 ग्रारसलोई हू. ४
 ग्रारसादस प. १८०
 ग्रारसा-रो-नाडो दे० ग्रारसरानडो ।
 ग्रारसावाडो प. १८०
 ग्रारसेरगढ ती. १७३
 ग्रारसो हू. ४
 ग्रारसोप प. २४०,
 हू. १५५, १५६, १५७, १७०
 ग्रारहप हू. ४
 ग्रारहाड प. ९, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१
 ,, ती. १७३
 ग्रारहाळो हू. ४
 ग्रारहुर प. २४०

आहोर प. ५, ७, ३९, ४२, २४०
 आहोरगढ ती. २१८

इ

इच्छापुर हू. १७२
 इंद्रवडो हू. १७८
 इद्राणो प. २३६
 इकुवरडा प. १७८
 इटाघो (मेडता रो) हू. १८९
 इणगार प. ३३१
 इसलामपुर-कोसीथळ प. ५२
 इसलामपुर-मोही प. ५२

ई

ईदावाटी हू. ३०८
 ईकड हू. ४
 ईडर प. १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७,
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,
 २८४
 ईडर हू. ५०, ८९, ९२, १७०, १७२,
 २५६, २७६
 ईडरगढ प. ३७
 ईडवो हू. १७९
 ,, ती. ११५
 ईसवाळ प. ४१

उ

उटाळो प. २७
 उडवाडियो प. १७५
 उडवाडो प. २४७
 उगरावण प. ९५, ९६
 उगरास ती. ११०
 उजीण दे० उजेण ।
 उजेण प. ३७, ९७, २०९, २११, ३४३,
 -३६०
 ,, हू. ९०, १५९, १६०, १६१,
 १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उजेण ।

उड प. १७४, १७३

उडछो प १२७, १२८, १२९

उतोसा प १७७

उत्तर-गुजरात दू. २६६

,, ती. २९

उत्तर प्रदेश प २१०

उदयपुर दे० उदैपुर ।

उदरा प. १७३

उदळियावास दू. ३९

उदीवस दू. १७०, १७१

उदैपुर प १, ५, ८, ११, १४, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ६६, ६१, ६४,

६६, १०७, १५४, ३२२

,, दू. ६५

,, ती. १७३

उदैही प २८७, ३०२, ३०९, ३११,

३२०

उनावो प ४, १५

उनो दू. ८

उपमणो प १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणो प १७८, २७२

उमरलाई दू. १८८

उमरलाकोट दू. २६२

ऊ

ऊच-देरोवर दू. १८

ऊढाला दे० उढालो ।

ऊढाला प. ५६

ऊढालो प ६६

ऊढोला प. ३०

ऊढाला दे० ऊढालाव ।

ऊढसर ती २२६

ऊढारो प. २४०

ऊढावतां-री देवळी ती. २३७

ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२

ऊमरकोट प ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५९, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २९२, २९३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

ऋ-

ऋषिकेश (श्राव, राजस्थान) प १७८

ए

एकलिंगजी प १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलछ प १२७

एवा-रो-परगनो प. ११५

एहनळा प २१०

ऐ

ऐवडी-भाटा-री प १८०

ऐहमदावाद दे० अहमदावाद ।

ऐहमदनगर दे० अहमदनगर ।

ओ

ओईसा प २३३

,, दू. ९६, ९७, १५९, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरास ती १०८

ओगो-भीम-रो प ३९

ओटवाडियो-चारणा-गो प १८०

ओटवाडो दू. ६१

ओडीट दू. ३२५

ओडोमो प. ८

श्रीरू प १७७
 श्रीडो रू. ६
 श्रीयसां दे० श्रीईसा ।
 श्रीरीसो प. १७८
 श्रीरू प. ४१
 श्रीळवी रू १४६, १४६
 श्रीळो रू ६, ६७
 श्रीसियां प ३३७, ३३६
 श्रीहलाणी-इद्रवडो रू. १७८

क

कयकोट दे० कांयडकोट ।
 कयडकोट दे० कांयडकोट ।
 कंधार प १८७, ३११
 „ रू २, १०२
 कवळपुर ती. २१६
 ककु ती. २३३
 कच्छ प. ३६१, ३६४, ३६५
 „ रू. ३७, २०२, २०६, २१२,
 २१४, २१७, २३०, २३७, २४२,
 २४३, २५२, २६६
 „ ती. १७४
 कछ दे० कच्छ ।
 कछडवो प. १२७
 कटक प १८७, २२७
 कटखडो प. ११०
 कटहड प ३०६
 कठाड प ४७
 कणवण-देवडांवाळो रू. ३
 कणवार रू. १८७
 कणवारी ती २३२
 कणवारो ती. २३२
 कणवीर प. ५३
 कणावद प २४७
 कणियागिर (जालोर) प. १८७
 कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प. १८७
 कनड ती २७६
 कनवज प ८
 „ रू. २६६, २६७, २६६, २७४
 „ ती. १७३, १६३, २०३
 कनवजगढ दे० कनवज ।
 कनोडियो प. ३५७
 कझीज दे० कनवज ।
 कपडवज दे० कपडविणज ।
 कपडविणज ती. १७४
 कपासण प. ३७, ५३
 कपासियो प. १७५
 कपिलकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)
 „ रू २१६
 कपूरियो रू १५१
 कमळपुर ती. २१६
 कमळां-पावा ती १२३
 कमळो रू. १२
 कमा-रो-वाडो रू. १८७
 कमोल प. ४२
 करडो-सत्तां-रो रू. ३३
 करणाट प. २२१
 करणावटी ती. १५४
 करणीसर ती २२४
 करणूं रू. १३८
 करनवास प. २८५
 करनेचगढ ती. १७४
 करमसीसर प. २३६
 „ रू. १६४
 करमावस प. २८, १६६
 करलो (?) प १०६
 करहर प. १२८
 करहुटी प. १७५
 करहेडो प. ३७
 करहेडोगढ ती २१८
 कराडो रू. १६७

करेभटो ती २०७
 करोली हू १, १६
 कर्णाटक प २२१
 कलटघा प. ३२
 कळमकी हू १११
 कळहटगढ ती १७४
 कलाघी प. १७६
 कला-री-कोटडी हू १२७
 कलासर ती. २३०
 कळूमो प. ४२
 कल्याणसर ती २२७, २३४
 कवरला प १७८
 कवळो हू १५६
 कवीयो प ३२
 कसमीर प. ८ दे० कसमीर ।
 कसूवी ती. १५७
 कागडो प ३१६
 कागणी प ३४६
 कांगळ हू. १७६
 कांभरी हू १८८
 कांणळ हू ४
 काणाणो ती. ०२६
 काणाघद हू ४
 कांयत्कोट हू २१४
 कांतागर हू. ६, १२
 कांप हू १
 कांपली प. २४८
 कासो ती २१७
 कांभडो हू. १६२, १६६
 कांभरकराही प ४७
 कांता-पहाडी रो-सुवी प ३१८
 कांभरघो प ४२
 कांता हू ३२
 कांतागीरी हू २०१
 कांत दे० कसमीर ।
 कांत-प्राणसर हू. २४२

काद्यो हू २, ४, ७६, १८६, १६८,
 १६६
 काद्योली प १७४
 काठसी हू १६६
 काठासी हू १६३
 काठियावाड हू. २०२, २६६
 काठीवाड हू २६०, २६१
 काठो हू ३०७
 काणाणा ती. २२६
 कावल दे० कावुल ।
 काविल दे० कावुल ।
 कावुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
 ,, हू. १५८, १६४, १६८
 काभडो हू १७४, १६२, १६६
 कायलांणो ती १४८, १४६
 कारोली-भाटां-री प. १८०
 कालंजर प १३२
 काळद्री प १३६, १४३, १४७, १५८,
 १६७, २४६
 काळघरो दे० काळद्री ।
 कालवर हू २४३
 काळधरी दे० काळद्री ।
 काळवात ती २२८
 कालाणो हू. १२५
 काळाळ हू ३०६
 काळिया-ठडो हू. १७६
 काळो-डुंगर हू ४, १३, २७
 काशी प २१६
 ,, ती २६६
 काशमीर दे० कसमीर ।
 कासघरा प १८०
 कासमीर हू १५६ दे० कसमीर ।
 कामी दे० काशी ।
 काहनी हू ३१४
 ,, ती. ५
 किटांणो हू. १३६

किणसरियो प. १२३
 किणसरियो ती. १७३
 किरडो द्व. ६८, ११४, १२७, १५२
 किरतावटी ती १५४
 किरवाड़ ती २६८
 किराडू प. ३३७
 किलाकोट दे० केलाकोट ।
 किवाजणो प. २०
 किसनगढ द्व १७०, १७१, १७२
 ,, ती. २१७
 कीभरी द्व. १७४
 कीठणोद (कीटणोद) द्व. १८२, १८३
 कीसेर प. ४२
 कुंकण प ८
 कुंच प. १२८
 कुड द्व २३८
 कुंडणो प २११
 कुंडळ प १६६, २००
 ,, द्व १०६, १२१, १२६, १५४,
 १६४
 ,, ती ७८, २८१, २८३, २८४,
 २८५
 कुचीरोह प. ३४६
 कुंभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,
 १३८, २०७, २१०, २८४
 ,, द्व १६६, १६४
 ,, ती ४७
 कुभांणो ती. २२८
 कुभाळत प. २४८
 कुभार-रो-कोट द्व ५
 कुछाऊ द्व ४
 कुडकी प. ३०३
 ,, द्व १४७
 कुडळ-गुळाई द्व २३८
 कुरडो प. २५

कुराज प ४७
 कुळथाणो प. १६३
 कुळदडो प १७६
 कुळधर द्व. ८
 कुसमळो द्व. १०४
 कुहड द्व १५१
 कुहाडियो प. ४२
 कुंछडी द्व. ३६, ४३
 कुजावाडो प. १७६
 कुडळ दे० कुडळ ।
 कुडाणो द्व. १८३
 कुडाळ प. ४५
 कुडीरो द्व २६३
 कुंपडावास द्व १५०
 कुपावास द्व. १८२, १८३, १८४
 कुपासर द्व. ७६, १३६
 कुंभळमेर दे० कुभळमेर ।
 कुंवोरो प. ३४६
 कुचमो प. १७६
 कुडणो प २०६
 कुडी प. ११६
 ,, द्व १६५
 कुवसू ती २२६
 केकडी प. २७६
 केदार प ८
 केदार (केदारनाथ) द्व २०४
 केरभड दे० करेभडो ।
 केरभडो दे० करेभडो ।
 केरडू ती. ११०
 केराकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)
 ,, द्व. २१६
 केलणसर ती २२६
 केलवाडो प ४२
 केलवो द्व. २२०
 केलाकोट द्व. २१६, २२५, २२६, २२८,
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९
 केवडो प. ३५
 केसूली प. २८५
 केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७,
 १२०
 कैर प. १७४
 कैरलो प. २३५
 कैरू दू. १४२
 कैलवो प. ६, ४०, ६६
 ,, दू. २२०
 कैलावो दू. ८० दे० केलावो ।
 कैलाहकोट प. २६६
 कोजडो प. १७६
 कोटडी दू. ४, ७७
 कोटडो प. ३२, १७८, ३३४
 ,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८,
 ६९, १२६
 ,, ती. ३, ४
 कोटहडो दू. ११
 कोटा दे० कोटो ।
 कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४,
 ११५, २५३
 कोठारियो प. ३७, ४४, ४७
 कोटमदेसर ती. १६, १८१
 कोटियावास दू. ८
 कोडियासर दू. ६८
 कोडोवास दू. ६
 कोठणावाटी प. २४२
 कोठणो प. २४२
 ,, दू. ६६ १००, १०२
 ,, ती. ८७, २५६, २६१
 कोवमियो प. १०५
 कोरटो प. १६२, १७७
 कोरमो प. २३६
 कोलर दू. ३३०
 कोळियासर दू. १३६

कोळीसिध प. १५१

कोळू दू. ४

,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७

कोसीयळ प. ५२

कोसीयुर प. १००

कोहर वू. ३२

,, ती. २२१

कीरपुर दे० खेड ।

ख

खडरगढ प. ४७

खडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,
 ३२७

,, ती. २१७

खडेलो-रैवासो प. ३२०

खडोखळी दू. १३६

खघार दे० कघार ।

खभणोर दे० खमणोर

खखर-भखर प. २६, ४६

खजवाणो दू. १२२

खजूरी प. ११७

खटखड प. ११३

खटोडो दू. ६६, १६३

खडबळोवो प. १८०

खडाळ दे० खाडाळ ।

खडीण दू. ४, ५

खडोरां-रो-गांध दू. ४

खत्रियावाळो दू. ४

खनावडो ती. २३६

खमण प. ४१

खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८

खरगो वू. ८

खरड दू. ३, ११, १२, १६, ११३,
 ११६, १४०, १४१, १४३

खरड-केल्हणां-री वू. १६, १४२, १४३

खरड-मुघेरो वू. ११, १६

खरडी दू. ६०

खरदेवळो-भाट-रो प ६१
 खवास-रो-गांव द्व. ४
 खाडिप द्व १८७
 खांडापत-वाभणां-री प १८०
 खांडार द्व ८
 खाण प. १३६
 खाणां प १८०
 खाभळ प. १७६
 खाखरवाडो प. १७४
 खाटहडो द्व ३१
 खाट्ट प २५१
 खाडाळ द्व. ३, ४, ८, १७, १८, २६,
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१
 खाडाळो प. १६४
 खाडाहळ दे० खाडाळ ।
 खाताखेडी प. ११५, २५२
 खावढ द्व. १२६
 खारडी प २४२
 खारचारी द्व. १११
 ,, ती. ३७
 खारचो द्व १२५
 खारियो प. ३६१
 ,, ती २३६
 खारींग द्व ८६, ८७
 खारी प २४८
 ,, द्व ४, ३१, १७४, १८६
 खारी-खावढ प ३३७
 खारो द्व: १०८, १४८
 खिणियो प. ६०
 खिराळू प. २३६
 खोंदासर द्व. ३६, १२३
 खोंवलसर द्व ४
 खोंवलो द्व. ८४
 खोंवसर प. ३४१, ३४७
 ,, द्व ६२, १४५, १४८, १६०
 खोंवो द्व ५

खीचवंद द्व ७७
 खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
 खीनावडी द्व. ८१
 खीमत प १७५
 खीरड द्व. ४
 खीरवारो द्व ११
 खीरवो (खीरवो) द्व १२, ११६, १४२,
 १४३
 खीरोहरी प २४०
 खंघु प. ७३, ८८
 खुटहर-रो-मैडो प. १२८
 खुडियाळो द्व १७१
 खुडियो ती १६
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,
 ३३३
 ,, ती. ५५
 खुराडी-भाटां-री प. १८०
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुरासान दे० खुरसाण ।
 खुहियो द्व ३१, ३२
 खूटलो द्व १७१
 खूहडा, द्व ४
 ,, ती. २२२, २३१
 खेजडली प २३३
 खेजडलो द्व. १४५, १४७, १४६
 खेजडियो प. १६२
 खेड प ३३३, ३३४
 ,, द्व. ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,
 २६०, २६१
 ,, ती १७३
 खेड-पट्टन दे० खेड ।
 खेड-पाटण दे० खेड ।
 खेतपाळियां-रो-गांव द्व ६
 खेतसी-रो गुढो द्व १७३
 खेतासर द्व १५६, १७६
 खेरडी द्व २२६, २२७, २३०
 खेरबरो प. ४४

खैरवो द्व. १६२, २६४
 खैराबद प. ११०, ११४
 खैरापाद ती. २१६
 खैरीगढ प. २१०
 खोखराणो द्व. १११
 खोखरियो प. ६०
 खोखरो द्व. ६५
 खोगडी प. १७६
 खोटोलो प १२७
 खोड प. २१०
 खोडादरो प. १८०
 खोडाबळ द्व. ६८
 खोह प ३०७, ३०६, ३२३
 खोहरी प ३२३

ग

गंगादास-री-सादडी प ४३, ४६
 गगारडो ती. ११६, ११८
 गगावाळी द्व. १६०, १६१
 गजनी द्व. १५, ३४, ३५, ६७
 ,, ती. १८३
 गर्जसिधपुरो द्व. १५१
 गजियो द्व. ४
 गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।
 गढ बघव प. १३२
 गढ रिणधभोर प. ३७
 गढिया द्व. ८६
 गढी द्व. १६६
 गणकी-भाटां-री प १८०
 गणोडो ती. १६०
 गमण प ४१
 गरभवास द्व. २६१
 गरवो प २१
 गलणियो प. २११
 गळयळू प. १७६
 गलापडी द्व. ५
 गळियोकोट प ८४, ८५
 गागरडो प. ३०४

गागाहो द्व. १००
 गांगुरण दे० गागुरण ।
 गांगेरो प. ७०
 गाघडवास द्व. १७२
 गांधी प. २८५
 गागडाणो द्व. १५१
 गागरोनगढ ती. २०६
 गागुरण प ११३, ११५, २५२, २५६
 गागूरुण प. २५२
 गादेरी (लवेरा री) प. २३८, २३६,
 २४०
 गाहिडवाळो द्व. २, ३३
 गिरनार प. २२
 ,, द्व. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गिरराजसर द्व. १३६
 गिरवर प १५८, १७४
 गिरवार प ३२
 गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२
 गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर
 गींगोळ प. १७६
 गीघाळो द्व. १७६
 गुडवाण प. ११३, ११५
 गुजरात प १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२
 ८६, १०६, १३२, १३६,
 १४२, १७२, १८५, २१३,
 २१५, २२७, २३६, २४४,
 २६२, २७६, २७८, ३००,
 ३०२, ३३१
 ,, द्व. २६, ३८, १४६, १५८, १६३,
 १७६, १८२, १६८, २०२,
 २०४, २०५, २२०, २४०,
 २५७, २५८, २६६, २७६,
 २८७, २६६, ३०७
 ,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५,
 ५७, १३६, १७४, १८४,
 २८०, २८१
 गुजरात (पजाम) प. ३००

गुज्जर वू ३८
 गुढो ती. २२२
 गुढी प. ४२, २०६
 ,, वू. ६४, १४७, २८५, ३००
 गुंनोर प. १२७
 गुलाई वू. २३८
 गुलियो वू. ८
 गुहीली प १७६
 गुगोर प ११५, २५२
 गुड प. १२८, १३१
 गुडसवाडो प १७५, १७६
 गुडो दे० गुड ।
 गुंदवच दे० गुदोच ।
 गुवाठरो प. १७८
 गुवाळी प. ४२
 गुदोच प. २११
 ,, वू १६३, २६३
 गुजर प. २७८
 गुजरखंड प. १८७
 गुजरधरा प. २६०, २६१
 गुढो प. १६६, २५३, ३४४
 ,, वू १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
 २६६, ३००
 ,, ती. १८
 गुंझाप ती. २२६
 गुंमलियावास वू. २६४
 गुंमल्यावास ती. २३५
 गुंहलोतावाळी वू. १३५
 गुंमोद प. १२८
 गुंखम प. १६०
 गुंफणं दे० सांस्कृतिक नामावली में ।
 गुंगलीसर वू. १३५
 गुंधेळाव वू १६३
 गुंठियो प. ६१
 गुंठोळाव प. ६४
 गुंठवाड- दे० गुंठवाड ।
 गुंठो-भीम-रो प. ३६

गुंठलो प. २८५
 गुंठवाड प. ५३, ५५, २८५
 ,, वू. १५३, १६८
 ,, ती. १७३
 गुंधावस वू १६३
 गुंधोपड़ी (सिर्वाणा रो) प २३८
 गुंधोपलदे प. ११५
 गुंधोपीसरियो वू. १६०
 गुंधोवंद वू. ४
 गुंधोवंदपुर प. १७६
 गुंधोवंद-रो-घाडो प. २३३
 गुंधोरहर वू. १२६
 गुंधोरहरो वू. ६, ७७
 गुंधोरीसर ती. २३१
 गुंधोरोटी वू १६
 गुंधोलाहसनी (गुंधोलावासणी) वू. १६८
 गुंधोवल प ३६०, ३६१
 गुंधोवील प. १८०
 गुंधोहिल टोळो प. ३३५
 गुंधोही वू. ४
 गुंधोहवाळ ती. १३५
 गुंधोदेश ती. २६६
 गुंधोसपुर प. ६०, ६१
 गुंधोवधी वू ७६, ७७, १३६
 गुंधोवालियर प. १२८, १३१, २८६, २६०,
 २६३, ३०३
 ,, वू. २५६
 ,, ती. १८३
 गुंधोवालेर दे० गुंधोवालियर ।

घ

घटियाळी वू. ४, १२, १४२
 घणोली वू ७६, ६७
 घांघांणी ती. ६०
 घांणत प १७४
 घांमेर प. ३६

घांणेराव दे० घांणेरोडे ।

घांणेरो प. ४१

घांणा प १७८

घांणेरा ती ४२

घांमट हू ५

घांसिर प. ४१, ४७

घाघेडो प. १२८

घाटो प ११४

घाटो प ४०

घाटोली प ११४

घीघालियो हू १८०

घूघरोट (घूघरोट) प ११४, ११५,
११६

” हू. २१०, २११,
२१४

घोघूद प ४२

घोघूदो प २१, ३०, ३५, ३७, ४२,
४६, ४८

घोडाहड हू. १४८

घोडाहडो हू ४

घोसमन प. ५३

च

चग हू ६६

चंगावडो हू १७२

चंडालियो हू. १७०, १७२, १७३

चंडावळ प. २६

” हू १४९

चडावो ती. २३४

चदावसो प. ३९

चदेरिया-रो-गांव हू. ८

चदेरी प २०

” ती. २१८

चंद्रावती प १३५

चंवरगाठ प. १२७, १२८, १३१

चनार प. १७४

चरहाडो प. १७७

चवदे-चाळ प २८७

” ती. १७०, १७१

चवदे-चाळ-ढूढाहड प २८७

चवदे-चेढी प. ३६४

चवरासी दे० चौरासी ।

चवरो प. २३४

चवाडी प २३३

चांदण प. २४७

चादरस हू. ११९

चांघण हू ३९, ४३

चाघणो हू ७४

चांपानेर ती २५, ५५, १८३

चांभासर हू ४, १४९, १६३, १७५

चांपोल प १७५

चांवडियाख हू १६९

चांमू हू ६७, ९२, १२५, १६०, १६७,
१७५

चाखू प. ३५०

चाखू हू १२३

चाचरडी प १७४

चाचरणी प. २५२, २५६, २५७

चाटलो प ३५४

चाटसू प. २८७, २९२

चाडी हू १२२, १३८, १४२

चारण-खेडी प. ९१

चारणवाळो हू ३९

चारणां-वांभणां-रो-सांसण प्रदेश प. १७३

चावड प ३५, ३७, ४३, ५७

चावडेरो प. २८५

चावळो हू १८१

चाहड हू ४

चाहित ती. १७

चित्तीड दे० चीतोड ।

चित्तीडगढ़ दे० चीतोड ।

चित्रकोट प ८

चित्रांगलस हू. २५

चिनडी दू. १७२
 चिहू दू. १३६
 चीखलवो व. ३२
 चीताखेडो व. ६५, ६६
 चीतोड प. ३, ५, ६, ८, ९,
 १२, १३, १४, १५,
 १६, १७, १८, २०,
 २१, २४, २६, ३०,
 ३२, ३७, ३९, ४४,
 ४८, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५६,
 ६२, ६६, ६७, ७०,
 ७६, ८०, ८१, ८१,
 ८२, ८८, १०२, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, ११०, १११, १२०,
 १२५, १५६, १८६, २०५,
 २४३, २७६, २८०, २८१,
 २८२
 ,, दू. १४५, १५३, १५८, १८१,
 २६२, ३३१, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
 ,, ती. ५, २८, ५५, १३६,
 १४६, १७३, १८३, २४१,
 २८१

चीतोडगढ व. १८६
 चीत्रोड दे० चीतोड ।
 चीत्रोडगढ दे० चीतोड ।
 चीनडी प. २४०
 चीन्हो दू. ३१
 चीवागांव प. १७७
 चीमणवो ती. २३३
 चीरवो प. ४४
 चीवळी प. १७७
 चीहरडा प. १७८
 चीहळी प. ४७

चुडियाळो प. १७६
 चूडासर प. ३४७
 ,, ती. १८१
 चूडो-राणपुर दू. २५६, २६०
 चूनाणी प. १७४
 चूनी दू. १२
 चूहडसर दू. १११, १२५
 चेढी दे० चवदे-चेढी ।
 चेलावस प. १७६
 चैराई दू. ६५, १६८, १७०
 चोकीगढ प. १२७
 चोखावसणी दू. १४८
 चोचरो दू. ६
 चोटीलो दू. १३८
 चोपडा दू. १५३
 ,, ती. ८४
 चोपडो दू. १४८, १६७, १७८, १८१
 चोरवाड दू. २०२
 चोळी-महेसर प. ७६
 चोलेर प. ४७
 चोहटण प. ३६४, ३६५
 ,, दू. ५, १२६
 चोहटण दे० चोहटण ।
 चोहडां दू. १६४
 चौकडी दू. १४८
 चौरासी प. २५०
 चौरासी भाद्राजण री ती. २५६, २६२
 चौरासी-मिलक-री प. ८०, ८१, ८२
 चौरासी रतनपुर-री प. ४४
 च्यार-छपन प. ३६
 छ
 छडाणो दू. १८२
 छतीस-पवन प. १२४
 छपन प. ४३
 छपन-चावड (छपन-चावड) प. ४३
 छपन-रा-गांव प. ३६
 छमीछो ती. ५६

छहोटण दे० चोहटण ।

छादयो दू २२१

छाकरलो प ४७

छाछोळाई दू. १८७

छापूर दू. ३२४, ३२५

„ ती १५३, १५४, १५६, १५६,
१६१, १६२, १६३, १६५,
१६६, १६७, १७१

छापरोली प ३२

छापूर दे छापर ।

छारू दू १२

छाळी-पूतळी प ३८, ३९, ४३, ४७

छाळी-पूतळी-राणां-री प. ३८, ३९

छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३

छाहोटण दे चोहटण ।

छिपियो ती. २३६

छीलो दू १६३

छेलपूर प. २५३

छोडो दू. ४

छोहलो प. ३४६

ज

जगळपर ती. २०७

जगडवास प ३२८

जगतहर-रो-परगनी प १२७

जगदेवाळो दू. १११

जगनेर प ४३, ४७, ११०

जगियो दू ४, ५

जम्हू दे० झम्हू ।

जडियो प. १७६

जतहर दे० जगतहर-रो-परगनी

जयलो प. ६५

जमरुव ती २१४

जयपूर दे० जेपूर ।

जरगो प ४२, ४३, ११६

जळखेड-पाटण ती. २१८

जवनपूर प १८

जवाष दे० जवाद्य ।

जवाद्य प. ३८, ४३, ४७

जसखेड-पाटण दे० जळखेड-पाटण ।

जसरासर प. ३४६

जसवतपुरो प २०४

जसूवेरो दू. १३६

जसोदर प १७६

जसोल ती. २२०, २२१

जसोळाव प. १७६

जहाजपूर प ३८, ४७, २७६, २८०

„ दू २६३

जहांनावाव दू. १०५

जागळू प. ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,
३५२, ३५३

„ दू. ३००, ३०१

„ ती. २८

जांभोरो दू. ६

जांणां ती २२३

जांणावाडो प. १७८

जान्हू दू. ६

जानरो दू. ६

जानो प ४३

जांभ-रो-गुडो प. ३५०

जांभ वाघोडें-रो-गुडो प ३५०

जामेळाव दू १२३

जाकरी ती. २३३

जाखबर प. १८०

जाखोरो ती. ४१

जाजपूर प. २७६, २८०

„ दू २६३

जाजीवाळ दू १८५

जाटीवास दू. १७३

जाडो दू. २५०

जादवस्थळ दू. ३

जामनगर ती २६

जामोतर प. १७७

जायल प १८०, २५०, २५१, २५२,
२५३

जायलवाडो ती १७४
 जारोडो प. ३८
 जालधर प. ८
 जालना दू. १६३
 जाळसू ती ११६
 जाळियो दू. ५
 जाळीवाडो प. ३५७
 जाळेली दू. ६, १६३
 जाळोर प. १४, १७, २५, ३७,
 ६०, ६१, १३५, १३६,
 १४६, १४७, १६१, १६२,
 १७२, १७३, १७८, १८१,
 १८७, १६४, १६५, १६६,
 १६८, १६९, २०३, २०४,
 २१२, २१३, २१६, २१७,
 २१८, २२०, २२२, २२४,
 २२६, २३०, २३१, २३४,
 २३५, २३६, २३९, २४०,
 २४१, २४५, ३३६, ३६१
 ,, दू. ३६, ४२, ६१, ६७,
 १४६, १४८, १५०, २६०
 ,, ती. २८, १२४, १८४, २१४,
 २८०, २६१, २६२, २६३,
 २६४
 जाल्हकडो प. १७६
 जाल्हणो दू. १६३
 जाधव प. ४७
 जाधव-नवराय प. ४७
 जाधर प. ३५, ४३
 जावाळ प. १७६, १७७
 जासासर ती. २३२
 जाहङ्गदेतो प. १७६
 जीजियाकी दू. ४
 जीरण प. ५३
 जीरावळ प. १७५
 जीरोतरो प. ४७

जीलगरी प. ६०
 जीलवाडो प. ३६, ४०, ४१, ११६
 जीळी ती. २३३
 जीहरण प. २७, २९, ४८, ५३,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 जुट दू. ६६
 जुडली दू. १५०
 जुडियो-सेवडो दू. १३६
 जुणलो ती. २३६
 जुघावरो प. १८०
 जुभणू ती. १६२, १६३, २७३
 जुम्हो दू. १६६
 जुङ्गो प. ४६
 जुठ दू. १५६, १६६
 जुनागढ दू. १६
 ,, ती. १७४
 जुनो प. ३३७
 जेबांध दू. ३६
 जेराहत दू. ४
 जेसळगिर वे जेसळमेर ।
 जेसळमेर प. २२, १४७, २०६, २०७,
 २३२, ३३४, ३३५, ३४६,
 ३५२, ३५५
 ,, दू. १, २, ३, ४,
 ५, ६, ८, ९,
 १०, ११, १२, १३,
 १४, १५, १६, २७,
 २९, ३१, ३२, ३४,
 ३५, ३६, ३८, ३९,
 ४२, ४३, ४४, ४५,
 ४६, ४७, ५०, ५३,
 ५५, ५७, ५९, ६२,
 ६३, ६४, ६५, ६७,
 ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९,
 ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८७, ८९

६१, ६३, ६४, ६५,
 ६७, ६८, ६९, १००,
 १०२, १०३, १०४, १०५,
 १०६, १०७, १०८, १०९,
 ११०, १११, ११२, ११४,
 ११८, १२६, १३२, १४७,
 १५२, १६२, १६६, १६७,
 १६८, २६१, २८०, २९०,
 ३००

, ती. २९, ३३, ३४, १८३,
 १८४, २०६, २१५, २१७,
 २२०, २२१

जेसळां (जेसलां) हू. १६०

जेमाण, जेसांगो दे जेसळमेर ।

जेसावस हू १७३, १८७

जेसुरांगो हू ४, ८, १३, १४४

जेतकोट प २०२

जेतपुर ती १७, १८, २३०

जेतपुरी ती १७

जेतवाडो प. १५८, १७५

जेतारण प. ६२, ८६, ८८, ३६४

, हू १४८

, ती ३९, १४१, १४५, २३५,
 २३६

जेतीवास हू. १५०

जेपुर प. १७, ३११

जेवाघ दे जेवाघ ।

जेराइत हू ४, १००

जोगसपुर हू ६५

जोगाळ हू. ६१

जोजायर प. ३७, ५२, २०२

जोनपुर प १७५

जोधपुर प. २५, २६, २७, २८,
 ३७, ८९, १०१, ११४,
 १३०, १३६, १४२, १४४,
 १४७, १५३, १५८, १६०,

१६१, १६३, १६४ १६५,
 १६६, १७०, २०७, २०८,
 २०९, २३३, २३७, २४०,
 ३०६, ३०९, ३१०, ३११
 ३१४, ३१६, ३१७, ३१८,
 ३२०, ३२२, ३२३, ३२४,
 ३२८, ३४२, ३४६, ३५६

, हू. ३३, ३८, ३९, ५३,
 ६६, ७७, ७९, ८०,

८१, ८४, ८९, ९०,
 ९१, ९४, ९७, १००,

१०५, १०६, ११० ११९,
 १२२, १२३, १२५, १२८,

१३८, १४५, १४६ १४७,

१५१, १५६, १६१, १६४,

१६५, १७३, १७५, १७६,

१७९, १८०, १८२, १८६,

१९०, १९४, १९९, २६३,

२६४, २७७

, ती. १२, २८, ३४, ८०,

८१, ८३, ८४, ८९,

९०, ९२, १००, १०१,

१०२, १०४, ११५, ११८,

१२१, १२२, १८०, १८१,

२१३, २१४, २१५, २१६,

२१७, २३५, २३७

जोधडावास हू १७३

जोधनेर प. ३३०, ३३१

जोळपो प ११६

ज्याकरी ती २३३

झ

झम्हू हू ३९, १७७, १७८

झडवी हू. ३२

झरहर प ३०७

झरो हू. ४

झाखर-झाडां-रो प १७९

भांभण हू २
 भांभमो प. ३३७
 भांवठो प १७६
 भासनाळो प. ४१
 भाडखड हू ३८
 भाडहर हू १२, १४२
 भाडोल प ३६, ४२
 " हू २६३
 भाडोली प ४६, १७३, १७७
 भात प. १७६
 भालांवाळी-सादडी प ५
 भालांवाळो-देलवाडो प. ४४
 भालावाड हू. २५८, २६२
 भालावाड-छोटी हू. २६२
 भासल ती २२
 भौंयडो प. २२३
 भुभुवाडो हू २६०
 भूपडाखेडो प. ४७
 भूठाडियो हू. १८१
 भूरो हू ३६
 भेरडियो प २२८ -
 भोरा-मगरा-पट्टी प १७६
 भोरो प १७३, १७६
 ट
 टगरावती प ४२, ४६
 टमटमो प १७६, १७६
 टाकरो प. १७५
 टावरियांवाळो हू. १३५
 टोकली प. ३२
 टोबडी हू १७३
 टोबी -हू ६
 टोवरियाळो हू. ४
 टूक प. ४७
 टेइयो दे. टेहिया ।
 टेहियो हू ४, ६, १०३
 टोकला प. १५८
 टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो वू. ८४

ड

डमाणी प १७५
 डांगरां प. २४०
 डांगरी हू ६
 डावर हू ४, १५५, १६०, २६१
 डाक प १७५
 डाबर प. ४७
 डाभडी हू. १५६
 डाभलो हू. २, ४, १०
 डाहळ प. ५
 डोघाडी प. १७७
 डोडलोत्र प १७७
 डोडवांणो प. ३२४
 " हू. ६, ३०८, ३२८
 " ती. ६५
 डोडवाना वे. डोडवांणा ।
 डोवनाळ हू. १११
 डूगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७,
 ३८, ३९, ४३, ४६,
 ५३, ७०, ७१, ७४,
 ७७, ८०, ८१, ८२,
 ८४, ८५, ८६, ८७,
 ८८, ११६, १२१
 " हू. १६३
 " ती २२६
 डूंगरी प १७६
 डूंगरो-देस प. ४३
 डेडुवा प. १७६
 डेह हू १५७
 डोगरी हू. ६७
 डोडवाडो प २५३
 डोडियाळ प १४७, १६०
 " ती. १२४, १२५

ठ

ढाकसरी	प.	३४७
ढाको	ती.	१४
ढाहो	प.	२८, ३२३
ढिलड़ी	प.	१८
ढिली	दे	दिल्ली ।
ढीकली	दू.	६६
ढीगसरी	ती	२२५
ढीकाई	दू.	१६१, १६७, १७१
ढूढाहू	प	१८७, २६३, २६५, ३४२
"	दू.	३१५, ३३५, ३३६
ढूढार	दे	ढूढाह ।
ढूढाहूड	प	२८७
ढोल	प	४२
ढोलांगो	प	२८५
ढोहो	प	३२३

त

तई-घईतरो	दू.	४
तडुगी	प	१७४
तणणो	दू.	११६
तणूकोट	दू.	३
तणूसर	दू.	४
तणोट	दू.	४, १०
तणोटकोट	दू.	१७
तलवाडो	ती.	३
तलावस	प	११७
तांगांगो	दू.	१४२, १४३
तांगो	प	३७
"	दू.	१५३, १८१
तांगो-सोळकी-मला वाळो	प	३४२
तांतूवास	प	२३३
तानूवास	प.	२३८
तांबडियो	दू.	१६६, १८२, १६४
ताडतोली-बांभणां-रो	प.	१८०
तालियांगो	प	२४०

ताळो	प.	३१८
तिघरी	दू.	१८६
तियमी	प.	१८०
तिमरणी	प	१६७, २३३, २३६
"	दू.	१४८
तिमरली	दे.	तिमरणी ।
तिलगांण	प.	८
तिलवाडा	दे.	तलवाडो ।
तिलवाडा-फेयर	दू.	२८४, २८५
तिलवाडो (मालांगी)	दू.	१३०, २८४, २८५
"	"	ती. ३
तिलायली	प.	३४०
तिलांगेस	दू.	१५६
तिसींगडी	दू.	४१
तिहांगेसर	ती.	२२७
तीतरडी	प.	३२
तीतरी	प.	१७६
तीस-रा वागडियां-देवडां-रो-उतन	प.	१७३, १७८
तुंड	प.	२४७
तुवरां	दू.	१४८
तेजसी-रो-गांव	दू.	४
तेलपुरो	प.	१७३
तेलियांगो	प.	२४०
तोडडी	प.	२८०, २८१
तोडो	प.	४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
"	दू.	१५५
तोडो-नागरवाळ-रो	प	२८०, २८१, २८३
तोडो-भीव-रो	प	३०१
तोसींगो	प	३४३
त्रंबक	प.	१, १२२

त्रिकुट द्व. २४२
त्रिकोणगढ (लका) द्व ३६
त्रिगठी द्व. १६६
त्र्यम्बक दे त्रंबक ।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, द्व. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो ।
थवूकडो द्व. १६०
थळ द्व २, ३१, २८५
,, ती ६५, ६६, १०३
थळवट द्व ३२०
थळी प. १७५
,, द्व ३२३
थळुडो प. १६४
थहीघायत द्व ४
थान गांव द्व २८४, २८५
थालनेर प. १२२
थावर प. १७८
थाहर-वासणी द्व. १८७
थाहरो द्व. १६८
थिराद प १७२
थूर प. ३२
थुळायो द्व. ५
थोम द्व. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दत्तारखो प. १७८
दतीवाडो प ३६२
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५
दत्तांणी प २३, १५२, १६६, १७५
ददरेरो ती ७२, २७३
ददरेवो दे. ददरेरो ।
दभोड प. १२८

दमोई प. १२७
दमोदर द्व. ४
दलोल प. ३८
दलोल-कलोल प. ३८, ३९, ४३, ४७
दसाडो द्व. २६१
दसोर प ३७, ३८, ६४
दहबारी प. ३२, ४३
दहियावत प. १८७, २४८
दहियावतरी दे. दहियावत ।
दहीपडो प. २३३
,, द्व १८२, १८३
दहीपुडो दे. दहीपडो ।
दहीगांव प २४७
दहोसतोर द्व. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाडो प १५१, १५२, ३६२
,, द्व १४६
दांमण प. २१२
दागजाळ द्व. ६
दाखण (देश) प. २३४
दालडी प. १८
दाली दे. दाली ।
दाली प. १८, ५८, ५९, ७०,
८२, १८०, १८५, २०४,
२२४, २६२
,, द्व. १५, १६, ५६, ६५,
६६, ७४, ७५, २८२,
२८३, २८५, ३०२, ३०८
,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१,
१६२, १७४, १८३, १८५,
१९२, २३८, २४३
दिहायलो प १२८
दीव वंदर ती. ५६
दुकोल प. २५३
दुजासर द्व. ४
दुजासी द्व. ४
दुणियासर ती. २३०

हुणोत्र प. १७६
 हुरगगढ ती. १७३
 हुसारणो ती २३१
 हूणपुर हू. ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१
 हूधवड़ प. ३१
 ,, हू १४६
 हूषोड प. ३१
 हुताडो प २३३
 देछू प २११, ३६२
 देवपुर प १५८
 देदापुर प १७५
 देदाहर हू १११
 देपारो हू १३६
 देपारो प. १२४
 देरावर प १२२, १२३, २५३
 ,, हू. १०, १८, २१, २२,
 २३, २५, २६, ३०,
 ७६, ६३, ६६, १०८,
 ११४, ११५, ११६, ११७,
 ११८
 ,, ती. ३४, १७४
 देरासर हू ४
 देलवाडो प. ३४, ४४, १५८, १७७
 देलांगो-भाटां-रो प. १८०
 देलोद्र प १७७
 देव प. ४३
 देव-गदाघर प ४३
 देवको-पाटण वे देव-रो-पाटण ।
 देवखेत प १७६
 देवडी प ३२
 देवडो प २४७
 देवत हू. २६१
 देवतकही हू २६१
 देव-पट्टन दे. देव-रो-पाटण ।
 देव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प. २१३,
 २१४, ३३५

देवळियां-रो-मेरवाडो प. ४५
 देवळियो प. १६, २७, २६, ३७,
 ३८, ४५, ४८, ५०,
 ८६, ८८, ९०, ९५,
 ९३, ९४, ९५, ९६,
 ९७, १६४
 ,, ती २१७
 देवळी प. ४७
 ,, ती २३७
 देवळी ऊदावतों की ती. २३७
 देवसीवास प. २४८
 देवहर प ४३
 देवाइत हू १६, ११३
 देवीखेडो प ११५, २०८
 देवो हू. ४, ६, १०३
 देसूरी प. ४१, २८४, २८५
 देसेहरो-देस प ४२
 देहेर-भाचाहर हू. १२६
 दोढोळाई हू. १४७
 दोसा प. २८७
 दोजतावाद प १३१, २३४
 ,, हू १२२
 ,, ती. १८३, २४६, २७६, २७७
 द्योसा प २६७
 द्रम हू ३१
 द्रावड़ प. ८
 द्रूणपुर वे द्रोणपुर ।
 द्रोग प ३५७
 ,, हू. १३, ३६
 द्रोणपुर हू ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४,
 १५६, १६१, १६२, १६४,
 १६५, १६६, १६७
 द्रोणागिर वे द्रोणपुर ।
 द्वारकाजी प १११, २६३, २६४, २८६,
 ३३७

द्वारकाजी हू. २२५, २६६, २६७, २६८
 ,, ती. २६६
 द्वारामती दे द्वारकाजी ।

घ

घडूको दे. घांघूको ।
 घणलो हू. ८४, ३२६
 घनवाडो प. ६०
 घनवो प. २४८
 ,, हू. ६, ८
 घनारी प. १७४
 घनियावाडो प. १७५
 घनेरियो प. ६०
 घनेरी प. १५८, १७६
 घमांणी प. १२७
 घमोतर प. ६६
 घरियावद प. ३८, ४३, ४५, ६४, ६६
 घवळको हू. २६०
 घवळपुर प. ३१
 घवळहर हू. २१५, २४०, २४६
 घवळासर हू. १११
 घवळरो हू. १७८
 घवो हू. १५०, १५६
 घांघणियो हू. ७६
 घांघपुर प. १७५, १७६
 घांघूको हू. १, १६, २६०
 घांघूसर ती. २२६
 घानेरा प. १७८
 घांमणियो प. २८५
 घांमणो प. १२७
 घाचरियो प. १७६
 घाट ती. ७५, १७४
 घाघोळाव हू. १६८
 घार प. ४, ३२, ४३, ३३६
 ,, हू. २६, २६, ३०, ३१
 घारणघाय हू. १४८

घारता प. ६१
 घारनगर ती. १७३
 घारवा प. १७८
 घीगांणो हू. १७०
 घीणोद हू. २१०, २१२, २१४, २२१
 घीरावद प. ४५
 घीरावादगढ ती. २१६
 घीवली प. १७५
 घुवावस प. १८०
 घूळकोट प. ११३
 घूळोप प. ११६
 धोव प. ३३५
 धोघुको प. ३३५
 धोरीनमो प. २४८
 धोलपुर प. २०६, २३४
 धोळहर दे. धोळहरो ।
 धोळहरो प. २५
 ,, हू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
 ,, ती. ८४
 धोळरो प. २५
 धोलपुर दे. धोलपुर ।

न

नदराय प. ४७
 नदियो प. १७४
 नगरकोट प. ३००
 नगरगांव हू. १३६
 नगरघट्टा प. ८, ६०
 नगर-सामई हू. २३७
 नगराजसर हू. १११, १३६
 नडियाद ती. १७४
 ननेउ हू. ६१, १२८, १३३, १३४
 नरवर प. १२८
 नरवरगढ ती. १७४, २१७
 नरसांणो हू. १४८
 नरांणो प. ३०४, ३०५, ३३०, ३३१,
 ३५६

नराइणो दे नराणो ।
 नरायणो दे. नराणो ।
 नरावस प. २३८
 नलवर प. २६३, २६४, ३०३
 नलवरगढ प २८६, २६३, २६५, ३०३
 नवकोट दू. १४
 नवदीप दू ३८
 नवलकली प १८६
 नवलखी-सिध दू. २३७
 नवलाख-डहर प. १३२
 नवसर प २१०
 ,, दू. ६२
 नवसरो प १६०, १६५, २११
 नवानगर दू. १५, १६, २०५, २२०,
 २२१, २२३, २२४, २३६,
 २४०, २४१, २४४, २४७,
 २४६, २६०, २६१
 ,, ती. २६
 नवोसहर प. २८०
 नहवर दू. ३२
 नांदणो प. ११७
 ,, दू १३
 नांदियो दू. १५०, १६६, १६७
 नांदोती प. ३०६
 नांताउओ प. १७८
 नांमी प. १६२, १७७
 नाई प ३२
 नाउओ-वाघरेडो प. ६६
 नाकोडो प ३३३, ३३४
 नामंजो कोट दू २२
 नागडी दू १६०
 नागण प. २४७
 नागदहो प १, २, ८, ११, ३५
 नागरवाळ प. २८०
 नागांणी प. १७७
 नागांणी दे. नागोर

नागो-जोगीकोट (देरावर) दू. २२
 नागोर प. २४, १२५, २३४, २५०,
 २५३, २६७, ३२४, ३४२,
 ३४७, ३४८, ३४९, ३५८
 ,, दू. ५४, ६५, ६७, ११०,
 ११५, १३१, १३६, १४६,
 १५३, १५६, १५८, १७४,
 ३००, ३०१, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२६, ३२८, ३३६,
 ३३७
 ,, ती. २६, ८५, ६०, ६५,
 ६७, १५४, १८२, २१३
 नागोर-री-पहो प २५०
 नाचणो दू. ८, १२, ११६, १४२,
 १४३
 नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३५,
 १८१, १८६, १८७, १६८,
 २०२, २०६
 ,, दू. ३२६, ३३०, ३३१
 ,, ती ४८, १३३, १७३
 नाडूलगढ दे. नाडूल ।
 नाडूलाई ती. १३४
 नाडोळ दे. नाडूल ।
 नाडोलगढ ते. नाडूल ।
 नायवांणी ती. २२८
 नाथूसर दू ७५, १२३
 नादियो दे. नांदियो ।
 नापावस दू. १६३
 नाभासर दू. १२३
 नारगगढ ती. १७४
 नारणसर दू १३५
 नारदणो प १६२
 नारदरो प १७७
 नारनोळ ती. १५१
 नारायसो प. २६०

नाळ हू १२८
 नासिक प. १, १२२
 नाहरळाव प. १७८
 माहवार हू. १३
 नाहेसर प ४२
 निरवांणो प ३२०
 निवाई प ३१४
 नीवडी हू २११
 नीवली प १६५
 ,, हू. १२, १३४, १३५, १३७
 नीवा ती २२५
 नीवांवरी ती. २२५
 नीवाज प. ६०, १५७, १५६
 ,, ती. २३५
 नीवाडो ती २३७
 नीवलायां हू १२
 नीवाळियो हू १२
 नीवुडो प १७५
 नीवोडो प. १७५
 नीवोळ प. ६२
 ,, ती. २३६
 नीवोवरी ती. २२५
 नीतोडो प १७४
 नीनरिया हू ५
 नीभिया हू. ५
 नीमच दे मीमच ।
 नीमान दे नीवाज ।
 नीलकठ प २३६
 नीलपो हू ३२
 नीलावो हू. १४८
 नीलिया प. ८६
 नीलेर प. १७५
 नीवाई प. २८७
 नूहन प १७६
 नेउवो प. ६२
 नेगरडो हू ६

नेछवो प. ३५८
 नेडांण हू. ३६
 नेनरघाडो प. १८०
 नेहडाई हू ४, ६
 नेणवाय प. ११०, २८३
 नेणेर प. ६४
 नेख हू ३६, ११७, ११८, १२७,
 १३४, १३५
 नेख-चारणवाळो हू ३६
 नेख-सेवडो हू. ११७, ११८, १२७, १३४
 नेहर प. १७६
 ,, ती १८

प

पचळ देस प. ४५
 पचाळ हू ३७, २४२
 पजाव प ३००
 पई-मघारो प. ४३
 पखाळव हू २२१, २५६
 पखरीगह प. २१०
 पछवाळो हू ४
 पटाऊ प. २४२
 पट्टन दे. पाटण ।
 पट्टनखेह दे खेह ।
 पट्टन-देवको प. २१३, २१४, ३३५
 पट्टन-प्रभास प २१३
 पट्टन-शिव प. २१३
 पट्टन-सोमनाथ प. २१३
 पठार प. ४४
 ,, ती. २४०, २४१, २४७
 पडावळ प. ५४
 पडिहारो ती. २३३, २५०, २५१
 पथग प. १७३, १७४, १७५
 पडोळयां हू. ३०४, ३१७, ३१८
 पनवाड प. ३१५
 पनोतो हू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६	२७७, २८७, २३६
पवई प १२७	॥ व ३३, २३४, २५८,
पवउवो प. १२८	२५६, २६६ २६७.
पमाणा प १७४	२६६, २७२, २७३
परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,	॥ ती २६, ४६, ५०,
३१२	५३, ५६, ५८,
परवर गाव प ३६०	२८५
पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४	पाटण (बूदी) प १०८, ११३
पलू (पळू) ती २२६	पाटरिगा (प्रदेश) दू २५८
पल्लू ती १७३, २२६	पाटरी दे पाटडी ।
पश्चिम-रेलवे दू २६६	पाटोदी (पाटोधी) प. ८६, २४३
पाचडो प १७४	पाटरी दू १८५
पांचनडो दू १८७	पाडलोळी प ४७
पांचपदरो दू. १८६	पाडूीव प. १५५, १७६
पाचलो प १७५, १७८, २००	पातवर-चारणारी प १८०
॥ दू १७०, १७५, १८७	पातळसर ती २३३
पाचाडी-भाहरो दू. ६५	पातळासर ती २३३
पाचाल प. ४५	पाताळदेश प १६२
॥ दू २४२	पाद्रोड प ४१
पाडरी-भाटों-री प. १८०	पाद्रोलायां दे पद्रोळाया ।
पाडवारी प १२७	पाघोर प १७६
पाणीपय ती. १६	पानीपत दे पाणीपय ।
पांथावाडो प. १७६	पानोरो प. ३८, ३६
पानीलो प २४३	पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
पांसवो दू २५३	॥ दू. ३८, ५१, ५४, ५५,
पांसुवाळा प १७६	२१४
पाखड ती. २	पारसी (पारस) दू. २४२
पाटडी दू. २५८, २५६	पाल दू. ३८
॥ ती. १७४	पालही प. ३२, १५६, १५८, १६२,
पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,	१६८, १७५ १८०
११३, १८६, २५३	पालडी वाहरली प. १७७
२५८, २५६, २६०,	पालही-माहेली प १७७
२६१, २६३, २६४,	पाळडी रावळां-री प १८०
२६५, २६६, २६७,	पालसी प १७८
२६६, २७१, २७२,	पाली प. २०७, २०८, २०९, २११,
२७३, २७४, २७५,	२१२, २३५, २३६, २४१

,, दू १६६, १८०, २७७, २७८
 ,, ती १३०, २३५
 पालीताणो प ३३५
 पावट दू. ३८
 पाषाणत ती २५
 पाहरांदगढ प १२७
 पाहुवेरो दू. ११, १११
 पिडरवाडो प १७४
 पीडवाडो प ४१
 पीगियो प १७६
 पीछोली प ३२
 पीठवाडो दू १११
 पीढी प ८८
 पीथापुर प १५८
 पीथासर दू. ७६, १३६
 पीथोली प १७६
 पीपळ-वडसायो दू ५३, ५४
 पीपळवो दू ६
 पीपळहडो प. ४३
 पीपळाई प. ३२०
 पीपळी-रावळां-री प. १८०
 पीपळू प. १११, १२४
 पीपळो दू ६५
 पीपलोण प १६७
 पीपाड़ प ११४, ३४१
 ,, दू १५०, १८६, १६३
 ,, ती ८८, ६४
 पीरान-पाटण दे पाटण (गुजरात) ।
 पीळियोळाळ प. १६
 ,, दू २६२
 पीहलाप प. ३४७
 ,, दू. १२२
 पुजूरी प ८६
 पुनपुरी प १७६
 पुर प १४, ३७ ४७, ५३
 ,, दू १५१

पुष्कर प. २४
 पूगळ दे. पूगळ ।
 पूजा-साठियारी-घरती प. २७७
 पूगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४९,
 ,, दू १०, ११, १२, ४२,
 ११०, १११, ११३, ११४,
 ११५, ११६, ११७, ११६,
 १२०, १२२, ३१२, ३१८,
 ३२४, ३२७, ३२८
 ,, ती. ३१, ३३, ३४, ३६
 पूछणो दू. १६४
 पूनो प २०६
 पूनासर दू ६६, १६३
 पूरव-रो सूवो प. २६७
 पेथापुर प. १७५
 पेथोडाई दू ६, ८
 पेरवा प. १७६
 पेशावर प. ३०२
 पेशवा-चारणां-रो प. १७६
 पैळाइतो प ११४
 पैसोर प ३०२
 पोकर दे पुष्कर ।
 पोकरण प १८६, २३६, ३५७
 पोकरण दू. ६, ११, १६, ५३,
 ७४, ७५, ७६, ८०,
 ८४, ६७, ६६, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, ११३, ११७, १३१,
 १३२, १३८, १४४, १८३,
 १६६, २००
 ,, ती. १०३, १०४, १०५, १०६,
 १०७, ११०, १११, ११२,
 ११३, ११४
 पोछीणो दू. ३३
 पोडलियो दू ६
 पोलावास प. २४०
 पोसतरा प १७५

पोसांगो प. १६२
 पोसाळियो प. १७७
 प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासक्षेत्र ।
 प्रभासक्षेत्र दू. ३
 प्रयाग प. १३२
 ,, ती २७६
 प्रोहितवाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
 फतहपुर दे फतपुर ।
 फतपुर प. ३१२
 ,, ती १६२, १६३, १६४, २७३,
 २७४
 फळवध प. १७७
 फळसूड दू. १०४
 फळोडी दू. ४
 फळोधी प. ६०, ३५०
 ,, दू. ११, ६८, ७७, ६४,
 ६८, १०६, ११३, ११४,
 १२२, १२४, १२८, १२९,
 १३०, १३१, १३२, १३६,
 १३८, १४१, १४३, १४५,
 १५२, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६६, १७६,
 १७७, १८०, १८१
 ,, ती. २८, १०३, १०५, ११४
 फागुणी प. १७६
 फारस ती ५५
 फिरसूळी प. १७४
 फुलाज दू. १८६
 फूलसरेड प. १७६
 फूलियो प. २६, ३७, ४८, ११०, २७६
 ,, दू. ६
 ,, ती. २२२

व

वगस प. ३१६, ३३१

वगल ती. १८६, २६६
 वगाळो दे. वंगाळ ।
 वठास प. ३१६
 वध दू. १११
 वधटो दे. वांधटो ।
 वधध प. १३२, १३३
 वधदगढ प. २०, १३२, १३३
 वधवो प. २०
 वधो ती. २२४
 वंभणवाड-घाळकोड दू. २३६
 वभारो प. ४५
 ,, दू. २३६
 वंभोरी-रो-परगनो प. ११६
 वभोरो प. ४३, ४५
 वग प. १७६
 वगडी प. ६०
 वढोदा (गुजरात) ती. २५
 वढोवो (सीरोही) प. १७५
 ,, ती. २५
 वधनोर प. ५३
 वघाउडो दू. ६६
 वमू ती. २३३
 वरडो दू. २२०, २२६
 वरियाहेडो . ३३४
 वळदुरो प. १७७
 वळोर प. ६४, ६६
 वसाड दू. ४
 वह दू. १३४
 वहलवो दू. १७१
 ,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३,
 २५५
 वांगो प. ६७, ६८, १०१
 वांट प. १७५
 वाडी ती. १७
 वांधडो दू. ४, १११, १६३, १६४,
 १८६, १६५

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।
 बाधव-रो-मुलक प. १३२
 बांभणघाट प. १७६
 बांभणहेडो प. १७६
 बांभणीका-गाँव (प्रदेश) दू. ८
 बांभोतर प. ६६
 बांभोरो प. ४३
 बांसवाड़ा दे० बांसवाहलो ।
 बांसो ती. २३७
 बांहालो दू. ४
 बाकरलो प. ४७
 बाकारोली प. ६८
 बाघलप प. २३६
 बाचारांवाली दू. २६०
 बाटवडोव प. ८०
 बाटियो प. १७६
 बाडमेर दे० बाहडमेर ।
 बाहेल-बांभणां-री प. १८०
 बापडोतरो प. २४८
 बापणसर दू. ६
 बापला प. १५८
 बार प. २५२
 बारवरडी प. ४३
 बारू दू. १२, १४०, १४२, १४३ दे० बारू
 बारू-छाहिण दू. ५३, ७३
 बाळघो प. १७३
 बालपुर प. २३७
 बालां दू. १८३
 बालांगो दू. १४२
 बालां-रो-गाव दू. ४
 बालापुर प. २६७
 ,, दू. १८२
 बालभेट प. २५२
 बालो गूबोच रो दू. १६३
 बालो भाव्राजण रो प. २३६
 बालोतरा प. ८६, ३३३

बालोतरा दू. १३०
 ,, ती. २२६
 बाहडमेर प. १४३, १४८, ३३३, ३३७,
 ३३८, २६१, ३६३
 ,, दू. १२६
 ,, ती. ३, ४, ११३
 बाहतर-वड-गुजरां वाली दू. १६२
 बाहरडो प. ४३
 बाहरली-पालडी ती. १२४
 बाहरोट- रो- पधग प. १७३, १७४
 बाहिरलो वास प. २४७
 बाहुल प. १७६
 बिटडियां ती. १०६, ११०
 बीकानेर दे० बीकानेर ।
 बीजवा प. १८०
 बीजापुर ती. २७७
 बीभोली प. ४४
 बीड दू. ६८
 बीलाडो दू. १५०, १८७
 बीलेसर दू. २२६
 बीसलपुर प. ४५
 बू देलखंड प. १२७
 बुगलाण ती. २१८
 बुचकठो दू. ८
 बुज दू. ७८
 बुजडो प. ३२
 बुजेरो दू. ४
 बुडकियो प. ३५७
 बुडूण प. १२८
 बुढारो दू. १३६
 बुधेरो-दू. १६
 बुधे-रो-खरड दू. ११, १६
 बुरवटो-भोईसां-रो दू. १७२
 बुरवटो-लवेरा-रो दू. १८६
 बुरहानपुर प. २५, ७७, १२०, १३१,
 १६७, २००, २३४, २३५,
 २६८, ३१६, ३२१

बुरहानपुर झ. १५६, १५८, १७०, १७२
बूटेची झ. १८०

बूदी प. २६, ३७, ३८, ४४,
४६, ५६, ६७, ६६,
१००, १००, १०१, १०२,
१०३, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११७, ११८, २८०, २८३

„ झ १७१

„ ती २४१, २६६, २६७, २७२

बूदेली प. १६

बूनाडो प १७६

बूट प २७

बूटडी प. १७६

बूटेलाव झ. १७७

बूढहर झ १२

बूराळ प. १७५

बूसियो प १७८

बेघू प. ५३

बेहछो प. १२८

बेदलो प ३२

बेहडो प. ४१, १७६

बेहु सिधलवाळी प. ११५

बेहगटी प ३४८, ३५१, ३५२

„ ती. ७, १०३, १०५

बेराई झ १७०, १७२, १७५, १६०

„ ती ६०

बेराही वे० बेराई ।

बेरु झ. १६८

बेरोळ ती. २३६

बोपडा प ४२

बोहूषी झ १८०, १८१

बोडानडो (बोडानाडो) झ. १८०

बोघरी झ ५

बोरबो प. ३४०

बोळ झ १६६

बोळो झ ४

बोहरावास प. ३६०

बोळी ती ६८

ब्यावर प. ३८

ब्रहमंड प १६२

ब्रहमाण प १४६

ब्रहानपुर वे० बुरहानपुर ।

ब्रहसर झ २, ४, ३६

ब्रह्मावासणी झ, १६६

ब्राह्मणवाडो ती १७४

भ

भंडण झ १११

भंभारो झ ४

भवरी प २११

भगतावासणी झ. १६७, १७३, १७४, १६४

भगवतगड प. ४७

भटनेर प. २१२

„ झ १६, १२२, १२३, १२४

„ ती १५, १६, १७, १८, १९,

१६२, २२१

भटिडो झ १०

भट्टी प २६८, ३१६

भठी प २६८

भडियाव झ १

भणांय प. ६४, ६५

भवलो झ. १२

भदांण प. २५०, २५१

भदांणो प. २५१, २५३

भदावर प १२८

भदावर-रो-मैडो प १२८

भदियावद प १२३

भनाई ती २२४

भरवळ (भडोव) झ. १६

भरोसर (भरेसर) झ, १३७

भव प. १६२
 भवणो प ३२
 भवराणो प २११, २३७
 ,, हू. १६७
 भाउडो दे० भाउडो
 भागेसर हू. १६४, १६२, १६४, १६७
 भाडोतर प. १७६
 भाडोळाव हू. १५१
 भाणगढ प २६६
 भाणल (?) हू. ६१
 भातावास प २३६
 भांनियो हू ६
 भांभेरो हू. ६, ३८
 भांभेळाई हू. १५०
 भांमरा १७८
 भांमोळाव प ३६२
 भांवरो हू. ४
 भाहरो हू. १६६
 भाउडो हू. १५३, १५८
 भाखर हू ३१
 भाखरी हू. १७०
 भागवो प. २००, २०१
 भागीनडो हू. ६
 भागेसर हू. १४६
 भाचराणो प. २३६
 भाचाहर हू. १११, १२६
 भाटराम प. १७५
 भाटरो प ६१
 भाटवो प. २४८
 भाटांणी प. १७५
 भाटी प ३१५
 भाटीपा हू १५
 भाटीव प. २४१
 भाटीवटी हू. १५
 भाटेर हू. १६४
 भाटेवो (भाटो?) प २४८

भाटोद प. ४१
 भाठवां ती १८
 भाडंग ती १३, १४, १५
 भाडली प. १७६
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
 भावळो ती. २२५
 भादासर हू. ४
 भाद्राजण प. १५८, १६०, २०६, २१०.
 २१२, २३६, २३७, २३६,
 २४०
 ,, हू १४६, १४७, १५८, १६३,
 १६७, १८१, १८६, २७८
 ,, ती. २५६, २५७, २५८
 भाद्रावळ हू. २१६
 भाद्रेसर हू. २१६, २२०
 भारत प. १४७
 ,, ती. १७३
 भारमलसर हू. १०४, १३५
 भालाही हू. ६६
 भालेसरियो हू. १८०
 भावी हू. १६४
 भाहरजो प १७४
 भाहू प. १७४
 भाहरो हू ६५, १८६
 भिणाय दे० भणाय।
 भिणियांणी ती. ११२, ११३
 भिरडू ती. २८
 भिरडूकोट दे० भिरडू।
 भौव-रो-तोडो प. ३०१
 भौवासर हू ६८
 भोडवाडो प. ३८
 भीतरोट प ४६, १५१, १५२, १७३
 भीतरोट-रो-पयग प १७३, १७४
 भीदासर हू. १३५
 भीनमाळ प. १३६
 ,, ती. २३

भीमार्णो प. १७४
 भीमेल प ६१
 भीलडांनो प १७६
 भीलडियो प. ६०
 भीलडो-नान्हो प. १७६
 भीलमाळ वे० भीनमाळ ।
 भीलवण प ७६, ७७
 भुज प ३६४
 ,, हू १५, १६, २१४, २१८,
 २२०, २२५, २३८, २४४,
 २५३
 भुजनगर वे० भुज ।
 भुडहड हू. १८२, १८३
 भुरखिया प ६१
 भूहू प. १६८
 भूडेल प. ३४७, ३४८, ३५०
 भूण हू ६
 भूणोव प. ४१
 भूभळियागढ ती. १७४
 भूभळियो प. ६०
 भूभादडो प २४१
 भूकर ती २२३
 भूकरको ती. २२३
 भूकरी ती. २२३
 भूकाणो प १७६
 भूका वे० भूखो ।
 भूखो प ३५६
 भूतगांव प. १७७
 भूतेल प २४१
 भूमळियागढ ती १७४
 भूषो हू ६
 भूटनडो हू ६०, १५६
 भूटाळो प २४७
 भूड हू ६५
 भूडू ती २२५, २८२, २८३, २८४
 भूडो प. १७७

भूण्डेवो हू १०
 भूसडो हू. २, ३६, ६५
 भूसरोड प. २०, २६, ३८, ४४,
 ४५, ४६, ५२, ६५,
 ६७, ६८, २८०

भैरवी-राणा-री प. ६६
 भोजनेर प ११७
 भोजू हू १८६
 भोपाळ (?) हू. ६१
 भोरठ प ४०
 भोवाव हू १६२
 भोवावी हू. १६१
 भोवाळ प. ३०६
 ,, हू १६०

म

मंगळीका-पळ हू ३१
 मचलो प १६२
 मंडळ प. ४३
 मंडळगढ प. ५३
 मंडळप हू ४१, ४२
 मडावरो हू. १८६
 मडाहड प १७३
 मडोर वे० मंडोवर ।
 मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,
 ३४८
 ,, हू ६६, ३०८, ३०९, ३१०,
 ३३६, ३३७
 ,, ती. १०, १२, २८, १३०,
 १३२, १३५, १४०, १४१,
 १४६, १५८, १६०, १६१,
 १६४, १६६, १७३, १८०,
 १८२, १८४, २१३
 मडोहर वे० मडोवर ।
 मवसोर प. २७, २६, ३७, ४६,
 ६४, ६५, ६६
 मऊ प. ११३, ११४, ११५, २५२,
 २५६, ३६०

मऊ द्व. २६२
 मकरोडो प. १५८
 मकवाळ प. १७५
 मकावळ प. १७५
 मकावळी प. १७६
 मक्का द्व. ४६
 मगराउधो प. १७८
 मगरो प. १७३, १६३
 मगरो द्व. ३१४
 मगरो-भोरो प. १७३, १७६
 मगरोप प. ५६, ८८
 मगरोपगढ ती. १७३
 मचीद प. ४१
 मद्यवाळो द्व. १४४
 मट्टण प. ३२
 मढली द्व. १६१
 मढलो प. ३६२
 मणोहरो प. १७७
 मतीडो द्व. १५६
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
 ,, द्व. ११, १६, १४०
 ,, ती. २०६
 मदार प. ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
 मदारडो प. ४१
 मदासा द्व. ३६
 मनदसोर प. ४६
 मनसोर द्व. २६३
 मनोहरपुर प. ३१८, ३१६, ३२६, ३३२
 ममणवाहण द्व. १०
 दे० मृमणवाहण ।
 मरुप्रदेश द्व. ३१, २६६
 मरुस्थल द्व. ३१
 मरोठ द्व. ११५, ११७, १२०, १३७,
 १३६
 ,, ती. ३४, २२०
 दे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोठ ।
 मलकासर ती. २३०
 मलार द्व. १४७, १८५
 मलारणो ती. ६८
 मलीरणो प. ४७
 मल्हार दे० मलार ।
 मवडी दे० मोडी ।
 मवडी-भाटा-री प. १७६
 महकर ती. २१४
 महमदाबाद ती. २८
 महसाना जंक्शन द्व. २६६
 महाजन द्व. १११
 ,, ती. २२८
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 दे० मरोठ, मारोठ, महारोठ
 महियड द्व. ३८
 महीकांठा द्व. २७६
 महीनाळ प. ४४
 महेंव द्व. १८७, १८८, १६०
 महेंवो दे० मेहवो ।
 महेंसरी प. १७६
 महेंसियो द्व. १४६
 माकडो प. ४५
 मांगळो द्व. १५४
 मांगळोद प. २६३
 मांगळोर प. २६३
 मांचाळो प. १७७
 मांडणसर द्व. १२६
 मांडणी प. १७७
 मांडळ प. ६८, १२४, १७६, ३०१
 ,, द्व. ३४२
 मांडळगढ प. २६, ३७, ४४, ४७,
 ४८, २७६, २८०
 ,, ती. १७३
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
 ५६, ८२, ८७, ८७,
 ६१, ६६, १०२, १२२,
 ,, दू. २६२, २८५
 ,, ती १, १३६, २४०, २४३,
 २४४, २४७, २४८
 मांडवगढ ती २
 मांडवाडो प. १७४, १७७
 मांडवो प १७६, २३६
 ,, दू १५०, १७१, १७४
 मांडहडगढ ती. १७३
 मांडहो ती. १२३
 मांडाळ दू १३१
 माडावरो दू १८६
 माडावाडियो प. १७७
 माडावाडो प. १७८
 माडाहडो प. १७५
 माडाही दू ६
 माणकळाव प. २४१
 ,, दू १७६
 माणकियावास दू १४६, १८६
 माणच प. ४३
 माणेवी दू. १७५, १७६
 मानपुरो प. ३६, ३८, १७४
 मांहिलोवास प २४७
 माछ प ४७
 माटपर्णा प १७६
 माटासण प १३६, १७६
 माड दू. २१, २२, २५, ६३
 माडपुरो प. २८५
 माड-राठी वाळी दू ३३
 माडाऊ दू ४
 मायको दू २५६
 माथासरो प १६३
 मादडी प १६५
 मादळियो दू ७६, १६६

मायथी दू. ४
 मारली प. ११५
 मारवाढ प. १५, १७, २१, २५,
 ३१, ३५, ३८, ५५,
 ६०, ६२, ८८, ८६,
 ६०, १२२, १२३, १४७,
 १४६, १६४, १६५, १८७,
 १६३, २०४, २०७, २०६,
 २११, २०३, ३०४, ३३३,
 ३३७, ३३८, ३६१
 ,, दू. १०५, ११०, १३०, १५८,
 १७२, २६१, २६८, २७७,
 २८०, ३४२
 ,, ती. १०, २८, ८३, ८८,
 ६५, ६६, १०५, १२०,
 १२४, १७३, २१४, २२६,
 २३७
 मारेल प. १७५
 मारोट दू. १०
 दे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोठ
 मारोट दू. ५३
 दे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोठ
 मारोली प. १७७
 माळ प १४६
 मालकोट ती. २१५
 मालगडो दू ४
 मालगढ प. ६०
 मालणियाळ दू. २५५
 मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,
 २८०, २६६, ३०६
 मालव प. ४, ५३, ६४, १८५
 मालवदेश ती. १७३
 माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४
 ,, दू. १६३
 मालांणी प. ३१, ३३३
 ,, दू. २१६, २८०

मालांणी ती २८, २५६
मालागांव प. १७५, १६६
मालाजाळ दू. १३०, २८४, २८५
मालानी दे० मालांणी ।
मालावास प. १८०
माळियो दू. २५३
माळीगडो दू. ३२
मालेर प. ३३२
मालेरी प. ८
माल्हणसू प. ४१
माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
माहिडियाई दू. ८
माहोली प २१, २०७
मियां-रो-गुढो प १०१, ११७
मिलकापुर प. ३०१
मिलकी-अभिरांमपुर प. ११४
मिळसियाखेडी ती. २४२
मीया-रो-खेडो प. १०२
मीठडियो दू १२५
मीठोडो प. १६६
मीतासर दू ३२१, ३२२
मीमच प. ३७, ३८, ४६, ५३,
६२, ६३, ६५
मीरमीप (मीरमी-पहुवो) प. ४७
मुगाह दू ४
मुजपुर दू. २५६
मुंडवाय दू १६५
मुंदरडो प १७४
मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और
ममणवाहण ।
मुकुवपुर प. १३३
मुणावद प. २८४
मुथराजी दे० मथुरा ।
मुरघराखड दू ३८
मुलतांण प. ८, ३५३

मुलतांण दू १२, २२, ११३, ११४,
११५, १२०, १३७, १४२,
३१३
मुलतान दे० मुलताण ।
मुहार दू. ५, ६, ८
मूठली प. १६५
मूडखसोल प. ३२
मूडयळ प १५८
मूडयळो प. १७४
मूडळवेस प. ४३, ४५
मूडळ मुलक दे० मूडळवेस ।
मूडलो प. ३८
मूडेडी प १७७
मूडेळाई दू. १३२, १४४
मूणावद्र प १७७
मूघियाड प. ३३६
मूमणवाहण दू १०, ११५, ११७, ११६
मूसावळ प १५८
मूळ दे० मूळी ।
मूळपुरो प. ३८
मूळी दू. २५८, २५९, २६०
मूळी-रो-परगनी दू २६०
मेऊ दे० मऊ ।
मेघां-रो-गांव दू. १३६
मेडतो प. १३, २६, २८, ३५,
६०, ६२, २३६, २४०,
२४१, ३०२, ३०४, ३०६,
३२३, ३३६, ३५४
,, दू ६, ३१, ११६, १२५,
१३८, १४७, १४८, १४९,
१५०, १५१, १५३, १६०,
१८७, १६२, १६३, १६८,
१७३, १८६, १९६
,, ती. २८, ६३, ६४, ६५,
६८, १०१, १०२, ११५,
११६, ११७, ११८, १२०,
१२१, १२२, २१५

मेढो प १५८, २४७
 मेढी-रो-माळ दू ३४
 मेदपाट प ७
 मेदसर ती २२७
 मेरता दे० मेडती ।
 मेग्वाडो प ४५
 मेरवाडो वड प ४५
 मेरियोवास प. ३४३
 मेलांगरी प १७४
 मेवडो प १७६
 मेवरो दू १५६, १५६, १६०
 मेवल प ४३
 मेवल-मेरां-री प. ४५
 मेवाड प १, ३, ४, ६,
 ७, ११, १६, २४,
 २६, ३६, ४०, ४२,
 ४३, ४४, ४७, ४८,
 ५५, ५६, ५८, ५९,
 ६४, ८६, ९०, ९१,
 ९६, १३६, १३७, १४४,
 १८६, १८६, १९७, २३२,
 २६५, २८२, २८४, ३४२,
 ,, दू. ३८, ६३, २६२, २६३,
 ३३५, ३४३
 ,, ती ६, १०, १२, १३६,
 १३६, १६२, १६४, २३६,
 २४७, २६६
 मेहगडो प २३८, २३६
 मेहर दू. ३१
 मेहलांणी प २३८
 मेहळी प. २३६
 ,, दू १८५
 मेहवानगर दे० मेहयो ।
 मेहघो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०
 ,, दू ५४, ६८, ८४, ९०,
 ९६, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,
 २८४, २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९२,
 २९३, २९४, २९७, २९६,
 ३००, ३०७, ३०६, ३२०
 ,, ती. ३, ४, ५, २३,
 २४, २८, ५८, २५१,
 २५२, २५६, २८०
 मेहाकोर दू. १२२, १२३
 मेहाजळहर दू. ७८
 मेदानो प २५२, २५६
 मेहकर दू १६०
 मोकरडो प १७४
 मोकळनडो दू १८३
 मोकळाइत दू. ४
 मोकीली प. ५२
 मोखेरी दू ६५, १६५
 मोजावाद प, २८७, ३१४ दे० मौजावाद
 मोटपुर प. ११६
 मोटाण प. १८०
 मोटासण प. १७६
 मोटासर दू ११, १११
 मोटेळाई दू १११
 मोडो प १७५
 मोरथळो प. १८०
 मोरवो प. ३५६
 मोरवी दू २१३, २१४, २६०, २६१
 मोरवडा प १७६
 मोरवण प. ६३
 मोरियांवाळो दू. १११
 मोलेळो प. ४०
 मोलेसरी प १७६
 मोहनी प. १२८
 मोहारी प ३१३
 मोहिल-मांकडो प. ४५
 मोहिल-मांकडा रो परगनो प. ४५

मोहिलावाटी ती. १५३
 मोही प. ३७, ४७, ५२, ११६
 मौजावाद ती. ६८ दे० मौजावाद ।
 मौड़ी प. १६४, १६५
 म्निगासर ती. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६
 रड़ोद दू. १५७
 ,, ती. ६५
 रणथंभोर दे० रिणथंभोर
 रतनपुर प. ४४, ६२, ६४
 रतनपुर-री-चौरासी प. ६४
 रतबड़ी (रैवड़ी ?) प १६४
 रतलाम प. ६४
 ,, ती २५
 रबीरो दू. ४
 रघणियो दू १७५
 रहवाडो प. १६२
 रांणकवाडो प. १७५
 रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
 रांणाई प. ५
 रांणासर ती. २२६
 रांणी गांध (पारकर) प. ३६४
 रांणोर-रायमल वाळी दू १२५
 रांणेरी दू १३५
 रांणैहर दू. ११, १११
 रामगढ प. २५२, २७६
 रांमडावास दू १८०, १८६
 रांमपुरो प. २६, ३८, ४५, ४६, ६५
 ,, दू १७६
 ,, ती. २३६, २४०, २४६, २४७
 रांमसर दू १३५
 रांमसेण प. १४४, १४६, ३३७

रांमावट दू. १६२
 रांमेस दू. ३८
 रांयण दू. १३८
 रांवणियांणो दू १८७
 रांहिण प. २६, ३१५
 राकड़बो दू ३६
 राखांणो प. २३६
 राजकोट प. २७१
 राजगियावास दू. १६१
 राजपीपळो प. ८८
 राजलो-तेजा-रो दू. १५०
 राजस्थान प. ४८, १४७
 ,, दू २५८, २६६, २७८, २८७,
 ३३२
 ,, ती १४, १५५, १७३, १८१
 राजासर दू. १११
 ,, ती. २१
 राजोडो प १७८
 राजोद दू. ११६
 राठ प. १०५, १२७
 राठ-कोदमियो प. १०५
 राडघरो प. २२८
 ,, दू ६७, १७६
 ,, ती २५६
 राडवर प. १७७
 रातोकोट प ३३८
 राय-कोहरियो दू १८८
 रायघणपुर (राघनपुर) प. ३३७
 रायपुर प. ३१४
 ,, दू. २६२
 ,, ती. २३६
 रायपुरियो प. १७५
 रायमलवाळी दू. ११, १११
 रायमो प २३७
 रावतसर दू. ४
 ,, ती. २२६

रावर प ४७, ३१५
 रास ती. २३५
 रासा-रो-गुढो दू १३१
 राहड़ दू, ३३
 राहिण दे० राहिण ।
 राहुषो प १७५
 रिख-विसळपुर प. ४५
 रिद्धियो दू ८
 रिढी दू. ६
 रिणयभोर प ३७, १०३. १०४, १०८,
 ११०, १११, ११२, २७६,
 ३००, ३०१
 ,, ती. ६६, १८४
 रिणधीरसर प ३४६
 रिणमलसर दू ६२, ६६, १३८
 रिणी प. २१२
 ,, ती. १५४
 रिचडी दू. १४७
 रिषद्र प १७५
 रिषियो प १७६
 रिषीकेश (भाबू पर्वत) प. १७८
 रीछडी प १७६
 रीछेर प. ४०
 रीयां दे० रेया ।
 रीवां प १३३
 रीवी प १७५
 रीयां प ३२
 रीण प ३४२ ३४४
 ,, ती ८, १४१
 रीणकोट प ३३६
 रीणवाय प. ३३६
 रीवियो दू १६३
 रीपनी प. ४०, ४१
 रीपनी वासगोड प ४०, ४१
 रीपनगर ती २२०
 रीपाबाप प. २३६
 रीम मूम दू. ४५

रेतळो ती २८०
 रेयां प. ३०२, ३१४
 ,, दू. २०१
 ,, ती ६४, ६५, ६६
 रेवडो प. १६४, २३७
 रेवत दू १५०
 रेवली प. ४२
 रेवाडी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,
 ३२४
 रेतळो ती. २८०
 रेया दे० रेया .
 रेवासो प ३२०
 रोजेड प. १७६
 रोणधो ती. २२६
 रोह प १४६
 रोहचो प २३७
 रोहडी प. १२३
 रोहणवो दू १६१, १७२
 रोहाई प. १७३
 रोहाई-भीतरोट प १७३
 रोहिडो प ४२, ४७
 रोहितगढ दे० रोहिरगढ ।
 रोहिताश्वगढ दे० रोहितासगढ ।
 रोहितासगढ प २६३
 ,, ती १७४
 रोहिरगढ ती १७३
 रोहिलगढ दे० रोहिरगढ ।
 रोहिसो प ३४०
 रोहीडो प. १७४
 रोहीणी ती २२६
 रोहीणी ती २२६
 रोही-भीतरोट प १७३
 रोहीसी प. १६३
 रोहरो प. १७६
 रोहवो प १७५

ल

लका कू. ३६, २४२
 लकडवा प ३२
 लखमरासर ती. २३३
 लखमेर प. १७६
 लखानखेडो प. १०१
 लदांगो प. ३०७, ३११
 लदांघण प. ३०७
 लबीह कू. ४
 लवांडण प २८७, ३०२
 लवांणागढ प. ३३२
 लवाणो प. ३३२
 लवेरो कू. १५०, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५९, १६०, १६१,
 १७४, १८६, १८८, १८९
 लांगरपुर प १२८
 लाणेली कू. ४, ८
 लांबियो ती. १२१, २३५.
 लाकडवाळो कू १११
 लाखडी कू. २०९, २१०, २११, २१२,
 २१६
 लाखा-रो-घट कू. ३२
 लाखासर कू १११, १३८
 लाखाहोळी प ३२, ४३
 लाखुटा (लाखोटा) नी पोळ ती ५५
 लाखेरी ती. २६७
 लाखेरी-गोडांघाळी प ११३
 लाखे-रो-गांघ प. ११०
 लाछडी प. २२८
 लाज प. १७६
 लाठी प. ३३५
 लाठी कू. ७६
 लाठीहर कू २६१
 लाडणू ती १५४, १५७
 लाडेलो प १७५
 लाघडियो ती. १३, १४

लायां कू. ३२७
 लालसोट प. ३१४
 लालांगो कू १८५, १८८
 लालावर कू. १११
 लास प. १७७, २८४
 लास-मुणाघद प. २८४
 लाहोर प २९३
 ,, कू. ५५, १४६
 ,, ती. २१४
 लिखमडी प. ३८
 लिखमीवास प १७७
 लिखमेली कू ६२
 लीकडो कू. १२
 लीकणो कू १४२
 लूद्रवो प. २५३
 लूद्रवो कू. ६, ८, १६, २६,
 २७, २८, ३३, ३४,
 ३५, ३६, ७६
 ,, ती. १७४, २२२
 लूणावाडो प ८६
 लूणोई कू ३६, ६६
 लोईयाणो वे० लोहियांणो ।
 लोटांणो प. १७४
 लोटीवाडो प. १७७
 लोटीती प ६२
 लोठीघरी प ६२
 लोदरी प. १७३
 लोलटो प ३५१
 लोलापुडी कू. ८
 लोलियांणो प ३३५
 ,, कू ६५
 लोवो ती. २३२
 लोहगढ प १८७
 लोहटवाली प १०१
 लोहडी कू १४१
 लोहवागढ ती. १७४

लोहसींग प. ४०, ४१
लोहावट दू. १६२, १६६, १८१
लोहियाणो प. १४६, १६०

व

वंको प. ६०
वगो दे० वांगो ।
वसहीगढ ती १७४
वगडो ती ८१, ८३, १०५
वघरेडो प. ६६
वछणोट दू. १३
वजु दू. ७६, ७७, १३६
वडगांव प. ६६, १३६, १४६, १७७,
१७८

वडगिर दू. ६३
वडलो दू. १७२, १६४
वडवज प. १५६, १७५
वडवाळो प. ४३
वडांणी दू. ८५
वडी प. ३२
वडेरण दू. १११, ३०४
वडेर-रा-गांव प. ११५
वडोद प. ८१, २५२
वडोवती ८१
वडोदो प. १७६
वडवाण दू. २५६, २६१
वणखेडो प. १११
वणहटो प. ३१४
,, ती ६८
वणहडो प. ४७
वणाड दू. ३३
वणाटो दू. ६७
वणोर प. ५३
वदनोर प. १७, १८, २६, ३७,
४७, ४८, ५३, ११०,
११६, १८६, २८०, २८१,
२८२, २८३, ३४०

वधनोर दे० वदनोर ।
वरकाणो प. १३७
वरजागरो दू. १३६
वरजांगसर दू. १६६
वरणो प. ४१
वरवाडो प. ४१
वरवाडो प. ४१, ४७
,, ती ६८
वरसडो प. ३२
वरसलपुर दू. १०, ११०, १११, ११७,
११६, १२०, १२१, १२६,
१३५
वराहील प. १७६
वरियाहेडो प. ३३४
वरिहाहो दू. २५
वसाड प. २६, ४६, ५३, ६४
वसो प. ५१, ६६, १५१
वहवडो दू. १३६
वांकानेर दू. २५६, २६१
वागो दू. २२६, २३१, २३२, २३३
वासडो प. २८५
वासरोट प. २८५
वासलो प. १
वासवाळो दे० वासवाहलो ।
वासवाहलो प. १४, २६, ३७, ३८,
३९, ४३, ४६, ५३,
६६, ७०, ७३, ७४,
७५, ७६, ७७, ८६,
८७, ८८, ९४
वासवाहलो ती. २६३
वासियो-पोपळियो प. ६४
वासोर दू. ३२६
वासोलो प. ६१, ६२
वागड प. ५, ७०, ८६, ८७,
८८, ११६
,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४
वागडियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर ।
 वाघरड्डो प. ६२
 वाघसणो प १७७
 वाघार प. १६२
 वाघावास दू. १८८, १९८
 वाघोर प ४०, १७६, ३०२
 ,, दू. १, १६, २३२
 वाघोरियो प. ३३८
 वाचडा प १७७, १७९
 वाचडा-बीजो प. १७७
 वाचडोल प. १७५
 वाचण दू. २५९
 वाचाहडा प. १७८
 वाचेल प. १७५
 वाजणो प. ६०, १०७
 वाभुनाहयो दू. ८
 वाटेरो प. १७४
 वाडो दू. १५०
 वाणारसी प. ११२, १२८
 वाप प २१२
 ,, दू. १२, ११४, १२७, १३१,
 २००
 ,, ती. २२३
 वाय ती. २२३
 वारणाऊ दू. १६०, १७५
 वाराहो दू. ३२
 वारु दे० वारु ।
 वालजीसर दू. ९९
 वालरवो दू. १६४, १६५, १६७, १६८
 वालिया प. ९१
 वाळेसर दू. १२९
 वाव प. १४९, १७२, ३६५
 वावडो दू. १२, १४०
 वासडेसो-भाटा-रो प. १८०
 वासडो प १६२
 वासण प. १७७
 वासणडो प. १७९

वासणपी दू. ४, ९, १०, ७२
 वासणी प. २३९
 ,, दू. १७५
 वासणी-लवेरा-री दू. १५४, १६०, १६१
 वासथान प. १७८
 वास-बाहिरलो प. २४७
 वास-माहिलो प. २४७
 वासरोड प. ४०
 वासुदेव प. १७८
 वासो प. १७४
 वाहिन दू. १४१
 विकूकोहर दे० वीकूकोहर ।
 विकूपुर दे० वीकूपुर ।
 विजाई दू. १४६
 विजियावासणी दू. १५०
 विमळोखो दू. १५९
 विलायत दू. २३६
 ,, ती १९२
 विल्हणवाटी प. १२२
 विसळपुर प ४५, ४७
 विसांइण दू. १७९
 वींजोराई दे० वींभोराही
 वींभोतो दू. ४, ११
 वींभोराई दे० वींभोराही ।
 वींभोराही दू. ६, ८४, ९७
 वींटली ती ९५
 वींठाडो दू. १०
 वीकमपुर प. २५३
 वीकानेर प. २५, ५१, ९०, १४९,
 २१२, ३०२, ३४९, ३५४
 ,, दू. १, २, ७, ११,
 १६, ३३, ३९, ७५,
 ८५, ९२, ९४, ९६,
 ९७, ११०, १११, ११३,
 ११४, १२३, १२४, १३०,
 १३१, १३२, १३३, १३७,
 १३८, १४०, १४५, १६४,
 १७७

धीकानेर ती. १५, १६, १७, १८,
१९, २०, ५१, ५२,
६०, १५१, १७६, १७७,
१८०, १८१, २०५, २०६,
२०७

धीकूकोहर प ३५१

धीकूकोहर दू १२२, १२८, १५७, १५९,
१७४

धीकूपुर प ३४६

„ दू १, २, १०, १२,
२५, ३९, ७६, ७७,
१०४, १०७, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११६, ११७, ११८, १२१,
१२६, १२७, १२८, १२९,
१३०, १३१, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३७, १४०,
१४१

„ ती. ३४, ३६, २६०

धीखरण दू. ३२

धीचवाडो प १७८

धीछूवो प ४७

धीजळी प. २३७

धीभणो प. ९१, ९२

धीभणोट दू. १३

धीभळवाळी दू १११

धीभवाडियो दू. ११९, १५१, १६०, १८७

धीभेवो प १३७

धीभोळाई दू ८

धीठणोक दू ११३, १२५, १३०

धीदू दू. १८६

धीदासर ती. २३०

धीनावास दू. १८६

धीनीतो प ६४

धीमणवो दू १२३

धीरपुरी प १५८

धीरमगाम (धीरमगांव) दू २१३, २५८,
२५९, २६०,
२६१

धीरमो दू. ३२

धीरवाडो प १७३

धीराणी दू ६०, १७४

धीराळियो-भाटां-री प. १७४

धीरोळी-वांभणां-री प. १७९

धीरोळी-भाटां-री प १७९

धीसळू प २३५

धीकरियो प ४१

धीघम प २९, ३७, ४४, ४९,
६२, ६३, ६४, ६५,
६६, २८०

धीघू प. ५३

धीठवास दू. १६१

धीडच प ३३, ३५

धीणातो ती २३१

धीरसलपुर दू. ११७, ११९, १२१, १२६,
१२९, १३०, १३५

„ ती ३७

धीरागर दू ३८

धीराट प. ३३२

धीपारी दू १४७

धीघार राणारी प ३८

धीमसर दू ३९

धीमाण प. १७५

धीहमाण प १४६

धीहानपुर प ३१९, ३२१ दे० धुरहानपुर ।

धीहानपुर प ७७ दे० धुरहानपुर ।

श

शत्रुजय दे० सेत्रुजी ।

शाहपुरा प ३२४

शिखरगढ दे० सिलरगढ ।

शिवपट्टन प. २१३

शेखावाटी दे० सेखावाटी ।

शेखासर दे० सेखासर ।

श्री महादेवजी सारणेसरजी रा गांवा

रो पथग प. १७३, १७८

श्रीमोर-परगनी ती. १५५

स

सतपुरी प. १७४

सभर प. २५०

सकतीपुर प. २३१

सकर प. १७६

सकराणो प. २१३, २१६, २१७, २१९

सजडाऊ दू. ४

सभाणो (सभाडो) प. २४०

सतापुर प १७७

सतारो ती १८१

सतावतां-रो-वास दू १७९

सतिआहो दू. १४२

सतिहाहो दू. १२

सतोही दू ७९

सर्घाणो प २८२, २८३

सपतदीप प. १७, १९०

सपत पताळ प. १९२

सपहर दू ४

समदडी प. २८, २३३

समदडो दू ३२

समावळी प २३३, २४१

„ दू १६४

समियाणो दे० सिषाणो ।

समोचो प ४१

समूभो प १६४

समेळ प. ३८, २०७

समोगढ ती. १९२

समोगर दे० समोगढ ।

सरऊपर दू ११६

सरकसर दू. ६७

सरणुओ प १८१, १८८, १८९

सरतावडो दू. १६२

सरेचो प. २७

सरोतरा प. १४६

सलखावासी दू. २८०, २८१

सलास प. १६८

सलूबर प. ३६, ३८, ३९, ४३,

४८, ६६

सधराडु दू. १६९

सवाळख दे० स्वाळख ।

साकरगढ प. २७९

सांखली दू. ३१

सांखू ती. २२४

सांगण दू. ६ ३९

सांगवाडो प १७४

सागानेर प. ३११, ३३१

सांगोव प ११४

सांचोर दे० साचोर ।

सांजीत दू. ३९

सांडवी ती २३२

सांडूडो प. १७५

सांणपुर प १७६

सांतरवाडो प. १७६

सातळपुर दू. सातळपुर ।

सांघाणो प. २४८

सांबो प ३४६

सांभर प. ५, १००, ११९, २५०,

३०६

„ दू ५६, २६६

सामई दू २१५, २३६, २३७, २३८

सामरलो दू १८३

सामळवाडो प १७८

सामूजो प. २४०

सांवडाऊ दू. १७९

सावत-कूषो दू १६९, १७१, १८१, १८६

सांवतसी-रो-गांव दू ४

सांवरलो दू १८२

सांवळतो दू. १९३

साकवडो प १७९

साघोर प १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८

साठ मडाहड प १७३

साठ-रो-पयग प १७५

सातळपुर हू २१४, २५३

सातळमेर ती ११४, २२०

सातवाडो प, १७८

सातसेण प. १७६

साथ्याणो हू १६०

सादडी प. ५, ५३, ५६, ४१,

४३, ४६, ५३, ६१,

६२, ६३

सादडी-भालांवाळी प. ५

सादियाहेडो प १०२

सापली हू ४, १३

सापो प २४१

साबो प ३४६, ३५२

सायरो प ४२

सारगपुर प २५२

सारगरो प. ४३

सारण प ३८

सारणेसर प १७३, १७८

सारसी हू २४२

साळ प १७७

सालेर-मालेर प ३३२

साळोडो प ५३, ५४

सावड प ८, ४७

सावडो हू २, ३१, ८१

साघर प १२२

सावरीज हू १२५, १६५

साहडा प. ६६

साहपुरो प ३२४

„ ती २१७

साहरियाणो प २३७

साहळषो हू ३२

साहिजिहानावाद प. ५३

साहिजिहानावाद-कणवीर परगनो प. ५३

साहिजिहानावाद-फयासण परगनो प. ५३

साहिलगढ ती. १७३

साहेलो हू १४८

साहोर ती. २३०

सिंघलदीप प. ८

सिंघावासणी हू. १८८

सिंघ प. ८, ६०, १८५, २६२

„ हू. १७, २१, २२, २५,

२६, ३१, ७६, ८१,

८६, ८७, १०६, ११६,

११७, ११८, २१५, २३१,

२३५, २३७, २३८, २६६

„ ती. १७४

सिंघडी हू २३१

सिंघु हू. २४२

सिंघुद्वीप ती. १७८

सिंहस्थली वे०-सीहयल ।

सिखरगढ प. ३१८, ३१९

सिणगारी प २०६

सिणली हू. १५०

सिणलो प. २५

सिणवाडो प. १७४

सिणवार ती १७३

सिणहडियो प १२३, १२४

सिद्धपुर प २५६, २७६, २७७

„ हू. २७२

सिधपुर वे० सिद्धपुर ।

सिधमुख ती. १४, १५, २३३

सिरगसर ती. २२४

सिरड प. ३५०

सिरडियो हू. १०७

सिरवाज प. १२७

सिरवाड प. ३८

सिरवी हू. ३८

सिरहडू वू. ११४, १२८, १३०, १३४
 सिरहडू वडी वू. १३६
 सिरांगो प. २३६, २३६
 सिरिवाज प. १३१
 सिरोहणी प. १७८
 सिरोही दे० सीरोही ।
 सिध वू. १३, ६६
 सिधपुरी प. १८६, १६०
 सिधरटो प. १७६
 सिवाणची प. १६३
 सिवाणी ती. १४
 सिर्वाणो प २८, १६४, १८७, १६३
 २०३, २०४, २३३, २३६,
 २३८, २३६
 ,, वू. १२१, १५४, १६१, १७३,
 १८२, १८३, १८४, १८५,
 १८८, २८४
 ,, ती २८, १८४, २१४, २२०,
 २७२
 सिवानची पट्टी प. १६३
 सिवाना दे० सिर्वाणो ।
 सिधियाणो दे० सिवाणो ।
 सींगडियो प. ३६, ४३
 सींघाड प. ४२
 सींघळावाटी ती ४१, ४८, १२५
 सीकरी प. १६, ३००
 ,, वू. २६२, २६४
 ,, ती. २६७
 सीकरी-पीळियो खाळ वू २६२
 सीकरी-फतहपुर ती. २६७
 सीघणोतो प. १७४
 सींभोतरो प. १७६
 सीतडहाई प ३३४
 सीतहडाई वू. ६
 सीतहळ वू ४
 सीतहळाई वू. ८

सीताहर वू २६१
 सीधपुर प. २५६ (दे० सिद्धपुर, सिधपुर)
 सीयळा रो (जांभोरो ?) वू. ६
 सीरोड प. ४२, ४३
 सीरोडी प १७४, १७६
 सीरोडी-ब्रगडा-री प १७७
 सीरोही प. २२, २३, ३७, ३६,
 ४१, ४२, ४६, ८६,
 ८८, ६०, १३४, १३५,
 १३६, १३८, १३९, १४०,
 १४१, १४२, १४५, १४६,
 १४७, १४८, १४९, १५०,
 १५१, १५३, १५४, १५६,
 १५७, १५८, १६०, १६२,
 १६८, १६९, १७२, १७३,
 १७८, १८०, १८१, १८४,
 १६१, १६२, १६५, २४५,
 २४६, २७२, २८४
 ,, वू १७५, १८६
 ,, ती. २६, ५६, ६४, ६८,
 ६९, ७५, ६६, २१५
 सीलवनी प. १२७
 सीळवो वू ६७
 सीवळतो वू १५१
 सीवेर प. १७३
 सीसारमो प. ३२
 सीसोदो प. १, ८
 ,, ती २३६
 सीहडंगां वू ३३
 सीहणवाडो प १७३
 सीहथळ प. २८५
 ,, वू. १६, २५
 सीहराणो प. २३७, २४८
 सीहवाग ती १७
 सीहवाडो प २२६
 सीहाणो वू. १२३

सीहार दू. १६८
 सीहारो दू. १७३
 सीहो प. १७८
 सीहोर प. २७६, ३३५
 सूआळी प. ६१
 सुईगाव प. १७२, ३६५
 सुगाळियो प. २३६, २३८
 सुणेर प. २६, ४६
 सुरडियो दू. ३२
 सुरताणपुरो प. १७४
 सुरवाणियो प. ३५४
 सुहागपुरो प. ६३, ६४
 सुडळ दू. २६२
 सुंम दू. ४५
 सुजेवो-वांभणीको दू. ७६
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४
 सूरपुर ती. २१६
 सूरपुरो दू. १८३
 सूरसेन प. २५३
 सूरांणी दू. १८०, १८८
 सूरसच प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
 सूरसतर दू. १११
 सुवो प. ५३
 सुहडलो प. १७६
 सुहतो प. २८३
 सेखपाट दू. २२४
 सेखावाटी ती. २७४
 सेखातर दू. ३, १२, १०६, १०७,
 १४२, १४३,
 सेणो प. २४५, २४६, २४७
 सेत दे० सेतुयध ।
 सेतरावो ती. ७
 सेतुबंध प. ६
 ,, दू. ३८
 सेतीराई दू. ११
 सेत्रूजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू. १६८
 सेरडो ती. २३
 सेराणो दू. १४८
 सेरुधो प. १७५
 सेलाघट दू. ५
 सेलो ती. २३२
 सेवत्री प. २८५
 सेवका ती. ६१
 सेवडो दू. १२७, १३४, १३५
 सेवना प. ६४
 सेवाडी प. ३८, ४१
 सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
 सेसू-त्रिवाडियां-री प. १८०
 सेहुरो प. १७७
 सेभर प. ५ दे० सांभर ।
 संणी प. २०४
 संबरा प. ३७
 संसभारिजो प. ४७
 सोआऊ दू. १०४
 सोजत दे० सोभत ।
 सोजेरो दू. ३६
 सोजेवो दू. ४३
 सोभत प. २३, २५, ३७, ५१,
 ११४, २३३, २४१, ३६१
 ,, दू. ८४, ८६, १४७, १४८,
 १६१, १६३, १६४, १६५,
 १६६, १७७, १७८, १८१,
 १८३, १८७, १८८, ३१३,
 ३३१, ३३६
 ,, ती. ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८,
 १२३, २१५
 सोभेवो दू. ४
 सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
 सोनांणी प. १७६
 सोनागर दे० सोनगिर ।

सोनेही प. २०६
 सोमईयो प. ३३५
 सोमनाथ प. ३३५
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोयलो दू. १७१
 सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३,
 २१५, २७१, ३३५
 ,, दू. १६, २५, २६, ६४,
 १६८, २०३, २०५, २२०,
 २४२, २६६
 ,, ती. २२०
 सोळकियां-रो-उतन (पथग) प. १७३
 सोळकियां घाळो दू. १३६
 सोळसभा प. १७५
 सोलावास प. १७६
 सोळियाई दू. ६
 सोलोई प. १७८
 सोवाणियो दू. १२४
 सोहडापुर प. १७६
 सोहलवाडो प. १७५
 सोराष्ट्र दे० सोरठ ।
 सोरो प. २१४
 स्याणो प. १४६
 स्यालकोट प. ३००
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
 स्वाळख प. १८५, ३२४

ह

हस वाहळो प. २६
 हसार दे हांसार ।
 हट हटांरो दू. ३३
 हडफो दू. १२३
 हडवो दू. ६६
 हडेल दू. ४
 हणवतियो प. १७५
 हणात्रो प. १७५
 हयणापुर दू. २४२

हयणापुर ती. १७४
 हयूडियो दू. १६१
 हदां-रो-वास दू. ३६
 हमोरपुर प. ५३, १७५
 हरदाणो प. २३६
 हरदेसर ती. २३२
 हरभमजाळ प. ३५०
 हरमूसर प. ३४७
 हरमाडो प. ६०
 हरवाडो ती. १०१
 हरवार प. ६६
 हरसोर प. १२२
 हरीगढ प. ११६
 हळदी-री-घाटी प. २०८
 हळवद दू. २१४, २४५, २४६, २४८,
 २५०, २५३, २५४, २५५,
 २५६, २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२
 ,, ती. २२०
 हळोद दे. हळवद ।
 हळोद दे. हळवद ।
 हळदी-घाटी दे. हळदी-री-घाटी ।
 हवेली-मोकीली परगनी प. ५२
 हवेली-रा-गांव प. ४५
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर
 हांसार ती. २१, २२, २७३, २७४
 हांसी प. २७३
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२
 ,, दू. २६२
 ,, ती. २६८, २६९
 हाथळ प. १७६
 हापासर दू. ११, ११०, १११, १२८,
 १२१, १२४, १२५
 हाबुर दू. ४
 हारांणी-खेडो ती. १५
 हालार दू. २२१

हाळीघाडो प. १७६
 हिंदुत्यान प. १६२, २१७, २१९, २८६
 ,, द्व. १५. ३३१
 ,, ती १६, १७२, १९२
 हिसार दे. हासार ।
 हिरणांसो प १०६
 हिरमजगढ ती. १७४
 हिसार दे. हासार ।
 हींगोळा-री-वासणी द्व. १८८

हीडोळो प १०६, ११७
 हीरादेसर प. २३५, २३६, २४०
 ,, द्व. १६६
 हुरड-वाहण द्व. २०
 हुरमभ द्व. २३६
 हुरगोरी प. २८३
 हुरण प. २३३
 हैकल द्व. ४
 हेठामाटी प. १७७



२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामो को ढूँढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

अरहट	- रहँट ।	तळाई	- छोटा तालाव
आडाषळो	- अरवली पर्वत ।	तळाव	- तालाव ।
उनाव	- १. जलाशय । २. नीची भूमि ।	तळो	- कुँआ ।
कुवो	- कुँआं ।	द्रह	- १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बड़ा खड्डा । २. बिना वधा हुआ कुँआ ।
कूओ	- कुँआं ।	नळो	- पर्वत ।
कोहर	- कुँआं ।	नाळ	- घाटी । पहाडी मार्ग ।
खाभ	- १. तलहटी । २. पहाडी ढलाव । ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग ।	नाळो	- नाला ।
गिर	- गिरि । पर्वत ।	पार	- १. कुँआं । २. छोटा तालाव । ३. गाँव ।
घाटावळ	- १. बडी घाटी । २. विकट पहाड़ का बड़ा मार्ग । ३. एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाडी मार्ग ।	भाखर	- पर्वत ।
घाटी	- पहाडी मार्ग ।	भाखरी	- पहाडी ।
घाटो	- बडी घाटी ।	मगरी	- पहाडी ।
जाळ	- पोलू वृक्ष ।	मगरो	- पर्वत ।
आलरो	- चारों ओर सीढ़ियों वाला कुँआ अथवा बड़ा कुड ।	घळो	- पर्वत ।
टूक	- शिखर ।	वाय	- घापी । वावली ।
टोभो	- १. छोटा तालाव । २. बड़ा कुँआं ।	वावडी	- घापी । वावली ।
डूगर	- पर्वत	वाहळो	- नाला ।
डूगरी	- पहाडी	वेरो	- कुँआं ।
		समंद	- १. तालाव । २. भील ।
		समुद्र	- १. तालाव । २. भील ।
		सर	- १. तालाव । २. कुँआं ।
		सागर	- १. तालाव । २. भील ।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अवली रो टूक प. ६६
अखा वेरो (कूप) ती १३४
अचलांणी तळाई हू. १३५, १४२
अटक हू १६८
अनतसी-री-डूगरी प १४
अनळकुड-आवू प १३४, ३३६
अमजमाळ-रो-भाखर प. ४०
अरघण-रा-मगरो प ४४
अरावली पर्वत प. ११३
अवाह (कूप) हू. १४२

आ

आबाव-रा-भाखर प २७७
आकळी (कूप) हू १४२
आढोवळी प ३४०
आढोवळी ती १४०
आवू पर्वत प १३४, १३५, १४१, १४४,
१५१, १७३, १७७, १८०,
१८१, १८२, १८३, १८४,
३३६
आवड-सावड-रा-मगरो प ३६
आसल समुद्र (तालाव) प २०२
आहोरगढ-रा-मगरो प. ४२

इ

इरावती नदी ती ७०

ई

ईसवाळ-रो-मगरो प ४१

उ

उदमागर (तळाव) प. २१, ३४, ३५,
४३, ४५, ४८
उदसागर-रो-नाळो प. ४५

उनाव हू. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प १८७
कनकगिरि (,,) प १८७
कपूरदेसर तळाव हू. ३५, ३६
कनड-रा-पहाड ती २७६
कानडिया-री-तळाई हू. १३५
कांसां पहाडी प ३१८
काक नदी हू. ४
काका वेरो हू ३२
काळीभर मगरो प. ३६४
काळो डूगर हू ४, १३, २७
,, ,, ती. १५३, १५४
किडांणी कोहर हू. ११३, १३६
कुभळमेर-रो-घाटो ती. ४७
कुभळमेर-रो मगरो प ३५, ४१
कुहाडियो नळो प. ४२
कूपासर (कोहर) हू १३६
केरडू मगरो ती ११०
केवडा-री-नाळ प ३५
कैर डूगर हू १३१, १४४
कैर-डूगर-वाहळो हू १४४
कैलास पर्वत प ८
कोढणी-री-डूगरी ती. १५४
कोढणी रो तळाव ती २६१
कोनरो-भास नाळो प. ४१
कोर डूगर हू ३
कोलर रो तळाव हू ३३०
कोळियासर (कोहर) हू १३६
कोहर वलू रो प २२७

ख

खमण-रो-मगरो प. ४१

खमणोर-रो-घाटो प ३५
खाहू री भाखरी प. २५१
खारी नदी प. ४७
खीचियां घाळो कोहर दू १४२
खीरवो तळाव दू. १४३
खुडिये-रो-उनाव ती १६
खेतपाळ रो टोभो दू. १३५
खेहू री तळाई दू. १४२

ग

गंगा नदी प १३२, ३३२
गंगाजी दू. २०२
गंगादास री-सावडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
गंगारडो तळाव ती, ११८
गढ आहोर-रो-मगरो प ४२
गणेशजी की पहाडी
दे० विनायक री डूगरी
गांगडी नदी प ८७
गागा-री-बाघडी ती २१५
गांगेळाव तळाव ती २१५
गिरनार पर्वत प. २२
" " दू. १, २०२, २०४,
२०५, २०६, २४०
गिरराजसर कोहर दू १३६
गिरवा-रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
गिरसोन दे० सोनगिरि ।
गीर्वाणी तळाव प २५३
गीधळो कोहर दू १४२
गुडवाण-रो-भाखर प ११३, ११५
गुलाव सागर ती २१३
गूजवो कोहर ती ७७
गंहलोतां घाळो कोहर दू १३५
गोगलीसर कोहर दू. १३५
गोवावरी नदी प १२२
गोधणली तळाई दू १३५
गोपाळी तळाई दू. १३४
गोमती नदी दू. २६८

गोयांणो भाखर ती. २५६
गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) दू. १२६
गोलीराव तळाव प. २६३

घ

घडूसीसर तळाव दू. ७३
" " ती. ३६
घांणरा-रो-घाटो प. ३६
घासार-रो-मगरो प ४१, ४७
घासेर-रो-मगरो दे० घांसार-रो-मगरो ।
घाटो ती. ४७
घूघरोट रा पहाड दू. २६०, २६१, २६४
" " ती १०१, १०२, १२८

च

चंद्रभागा नदी ती. ७०
चंद्राव-भाटी री तळाई दू. १३४
चवल नदी दे० चांवळ नदी ।
चरला-री-डूगरी ती. १५४
चहुषाण तेजसी-री-वाय प. २२७
चांवळ नदी प. ४५, ४७, ११४, ११६
" " दू १७३
चाडी कोहर दू १४२
चारण घाळो कोहर दू १३५
चावंड-रा-मगरा प. ३५
चावडा-रा-मगरा प. ५७
चित्रकूट (पर्वत) प ८
चित्रकोट (") प ८
चिनाव नदी ती. ७०
चिमर-री-डूगरी ती १५४
चीरवा-रो-घाटो प. ४४
चेखळो भाखर प. १५६

छ

छपन-बाघड-रा-मगरा प ४३
छपन-रो-मगरो प ५८
छहोटण-रा-भाखर दू ५
छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३, ४७

ज

- जगमाल-री-तळाई दू. १४२
जमुना नदी प. १३२, ३३२
जरगा-रो-भाखर प. ४२, ४७, ११६
जवणा गी तळाई दू. १०६
जवणी-री-तळाई दू. १४२
जवाछ-रा-मगरा प. ४३
जदू वेरो दू. १३६
जांजाळी नदी प. १४
जातम नदी प. १४
जाह्लवी ती २०६
जावर-री-खाण, रूपा री प. ३५
जावर री-नाळ प. ३५, ४३
जीलवाडा-रो-घाटो प. ३६
जूजळ-रो-वेरो दू. २६१
जुही नदी प. ४१
जेठाणी तळाई दू. १४३
जेठाणी नदी दू. २६०
जेसळू वेरो दू. ३५
जैता-री तळाई दू. १३४
जोगी-रो तळाव प. ३४७
" " दू. ११३

झ

- झडोल-रा-मगरा प. ४२
झास नाळो-कोनरो प. ४१
झाडोळी-रा-मगरा प. ४६
झेनम नदी ती ७०
झोटेळाव तळाव ती. २५२, २५३

ट

- टनरावटी-रा मगरा प. ४२, ४६
टावरियावाळो कोहर दू. १३५

ड

- दूगरसर तळाव दू. १०८

ढ

- ढम नदी प. ३१
ढाकसरी-रो-कोहर प. ३४७

त

- तणूमर तळाव दू. २७
तिलाणी तळाई दू. १३४
तेजसी-री वाय प. २२७
तेळाऊ कोहर (बीजो) दू. १४२
त्रिकुट दू. २४२

द

- दळपत भाटी घाळो घावडी दू. १३६
दलोल-कलोल-रा-मगरा प. ४३, ४७
दहवारी-री घाटी प. ३५
देराणी तळाई दू. १४३
देरांणी नदी दू. २६०
देवरावसर तळाव दू. २७
देवरासर तळाव दू. ३२
देवहर-रा-मगरा प. ४३
देवाइत-रो-तळाव दू. १६, ११३
देघजी-री-डूगरी ती. १५४
देवीदास-री-तळाई दू. १४२

ध

- धवळागिर प. १८
धार-रो-पहाड प. ४३
धारा-री-तळाई दू. १०६, १४३

न

- नगराजसर (कोहर) दू. १३६
नरसिंघ घाळो कोहर दू. १४२
नरासर तळाव ती. ११३
नांदहो कोहर दू. १४२
नागनय नदी दू. २२०
नाचणो कोहर दू. १४२
नाया-रो कोहर दू. १३६
नारणसर कोहर दू. १३५
नाळ भाखर प. ३५
नाहेसर-रा-मागरा प. ४२, ४६
नींचलियो तळाव दू. १४३
नींचली तळाई दू. १३५, १३७

प

पञ्च नद्य ती. ६७, ७०
 पर्ई-मयारा-रा-मगरा प. ४३
 पर्ई-रा-डूंगर प. १६
 ,, दू. ३३८
 ,, ती. १
 पगघोई नदी प. ४५
 पठार प ४४
 पदमसर तालाब ती. २१५
 पद्रोळाई तळाई प ३४८
 पनोता रो घाहळो दू. ३३०
 पनोर रा-मगरा प. ४३, ४६
 पहियड (पर्वत) ती. १३६, १३७
 पही रो डूंगर दे० पर्ई-रा-डूंगर ।
 पार दू. १३६, १३७
 पार नदी प. ११७
 पींडर भांप-रो-मगरा प. ४१
 पीछोलो तळाव प. ३२, ३३, ३४, ४३
 ,, ,, ती. १२
 पीयासर (कोहर) दू. १३६
 पीपळहडी-रा-मगरा प. ४३
 पुढण नदी प. ११७
 पूनादे-रो-तळाई दू. १३५
 पोकरण रो घाहळो दू. ५३
 प्रोहितघाळो कोहर दू. १३५
 ष
 बलससागर ती. २१३
 बनास नदी प. ४०, ४१, ४७
 बरडो डूंगर दू २२०, २२६
 बलू-रो-कोहर प. २२७
 बह तळाई दू. १३४
 बहवनसर तळाव प ३३३
 बांभर्णावाळो सर दू. १३७
 बांभणी नदी प. ४५
 बारबरडा-रा-मगरा प. ४३
 बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६

बिध सरोवर प. २७७
 बीबासर तळाव प. १२४
 बीलेसर डूंगर दू २२६
 बेंराई रा-ब्रह ती. ६०
 ब्राह्मणी दे० बांभणी नदी ।

भ

भडळो कोहर दू. १४२
 भयरी तळाई दू. १३४
 भरोसर (कोहर) दू. १३७
 भाखर नाळ प. ३५
 भागीरथी ती. २०६
 भाडेर-रा-मगरा प. ४२, ४३, ४६
 भादर नदी प. २७१
 भारमलसर कोहर दू. १३५
 भीदासर कोहर दू. १३५
 भैरवी घाटो प. ६६
 भैसे सिरा-री-डूंगरी ती. १५४
 भोजासर तळाव दू १०६
 भोरड रो-पहाड प. ४०

म

मंडळप तळाव दू. ४१ ४२
 मदाकिनी ती. २०६
 मछावळो मगरा प. ४०, ४१, ४२
 महिराजाणो तळाव प. ३४७
 महिला बाग रो झालरो ती. २१३
 मही नदी प. ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
 मांगणी-रो-तळो दू. २६१
 माडाळ तळाई दू १३५
 माडावो घरहट ती. ८४
 मांणच-रा-मगरा प. ४३
 मांणल-वेवाइत-रो-तळाव दू १६
 मांनपुरे-रो-घाटो प. ३६, ३८
 मांमा कुंड प. ५१
 माण्डला-रो-मगरा प. ३२, ३३
 मोठडियो वेरो दू. १४२

मुहार रं खहीण-रो-उनाव दू. ५
 मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
 " " दू. ५३
 मेरगिर दू. १४, ५२
 मेर-सिखर दू. ५२
 मेरा-री-तळाई दू. १४३
 मेर वे० मेर । मेरगिर ।
 मेळू-री-तळाई दू. १४२
 मेवल-रा-मगरा प. ४३

र

रांगा-री-तळाई दू. ११२, १४२
 रांगाहळ तळाव दू. १३४
 रांणीवाळो तळाव दू. १३४
 रांणोळाव तळाव प. १२४
 राजवाई-री-तळाई दू. ७२, ७५, ८५
 राठासण-रो-मगरा प. ४४
 रायमल वाळो तळाव दू. ६६
 राव बलू-रो-कोहर प. २२६
 राव-रो-तळाव दू. १२६, १४२
 रावी नदी ती. ७०
 राहग-रो-मगरा प. ४१, ४२
 रुदियो कुषो प. २३८
 रेयां री डूंगरी ती. ६५

ल

लखी जंगळ दू. १६
 लासाहोळी (पहाड) प. ४३
 लाखेळाव तळाव प. १३६
 लाठीहर दू. २६१
 लायां रो मगरा दू. ३२७
 लीकणो घेरो दू. १४२
 लूमासर तळाव प. ३४७
 लुङ्गी-रांमसर तळाई दू. १३६
 लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३
 " " दू. १३०, २८४, २८५
 " " ती. १४७

लूनी नदी । वे० लूणी नदी ।
 लोहडी तळाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जैसलमेर का पर्वत श्रीर किला)
 दू. ६३
 वडांणी तळाव दू. ८५
 वरजांग-तळाई दू. १३४
 वरजांगसर तळाव दू. १६०
 वर नदी प. ४१
 वरवाडो मगरा प. ४१, ४७
 वळो (आडावळो) प. ११३
 वसी-रा-मगरा प. ६६
 वासोर डूंगरयां दू. ३२६
 वाखळवाळी तळाई दू. १३५
 वाघोर-री-खांभ प. ४०
 वालसीसर तळाव ती. २५६
 वावडी तळाई दलपत री दू. १३४
 विजैरावसर तळाव दू. २७
 वितस्या नदी ती. ७०
 विनायक-री-डूंगरी ती. १५४
 विपासा नदी ती. ७०
 वीटळीगळ ती. ६५
 वीका सोळकी-रो-तळाव दू. १३५
 वीर समंद प. १३१
 वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
 वेडव नदी प. ३३, ३५
 वेत नदी ती. २४१
 व्यास नदी ती. ७०
 वीगण तळाव दू. १४३
 वैरोलाई तळाव दू. १४३

श

शतदू नदी ती. ७०

स

संतन-री-वावडी ती. १५७
 सजन-री-गिडी प. १६३

सतलज नदी ती. ७०
 सरणउग्रो भाखर प. ४१, १३५, १८१,
 १८८
 सरणुषो दे० सरणउग्रो भाखर ।
 सरस्वती नदी प. २७६
 „ „ दू. ३, २६६
 „ „ ती. २६
 सहस्रलिंग तळाव दू. ३३
 साठीको-कोहर दू. २८६
 सायर-रो-घाटो प. ३६
 सारण घाटावळ प. ३८
 सालेर-री-डूंगरी ती. १५४
 साहवा-रो-तळाव ती २१
 सिध नदी (हाडोती) प. १३३, ११५,
 ११६
 सिधु दू. २४२
 सिधु नदी ती. ७०
 सिरहड तळाई दू. १३४
 सिरहड लोहडी दू. १३४
 सिरहड वडी दू. १३५
 सींगडियो भाखर प. ४३
 सीताहर दू. २६१
 सीप नदी दू. २१८

सीरोड-रा-मगरी प. ४३
 सीसरवा-रो-मगरी प. ३३
 सू घो भाखर प. २०३, २०४
 सूर सागर प. ११३
 सेखासर तळाव दू. १४२, १४३
 सीनगिरी प. १८७, २३१
 सीनागर दे० सीनगिरि ।
 सोम नदी प. ३८, ८६
 सोळकियांवाळो कोहर दू. १३६
 सोहांण-रो-भाखर दू. ३५
 स्याम नदी प. ८७, ८८
 स्वर्णगिरि दे० सीनगिरि ।

ह

हरख तळाई दू. १३४
 हरभम जाळ प. ३५०
 हरभूसर तळाव प. ३४७
 हरराज-री-लोहडी (तलाई) दू. १३४
 हळवी-री-घाटी प. २०८
 हळवी घाटी दे० हळवी-री-घाटी ।
 हिमालय प. ६, १८, २७८
 „ दू. २०४
 हेम दे० हिमालय ।
 हेमराजसर कोहर दू. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

- अगरां-लाग (वाह-संस्कार) दू. २४६
 अचड़ा-बोल दू. २६
 अजित ग्रन्थ ती. २१३
 अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
 अणहलवाड़ा-पाटणरी-बात (ग्रन्थ) ती. ४६,
 ५०, ५२
 अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
 अनूप संस्कृत लाहन्नेरी बीकानेर (संस्था)
 दू. ३१०
 अनूप संस्कृत लाहन्नेरी, बीकानेर (संस्था)
 ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,
 २०७, २०८
 अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
 अमर-काँचली ती. ६६
 अमल (अमल-पांणी) प. १३४
 " " दू. २५१
 अमल (अमल-पांणी) ती. ६२, १३४,
 १६३, २५७, २८१
 अमल-रो-पोतो ती. २६०, २६१, २६२
 अमृत ती. ६
 अराबो दू. २३
 अरुफला की पंड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
 अश्वमेध प. २३०
 असत घात दू. ५१

आ

- आकाश गंगा दे० अवारमग ।
 आखड़ी प. ४६
 आलाहो (नृत्य सभा) प. २७४

- आलाहो (नृत्य सभा) दू. ३७
 आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
 आयुष्मान् ती. ४६
 आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
 आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

- इंद्र दिशा (वि.वि.) प. १२८
 इक-थभियो महल ती. २१३

उ

- उत्पादन-शुल्क दू. २५८

ऊ

- ऊनाळी हँसो (कर) प. ३६
 ऊनाळी-हँसो (कर) दू. ८

औ

- औहखरो (घास) दू. ८

ओ

- ओळ प. १८२

क

- कांकण-डोरड़ा दे० कांकण-डोरड़ो ।
 कांवल-पूजा प. ३३६
 कांवार-मग (खगोल) दू. ६१
 कावार-सूँसड़ी (कर) ती. ५४
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) प. २६६
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,
 २३७
 कटारी दू. २६६
 कच्छी पलांण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
 कपूर-वासियो-पांणी दू. ३३
 कबाण दे० कमान
 कमान दू. ६६
 कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
 कर ती. ५४,
 करइ घास दू. ८
 करमुषत-जागीरी प. २८३
 करषत दू. ४५
 कळजुग प. ३१
 कलियुग दे. कळजुग । कळ
 कळ ती. १८५
 कघार नी सूखड़ी ती. ५४, ५८
 कवि प्रिया (ग्रंथ) प. १२८
 कस्तूरियो-सिरष (विलासिता की उपाधि)
 दू. ४१
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) प. ७३
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) दू. २६५,
 ३१८
 कांचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
 कांचळी (पुत्री नेग) ती. ६६
 कांटीवाळी लाग (कर) ती. ५४
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४
 कान्हडवे प्रबन्ध (ग्रंथ) दू. २०४, २१५
 कान्हडवे प्रबन्ध (ग्रंथ) ती. २६३
 काळबी-ज्वार दू. ५१
 कालर दू. २५
 काष्ट-भक्षण ती. ३३
 किरमाळ दू. १०१, १२६
 कुवर नजरांणी (कर) ती. ५४
 कुंवर-पछेवडो (कर) ती. ५४
 कुंवर-पांसरी (कर) ती. ५४
 कुंवर-मांणी (कर) ती. ५४
 कुंवर सूखड़ी (कर) ती ५४
 कुतबस्याही नांणी (मुद्रा) ती. ५३

कूतो दू० ५
 कृत (मृतक संस्कार) दू. २७१
 कृषि-कर दू. २६०
 कृष्ण स्तुति (ग्रंथ) ती २०६
 केसरिया ती. १११
 क्यांमखां रासा ती. २७४
 कघार-मग दू. ६१

ख

खडाऊ ती. ५१
 खमा ती ४६
 खरक कूण (वि. वि.) प. ३३, ३८, ४३
 खालसो प. १७४
 खालसो दू. ४, ७
 खालसो ती. १८, ११५
 खेडा-री-वाघण (आखेट) प. २८४

ग

गगा-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 गज-उद्धार (ग्रंथ) ती. २१३
 गाय-दान दू० २६६
 गिरवी ती. ५
 गीवोली री घात (ग्रंथ) दू. २८७
 गुण वूहा (ग्रंथ) ती. २१३
 गुण सागर (ग्रंथ) ती. २१३
 गुरड दू. २५२, २५३
 गुरु प्रार्थना (ग्रंथ) ती. २०६
 गुळ-लाग (कर) दू. ७
 गेहर ती. ८५
 गोडो-वाळणी ती. ६७
 गोत्र-कवंध दू. २६६
 गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
 ग्रास (कर) प. १४७, ३३५
 ग्रास (कर) ती. ८६, १६७
 ग्रासवेष (कर-कलह) प. ६१, ११२,
 १५४

घ

घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती. २८३
 घरवासो ती. २३
 घूँटी दू. ३१२
 घूँघरियां ती. २६४
 घोडा-चारण (कर) ती. ५४

च

चंवरी प. १३४, २३२
 चवरी दू. २८७, ३१०
 चूगी दू. २६०
 चेढी (परिमाण) प. ३६४
 चोटी-घडियो प. ६८
 चौय (कर) प. ६३
 चौय (कर) दू. २२१
 चौहान कुल कल्पद्रुम (ग्रन्थ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) ती. ११२
 छतीस-भाख दू. १५
 छत्र दू. ५६, ५७, ५८, ८३, २३७
 छत्र ती. १७१
 छत्र ११०
 छाट ती. ११०
 छाट घालणी ती ११०

ज

जत्र दू. ५७, २२५
 जत्र-बत्तीस दू. २३१
 जवर दे. जौहर ।
 जलिया दे जेजियो ।
 जन्म घुट्टी दू. ३१२
 जवाबि जळहर (जलक्रीडा) दू. ४१, ६८
 जमहर दे० जौहर ।
 जलालशाही-नाणो (मुद्रा) ती. ५३
 जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।
 जानी ती. ४५, ४७
 जान्हवी रा दूहा (ग्रन्थ) ती. २०६
 जिगन दू. ८३

जिग्य-कुंड प. ११
 जुहर दे० जौहर ।
 जेजियो (कर) प. ५५
 जेजियो (कर) दू. ७
 जैन दे० देवता आबि नामावली ।
 जोगणी (शकुन) ती. ७१
 जौहर प. ३३३
 जौहर दू. ५६, ६०, ६१
 जौहर ती १७, २५, ३४, ५५
 ज्युंहर दे० जौहर ।

ट

टंकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८
 टको (तोल । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती. ५३, ६८, ७२, ८१, ६५, १०५, ११४, ११५, १२६, १३२, १३३, १३६, १४६, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

ड

डड (कर । शिक्षा) प. ७७
 डड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२
 डड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१
 डांगरजत्र दू. ५८
 डाधी-पाघ ती ७०
 डोरडो दे० काकण-डोरडो ।
 डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढवूसई पैसा (तोल । मुद्रा) दू. ३१२
 ढोर नी चराई (कर) ती. ५४
 ढोल (भाक्रमण-संकेत) दू. ३०२

डोल (आक्रमण-संकेत) ती. १४७, २६२,
२८४

डोल-रो-ढमको प. २२३

डोला-भारक्षण (ग्रंथ) प २८६

त

तकियो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तलार (कर) ती. ५४

तहड़ कूण प ८७

ताबूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती. १७३

ताल (माप) दू. ३२३

तुरकाणी ती. ५३

तेल-घढी ती. ७५

तुलाघट (कर) दू. ७

तोरण-धांदणी ती ४२

तोला दू ३१२

,, ती. १६३

त्याग (दान । इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थड़ा ती. २१३

थापण ती ५

थाळो लाग (कर) प. १६

द

दहश-रो-फेर प. ७६

दत-दायजो दे० दायजो ।

दयाळदास री ल्यात (ग्रंथ) ती. २०६

दळपत विलास (ग्रंथ) ती. २०७

दसरथराव उत्त-रा-दूहा (ग्रंथ) ती २०६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) प. ६६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू. २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तूरी (कर) ती. ५४

दाण (कर । खेल) प ८४, १५६, १५८,

१७३

दाण (कर । खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६,
३०१

दाण (कर । खेल) ती. ५४

दाणव दू. ५६

दांन प. ३१

दांन दू. १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दांस (मुद्रा । कर) प. ५२, २२८, २७६,

३३२

दांस (मुद्रा । कर) दू. २६, २५८, २५६,

२७६

दांग (संस्कार) दे० दाह संस्कार ।

दापो (कर) प २३२

दायजो दू ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,

२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती. २४०

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू २४६

,, ,, ,, ती. २६३

दीवाळी (पर्व) प. २, ७३, ६६, २७३

दीवाळी (पर्व) दू ७, २४

दीवाळी-मिलण (कर) दू. ७

दुगाणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७

दुहाग ती. १०५

दुहागण ती १३६

देवचो दू. ४०

देवताग्रों की शाला (मंडोर) ती. २१३

देवाचा दू. ४०, ११६

देसवाळी लोग दू ७, ८

देसोटो दू १७७

दोढवाड कूतो (कर) दू ५

द्वार (युग) ती. १८५

घ

घजवड ती. १६७

घनुप दू ६७

घरम द्वार दू. ६४

धर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगरा-नोसाण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प १५२

नगारो (,,) दू. ३४, २४४,
२४५, २४६, २४७

नगारो (आक्रमण संकेत) ती १३२, १४३,
२७६, २८४

नवकुळ नाग दू. २५२

नाव दू. २४

नारेळ-वे० नाळेर ।

नाळ (अस्त्र) दू. २३

नाळवंधो (कर) प ६६

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प. ७३, २०६,
३४५

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २६२,
३२४, ३३४

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती ४१, ७२,
१०४, १४१, १६५

निवाज (नमाज) दू. ६७

नोसाण प. ३४०

नोसाण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नैणसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८,
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पक्ष देवळियां ती. २१३

पंच प्रवर ती. १७५

पचाप कूप (वि वि) प. ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प. ७७

पईसो (मुद्रा । तीन) दू. २७, २६, ७२,
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,
६१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परवाणो दू. ५६

परवाह (दान । नेग) दू. ३२५, ३२७

पळी (माप । सफेद वाल) दू. ५५, ३११,
३१२

पळो (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखड (स्यान) ती. २

पाघडी-बरोड (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,
१८६, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पावडी ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पीडर-भाप (तंत्र) प. ४१

पीरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,
१३६, १४२, २८६

पुराण (धर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्व विभाग, राजस्थान (सस्था)
ती. १७३

पुरुष वे० पुरस ।

पूंखणो ती. ४६

पूंखो (कर) ती. ५४

पेरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेशकस (कर) वे. पेशकशी ।

पेशकशी वे. पेशकशी ।

पंसा वे० पईसो ।

पोतो प्रमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम वीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

- फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
 फुरमान दू. ५६, १०५
 फेरा दू. २७७
 फेरा ती. ७५

ब

- बरछो ती. १६७
 बळ (कर) ती. ५४
 बलि ती. १७
 बहत्तर उमबाव ती. ५३
 बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६
 बांण दू. ४८
 बाजरियो ती. २६०
 बापोका दू. २२१
 बाब (कर) दू. ७, ८.
 बाम्बे गंजेटियर (ग्रंथ) दू. २६६
 बीहो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
 बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५
 ब्रह्मंड वीस दू. १६२.
 ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

- भगवद् गोमंडल कोश (ग्रंथ) प.
 भद्रजाती दू. ६५
 भरहेर कूण (वि. दि.) प. ३४
 भागीरथी रा वूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 भांवर (भांवरी) दू. २७७
 भांवर (भांवरी) ती. ७५
 भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४
 भुंवर ढोल (वाद्य) ती. ७
 भूमिया-वंट दे० भोमिया-वंट ।
 भेट (कर) ती. ५४
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
 भेरी (वाद्य) दू. ४८
 भोग (कर) प. ३६, २५६
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

- भोम (कर) ती. ५४
 भोमियाचारो प. ३३५
 भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

- मगळ-कळश ती. ४३, ४६
 मंगळीक (कर । कर-मुक्ति) दू. ७
 मवाकिनी रा वूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 मऊ-वुठकाल (पीडित प्रजा) दू. ३२०
 मकर सकांति (पर्व) दू. ३२
 मण (माप, तोल) प. १६२
 मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
 मळवो-लाग (कर) ती. ५४
 मलूक (जल-क्रीडा) दू. ४१
 मळेंछ दू. ५६
 महमूवी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
 महसूल (कर) दू. १२७
 महापसाव दू. २३७
 महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३
 महिला-बाग ती. २१३
 मांगलिक सूत्र दू. २६५
 मांढी ती. ४५, ४७
 माणो (माप) दू. २८
 मांनसी सेवा प. २८६
 मांमा कुड प. ५१
 मांमा वड प. ५१
 मातलोक प. २७८
 माध्यंदिनी शाखा ती. १७५
 माफी (कर-मुक्ति) प. २२८
 मारुधा-विरुव प. ३३५
 मालकोट ती. २१५
 मालगुजारी (कर) दू. ३०१
 माषळियाई भाई दू. १६२
 मुकाती दू. २१६
 मुकातो (कर) प. ७४
 मुद्रा प. १८४, १८५

मुद्रा हू २१०
 मुद्रा ती. २४
 मुंडका-वेरो ती. ५४
 मूळ, मूळो (आखेट-मच) प १०७, १०८
 मृत्युलोक प २७८
 मेखळी हू २४
 मेघाडंबर हू. ५६
 मोभ (कर) ती. ५४
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प २५४, २५५
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (वाद्य) हू. २३१
 रळतळी (तलवार) हू. ३१७
 रागाई रो विरद हू. ५१
 राणीपदो ती. १०५
 राजपूताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
 राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
 ती. २७५

राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 राजस्व हू २५८, २५९
 राय-आगण ती. ८९
 राहदारी (कर) हू. १२७
 राहावणो हू. १३१
 रडमाळ हू. २४७
 रद्रवाचा हू २१
 रपियो (मुद्रा। बंड। भेंट) प. ५२, ५३,
 ११६, २३४, २५९, २७७, २७९,
 २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२
 रपियो (मुद्रा। वड। भेंट) हू. २९, ४५,
 ६९, ७१, १६०, २५७, २५८,
 २५९, ३०१
 रपियो (मुद्रा। बंड। भेंट) ती. ८३, ९९,
 १००, १३०, १४९, १६५, १६६,
 २४२, २४५, २६७, २६८, २६७,
 २६८, २६९, २८३, २८६
 रुक ती. १६९

रूपारास कूण प. ३५, ३८
 रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,
 ३२०

रेख (कर) हू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट दे० लाखोटो ।
 लगान हू. ७२
 लगानदार हू. ७२
 लाचो (कर) ती. ५४
 लाख-पसाव प. १०६
 लाख-लोवडी हू. ७
 लाखोटो (जल-मानक) प. ३
 लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२
 लागत (कर) हू. ५
 लागवार हू. ७२
 लोक प. ९९
 लोकाचार ती. ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
 वडी-तरवार प. २८३
 वधामणो-लाग (कर) ती. ५४
 वरकसी प. १४१
 वरजांग-री-चंवरी प. २३२
 वरतियो हू २२५, २२६
 वरसाळी-हेसो (कर) प. ३९
 वरहेडो ती. ४६
 वळ हू. ७३
 वळ ती. १९५
 वळ लाग (कर) ती. ५४
 वसवेरावउत-रा-वूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 वसी प ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,
 ४११, १४४, १४८, १५१, २०९,
 २८३, ३०९, ३२३
 वसी हू. १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,
 १५८, १५९, १६०, १६१, १८१,
 २३६

घसी ती. ८१, ८४, १५७, १६२, २४१

वहतीर्षाण (कर) दू. ७

वांस (नाप) दू. ५

वांसा-डोब ती ७०

वाडो लाग (कर) ती. ५४

घात ग्रणहलवाडा पाटण री (ग्रथ) ती

४६, ५०

घातपोस ती. ३८

घादळ महल प. ३३

घामीवंश ती. ७०

विशति-पद्धति ती. १४

विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य-मुद्रा) ती. २१३

विट्टलनाथजी-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६

विभोग प. १५८, १७३, १७४

विवाह-ककरण दू. २६५, ३१८

विवाह-सूत्र दे० विवाह-ककरण ।

विसयी (कर-भाग) दू. ३०१

घीसी ती. १४

घीटली ती २१५

घीघो प. ११६

घीण (घाद्य) दू. २३१

वेव (घर्म ग्रथ) प. १६२

वेलि फ्रिसन रुकमणी री, राठोड प्रिथीराज

री कही (ग्रंथ) ती २०६

वेह ती. ४३

वेत (नाप) दू. ४२

वेहत (नाप) दू. ४२

वेकूठ दू. ७५

व्याज दू. ८

श

शाल प. ३३६

शास्त्र-पुराण (घर्म ग्रंथ) दू. ६१

श्याम-लता (ग्रथ) ती. २०६

ष

षोडश-महावान प. १२६

स

संख प. २७८, ३३६

सख दू. २२५

सतनांवा (ग्रंथ) ती. २७५

सत्तर खान ती. ५३

सरग प. ७, १६०, २७८

सरग दू. ५८, ५६, ६०, ६२, २६१

सरगापुर दू ७५

सरचाजं (कर) ती. ५४

सवेरी प. १६७

सामेळो ती. ४५

सांसण प. १०६, १७४, १७६

सांसण दू. ३८

सासण ती. २८१

साको दू. ४४, ५६

साठा (माप) दू. ५

साथरो दू. १२०

साथरो ती १२८

सादूल राजस्थानी रिसखं इम्स्टीट्यूट,

बीकानेर ती. २०७

सायर महसूल दू. ७

सावदू दू ४५

सासत दू. २३१

सासतर दू ११५

साहो प. ६७

साहो ती ७५

सिक्को दू. २४

सिद्धान्त-बोध (ग्रथ) ती. २१४

सिद्धान्त-सार (ग्रथ) ती. २१४

सिरपाव दू. २६

सिरोपाव ती. १६६, २४४, २४५

सिब-मारग दू. ४५

सीरावणी दू. २५१

सुरगाई दू. ६०

सुरघान प. १८८

सुरा-गुर प. ३५४

सुजंत-घरित (ग्रंथ) ती. २६६
 सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
 सुहागण प. १३
 सुखडी (कर) ती. ५४
 सूतग दू. २३६
 सेई (माप) दू. २१२
 सेर (तोल) दू. ८. ११८. ३१३
 सोढाल-ब्रव दू. १५
 सोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२
 सोमवारिया-अमल ती. १३४
 सोळह-शृंगार दू. ५८
 सोमस (मुद्रा) प. ७
 सोभाग्य-रात्रि प. १३४
 स्वर्ग वे० सरग ।

ह

हरिवंश पुराण (घर्मशास्त्र) दू. १५
 हळगत (कर) ती. ५४
 हलांणो ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९९
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
 हासल (कर) ती. १३०
 हासलीक दू. २५६, २६०
 हिंदवाणी ती. ५३
 होळी (पर्व) प. ७३
 होळी (पर्व) दू. ७
 होळी (पर्व) ती. ८४
 होळी-मगळावणो ती ८४
 होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अंबाली प. २७७
 अंबाव प. ४६
 अग्न दू. २४६
 अगम प. ६६
 अग्नि दू. २७७
 अग्निकुंड दे० अन्नळकुंड ।
 अजोष्या प. २६२
 अन्नळकुंड प. १३४, १८५, ३३६,
 ,, ती. १७४, १७५
 अनादि प. १८४. २६१
 ,, दू. ५७
 अयोष्या दे० अजोष्या ।
 अरक प. १६०
 अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
 अलख ती. २६३
 असंभ प. १८४
 असुर दू. ६५, १३८
 असुरांगुर प. ३५४

आ

आंबाई देवी प. १, २७७
 आंबाव प. ४६, २७७
 आद दू. ५७
 आद नारायण प. १२२, २६१, २८०
 आद श्रीनारायण प. २८७
 ,, ,, दू. ६
 आदि प. १८४. २६१
 आदि देव प. ७
 आदिनाथजी प. ३६
 आदि पुरुष ती. १७५
 आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७
 ,, ,, दू. ६

आबू दे० ग्राम नामावली में
 आयास दू. २५४
 आयास ती. २८३
 आषड प. ३६
 आसापुरा देवी दू. २१७, २१८, २२०
 आसापुरी देवी ती. १३४. २६२
 आसावर (देवी) प. १८६

इ

इंदु प. १६०
 इन्द्र प. १६२, २७५, ३३६
 इर्कालिग महादेव प. २३

ई

ईश्वर प. २२०
 ईश्वर ती. १२१
 ईस दू. २४६

उ

उजेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।
 उमादेवी भटियाणी दे० स्त्री नामावली में ।

ए

एकलिंग धाराह प. १७०
 एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
 ३४, ३५, ४४
 एकलिंगदेव प. ७
 एकलिंग महा देव प. ७
 एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
 एकादश रुद्र प. २७८
 एकादश रुद्र महालय प. २७८
 एकादसी दू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

- कफाली प ३३६
 कघरुढा प. १८५
 कंवल दे० कमळ ।
 कवल-पूजा प. ५६, ३३६
 „ „ दू. १७
 कपालीक प. ३२२
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६३
 कमळ दू. ६
 कमळ ती. १७५
 कमळा प. १८५
 करणीगर दू. २३७
 करतार दू. ४५
 कळा-पळा प. १८५
 कश्यप दे० कस्यप ।
 कस्यप प. ७८, २८७
 „ ती. १७५, १७७
 कापालिक प ३२२
 कालिका प. १८५
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
 कासी-करोत प २१६
 कुळदेवी दू २६७. २७२
 कुळदेवी ती. १७५
 कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।
 कृष्णजी दू. १५. १६, ३५, ६३
 केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में ।
 केवायदेवी प १२३
 „ ती. १७३
 केसोरायजी प. १३१
 कलास प. ८
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
 कीमारी प. १८५
 क्षीरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
 क्षेत्रपाल प. २६४
 „ दू. २२
 „ ती. १७

ख

- खुवा दू ४७
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
 खेडा-देवत दू २२
 खेतपाल दे० खेत्रपाल
 खेतल प. २४५
 खेतल-वाहण प २४५
 खेत्रपाल प. २६४. ३६२
 „ दू २२, १३५, २६७
 „ ती १७

ग

- गगश्यामजी ती. २१५
 गंगस्थामी दे० गगश्यामजी ।
 गंगाजळ दू. २०२
 गगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
 „ दू. २०२
 गगोवक प. २१३, २१४
 गगोवक-कावड प. २१३, २१४, २१५
 गणेशजी ती. १५४
 गददेव दू, ५०
 गाय-वान दू २६६
 गिरनार प. २२
 „ दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गुरड दू. २५२, २५३
 गुसाई-री-पोडुका प. ४२
 गोकह्न तीर्थ प. १०७
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
 गोकुलीनाथ दे० गोकुलीनाथ ।
 गोकुलीनाथ प. २०४, २१३
 गोक्षम प १६०
 गोगादे दे० गोगादेजी ।
 गोगादेजी प ३४७ ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादेनी दू ३१७, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२१, ३२२, ३२६
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती-सनांन) दू. २६८
 गोमती संगम प. २८६
 गोरखनाथ जोगी दू. ३२०
 गोरखनाथ जोगी ती. ७६
 गोवरघननाथ प. ८६
 गोविंद भगवान प. १८४

च

चण्डोद्वर महादेव दू. ३२
 चंद्र (चंद्र) प. १८५, १६२, २७२
 चंद्र (चंद्र) दू. ३७
 चंद्र (चंद्र) ती. ५०, ५२
 चक्र प. २८६
 चक्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती. २७७
 चपळा (देवी) प. १८५
 चांडीसो महादेव दू. ३२
 चाव दे० चद्र ।
 चामुडा देवी दे० चावंडाजी ।
 चारण देवी प. ५६
 चालेर-रो-पारसनाथ प. ४७
 चावडाजी प. २०४
 चौरासी गच्छ ती. १६

ज

जगकृता प. १८५
 जमजाळ प. १२५
 जमदूत दू. ४६, २६८
 जमुना-तीर्थ प. १३२, ३३२
 जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प. १, १११,
 १३२, २६३, २८६, ३३६
 जात दू. १३, २३६, २४६, २४७
 जात्रा दू. २६६, २६८, ३२५
 जात्री, तीर्थ प. २८६
 जान्हवी ती. २०६
 जिवो प. ३३६
 जिंग्य प. ११
 जुगाव ती. १७५
 जुगाव अह्या प. २६१

जैन (धर्म) प. ३३, २२७, २७६
 जैन (धर्म) दू. ११३
 जैन (धर्म) ती. १६, २८
 जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
 जोतविंब प. १६०
 जोतलिंग दे० ज्योतिलिंग ।
 ज्यान दे० जैन ।

ज्योतिलिंग प. ११, २१३, २७८, ३३५
 ज्योतिलिंग श्रीएकलिंगजी प. ११

झ

झींदोळियो भूत ती. २५४
 झोटिंग भूत ती. २५२, २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प. १३१, २१३, २८६,
 ३०३
 ठाकुर (श्रीकृष्ण) दू. २२२, २४७, २७०
 ठाकुर (श्रीकृष्ण) ती. २४६, २५०
 ठाकुरद्वारो प. ८४

त

तीर्थ-गुरु पुष्कर प. २४
 तीर्थ-यात्रा दू. २६६
 तुळछीवळ दू. ५६
 तुळसी ती. २६२
 तुळसी घांणो ती. २६२
 तेलोचन दू. ५६
 तेही वदन दू. ५६
 त्रिलोचन दू. ५६
 त्रिवदन दू. ५६
 त्रिसूळ प. ४०, ४२
 त्र्यंबक प. १, १२२

द

दहस्य प. ७६
 दहस्य दू. ६३
 दर्दत ती. २५१
 दत्तावरी प. १८५
 दसमों साळगराम प. २०४

वांणव प २१३
 वांणव दू. ५६
 वांन दू. २२३, २३६, २३७
 वांन-पुंभ्य प. १३६
 विल्लीश्वर ईश्वर प. २२०
 दुगापचा (दुगर माता, दुगाय माता)
 ती. २५७
 दुगायचा दे० दुगापचा ।
 दुर्गा देवी ती. ५३
 दुर्गापंचा दे० दुगापचा ।
 देव दे० देवता ।
 देव ऊठणी-एकादशी दू. ३२२
 देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५
 देवगति दू २७१
 देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५
 देवता ती ५७
 देवनीक ती. ७६
 देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५
 देवपाटन दे० देव-पट्टन ।
 देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।
 देवाण-विद्या प. १८५
 देवायर प. १६२
 देवी, (देवीजी) प ११, १८५, २०२,
 २०३, २७३, २७४, ३३६
 देवी, (देवीजी) दू १३, १७, १८,
 २२, २०३, २०४, २१७,
 २१८, २२०, २३७, २६७,
 २७२
 देवी, (देवीजी) ती १७, ६६, १५४, २६२
 देवोत्थान पर्व ती. २६५
 देत प. ३३६
 देत ती. २५२
 देवी-शक्ति दू २०३
 देव्यांशी दू. २०३
 द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,
 २८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६,
 २६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाथ दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनवाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२

नाग ती. ७४

नागही चारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-श्रंबक प. १, १२२

नासिक-श्र्यम्बक दे० नासिक-श्रंबक ।

प

पनग दू. २५३

परब्रह्म ती १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ९४, १२०, २५५

पावुजी दे० पुरुष-नामावली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पीढी (शिर्वालिंग) प. २१३, २१५, २१६

पोकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू २७७

„ ती. ८६

प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प २१३

प्रम प. १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वह्य प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणद्वंद्व (फर्नाद्र) प. १६०

ब

बभेसर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुली-जोगणी प. २०४

बावण-विसन प. १५

बिंद-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

ब्रह्मा वे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

,, दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती. ५३

भद्रकाली ती. १७

भव (शकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगळ (अग्नि) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्राधाहन प. १

मंदाकिनो ती. २०६

मक्का दू. ४६

मथुरा (मथुराजी) प. १३१, १३२,
३१२, ३५६

मथुरा (मथुराजी) दू. ११, १६, १४०

मथुरा (मथुराजी) ती. २०६

मरीच प. ७७, २८७

मरुतायकजी ती. २१३

मह-मोहन (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३

महाकाल प. १२५

महावेशजी प. ७, ११, १४४, १५४,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महावेशजी दू. २६७, २७२

महावेशजी रो पींडी प. २१६

महावेशजी रो लिंग प. २१३, २१६

महावेश-सोमइयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रोख प. ६, १६१

महीनाळ-तीर्थ प. ४४

महेसुर प. १८५

मांताधेन प. १

मांमा-खेजडो प. २४७

मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७

साताजी (देवी) दू. १८, ३३८

साया ती. ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

,, दू. २१०

,, ती. २४

मेखली ती. २७

य

यद्र प. २७८

यमपाश प. १२५

यमुना दे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११
 ,, कू. २६८
 रामचंद्र प. ६२
 रामदे पीर प. ३५०, ३५१
 रामेश (रामेश्वर) कू. ३८
 राकस (राक्षस) प. १३४
 राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५
 राक्षस दे० राकस ।
 राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४
 राम भगवान प. ६३
 राष्ट्रश्रेया देवी प. ३४
 ऋणछोड़जी दे० रणछोड़जी ।
 रिव प. २३१, ३५४
 रिचीकेश (श्राव पर्वत पर) प. १७८
 रडमाळ कू. २४६
 रद्र प. १६२, २७७
 रद्रनाग प. १६०
 रद्र महालय प. २७२, २७७, २७८
 रद्रमाळो (डूगरपुर-राजस्थान) प. ८५
 रद्रमाळो (मिदपुर-गुजरात) प. २७२,
 २७६, २७७,
 रद्रवाचा कू. २१
 रूपादे राणी कू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी कू. २७४
 लक्ष्मी ती. ५३
 लक्ष्मीनाथ ती. २२१
 लाग सगती ती. २२२
 लाय सगती ती. २२२
 लाभधर्म कू. ११८
 लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगस ती. १६
 वर कू. २६७

वर ती. १६५
 वरदान ती. १२०
 वर-वासण देवी प. ४७
 वाचाछळ देवीजी प. १३४
 वाणारसी दे. ग्राम नामावली ।
 वामन श्रवतार प. १५
 वासग प. २७८
 विधाता कू. २७४
 विनायक ती. १५४
 विष्णु दे० विष्णु भगवान ।
 विष्णु भगवान प. १५
 विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५
 विसनर कू. २४६
 विह दे० विधाता ।
 वेद प. १६२
 वैश्वत दे० वैश्वत-मनु ।
 वैश्वत-मनु प. ७८, ११६
 वैश्वानर कू. २४६
 वैष्णव प. ३०३
 वैष्णव ती. २१३
 वल्लभ प. २७८

श

शकर कू. २४६
 शख प. ३३६
 शशुजय प. ३३५
 शिव प. ८५
 शिव कू. २४६
 शिव ती. २८
 शिव-पट्टन प. २१३
 शिवलिंग प. २१३, २१५
 शेषनाग प. ६
 शैव (सिध) प. ३३
 श्रीमद्दिनायजी प. ३६
 श्रीमद्दिनारायण ती. १७७
 श्रीकुंजविहारीजी ती. २१३
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू. १, ३, ६, १५,
३५, ६३, २०६, ३०३
श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती. १७४, २७५
श्रीगंगश्यामजी ती. २१३, २१५
श्रीगोकुळनाथ (श्रीगोकुळीनाथ) प. २१३
श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३
" दू. २२२
" ती. १५७, २५०
श्रीपरमेश्वर दू. ३२२
श्रीभगवान ती. २५०
श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।
श्रीमहादेवजी सारणेश्वरजी प. १७३, १७८
श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) प. १११
" " दू. २४६,
२४७, २६८
श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) ती १७६,
२६६
श्रीरणछोडराय खेड ती. १७३
श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२,
२६३, २६५
" ती. १७८, २४६
श्रीलक्ष्मीनाथजी (जैसलमेर) ती २२१
श्रीवाराहजी प. २४
श्रीविष्णु दू. ३
स
संकर (शंकर) दू. २४६
सख प. २७८, ३३६
सकत (शक्ति) प. १८६
सचियायदेवी (सचियाय) प. ३३७, ३३६
" " ती. १७५
सपत पताळ प. १६२
सरग प. ७, १६०, २७८
" दू. २७३
सरस्वती प. १८५, २७७
" दू. ३, २६६
" ती. २६, १७३

सहस्रलिग दू. ३३
सारणेश्वरजी महादेव प. १७३, १७८
सारसक्त दे० सरस्वती ।
साळगरांम प. २०४
साधद प. ३६, ४७
सिकोतरी ती. २
सिद्ध प. २५४, २७८, २८५
" ती. २७, ७६
सिद्धपुर प. २७६, २७७
सिद्धपुर दू. २७२
सिध दे० सिद्ध ।
सिध (सिधधर्म=शैव) प. ३२
सिधपुरी प. १८६, १६०
सीतळा दू. १०६, १५५
सुर प. २७७, २७८
सुरथान प. १८८
सुरांगुर प. ३५४
सूरज (सूर्य) प. १. ३, ४३, ७८, १६०, २८७
" दू. ३७, ३०४
सूर्यवंश ती. १७७
सेत दे० सेतुवंध ।
सेतुवध प. ६, २७
" दू. ३८
सेत्रूजी प. २७६, ३३५
सेस प. ६, २२६
सेणी चारणी देवी प. २०४
सोमद्वयो प. २१४, २१५
सोमद्वयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,
२१६, २१७, ३३५
सोमद्वयो महादेव ती. २६४
सोमद्वयो-लिग प. २१३
सोमनाथ-पट्टन प. २१३
सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,
२१६, २१७, २१८,
२१९, ३३५
सोमनाथ महादेव, ती. २६४

सोरंभजी प. २१४

सोरों-घाट प. २१४

स्वर्ग प. ७, २७८

स्त्रग प. १८६, २४५

स्त्रग-सातमों प. २४५

ह

हडवूजी दे० हरभम पीर सांखलो ।

हर प. ३४२, ३४६

हर बू. ३२०

हरभम दे० हरभम पीर सांखलो ।

हरभम जाल प. ३५०

हरभम पीर सांखलो प. ३४८, ३५०,

३५१, ३५२

हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखलो ।

हरि प. ३४२, ३४६



सम्पूर्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-संख्या

[नाम की पंक्ति संख्या उस नाम का उस पंक्ति में होना चाहिये बताता है]

पृ. कॉ. प पुरुष नाम

२२	२२	२२	१३६, १४१
३१	१	६	आखी प. ३६३
५२	२	२०	३१, ३६१
७२	२	२	आलमसाह प. ५६
८१	१	४	३६१
८१	१	१०	३६२
९१	१	२	३६१
९२	२	९	३२०
१२२	१	७	कंधकू दू. २१४
१२२	१	८	कंधकूनाथ योगी दू. २१४
१३३	१	११	५, ६, १३, १५, १६, ७०
१३३	२	१०	करमचक्र पवार प. १२२
१४४	१	३	१६६
१४४	१	२७	१६५
१५५	१	३	१५६
१६६	२	२	काबो गढो प. १३६
१९९	२	१३	३१५
२००	२	५	३६३
२११	१	२४	३६१
२११	२	११	खीमो संकरोत दू. ८४
२२२	२	४	गंगस घोघो प. ५
२२२	२	१३	३३८
२३३	१	३	गढो काबो प. १३६
२३३	१	१६	३६३
२३३	१	३४	३५६
२४४	१	१२	गोकळ प. ३६१
२७७	१	३६	चवंडो दे० चूडो ।

पृ. कॉ. प पुरुष नाम

३२२	१	१४	३१८
३३३	२	२८	३१०
३५५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८
३६६	२	११	१६४
४११	२	३१	३१७, ३१८
४४४	२	१४	१६८, १६९
४७७	१	२१	१८३
५८८	२	६	१६६
४८८	२	७	१६८
४८८	२	अतिम	१६१
५००	१	२६	३५२
५००	२	३	११६
५४४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५५	१	२६	१७
५५५	१	अतिम	प्रधीराष प. २४३
५७७	१	२३	बहुन्नाल प. १८६
५७७	२	५	९७, ९८
५७७	२	२४	वालरथ प. २८८
६५५	२	२५	३४५, ३४६
६६६	२	२७	२६४, २६५, २६७
७२२	२	९	यशवंतसिंह रावल दे० पताई रावल
७६६	१	अतिम	३१६
७७७	१	३५	१८६, १९०
८११	२	२६	लसकरी कैमरो प. ३००
८६६	१	४	१०१

पृ. काँ. प.	पुरुष नाम	पृ. काँ. पं.	सांस्कृतिक
६८ १ ३	साह आलम प. ५६	१७ १ ३१	किरियाणो (प्रसूता की
१०१ २ २६	२८३		पौष्टिक खाद्य-सामग्री
१०२ २ २३	१०२ से ११०		ह. २८०
	भौगोलिक	१७३ २ ६	कोडवान वृ. २२३
१२० २ ६	२३६	१७३ २ २५	गोडो वाळणो वृ. ११६
१२८ २ १६	४१	१७४ १ ७	३३६
१३२ २ १७	जाभोरो सीयळां रो वृ० ६	१७५ २ ७	दान-पुन्य प. १३६. २६६
१४३ २ ३	पूछणो ह. १६४ दे० पूछणो	१७५ २ १३	दायजो प. ७६
	सांस्कृतिक	१७५ २ २५	हुहागण वृ. १०
१७२ १ १६	अमल रो पोतो प. १०२	१७६ २ ६	पाणी देणो वृ. ३३७
१७२ १ २४	अलाइ-वलाइ प. १००	१७६ २ ११	पाघडो-भाई वृ. ६६
१७२ २ ६	आहुखानो प ८६	१७६ २ ३७	पोतो प. १०२
१७२ २ १३	१३४, २०६	१७६ २	अंतिम प्रळंदातार वृ. १२०



परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुडलिया ज्योतिष-शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थी, अतः यहाँ दी जा रही है—

रांगा सांगा री जन्मकुंडली

समत १५३६ रा वैशाख वद ६ सागा री जनम । समत १५६६ जेठ सुद ५ राणो सागो पाट वैठो । (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत)

३	२	१
४ वृ	शु बु रा	१२ र
५	श्री॥	११ च
६	न	१०
७ मं. ग.	के	९

राणो उदैसिध री जन्मपत्री

राणो उदैसिध, समत १५७६ भाद्रवा सुद ११ जनम । सं० १६२६ रा फागुण सुद १५ राणो उदैसिध काळ प्राप्त हुयो । (ख्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

६ शु के	५	४ म
७	र बु	३
न च	श्री॥	२
६	११	१
१० वृ.	श	१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

स० १६११ असाढ वदी ५ रविवार री जनम (ख्यात पत्र ६ सू)

४	३	२ बु
५ म	सू रा	१ शु
६	श्री॥	१२ श गु
७	६	११ च
८	के	१०

सगर री जन्म

स० १६१३ भादवा वदी ३ री सगर री जन्म (ख्यात पत्र ६)

३ मं	२	१ श
४ र	रा	१२
५ बु	श्री॥	११ च
६ शु	८	१०
७	के	६

महाराणा प्रताप री जन्मकुंडळी

सं० १६६६ जेठ सुद ३ रविवार री राणा प्रताप री जन्म (ख्यात पत्र ७)

११	१०	६
१२ रा		८
१	श्री॥	७
२ र	४	६ म म के
३ पु. सु. च	६	५

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (व्यात पत्र ८)

३ के	२	१
४ र		१२ वृ.श.
५ शु. वु	श्री॥	११
६ म	८	१०
७		६ रा. च.

राणा जगत्सिंघ री जन्मकुंडली

जन्म स० १६६४ रा भादवा सुद १२, संमत १७१४ रा जेठ माहिं घवलपुर री लड़ाई काम आयो ।

६ शु ब च	५ र	४
७	म रा	३
८		२
९ श	११ के	१
१०		१२ वृ

परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली

स०	—	सज्ञा	प.	—	तेणसी री ख्यात का पहला भाग
व.व.	—	वहु वचन	दू.	—	” ” दूसरा भाग
दे०		देखिये	ती.	—	” ” तीसरा भाग

अखैसाही नाणो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

अनवी—परवतसर और महारोट के अनन्न वीर रावल उद्धरण दहिये का विरुद ।

अभंगनाथ—विजयी वीरों में श्रेष्ठ वीर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का, घस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ ।

असख प्रवाड़-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असह्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असत धान—१ हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुगलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

(य व.—असुरां, असुराण, असुरायण, असराळ, असुराळ, अल्लाळ)

आऊठ फोड़ वभणवाड़ } — नवलखी सिध का वभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।
 आऊठ फोड़ सामई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग
 नवलखी सिध के नान से प्रसिद्ध थे । वंभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा
 जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २ विजयराव चूडाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में घागे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति । २ मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—वे दीत-ब्राह्मण ।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि ।

आरंभरान—('आरंभ + आराण' का अपभ्रंश रूप) वह शक्तिमान राजा या बादशाह जो कित्ती भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह औरगजेव रा विरुद ।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—'आहाड़ा' नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोदियों (शासकों) का एक विरुद ।

आहूठमा नरेश—दिल्ली के शिशोदिया नरेशों का एक विरुद ।

इद्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह दिशाओं में से एक ।

इक्को—दे० एको ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन के अदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि ।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य ।

उप धियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं। हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर घड़ से लड़ते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं। इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो संख्याएँ शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं।

'उमराव' अमीर शब्द का बहुवचन रूप है ।

'उमराव' और 'उमराव बनो' राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

ऋषि, ऋषीश्वर—१ वेद-मंत्रों का प्रकाशक, मंत्र-द्रष्टा । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्वों का ज्ञाता ।

एको—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का श्रंग-रक्षक ।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गड़रिया ।

ओकर—१. डुवंचन, गाली । २. विष्टा ।

ओठी—ऊट सवार (१. ऊंट । २. ऊट से सम्बन्धित ।)

ओढो-रांवण—रावण के समान भयंकर महाबली दोदा सूमरे का विरुद । (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था । २. मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा ।

ओळगण—गानेवाली ढाढ़िन नौकरानी । (१. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

श्रोळगू—गाने खजाने वाला हाडी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का । २. राजकुंवरी । ३. पुत्र ।

कँवराणी—कुवर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गगा ।

कणवारियो—खेतों में से कूता किया हुआ नाज इफट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में आये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-घासित पानी ।

कमघ, कमघ, कमघज, कमघजियो—राठौड़ क्षत्रियों का विरुद ।

करहीरो—ऊट सवार, करभारोही ।

करोड़ी, कियोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता धारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कस्तूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमृग ।

कलावत—१. सगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचळी—पृथ्वी नेग

कांठळियो—१. सीमा रक्षक । २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कानूगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कामदार—जागीरदार की जागीरो का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कामेती—दे० कामदार ।

काळ, पचाळ—कच्छ और पाचाल देश की एक देवी ।

काळरख्य—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-मर्यादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी । ६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समय ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलंक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलव, किलम—कलसा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम । (ब व.—किलवा, किलवाण, किलमां, किलमाण, किलमायण)

किलेदार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-मांणो—

कुंवर पछेवड़ी—

कुंवर पांमरी—

कुंवर सूखड़ी—

} कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांणो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रवर्तित कुतुबशाही मुद्रा ।

कूरवाण—मास-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-संस्कार ।

केसरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलधा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोद्विषी का एक विरुद ।

कोटवाल—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला धीर पुरुष ।

खबरदार—संदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूण—घायब्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खांगड़ो—१. राठोड़ राजपूत । २. राठोड़ों का एक विरुद । ३. धीर ।

खांगीवध—राठोड़ों का एक विरुद ।

खांट जात—भील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी । खानों की संख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सत्तार खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ती—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरा, खिलोरी, खिलोहरी—१. जगली मनुष्य । २. भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसाणा—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. व. खुरसाणा, खुरसाणा)

खूदालम—बादशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ।

खूमांणो—राज्य खूमाण के वंशज शिशोद्विषी क्षत्रियों का विरुद ।

खूर—लाक्षणिक-अर्थ में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री वाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ मे राठौड़ क्षत्रियो का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गग—१. राना घणसूर मोहिल का विरुद । २. राव गांगा की ऊन सत्ता ।

गजधर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गूल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद ।

गोडो वालणो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदव—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।

२. विद्रोही, दागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी दाटी का भोजन । ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ दाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पूरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुँचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरंधार—फोळू के शासक पने का विरुद ।

चकद्वै—चक्रधर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोडों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस । २. घोडो को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर ।

चवरासियो—चौरासी गाँवों का स्वामी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चींचड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिदा वीर योद्धा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुष-बुध रहित व गंदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध वीर भाटी विजयराव का विरुद ।

चोटी-बढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी ।

चोधरी—१. गाँव की चौधराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चौरासिया-ठाकर—१. चौरासी गाँवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठी—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीवरदार, चोबदार ।

छत्तीस पवन—१. चारों वर्ण और उनके अंतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २. सत्तार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले धीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद्ध । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद्ध ।

जवादि जळहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीडा या मजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३ सुगंधित किये हुए जलागार से की जाने वाली स्नान-क्रीडा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगलधर—१. वीकानेर के राठौड़ राजाओं की उपाधि और विरुद्ध । २ वीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नाणो—जलालशाही रूपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणारु—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जाम—तौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१ बड़ा योगी, योगीश्वर । २ राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झोंटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोंटिंग—१. घने वालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रूपया । २. दो पैसे ($६० \frac{१}{३२}$) का सिक्का, रूपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युधराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकराणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलघान सत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर—१. ठाकुर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर—१ श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी—१ जागीरदार की एक दासी । २ पुत्री ।

डोली—ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

ढोल दिरावणो—ब्राह्मण के समय सूचना देने और सगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना ।

डावी-पाघ—शठीड़ों को पगड़ी का एक पेश ।

तपसी—तपस्वी साधु ।

तहड़-कूण—सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक—मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकांणी—१ तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २ मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग—१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दळथभण—जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद्ध ।

दसमो साळगरांम-गोकुळीनाथ—जालोर के प्रख्यात वीर राव फान्हडदे सोनगरे का विरुद्ध ।

दानेसर, दानेसवर—प्रभात नाम महादानी कुन्ता पुत्र कर्ण (वंसुषेण) का विरुद्ध ।

दांम—पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के २० १ के १६०० दाम होते थे) ।

दीत—दे० दीत-ब्राह्मण ।

दीत-ब्राह्मण—चित्तौड़ के शासक सीसोदियों के पूर्वजों (धन शर्मा के चाद गोवसीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या श्रल्ल ।

दीवांण—१ मेवाड़ के सीसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद्ध । (मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कलिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुगांणी—१ रुपये के सौवें भाग का एक पुराना सिक्का ।

२, व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुर्गाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)—इंदावाटी में दुगाय पंचत पर की दुगर माता देवी । दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत—१. बेशपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो—प्रतिज्ञा ।

घाड़वी, घाड़ायत, घाड़ायती, घाड़ेत, घाड़ेती—डाका डालकर धन लूटने वाला व्यक्ति ।

घाय-भाई—घा-भाई, दूध-भाई । स्तनपान कराने वाली घाय का पुत्र । २. घाय-भाई के वंशजों की उपाधि ।

घारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरूद-गान करने वाला सेवक ।

नगारी दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और धीरों का सगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।

नवाब—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।

नव कोटी-मारवाड़—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।

नव-सहस्रो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरूद । २. धीर राठौड़ क्षत्री ।

नागदहा—नागदहा गांव में बसने के कारण मेवाड़ के सीसोदिया-शासकों का एक विरूद ।

नादेत-नीसाणेत—चाचग के वंशज रुणवाय के साखलों का विरूद ।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति ।

न्याळां—१. खाखेट-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।

पंचाघ कूण—उत्तर और घायव्य के बीच की विशा का नाम ।

पटू—प्रतिभू, जामिन ।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्दे में रहने का सम्मान मिला हो ।

पताई-रावळ—पावागढ (गुजरात) के धीर रावल यशवंतसिंह का विरूद ।

परत-री-वेढ—शर्त की लड़ाई ।

परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टंटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।

पांडव—घोड़े का सईस ।

पाइक—१. पैदल सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।

पाखा-देवळी—१. राजा का परिजन या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।

पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।

पाटोघर—पट्टाधिकारी, राजा ।

पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि । २. चारण ।

पातर—१. राजाओं की गायिका । २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।

पातळ—जग-विख्यात महाराना धीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—बादशाह ।

पासवान—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका बर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रूपया ।

पीथल—'क्रिसन रुकमणी री वेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठीड पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—दासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—दे० उडणो-प्रयीराज

पेरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाङ्मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२- दे० प्रसंख प्रवाङ्-जैतवादी ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । २. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फरसि ।

फरीघर, फरसीघर—परशुघर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

वघांणी—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्तित्व ।

वगसी—वेतन घांटने वाला अधिकारी, बक्सी ।

वलवड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

वहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

वा--१. सीरोष्ट्र और गुजरात के राजवाडों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माध्यम-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

वाजरियो—१. एक मांस भोजन । २. बरत का एक विशेष भोजन-समारोह ।

वादशाह- हिन्दूतर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

वायड—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

वायडियो—नशा करने की आवृत्त वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

वारोटियो—१. लुटेरा । २. धिरोही, बलवाखोर ।

बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का खाबिन्द या फरजद होने के नाते साक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय ।

बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।

ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि ।

भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—कपाट की भाँति प्रवरोध बनकर शत्रु को आगे नहीं बढने देकर देश की रक्षा करने वाले धीर योद्धाओं का विरुद्ध ।

भड़-लखमसी—चित्तौड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरुद्ध ।

भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की दिशा ।

भांग-रा-हिमायचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भांग पीने की आवत वाला ।

भूँछ लोग—१. धर्मनीति और राजनीति से अनभिज्ञ लोग । २. असभ्य लोग ।

भूमियो—१. थोड़ी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहुज्ञ ।

मंडलीक—१. देरावर के देहड़, बूहड़ और गुणरंग का विरुद्ध व उनकी उपाधि । २. मंडलीक राजा, मंडलपति ।

मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अगले वर्ष सुकाल हो जाने पर वापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।

मनसबदार—बादशाही राजत्वकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।

मलेछ, मलेछ—१. साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्मी ।

महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का ।

महाजन—१. वैश्य, धणिक । २. धनी व्यक्ति । ३. श्रेष्ठ-पुरुष ।

महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि ।

महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।

महाराज कँवार—युवराज ।

महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।

महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सत्ताठ ।

महावत—फीलवान ।

मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के डोला की पत्नी । २. मारवाड़ देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका ।

मारवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरुद्ध ।

मारु—१. मारवाड़ देश । २. मारवाड़ देश का निवासी (य. व. मारुवा, मारुवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. दे० मारवणी ।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अतरग लोग ।

मिरजा—१. मुगलो की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २ लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. क्षमीर ।

मुंहणोत—राव सीहा के वंशज खेड़-पाटण के राठोड़ राव रायपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा ।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक अल्ल ।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद ।

मूँछाळो-मालदे--जालोर के राव कान्हड़दे सोनगरा का भाई वीर मालदेख सांवतसीओत का विरुद ।

मूर्छा-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊँचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, श्रोवी की शिकार । २. किसी झाड़ी, खड्डे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('मलेच्छ' का अपभ्रंश रूप । व. व. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळग--चारण ।

मेवाड़ो—१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय । २. मेवाड़ का निवासी ।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला ।

मेवासो--मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान ।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उदैसिंह की उपाधि या उपनाम । (क्षरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी—१ भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २ आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रढ-रांण—१. राता इन्द्रवीर मोहिल का विरुद । २ रावण के समान दड़ और हठी वीर का विशेषण । ('रढरांण' इसका छोटा रूप है)

रखद—रीद लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (व. व. रखदां, रखदांण, रखदांण, रखदायण, रखदायत, रखदाळ)

रसोईदार—रसोइया ।

रांगा—१. करण रावल के पुत्र राता राहप से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि । २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुड़ा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि । ३. छापर-द्रोणपुर के मोहिल शासको की उपाधि । ४. राना, राजा ।
(सं० रांगाई)

राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।

रा—कच्छ और सोरठ के शासको की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की वेधली का शिखालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्ग ।

राउ—दे० राव ।

राजलोक—१. अंतःपुर, रनिवास । २. रानी । ३. रानियाँ ।

राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजघराने का व्यक्ति ।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २. नृपति । (सं० राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की वेगार निकालती है । वेगारी ।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।

राव—१. मारवाड़ के शुरू के कुछ राठौड़ शासको की उपाधि । २. भादो की उपाधि ।
३. राजा । ४. सरदार । (सं० रावाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (सं० रावताई) २, भील जाति ।

रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २. रावल बापा के पिता भोजादिश्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड़ के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सिणघरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. डूंगरपुर और वांसवाहला (बासवाड़ा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि ।

राहवेधी—डूरवेश ।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहां ही रहने के अधिकार के कारण यह संज्ञा दी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१. हारीत ऋषि । २. ऋषि ।

रुठी-राणी—१. राव मालदेव की रानी उमादे भटियानी का स्वाभिमानी नाम ।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की विशा का नाम ।

रौद—दे० रवद । (घ. घ. रौदा, रौदांग, रौदाइल, रौदायल, रौदाळ)

रौद्रे—दे० रवद । (ब. व. रौद्रा, रौद्राइन, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद ।

२. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक । ३. बहुत शीकीन ।

लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लांघां-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत धीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद्ध अथवा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लू टेरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

बजोर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

बड कँवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी ।

बडारण—ऊँचे बर्जे वाली दासी ।

बरतियो—१. तांत्रिक । २. जैन जती ।

बसी, बसीवांन (बसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गाँव में बसने वाली प्रजा ।

बांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद्ध ।

बातपोस—राजाओं के मनोरजनार्थ कहानियों और ख्यात-बातें सुनाने वाला अथवा हांकारा देने वाला व्यक्ति ।

बावसू—१. गुप्तचर । २. वायुवेग के समान भाग कर सवर लाने वाला व्यक्ति ।

बाहग—१. गुप्तचर । २. बीडा करने वाला ।

बाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

बाहाऊ—दे० बाहरू ।

बिचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

बिजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा बिजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

बैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

बैरायत—१. बैर का बबला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति ।

बोढो-रांवरण—दे० ओढो रांषण ।

बोहरो—१. ब्याज पर रुपये उधार देने वाला बणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

बोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, घस्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गध, माला, फल, दाम्या, पाटुका, गौ, सुवर्ण और चादी—इन सोलह वस्तुओं का दान बोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकळीनाथ—दे० बसमों साळगराम गोकळीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भटियामी आदि किसी लोकदेवी का आवेश

होता हो । २. देव्यांशी स्त्री । ३. जोगिनी ।

सतवादी—वे० सत्यव्रत ।

सती—१. दानी । २. सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४. मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५. जीहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुद्ध ।

सर्मा—चित्तौड़ के शासकों के अर्थात् पूर्वज विजयपान शर्मा से धन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि ।

सवणी—शकुनी, शकुन-शास्त्री ।

सहेली—१. दासी का एक प्रकार । २. साथिन ।

सामघरमी—वे० सामभगत ।

सामभगत—स्वामीभवत ।

सांवत—१. धीरे में प्रधान धीर. सामंत । २. ठाकुर, सरदार ।

सापुरस—भला आदमी ।

साह—१. प्रतिष्ठित व्यक्ति । २. बादशाह । ३. बुदेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि ।

साहणी—घोड़ों के तबले का बरोग ।

साहिजादी—शाहजादी ।

साहिजादी—शाहजादा ।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।

सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा-पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरुद्ध ।

सिरदार—१. राजपूत । २. जागीरदार, सरदार ।

सीसोदिया—सीसोवा गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि ।

सुख—१. प्रेम, २. मेल-मिलाप, ३. नैरोग्य ।

सुलताण—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी । २. बादशाह ।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकर्मज्ञ ।

सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।

सेलहथ—१. धीर पुरुषों की एक उपाधि । २. भालाधारी धीर पुरुष ।

सेसू—गुप्तधर ।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।

सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोने का सिक्का ।

हुलालखोर-खासो—१. बादशाह का खास एतवारी नौकर ।

हंभू—महाराजा हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मेंढा, घेदा ।

हुरददनी—विजयराव चूड़ाले के पुत्र देवराज का विरुद्ध और उपनाम ।

हेठवाणी, हेठवाणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।



परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

अग
अंगज
अगोभव
अंगोभ्रम
अंसी
अभिनमो
आणी
आतमज
उत
ऊत
ओत
कँवर
कळोघर
कुवर
कुळचद
कुळदीप
कुळवीपक
कुळघर
कुळघारक
कुळभाण
कुळमंड
कुळमंडण
छावडो
छावो
जायो
जोष
जोधार

डावडो
डीकरो
तण
तणो
तणो
वीकरो
घन
पाटोघर
पुल्ल
पूंगडो
पूत
पेठ
वेटो
भ्रम
रो
लाडो
वसधर
वत
वाळो
सभ्रम
साव
सुजाव
सुत
सुतरण
सुष
सुवण

परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमी
अभिनमी
कळोघर
कुळज
हुवो
पेट
पोतरो
पोतो
पोत्रो

बीजो
बीयो
वंसज
वसोघर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो

परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ.	काँ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१		१	॥ दे० ॥	एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परपरा का मगल-चिन्ह, जो मारवाड़ी भाषा का बिलीटी (वर्णमाला) के आदि में लिखा-पढाया जाता है ।
१	७		इछना	इछना
१	२६		ब्राह्मण	ब्राह्मणों के
२	३		बलियाँ	बलियाँ
२	५		रहि नें	रहिन
२	६		पटोला	पटोला
२	११		बेटो ^{२२} हूँ	बेटो हूँ ^{२२}
३	१८		चीतोड़	चीतोड़
४	३०		म	में
५	३		तयण	नयण
५	६		भालांबळी	भालांबळी
६	६		जसक	जसकर
६	१५		धीरसर्मा	धीरसर्मा
१०	२०		पीढाँ	पीढयाँ
११	२०		देव राठासण	देवी राठासण
१२	२		अविचल	अविचळ
१२	७		वधियो	वधियो ^७
१३	६		माहापतुं	माहाप नूं
१३	६		घरांरी	घरां री
			पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'भर्जसी' के स्थान 'जंसीह' होना चाहिये ।	
१४	६		डेरांसू	डेरां सू
१४	६		गढ-रोहे	गढरोहे
१५	१७		खमणोर	खमणोर
१६	१		महियो	महियो
१६	२		डूगररा	डूगर रा
१६	२३		बहतो	बस्ती
१६	२५		ी	ली

पृ. काँ. पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१७	२८ 'असख प्रवाङ्-जैतवादी' (असंख्य युद्धों में विजयी) का विरुद्ध प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके बापे राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।	
१८	७ पारवतीरे	पाखती रे
१८	९ 'सुगिधो छै' के बाद पूर्ण-विराम नहीं है ।	
१८	२७ अक्रमण	आक्रमण
१९	२ घर	घर
१९	२९ राज्यधिकारी	राज्याधिकारी
२२	पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '९ सगर' जोड़िये ।	
२२	२८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये— 17. आधा दिया । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहायता की ।	
२३	१७ दोहीतो	दोहीतो
२३	२१ ऊपर करे छै ^{१७} ,	ऊपर करे छै,
२३	२७ १७ जैता का पुत्र	१७ रूपसिंह, जैता के पुत्र देवीदास का दोहिता ।
२४	२८ १६२९	१६३९
२५	१५ ९ सबळसिध	१० सबळसिध
२५	१६ गाँव ४ जालोररा कुरड़ासू । दिया ।***दीधी दस ।	गाँव ४ जाळोर रा कुरड़ा-सू दिया ।
२५	२७ घास के निमित्त जो गाँव थे उनमें से चार उसे दिये ।	कुरड़ा सहित जालोर के ४ गाँव दिये ।
२७	३; सैद माखन	सैद माखण
२८	१३ काल	काल
२९	४ मिलीयो	मिळियो
२९	११ जागीर कीयो	तागीर कियो
२९	१२ नोमच	नोमच
२९	१३ देवलियारो गढ़ासिध	देवळिया री गढ़ासंघ
२९	२२ गाळ	गाळ
२९	२६ 10 जळ	10 देवलिया के निकट
३०	७ मिलीया	मिळिया
३०	१२ काल कीयो	काल कियो
३२	२३ पाल	पाल
३४	२९ दरी	दर्रा ।
३५	३६ जावद	जावर

पृ. क्र. काँ	प. अशुद्ध	शुद्ध
३६	१३ उदैपुर कोस छपनिया- राठीझारो उत्तन छै	उदैपुर सू कोस... छपनिया-राठीझारो उत्तन छै
४०	२ दुरदास	दुरसदास (दुरगदास)
४०	१० मार लांछां	मारलां छां
४०	१८ बाघोरा	बाघोर
४०	२० भोरडा	भोरड
४१	५ वरदाडो	वरवाडो
४३	१८ सारंग दे ओतांरी	सारंगदेओतां री
४३	२८ महल मे	महल
४७	१ दलोल-कलोस	दलोल-कलोल
४७	६ खभणोर	खभणोर
४७	११/१२ मीरमी पहु नै	मीरमीपहुवै
५०	१६ रतसीरो	रतनसी रो
५०	२८ जगमाल का पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की-वेटी हाडी
५३	३६ देहुरै	देहुरै
५२	२२ कोसाथळ	कोसीथल
५३	२६ राघवदे	राघवदे
५४	२२ ऊपर ^{२६} डाय	ऊपरडाय ^{२६}
५४	३० ऊपर दाघ=आक्रमण करने वालो से	ऊपर वालों से
५६	१ तेरे	तरै
५६	१० चढती ही नै	नै चढता ही
५६	१६ वृढ	हुठ
५७	१ चावडारा	चावंड रा
५७	३ चावडांरा	चावंड रा
५७	२१ छट	छूट
५६	२ थाप लियो	थापलियो
५६	१० खूमाण	खूमाणै
५६	२६ हडा	हाडा
६१	१६ वेढ नै कीजै	वेढ न कीजै
६१	१६ आग	आगै
६२	४ बालीसा	बालीसो
६३	४ वे घमरी	वेघम री
६३	७ बाघारो	बाघारो
६४	१ विसेरिया-चाकर	विसोरियो-चाकर

पृ. काँ	पं. अशुद्ध	शुद्ध
६४	१५ पीया घाळो बाळियो	पीया घाळो गाम बाळियो
६४	१८ म्हां मारे	म्हा माहे
६५	१८ फिर संका	फिर सकां
६७	२१ पचाइण । रूपसीरो	पंचाइण रूपसी रो
७०	१६ पछे सं	पछे सं ^४
७०	१७ रजुआत ^४	रजुआत
७१	२५ २ सत्कार	२ सत्कार होगा
७१	२८ टिप्पणी सं० ८ और १० के बीच में सं० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों बासों में (जगहों में) नहीं रखेंगे ।'	
७१	२६ शपथ	शपथ करके
७३	२५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से	४. रावल प्रताप की खवास पधां बनियाइल के गर्भ से
७४	६ वासवारलारो	वासवाहळा रो
७४	६ 'माही-माह' के ऊपर सं० ९ लगाकर आगे की सभी सख्याओं को एक-एक वढाकर पक्ति २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम सख्या १८ को १९ समझें और टिप्पणी की अंतिम पक्ति में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों', और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये ।	
७६	१८ मेल बीनो	मेलबीन्हो
७६	१६ डील	डील
७७	६ ऊभो मेलन	ऊभो मेलन
७९	१३ तेजसी	तेजसी
८०	२६ चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७ चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८ दीठ	दीठो
८१	१६ डूगरपुर	डूगरपुर
८१	२३ कहेक	केहेक
८२	१० डूगरसूँघणी	डूगर सुं घणी
८३	६ घरा	घरां
८३	२० बया	दिया
८४	८ उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३ घर	घर
८५	१६ तासु	ता सु
८६	५ ठाड़	ठीड़

पृ. कां. प.	अशुद्ध	शुद्ध
८७	१४ कुलसिंघ	कुसळसिंघणु
८७	१८ भलेरो	भलेरो
८७	२५ पोन	पोन कोस मे
८७	२७ की ओर	पूर्व दिशा की ओर
८७	२४ गढ़ा	गढ़ासंघ
८८	१ संघ	
८८	६ बडो इतबाय	घडो इतवार
९१	४ तठ	तठ
९२	४ ईणारे	इणारे
७५	१ बलायां	बलायां
९६	८ नाहररो	नरहर रो
९६	२१ दसाहरा	दसाहरा को
९६	२५ तब रहने के लिये	जहाँ रहने के लिये
९६	२५ भविष्य	भविष्य की
९६	२६ अरबी घोड़े	ऐराकी घोड़े
१००	६ घोड़ा	घोड़ा
१०१	१७ ६ जब	६ जबू
१०३	१३ कह्यो	कह्यो
१०३	२६ सो बरस पोहँचे मर जाना	सो बरस पोहँचे = मर जाय
१०४	१३ भावें नहीं	भावें नहीं
१०४	२८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल आने नहीं देता	वे तो बहुत ही (जुशी से) आ जायें परंतु सूरजमल आने नहीं देता
१०५	५ मोडारो बारहठ	गोड़ां रो बारहठ
१०६	२ लाख दे विदा कियो	लाख पसाव दे विदा कियो
१०६	८ 'सुहाणो नहीं' पर सं० ७ पढ़िये । पक्षि ६ में 'कुमया करे छै' पर ८ और 'फासूं बीठो ?' ९. इसी प्रकार सब मे एक-एक बढ़ाकर पं० २२ मे 'पात' पर सगी सं० १५ को १६ पढ़िये । पक्षि २६ में '१६ चारण' जोड़िये ।	
१०६	१६ लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७ १३ ऊँचे वृक्ष पर मंचान बांधकर कियो जाने वाला शिकार ।	
१०८	६ राणो कह्यो	राणं कह्यो
११०	२० आंतरदो	आंतरदो
११३	२ भाखरके	भाखर के
११३	३ भाखरवाळारो	भाखर घळा रो
११३	६ वाघ-वाड़ी	वाग-वाड़ी

पृ. काँ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
११३ १६ खीचियां रो । उत्तन	खीचियां रो उत्तन
११३ १८ घुडवाणरा	गुडवाण रो
११३ २६ 19 मऊसै । 20. कोस पर घूलकोट	19 मऊ से ७ कोस पर घूलकोट...
११३ २८ 21 गुडगांव ।	20 गुंडवान ।
११३ २९ 22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४ १३ नान	नांम
११४ २६ सेवज	सैवज
११५ १५ खातखेडी	खाताखेडी
११५ १५ भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५ १७ वाघरो	वाघ रो
११५ २६ 11 जिसको भील''''करलिया	11 'मारली' एक गांव का नाम है ।
११५ २७ वाघकी	वाघ की
११५ २८ 13 दोनों	13 'वेहु' एक गाव का नाम है ।
११६ १० जीलवाडो	जीलवाडो
११८ ५ वीहू पना	घीहू पना
११९ २१ घावै	घावै
१२० २ तापिया	तपिया
१२२ शीर्षक अत	अथ
१२२ ३ सुणियो छै । दिखणनू	सुणियो छै दिखण नूं
१२२ १५ पित्रावरण	मित्रावरण
१२३ १६ रोहडो	रोहडी
१२४ १९ कुतरी	कुतल रो
१२४ २७ कुतकी	कुतल की
१२५ २२ 'दुरात्मा बावशाह के' आगे की समस्त	टिप्पणी का संतर पृ. १२६ की टिप्पणी है ।
१२६ ९ दूह	दूठ
१२७ ४ जगहरो	जतहर रो
१२७ ९ राठ	राठ
१३१ २४ चंपराय	चंपतराय
१३४ १५ बलाई	बलाइ
१३५ २ ७ १४ कीतू	१४ कीतू ^६
१३५ २५ 1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाडों के बीच में ।	1 सोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खम में आडू से १० कोस पर नया शहर बसाया ।
१३६ २१ बगतरी	बगतर रो

पृ. क्रॉ. प. प्रशुद्ध

शुद्ध

१३८	६ वडा	वडो
१३८	१५ वोठो	वोठो
१३९	२९ विनय	विनय से
१४१	१६ घरकसो	घरकसो
१४१	१९ सूळ	सूल
१४१	२१ सूळ	सूल
१४१	२९ दिया	दिलवाया
१४३	३ रणघीरोत	रणघीरोत
१४३	१२ बाहमेर	बाहमेर
१४४	२ कोई	काई
१४६	१६ कह्यो	कह्यो
१५०	१५ सीसोदिया	सीसोदियो
१५१	२ लिसाण	लिसाणो
१५५	११ राबळा-घरां मांहे	राबळा घरा मांहे
१५५	२२ लेकिन बिन था	लेकिन जीवन के बिन शेष थे
१५८	९ ऊबो लखारो	ऊबो लाखा रो
१५८	२८ राबत सेखावत	राबत सेखावत
१६०	२६ नवसरा	नवसरो
१६३	२१ कुळपाणे	कुळपांणी
१६४	२५ सिवाणरो	सिवांण रो
१७०	९ चौबोळ एकलवा घर	चौबो एकल वाड घर
१७०	१० छाल	छडा
१७०	१ लूट	सूट
१७१	३ हा कलियो	हाकलियो
१७१	शुरूकी चार पंक्तियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अंतिम तीन पंक्तियाँ हैं ।	
१७२	२३ वे ही राब	वे भी राब
१७३	१२ भोररा	भोरा रा
१७४	२१ सीघणोतो	सीघणोतो
१७५	१ ३ उडवायिड्यो	उडवायिड्यो
१७६	१ १५ भोररा	भोरा रा
१७६	२ १४ अकेली	आकेली

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएँ गलत हैं, अतः इन ती पृष्ठों में लगी पृष्ठ संख्याओं को दो-दो कम करके ठीक कर लें ।

३ कॉ. १ अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं। दुबारा वाली १८५ और १८६ सख्याएं यथाक्रम हैं।

१७८ १	१ घागड़ियो । देवडारो उत्तन	१ घागड़िया-देवड़ां रो उत्तन
१७९ २	२२ माहिचावो	अहिचावो
१८० १	४ अहिचावो खूत्वा	अहिचावो खुरद
१८० १	१३ ओठवाडिया । चारणारो	ओठवाडियो चारणां रो
१८० १	१४-१५ कासधरा । घघवाडिया । खीवरानजू	कासधरा घघवाडिया खीवरान नूं
१८२	२७ खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख वीं ।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख वीं ।
१८४	२० अमंमव	असंम
१८४	२८ टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टीकायतो की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए ।'	
१८६	२८ 12 जोरावर ।	12 १. जोरावर । २. चौहान-क्षत्री
१८७	२० बूठ	बूठ
१९०	१९ कीकम्म	कीकम्म
१९१	२५ महारोर वं	महा रोरव
१९२	१८ बएहि	बरगह
१९२	२२ पनोसीह पळिरो	पनो सीहपळ रो
१९२	२७ विखद	विखद
१९३	१४ बळी	बळी
१९३	२२ खांपा सीपली	खांपा सीपल
१९३	२७ गिखाने	गिखाना
१९४	१३ रेवतर्क	रेवतर्क
१९८	१ खांरिं नै	खांरिं
१९८	२६ भावा के	भावा के
१९८	२१ ओगोदास	ओगोदास
२०१	७ दिनसरो	दीनसरो
२०४	९ मडरो है । आळोर रं	मडरो है आळोर रं
२०५	२१ मेयो	मेयो
२०७	७ कटिया नाम	कटिया नाम
२१७	११ नै	नै
२२१	३४ श्रीगणेश	श्रीगणेश
२२४	१ रावलीसी	रावलीसी

पृ. क्रॉ.	पं. अशुद्ध	शुद्ध
२२०	३ रावळीजी	रावळजी
२२०	८ सूळ	सूल
२२०	१६ झापे	झापे
२२१	१० बरवर	बराबर
२२२	१४ राण	राण
२२४	१७ १ लिखमण सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७	८ वढ	वढ
२२७	२१ महता	मुहता
२३०	२१ मोहळ	मोहल
२३१	५ लि	रिष
२३१	१८ भारवर	भाखर
२३२	३ चेंवरीकी	चेंवरी की
२३४	१४ विहानू	विहारी नू
२३७	२३ कान्हिसिध जंतसीयोतरं	कान्ह, सिध जंतसीयोत रं
२४०	१ सभाङ्गो	संभाणो
२४०	१६ अमो	अमो
२४०	२१ अमो	अलो
२४१	६ भारवर	भाखर
२४३	२३ भीवां का बेटा राणा का	भीवा का बेटा राणा
२४५	११ लोद्रां चीलू आंध	लोद्रा ची लूआंध
२४५	२२ टिप्पणी सं० 18 इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास जालोर परगने का सेणा एक छोटा सा परगना है ।	
२४६	४ तासु	ता सु
२४६	७ निपठ	निपट
२४६	१३ बाहर	बाहर
२४७	२ १७ नवभण	नवघण
२४६	२७ जंतमाल की बेटी को	जंतमाल की बेटी पत्नी की
२५०	२ खेढो	खेढो
२५०	१३ माणकरा व	माणकराध
२५१	१३ जाहल	जायल
२५३	६ धरि हा हा संके	धरिहाहा संके
२५६	१० साथ रैन खीचिया	साथरे नै खीचिया
२५६	१६ धारसा	धरसां
२५८	१० गाडरनै	गाडर नै

पृ. क्रौ.	पं. अशुद्ध	शुद्ध
२६०	६ तिांणन्	तिणान्
२६१	२८ बीस वर्ष तक करण	बीस वर्ष तक लघु करण (करण-गंहलो)
२६५	८ वडो	वडी
२६५	१६ चूक लियो	चूकलियो
२७१	४ पाटख	पाटण
२७२	१ प्रिथीरो रूप	प्रिथी बर रो रूप
२७२	१२ उभरणी	उभरणी
२७२	१७ ठाणियो	ठाणियो
२७३	२१ देवताएं	देवताआं
२७५	४ पाछे	पछे
२७६	२२ वडा	वडो
२७७	२ मुगले	मुगले
२७७	६ सिधपुरथी कोस ११ बिबसरोवर	सिधपुर थी कोस ॥० [आधो] बिबसरोवर
२७९	६ बलूहुळ	बलू हुल
२८२	१७ गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३	१७ तरै सो नाहरखान	तरै सो॥ नाहरखान
२८४	१७ इणेसो रायमल	इणे सो॥ रायमल
२८६	२१ राणो आय पगे लागो	राणो आय पगे लागो
२८७	१ २४ सखासु	सरवासु
२८७	१ २५ अहदय	बृहदय
२८८	१ १४ संघदीप	सघदीप
२८८	२ ११ प्रछेनधन्वा	प्रछेनधन्वा
२८९	१ ५ अयवयं	बृहवयं
२८९	१ १८ अतरिष्य	अतरिष्य
२८९	१ २२ वरदी	वरही
२८९	१ २४ रांणजराय	रांणकराय
२८९	१ २५ सजोसराय	सुजसराय
२८९	२ २ सुधोन	सुधोन
२९०	२ २ जानरदेव	जानरदेव
२९०	२ ३३ 'चप्रभुज' और 'भीलो' के बीच 'रामसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपसी' ये चार नाम और हैं।	
२९०	२५ भीवसी, राजा बी मासरे हुषो	भीवसी, राजा मास २ हुषो,
२९०	२७ बूलहदेवने अपने तुवरको ग्वालियर दे दिया।	बूलहदेव ने अपने भामजे तुवर को ग्वालियर दे दिया।

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
२६१ १ ५ सल्हेदी	सल्हेदी
२६३ १८ भोजारी	भोज री
२६६ २५ सिवन्नहा	सिवन्नहा
३०० ११ हंदायल	हंदाळ
३०१ २१ राज जगनाथ	राजा जगनाथ
३०२ ६ मुंदडा	मुहडा
३०२ ७ सलेहजी	सलेहवी
३०७ १ १५ सर्दाण माहे	सर्दाणा माहे
३१० २ २४ राजरं	राजा रं
३१३ १ १२ मोहारि	मोहारो
३१४ २७ रामके	राम ने
३१५ २ ११ २३ बूहो ४। सुरजनरा ।	} २३ बूवो । } २४ सुरजन राव ।
३१६ १ १५ वाघवत	वाघावत
३१७ २ } १० मारियो २ । रतने } ११ वासावतरा	मारियो । १८ रतनो वासावत ।
३१८ २ १६ मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रं गांव
३१८ ३० तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है ।	तकिया मनोहरपुर के ताला गांव मे पहाड़ी पर बना हुआ है ।
३१९ १ १८ बंठास	बंगस
३१९ २४ अमरपुर	अमरसर
३२० १ १४ जैतसिध अग्रसेणरो	जैतसिध अग्रसेण रो
३२० २९ रसायलने	रायसल ने
३२३ २६ खोह	खोहरी
३२४ अतिम तब शाहपुरा पट्टे में बिया था। इसकी मा स्वालख की (नागोर परगना की) जाटनी थी ।	तब शाहपुरा पट्टे में बिया था । बलभद्र नारायणवासोत आया तब उसने मारा । इसकी मा स्वालख की (नागोर परगना की) जाटनी थी ।
३२० १ ७ बटा	बेटा
३३५ ८ मारवारो	मारवां रो
३३६ २६ थी	था
३४६ २ १७ धावे	धावै
३४९ ३ घररा	घर रा
३४९ १८ आधीसर	साधीसर
३४९ २४ लना नहीं आता	लेना याव नहीं आता

पृ. काँ.	प. अशुद्ध	शुद्ध
३५०	१ मैराज	मेहराज
३५०	४ हू मैराजनु मराइस हेवै कटक खाचियो ।	हू मेहराज नूं मराइस । हेवै कटक खाचियो ।
३५०	६ बोलाळ	बाहाऊ
३५०	६ सोना- १० तरा दैणां कबूल किया ।	सो नातरा देणा कबूल किया ।
३५०	११ जाभवा घोडेरो गुढी	जांभ वाघोडे रो गुढी
३५०	१६ सोवत	सोवत
३५१	१२ हरभमटी	हरभम ही
३५१	१३ गार	गोर
३५१	१६ विकू कोहर करमसियोत मारियो	वीकूकोहर केहर करमसीओत मारियो
३५२	८ राघो	राघो
३५३	१३ रूपोचा	रूपेचा
३५५	१ २२ वोपो	चांपो
३५७	२० तेगियां, तिलक	तेगियां-तिलक
३५६	२ १० गांगारा	गांगा रो
३५६	२ १३ टोकै	टीकै
३५६	२ २० दासोत मारियो	दासोत मारियो
३६०	१ १३ ऊदो हमीररो हमीर, १४ यिरो अघतारदेरो ।	ऊदो हमीर रो । हमीर यिरा रो । यिरो अघतारदे रो ।
३६०	२७ हमीर श्रीर यिरा अघतार- देव के वेंटे ।	हमीर यिरा का श्रीर यिरा अघतारदे का ।
३६५	६ पाकररी	पारकर री

भाग २

१	११ वंसणा	वंसण रा
१	२ २२ पीरोजशाह	पीरोसाह
२	२ ७ रूपसी, जैसलमेर गांवका छै ।	रूपसी, जैसलमेर रै गांव काछै ।
२	२ १० उरगो	ऊगो
२	२५ जैललमेर	जैसलमेर
३	२ दावळ राजरा पोतरा	दावळ मूळराज रा पोतरा
३	२० ताणुकोट	तणूकोट
४	२ खालनांरी	खालता री

पृ. क्र. कां. प.	अशुद्ध	शुद्ध
४	५ झरो	झूरो
४	११ वासणीपी	वासणपी
४	१७ मालगाडो	मालागडो (मालगडो)
४	१८ टोवरियाळो	टावरियाळो
४	२१ १ कीलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गाव
४	२२ १ गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४	२४ उनावा	उनाव
५	११ घुळाया	घूळिया
५	१४ मुहारारं	मुहार रं
५	१६ भोग अखं	भोग आवं
६	१२ नेगरडो	तेगरडो
६	१३ आरम	आरग
६	१७ भूण कामळारी	भुणकमळा रो
६	१७ दहोसतोप	दहो सत्ता रो (?)
६	२० समत १७००	संमत १७२०
७	८ रु० १५०००)	रु० १५००)
७	९ वावर करी	वाव रा करि
७	२४ लिखी जाने वाली	ली जाने वाली
८	७ रु० ३१००)	रु० ३१०००) री ठोड
८	९ म० २०००)	म० २००००)
८	१० म० १०००)	म० १००००)
८	१५ मुंहारा	मुंहार
८	१६ खडाळा	खडाळ
८	१८ दिसं	दिसी
८	२२ खाडर	खाडाळ
१०	१ १५ अभाहरिया	अभोहरिया
१०	२८ वींहाडा	वींठाडा
११	१ वींभोतो	वींभोतो
११	२३ वाप	वाप
११	२६ नामींकी शाखाएं	नामीं की इतनी शाखाएं
१२	१ वापसू	वाप सू
१२	४ वाप । वावडी	वाप । वावडी
१२	१५ नीबलायां	नींबाळिया
१२	१६ भूका	भूखा
१२	१४ पोहडरा	पोहडा रा

पृ. कॉ.	पं. अनुद्ध	शुद्ध
१३	१ नाहवार	नहवर
१३	५ मालो	माली
१३	१२ वोलायो छँ	वाळियो छँ (वळियो छँ)
१४	१ मारण	मारणा
१५	२ जसल	जेसळ
१६	१० भखछ	भरवछ
१७	२ ३ लणोट	तणोट
१७	२६ ह ककर	कह कर
१८	४ विजैरावनू	विजैराव तू
१८	६ घरहाहा	घरिहाहा
१६	१२ घरहाहारा	घरिहाहां रा
१६	२८ घरहाहारी	घरिहाहां री
१६	२६ भाइयो ने पकित में से	भाइयो ने रतन को पकित में से
२५	२७ लाघ	लाप
२६	२४ तब अपनी अथसे इतितक	तब अपनी बात अथ से इति तक
३१	३ वाघसूता	वाघसू ता
३६	१० ऊपाई	ऊ पाई
३७	५ सहस बीस हण सुवग सद् ढोला सम चलत	सहस बीस साहण सुचग सद् ढोलां सम चालत
३७	८ खळ हण	खळहळ
३८	१६ घणी १७ सारख	घणी साख
३६	२ १४ तेजसी बडो	जेतसी बडो
३६	२१ रावळ लखसेन	रावळ लखणसेन
४१	१ निसींगड़ी गांघरै	सु तिसींगड़ी गाव रै
४१	२ नीसरियो	नीसरिया
४२	१३ मंडळ परै	मंडळप रै
४२	१७ सोनगरी सेम्बवाळो	लोनगरी रो सेम्बवाळो
४३	१६ घातण लागी	घातण लागी
४४	१३ कवरो सत्र	कवरां-सत्र
४६	१ सिघारै	सिघारै
४६	२ तरै कोड़ी	तेरै कोड़ी
४६	१७ रमण घणी	रमण री घणी
५१	१७ उबार रापो ^१	उबार राखो ^२
५१	२३ पाट में सेकर निकल गया	पाट में डाल और लेकर निकल गया

पू. काँ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

५१	२७	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे	28	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे
५३	२७	घरतीकी लौट आया		घरती की लौटा लाया
५४	२०	बांसापी		बांसा पी
५४	२०	घोडांरो		घोडां रो
५६	२४	हाथीकी		हाथी का
५६	२५	होनेकी		सोने की
५८	१६	सातळ सोह हमीर दे		सातळ सोम हमीरदे
६७	१३	च्यारा हीरा		च्याराही रा
६७	२६	घड़सीने नमाज पढते हुए		घड़सी, नमाज पढते हुए
६७	३०	सलवार से सिर		सलवार से उसका सिर
६९	११	जुथाहरा		जु थाहरा
७०	३	लणग		लूणग
७१	७	मुकालबे (बल)		मुकालबे
७२	८	वरगाहस		दरगाह सूँ
७४	१४	जोगी		जोगी
७६	१८	केहरो		केहर रो
८०	२६	बे ॥		बेटा
८१	१८	गांगारा		गागा रो
८७	१०	एकर		एकर (एक बार)
८९	१९	साभ्त		सोभ्त
९२	१७	दोहीतो		दोहीतो
९४	४	पतियो		तपियो
९६	१	२५ पाखती		पाखती
९७	१	७ सळीवे		सौलवे
९७	२२	सोळवेकी		सौलवे की
९८	१	१३ रावळ कलारी वेटी		शंभकधर रावळ कलारी वेटी
९८	२५	वेटी भीमने		वेटी रामकृषरि की भीम ने
१०६	२८	टोहिया		टोहिया
११६	१३	घणो		घणी
११७	१६	मची		मोच
१२९	३	सांमीदास		सांमदास
१३२	७	बल्		बलू
१३७	८	चाच		चाचो
१३९	२७	कान्ह मानसिह का वेटा		मानसिह कान्ह का वेटा
१४०	१७	बुधरो		बुधेरी

पृ. कां. प अशुद्ध

शुद्ध

१४०	२० टोको	टीको
१४२	२२ मेलूरो	मेलू री
१४३	३ आको	आको
१४५	२ जोगी	जोगी
१४५	८ हमीरार	हमीर रा
१४८	१ रूपसोयात	रूपसीश्रीत
१५१	२० रायमत राणावत	रायमल राणावत
१५६	२२ सिधलोकै	सीधलों के
१५६	१० अजळदास	अचळदास
१६३	२८ फलोधीम	फलोधी मे
१७२	१५ बुखटो	बुरवटो
१७३	२८ गाव दे दिया था ।	गाव दिया था
१७७	२६ चिहू	चिह्न
२१३	६ म्हेजामनू	म्हे जाम नू
२१५	१७ आहूर	आहूठ
२१५	१६ सुतन बभ वंस सम मीढिजै,	सुतन बभ वंस सम मीढिजै माल सुत,
२१५	२३ हेतुवां अलेखे खँग देखे गहर घडो,	हेतुवा अलेखे खँग दे खँग हर,
	२४ लोहडां बडम आंक वळियो ॥४॥	घडो लोहडां बडम आंक वळियो ॥४॥
२१६	१७ घाघांसू	घोघांसू
२१६	२० भाद्रेसर	भाद्रेसर
२१६	२५ २० नाम पर । भाद्रेसरको	१० नाम पर । ११ भाद्रेसर को
२१७	२२ चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२२०	१३ मांडो	माडा
२२०	२० जेठवो, भीम, काठी, हाजो, वाढेल, भाण	जेठवो भीम काठी हाजो, वाढेल भाण
२२१	१५ घोणोद	धीणोद
२२२	६ आघी	आयो
२३१	२३ टिप्पणी ६ इस प्रकार पढिये—	
	जिस फूल से घाडी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है । हे लाखा महाराण । तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लौट आ ।	
२३५	८ घाळ	वाळ
२३६	२ तिण ऊनडरै	तिण सम ऊनड रै
२३६	१३ तो सत बोलै छै	ऊ तो सत तोलै छै
२४१	१७ मांगी	मांग

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
२४२ २० सिधुरी साईयां	सिधु रीसाईयां
२४४ शीर्षक जसा घबळोत	जसा हरघबळोत
२४८ १२ आणी	अणी
२५२ २६ शत्रुदल	शत्रुदल
२५३ १६ आया । तळाघ	आया तळाघ
२६४ १ ४ गोमळियावास	गोमळियावास
२७६ २७ मोहिलों को	गोहिलों को
२८५ १६-२६ टिप्पणी तनुकृत समझें पृ. २८४ में आ चुकी है ।	में आ चुकी है ।
२९९ १२ जोयने	जायने
३०४ १६ वीरभजी	वीरमजी
३०८ ३० भारा=घासका वड़ा भार, बडल	भारा=घास का एक परिमाण
३११ ८ आयन	आयने
३१५ १४ हुसो	हुसी
३१७ २७ ऐसी चली कि । उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१९ १६ ढाढ	ढाढी
३२३ ५ ऊठ	उठ
३२३ १० गोगाजीने	गोगादेजी
३२६ २६ बठलाया	बिठलाया
३२५ १२ धोड़ारी	धोड़ा री
३३६ २३ चंडाजीने	चूंडाजी ने
३४२ १७ जोघ	जोध

भाग ३

५ १२ विचारयो	विचारियो
८ १४ विसिलि	विसिली
११ ७ पहीडो	पहीडो
१४ २५ वशमास	वशमांश
३१ १५ बटी	बेटी
३३ १४ मात्रे हीसूं	मात्रेही सू
३४ १० देवरो	देवराज रो
३६ १६ कान्हा	कन्हा
५६ २६ तवशाह	वावशाह

पृ. काँ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
६० १० अंनैर	अंनै रै
६० १७ थोरो	थोरी
६१ ११ पावूजो	पावूजी
६२ १३ संकळपो	संकळपी
६२ १६ तैरो	तैरी
६३ १७ आदमो	आदमी
६४ २० लेणो	लेणी
७५ ८ बीमाह	बीमाह
७६ ११ जीवै	जीवै
८२ २ बोलाडै	बीलाडै
९२ १३ ससक	ससकै
९४ १७ कह्यो	कह्यो
१०३ २६ महने	हमने
१२१ २ भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१ १२ दीठो जाईयैरै जे	दीठो—जा ईयैरै, जे
१२१ १७ भोमता मानो,.....न छै	भो मता मानो,.....न छै ?
१२१ १६ धिक्कार है रे भादेवाला !	धिक्कार रे भादेवाला !
१२१ २० अचछी हडिया चाटी रे !	अचछी हडिया चाटी !
१२१ २४ निकला	निकला
१३२ १ रिणघोरजी	रिणघोरजी
१३२ ११ सोनगरान	सोनगरा नू
१३५ ६ तोमरे	तो मरै
१४४ १२ तहराँ	साहराँ
१४४ { १३ आव, मांचे	आव, मांचे सूय ।
{ १४ पण सूय ।	
१५६ ५ इण सौको	इणसौ को
१६६ ७ रडवांषण	रड रांषण
१७३ २३ खेडुचा	खेडुचा
१७८ १ २० असमजस	असमजस
१७६ १ २३ वृहव्वल	वृहव्वल
२०१ २८ दूट गुये अ राजा	दूट गुये श्रीर राजा
२०७ ३२ प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८ १ ६ माहेर्णासिघजी	मोहर्णासिघजी
२२६ २५ कणाग्या	काणाग्या
२२६ १३ घांपूसर	घांपूसर

पृ. क्रं.	पं.	मशुद्ध	शुद्ध
२३१	७	वैणारीत	वैणार्त री
२३३	१	पडिहारारी	पडिहारा री
२३६	१४	सजन	साजन
२४१	७	विगावो	विगोवो
२४७	२६-२७	कुवर पृथ्वीराजने ... लड़ाई लड़ी ।	राणा रायमल के वे पृथ्वीराज से बड़ी लड़ाई लड़ी ।
२४८	१५	दीष	दीषी
२५५	१३	बहेलवो	बहेलवै
२५६	२०	गोयामणाके	गोयाणा के
२६५	४	मळैजीरै	मेळैजी रै
२७७	४	चक्र तीरष	चक्र तीरष
२७७	१२	चित्र (?) तीर्य	चक्र तीर्य
२८८	१०	रुपिय	रुपियों
२८८	२५	सगतावत	सांगावत
२९३	६	गोळियैसं	गोळियै सुं

भाग ४

नामानुक्रमणिका

३	२	५	सांवत श्रोत	सांवतसीश्रोत
४	१	२६	अडमाल	अडमाल
४	२	२५	अनुरुध	अनुरुध
५	१	१६	पियो रो	पियोरो
७	१	११	आबा	आबो
७	१	३०	आपमलसूरा	आपमल सूरा रो
१३	१	१६	त	ती.
१३	२	१६	करमसा	करमसी
१५	१	१५	कश्यप	कश्यप
१५	२	११	४०, ४१, ४२	कान्हडवे रावळ वू. ४०, ४१, ४२
१६	१	२३	कलहो	केलहो
२०	२	२४	खांत खानो	खानखानो
२४	२	२६	गोपादासळ	गोपाळदास
२५	१	२३	८८ के पहले 'वू'	
३७	१	३४	चरडो	चरडो
२७	२	१४	चांदसे	चांदसेह

पृ. क्रॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

३५ २ ८ जैब्रह्म	जैभ्रम
३६ २ २८ ब्रहा	ब्रुवा
४१ १ २२ दळदत	दळपत
४६ १ २६ घुघळियो	घुघळियो
५२ १ २४ गोदा रो	गोदारो
६३ १ १३ भोजा दत्य	भोजादित्य
६३ २ १ भोपत	भोपत
७७ २ अतिम २०६ के पहले 'बू.'	
८१ २ १४ वोडी	वोडा रो
८४ १ २६ वतजागदे	वरजांगदे
८५ २ ११ घाघो	घाघो
८८ १ २८ वोवो राव	घीवो राव
८९ १ ८ घीरमदे राय	वीरमदेव, राय
१०१ २ ३५ सुरथ	सुरथ
१०२ २ २१ वालासो	वालीसो
१०३ १ १३ सूरसिंह	सूरसिघ
१०६ ७ पुरुष	पुरुष
११४ २ ५ वीकानरी	वीकानेरी
११५ २ ३ रायकवर	रामकवर
११५ २ १६ महार्सिघ रो रांण ।	महार्सिघ रो रांणी
११७ १ ६ सोढ	सोढी
१२० १ ८ त	ती.
१२७ २ २२ खूहडा	खूहडी
१२९ २ ३२ घणोल	घणोली
१३२ २ १५ जाभोरो	जांभोरो बाभणा रो
१३६ २ १३ तिलायला	तिलायली
१५२ १ ७ मेरवाडो वड	मेरवाडो वडो
२६७ २ ७ घाणरा-रो-घाटो	घाणेर-रो-घाटो
१६८ २ ३२ मागरा	मगरा
१६८ २ ३३ नींबलियो	नींबलियो
१७५ १ २१ पाळ साग	पाळी-साग
१७७ २ ७ मऊ-दुष्काल (पीडित प्रजा)	मऊ (दुष्काल पीडित-प्रजा)
१८२ २ ३२ गोगावेनी	गोगावेनी
१८३ १ १० च	चद्र

पृ. क्र. प. प्रशुद्ध

शुद्ध

पद विरुदादि

१६५	१ श्रीरगजेव रा विरुद	श्रीरगजेव का विरुद
१६५	६ इद्र	इद्र
१६६	२७ काल	काले
२०७	३ जलन	जलने

शुद्धि पत्र

२१०	१	१ अभनमी	अभनमो
२११	२	२ मारवाडी भाषा का	मारवाडी भाषा की
२१५	१	७ बड़ो इतवाय	बड़ो इतवाद
२१५	२	१ कुसळसिधशु	कुसळसिध
२१७	२	१५ महा रोरघ	महा रोरवं
२२४	२	२७ सेभवाळा	सेभवाळो

भूमिका

३	१	ऐतिहासिक	••बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७	५'		५
१२	२२	यद्य		गद्य
१३	१३	जवादि, जलहर (जलकीडा)		जवादि-जलहर (जलकीडा);
१३	२०	राजनै तक		राजनैतिक
१३	२१	विभिन्न		विभिन्न
१६	७	वशावलियां		वशावलियां
२०	१५	स्थामी । द्रोह		स्थामी-द्रोह
३६	२४	बहुतश्रुत		बहु-श्रुत